राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 7 अंक 349

मूल्य ₹8 .00 नई दिल्ली, सोमवार, 27 मई, 2024

www.jagran.com

पृष्ठ 14

वर्क फ्राम होम सुना था, वर्क फ्राम जेल पहली बार सुना >> 4

जागरण विशेष

टोनर रिसाइक्लिंग कर घटा रहे ई-वेस्ट का पहाड़

कानपुर : आइआइटी कानपुर की स्टार्टअप कंपनी दुनियाभर में बन रहे ई-वेस्ट के पहाड़ को घटाने के काम में जुटी है। इसके लिए यह टोनर रिसाइक्लिंग कर सस्ती कार्ट्रिज उपलब्ध करा रही है। ● पेज-7

संपादकीय

विवेक देवराय

आदित्य सिन्हा

समृद्ध और सशक्त भारत की रूपरेखा : व्यापक सुधारों, समावेशी वृद्धि और जनसांख्यिकीय एवं आर्थिक संभावनाओं का लाभ उठाकर समृद्ध-विकसित राष्ट्र का सपना साकार किया जा सकता है। **विवेक देवराय** और **आदित्य सिन्हा** का सुझाव।

जजों की छुट्टियों पर बेजा बहस : कानूनी संस्कृति में व्यापक बदलाव के बिना केवल जजों की छुट्टियों में कटौती करने से कुछ हासिल नहीं होने वाला। **डा. बजेश कुमार तिवारी** का दृष्टिकोण। ● पेज-8

विमर्श

डिजिटल भविष्य की ओर बढ़ता भारत : देश में आम चुनाव की प्रक्रिया जारी है। मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किए जाने की सलाह दे रहे हैं, **डा. कन्हैया त्रिपाठी**।

लोकतंत्र में परिवर्तन की सूत्रधार : केंद्र सरकार ने महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में अनेक कार्य किए हैं। लिहाजा महिलाएं उन्हें ही अपना वोट दे रही हैं, जिनसे उन्हें सामाजिक सुरक्षा के साथ इज्जत भी मिली है। **मनु त्यागी** का आलेख। ● पेज-9

मुद्दा

अपरिहार्य कारणों से **मुद्दा पेज** 27 मई के अंक में प्रकाशित नहीं किया जा रहा है। सुधी पाठकों को यह पेज **28 मई** के अंक में पढ़ने को मिलेगा।

सप्तरंग

दैनिक जागरण

साहित्य और संगीत का

यद्यपि शुद्धं लोक-विरुद्धम्

युवाओं को शांति व ऊर्जा देता है शास्त्रीय संगीत ● पेज-13

महासमर 2024

2024 तो एक ट्रेलर है, लेकिन 2027 के लिए भाजपा का रास्ता साफ दिखाई पड़ रहा पेज>>3

पंजाब को फिर से आतंकवाद की आग में जलने नहीं देंगे : शाह पेज>>4

विपक्ष ने छेड़ा ईवीएम से 'छेड़छाड़' का राग पेज>>5

पिछड़ों के प्रति ममता बनर्जी का अन्याय रंगे हाथों पकड़ा गया है : पीएम मोदी

लोकसभा चुनाव अब समाप्ति की ओर है और हर तरफ से दावों को लेकर मुखरता बढ़ गई है। रोचक तथ्य यह है कि घोषणापत्र में चाहे कुछ भी कहा गया हो, कोई एक मुद्दा पूरे चुनाव में सबसे ज्यादा हावी रहा तो वह है आरक्षण का मुद्दा। हाल ही में कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले में बंगाल सरकार की ओबीसी की एक सूची को गैरकानूनी बताए जाने के बाद थोड़ी और गर्मी बढ़ी है। भाजपा के सबसे बड़े स्टार प्रचारक व **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी** भी चुनाव अभियान में यह स्पष्ट करने में कोई कमी नहीं छोड़ रहे हैं कि विपक्ष की नीयत ठीक नहीं है। दो महीने से अधिक लंबी अवधि वाले इस चुनाव के दौरान **दैनिक जागरण** के राजनीतिक संपादक **आशुतोष झा** ने दूसरी बार प्रधानमंत्री से कुछ मुद्दों पर बात की। पेश हैं मुख्य अंश :

> देशभर का पिछड़ा, दलित, वंचित और आदिवासी समाज ममता को माफ नहीं करेगा

> लोगों के मन में भाजपा को लेकर 2014 में एक उम्मीद थी, 2019 में एक विश्वास था और 2024 में एक गारंटी है

> शहजादे के मन में मोदी को लेकर इतनी नफरत भर गई है कि जो लोग मुझसे बात करने आ रहे हैं, उनके बारे में भी अनाप-शनाप बोलने लगे हैं

● **चुनाव लगभग संपूर्ण हो गया है। आपने काफी लंबा प्रचार किया है। क्या आप संतुष्ट हैं कि आपकी बात लोगों तक पहुंच गई? अब भाजपा को मिलने वाली सीटों का कोई ठोस आंकड़ा देंगे?**

– चुनाव को मैं एक उत्सव की तरह देखता हूं। मेरे लिए यह पूरे देश में जनता जनार्दन के दर्शन का अवसर है। इतनी बड़ी संख्या में लोगों से मिलना, संवाद करना, उनके साथ समय बिताना, इससे कई सारे नए अनुभव होते हैं। इस बार के चुनाव में मैंने देश की हर दिशा यानी उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम में बहुत दौरे किए। मैं नार्थ ईस्ट कई बार गया। इस दौरान मैं जहां भी गया, वहां जनता का अभूतपूर्व समर्थन मिला।

जनसमर्थन और जनता का प्यार मुझे 2014 और 2019 के चुनाव में भी मिला था, लेकिन इस बार लोगों का उत्साह पहले से कहीं ज्यादा है। इसकी एक खास वजह है। लोगों के मन में भाजपा को लेकर 2014 में उम्मीद थी, 2019 में एक विश्वास था और 2024 में एक गारंटी है। लोगों को भरोसा है कि काम तो मोदी ही करेंगे। विकसित भारत बनाने की प्रतिबद्धता सिर्फ भाजपा में है।

आप सीटों का आंकड़ा पूछ रहे हैं तो जो संख्या हमने चुनाव अभियान के शुरू में दी थी, वही अब भी है। पहले चरण से लेकर अब तक हर वोटर 400 पार के नारे पर ही चर्चा कर रहा है। 400 पार का आंकड़ा जनता के बीच से आया है और इसे लोगों ने पूरी तरह अपना लिया है। देश की जनता 400 पार के नारे को सच करके दिखाएगी।

● **इस बार आपका एक नया रूप दिखा। जिस तरह आपने मीडिया के साथ बातचीत बढ़ाई और एक रिपोर्टर्स पीएम के रूप में हर इच्छुक पत्रकार को समय दिया, इसकी रणनीति क्या थी?**

– हर चुनाव में मेरी कोशिश यही होती है कि मैं मीडिया के ज्यादा से ज्यादा साथियों से बात कर सकूं, साक्षात्कार दे सकूं। 2014 और 2019 में भी मैंने ये प्रयास किए थे। मीडिया के साथियों से मुझे बहुमूल्य फीडबैक मिलता है। ये जनता के पास अपनी बात पहुंचाने का एक अच्छा माध्यम होता है। दूसरी तरफ आप देखिए कि मीडिया को लेकर 'शहजादे' की भाषा का स्तर कितना गिरता जा रहा है। उन्होंने अब मीडिया पर हमला करना शुरू कर दिया है। उनके मन में मोदी को लेकर इतनी नफरत भर गई है कि जो लोग मुझसे बात करने आ रहे हैं, उनके बारे में भी अनाप-शनाप बोलने लगे।

● **बंगाल में ओबीसी को लेकर हाई कोर्ट का एक फैसला आया है जिसमें प्रदेश सरकार की एक सूची को रद कर दिया गया। ममता बनर्जी कह रही हैं कि यह भाजपा ने करवाया है। कह रही हैं कि कोर्ट में भाजपा और आरएसएस के लोगों का जमावड़ा है। आप इस पर क्या कहेंगे?**

– ममता बनर्जी क्या कह रही हैं, यह महत्वपूर्ण नहीं है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कोर्ट ने क्या कहा है। कोर्ट ने इसे पूरी तरह से असंवैधानिक और गैरकानूनी बताया है। एक अच्छी बात यह हुई कि यह फैसला तब आया है जब देश में इसे लेकर एक चर्चा छिड़ी हुई है। देश का जो ओबीसी-एससी-एसटी समाज है, वह बहुत व्यथित है। उनमें बहुत गुस्सा है। जो हक बाबासाहेब के संविधान ने उन्हें दिया है, वह कोई सरकार उनसे छीनकर मुसलमानों को नहीं दे सकती है।

ममता बनर्जी की सरकार का जो पाप है, जो पिछड़ों के प्रति अन्याय है, उसे रंगे हाथ पकड़ लिया गया है और देशभर में इन लोगों के चेहरे बेनकाब हो गए हैं तो थोड़ी बौखलाहट तो रहेगी ही। यह तो पक्का है कि देशभर का पिछड़ा, दलित, वंचित और आदिवासी समाज उन्हें माफ नहीं करेगा।

काशी ने मुझे बनारसी बना दिया है >> पेज 6

दिल्ली के अस्पताल में आग से छह नवजातों की मौत

आग लगने के वक्त भर्ती थे 12 नवजात, संचालक और डाक्टर गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- विवेक विहार में अवैध रूप से चल रहा था बेबी केयर न्यू बोर्न अस्पताल
- घटना के बाद नवजातों को छोड़ जान बचाकर भाग गए डाक्टर और नर्स
- अस्पताल का मार्च में खत्म हो गया था पंजीकरण, घटना की जांच के आदेश

राजधानी के विवेक विहार के बेबी केयर न्यू बोर्न अस्पताल में शनिवार रात लगी भीषण आग में झुलसकर छह नवजातों की मौत हो गई। मार्च में ही अस्पताल का पंजीकरण खत्म हो गया था, दमकल की एनओसी भी नहीं थी। अवैध रूप से चल रहे अस्पताल में घटना के बाद रेस्क्यू किए गए 12 में से पांच नवजातों को ईस्ट दिल्ली एडवांस एनआइसीयू अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। हादसे के वक्त अस्पताल में दो डाक्टर, छह नर्स और एक सुरक्षाकर्मी मौजूद था, जो नवजातों की परवाह किए बिना अपनी जान बचाकर भाग खड़े हुए। हादसे के 12 घंटे के बाद पुलिस ने अस्पताल संचालक डा. नवीन खीची व डा. आकाश को गिरफ्तार कर लिया। संचालक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या समेत कई धाराओं में प्राथमिकी की गई है। आग लगने के सही कारणों को पता नहीं चल सका है, हालांकि दमकल और पुलिस शार्ट सर्किट के एंगल से भी जांच कर रही है। पुलिस ने दमकल विभाग और श्रम विभाग के विद्युत इंस्पेक्टर से भी रिपोर्ट मांगी है। दिल्ली सरकार और उपराज्यपाल ने मामले में जांच के आदेश दिए हैं।

शाहदरा के पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि शनिवार रात 11:30 बजे दो मंजिला अस्पताल में आग लगने की सूचना मिली थी। अस्पताल पांच बेड का था, जबकि 12 नवजात भर्ती थे। न अग्निशमन यंत्र थे और न ही निकास की उचित व्यवस्था। अस्पताल में बीएएमएस डा. आकाश को इलाज के लिए रखा गया था। नियमानुसार, वह बच्चों का इलाज नहीं कर सकते, इलाज के लिए एमडी की डिग्री होनी चाहिए।

सिलेंडर फटने से हुआ हादसा पेज>>2

दिल्ली के विवेक विहार स्थित दो मंजिला बेबी केयर सेंटर में लगी आग (स्क्रीन शाट)। एएनआइ

बेबी केयर सेंटर का गिरफ्तार मालिक नवीन खीची। एएनआइ

दिल्ली के विवेक विहार स्थित बेबी केयर सेंटर में आग लगने के दौरान नवजातों को निकालते स्थानीय लोग। सौ. सुधी पाठक

अभिभावकों को नहीं दी सूचना

अस्पताल में भर्ती नवजातों के अभिभावकों को पुलिस व अस्पताल प्रबंधन ने सूचना नहीं दी। रविवार सुबह टीवी व अखबारों में खबर देखकर वे अस्पताल पहुंचे और बच्चों की मौत होने का पता चला। पुलिस का कहना है उनके पास अभिभावकों की जानकारी नहीं थी।

> दिल्ली के एक अस्पताल में आग लगने की घटना हृदयविदारक है। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। प्रार्थना करता हूं कि जो घायल हुए हैं, वे जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। प्रत्येक मृतक बच्चे के स्वजन को पीएमएनआरएफ से दो लाख रुपये और घायल बच्चे के स्वजन को 50 हजार रुपये दिए जाएंगे। – **नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री**

> घटना हृदयविदारक है। हादसे में जिन्होंने अपने बच्चों को खोया है, उनके साथ हम सब खड़े हैं। सरकार और प्रशासन के अधिकारी घायलों को इलाज मुहैया करवाने में लगे हुए हैं। घटना के कारणों की जांच की जा रही है और इस लापरवाही के जिम्मेदारों को बख्शा नहीं जाएगा। – **अरविंद केजरीवाल, सीएम, दिल्ली**

> अस्पताल में आग लगने की दुखद घटना की जांच के आदेश मुख्य सचिव को दिए गए हैं। पुलिस आयुक्त को सभी आवश्यक चीजें सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी संवेदना है। सुनिश्चित किया जाएगा कि दोषियों को सख्त सजा मिले। – **वीके सक्सेना, एलजी, दिल्ली**

राजकोट गेमिंग जोन में लगी आग मानव निर्मित आपदा : हाई कोर्ट

- गुजरात हाई कोर्ट ने आग लगने की घटना का लिया स्वतः संज्ञान
- शनिवार को लगी आग में 12 बच्चों समेत 35 लोगों की हो गई मौत
- गेमिंग जोन के पास बुकिंग लाइसेंस था, फायर एनओसी नहीं था

कोर्ट ने दिखाई सख्ती। प्रतीकात्मक

अहमदाबाद, प्रेट्र : गुजरात हाई कोर्ट की एक विशेष पीठ ने राजकोट के एक गेमिंग जोन में आग लगने की घटना का रविवार को स्वतः संज्ञान लेते हुए इसे प्रथम दृष्टया 'मानव निर्मित आपदा' बताया है। टीआरपी गेमिंग जोन में एक दिन पहले भीषण आग लगने से 12 बच्चों समेत कम-से-कम 35 लोगों की मौत हो गई थी। गेमिंग जोन के पास बुकिंग लाइसेंस था, लेकिन फायर एनओसी नहीं था।

जस्टिस बीरेन वैष्णव और देवन देसाई की खंडपीठ ने कहा कि ऐसे गेमिंग जोन और मनोरंजक सुविधाएं सक्षम अधिकारियों से आवश्यक मंजूरी के बिना बनाई गई हैं। खंडपीठ ने अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत और राजकोट नगर निगमों के अधिवक्ताओं को निर्देश दिया कि वे सोमवार को उसके समक्ष उपस्थित होकर बताएं कि कानून के किन प्रविधानों के तहत अधिकारियों ने इन इकाइयों को अपने अधिकार क्षेत्र में स्थापित किया या संचालित करना जारी रखा।

न्यायालय ने कहा, हम समाचार पत्रों की रिपोर्ट पढ़कर आश्चर्यचकित हैं, जिनसे संकेत मिलता है कि राजकोट में गेमिंग जोन को बनाने में गुजरात समग्र सामान्य विकास नियंत्रण नियम की खामियों का फायदा उठाया गया है। जैसा कि समाचार पत्रों में छपा है कि ये गेमिंग जोन सक्षम अधिकारियों से आवश्यक अनुमोदन लिए बिना बनाए गए हैं।

राजकोट के पुलिस आयुक्त राजू भार्गव के मुताबिक, स्थानीय पुलिस ने नवंबर 2023 में गेमिंग जोन को बुकिंग लाइसेंस दिया था, लेकिन उसे फायर एनओसी नहीं मिला था।

संचालकों ने आगंतुकों को लुभाने के लिए कम किया था प्रवेश शुल्क

राजकोट : गेमिंग जोन के संचालकों ने सप्ताहांत का फायदा उठाते हुए आगंतुकों को लुभाने के लिए 99 रुपये की योजना शुरू की थी। इस कारण भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी। नतीजतन, आग लगने के समय वहां लगभग 300 लोग जमा हो गए थे। संचालन के लिए कुछ प्रमाणपत्रों को जारी करने के लिए जिम्मेदार अधिकारी भी अब फरार हैं। (पेज-7)

पुलिस ने छह साझेदारों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की, दो गिरफ्तार पेज>>7

केकेआर ने तीसरी बार जीती आइपीएल ट्राफी

चेन्नई के चेपक स्टेडियम में रविवार को खेले गए आइपीएल के फाइनल मुकाबले में हैदराबाद सनराइजर्स को आठ विकेट से हराने के बाद जश्न मनाते कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाड़ी। एएफपी

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

- सनराइजर्स को आठ विकेट से रौंदा, मुंबई और सीएसके के बाद तीन ट्राफी जीतने वाली तीसरी टीम बनी

कोलकाता नाइटराइडर्स ने चेन्नई के चेपक स्टेडियम में रविवार को खेले गए आइपीएल के फाइनल में सनराइजर्स हैदराबाद को आठ विकेट से हराकर तीसरी बार आइपीएल की ट्राफी जीत ली। इसी के साथ कोच गौतम गंभीर और कप्तान श्रेयस अय्यर की जुगलबंदी वाली केकेआर चेन्नई सुपरकिंग्स और मुंबई इंडियंस के बाद आइपीएल की तीन ट्राफी जीतने वाली तीसरी टीम बन गई। इससे पहले टीम ने 2012 और 2014 में खिताब जीता था।

पहले बल्लेबाजी करते हुए सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने अब तक हुए फाइनल का सबसे न्यूनतम स्कोर केवल 18.3 ओवर में 113 रन पर ढेर हो गई। केकेआर की ओर से रसेल ने तीन, स्टार्क ने दो विकेट झटके। कोलकाता नाइटराइडर्स की टीम ने वेंकटेश अय्यर (52*) के दम पर 10.3 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर 114 रन बनाकर जीत प्राप्त कर ली। (पेज 12 भी देखें)

आरेंज कैप : विराट कोहली (741 रन)

पर्पल कैप : हर्षल पटेल (24 विकेट)

42 छक्के सर्वाधिक आइपीएल 2024 में अभिषेक शर्मा ने जड़े, यह किसी भारतीय का सर्वाधिक

700 प्लस रन एक सत्र में दो बार बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने विराट कोहली

सावधान

संगठित साइबर ठगों के गिरोह बेहतर रिटर्न का झांसा देकर लोगों को बना रहे शिकार, शेयर एक्सपर्ट्स के नियमन के लिए नई गाइडलाइंस बनाने पर विचार कर रहा सेबी

शेयर बाजार के आनलाइन 'एक्सपर्ट' कर सकते हैं साइबर ठगी

नीलू रंजन ● जागरण

- आइ4सी एजेंसियों के साथ मिलकर कड़े नियम बनाने पर कर रहा विचार

निवेश से पहले समझें। प्रतीकात्मक

नई दिल्ली : वाट्सएप समेत इंटरनेट मीडिया के तमाम प्लेटफार्मों पर शेयर बाजार के विशेषज्ञ बड़ी संख्या में सक्रिय हैं, जो हर दिन निवेशकों को बेहतर रिटर्न का टिप्स देते नजर आते हैं। इन विशेषज्ञों से सावधान रहने की जरूरत है। ये साइबर ठग भी हो सकते हैं। इंडियन साइबर क्राइम कोआर्डिनेशन सेंटर (आइ4सी) पर साइबर ठगी की मिल रही शिकायतों में बड़े पैमाने पर शेयर बाजार में बेहतर रिटर्न का झांसा देकर होने वाली ठगी की हैं। समस्या यह है कि इसे रोकने के लिए अभी तक कोई कारगर तंत्र विकसित नहीं हो पाया है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) जहां इसके लिए जागरूकता अभियान चलाने पर जोर दे रहा है, वहीं सेबी शेयर बाजार के एक्सपर्ट्स के लिए नई गाइडलाइंस लाने पर विचार कर रहा है, जिसमें एक्सपर्ट्स के पंजीकरण भी शामिल हैं।

आइ4सी के सीईओ राजेश कुमार के अनुसार, दक्षिण-पूर्व एशिया के देश कंबोडिया, लाओस और म्यांमार में सक्रिय संगठित साइबर ठगों के गिरोह शेयर बाजार के एक्सपर्ट होने का झांसा देकर लोगों को निवेश के लिए बरगलाते हैं और शुरुआत में उन्हें लाभ होता दिखाते भी हैं। शेयर बाजार के बारे में इन साइबर ठगों की जानकारी को देखते हुए लोग आसानी से उनकी बात पर विश्वास भी कर लेते हैं और अपनी गाढ़ी कमाई को बेहतर रिटर्न के लालच में उनके कहने पर निवेश कर देते हैं। जब तक निवेशक को ठगी का अहसास होता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। निवेश का पैसा बैंकिंग चैनल से बाहर जा चुका होता है। इसे क्रिप्टो करेंसी या फिर हवाला के जरिये साइबर ठग दूसरे देश में पहुंचा चुके होते हैं। यही कारण है कि शेयर बाजार में निवेश के नाम पर ठगी के मामले में रिकवरी की संभावना बहुत कम रह जाती है। एजेंसियां उतनी ही रकम फ्रीज करने में सफल होती हैं, जो बैंकिंग चैनल से बाहर जाने से बच जाती है।

इंटरनेट मीडिया पर शेयर बाजार के एक्सपर्ट्स की बढ़ती संख्या और इसके माध्यम से आम निवेशकों से ठगी के बढ़ते मामलों को देखते हुए गृह मंत्रालय के मातहत आने वाला आइ4सी के साथ-साथ सेबी और आरबीआइ जैसी वित्तीय एजेंसियां भी सतर्क हो गई हैं। सेबी ने पिछले वर्ष इसके लिए ड्राफ्ट पेपर तैयार किया था, जिसमें ऐसे एक्सपर्ट्स के लिए गाइडलाइंस बनाने की बात शामिल है। माना जा रहा है कि नई सरकार बनने के बाद इन गाइडलाइंस को जारी कर दिया जाएगा। गाइडलाइंस में शेयर बाजार के एक्सपर्ट्स के लिए पंजीकरण को अनिवार्य करने का प्रविधान भी हो सकता है। वहीं, आइ4सी भी आरबीआइ की तरह निवेशकों को जागरूक करने को ज्यादा तवज्जो दे रहा है। राजेश कुमार ने कहा कि वह नियामक एजेंसियों के साथ मिलकर इसे रोकने के लिए कड़े कानूनी प्रविधान करने पर भी विचार-विमर्श कर रहे हैं।

ठगी की आशंका पर 1930 पर दे सूचना

आइ4सी के सीईओ राजेश कुमार ने कहा कि साइबर ठगी की जरा भी आशंका होने पर तत्काल साइबर अपराध की हेल्पलाइन नंबर 1930 या साइबरक्राइमडाटजीओवीडाटइन पर उसकी सूचना देनी चाहिए। इससे संबंधित ठगी के एक्सपर्ट के वीडियो और लिंक को ब्लाक किया जा सकता है और उसके विरुद्ध कार्रवाई के लिए अन्य कदम उठाए जा सकते हैं।

सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे को एक माह का सेवा विस्तार

जनरल मनोज पांडे।

30 जून तक पद पर रहेंगे, चार जून के बाद अब नई सरकार करेगी नए सेनाध्यक्ष की नियुक्ति

नई दिल्ली, प्रेट्र : लोकसभा चुनाव के बीच एक असामान्य कदम उठाते हुए सरकार ने थलसेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे को एक महीने का सेवा विस्तार दिया है। अब वह 30 जून तक इस पद पर बने रहेंगे। वह 31 मई को सेवानिवृत्त हो रहे थे। सरकारी सूत्रों का कहना है कि जनरल पांडे के उत्तराधिकारी की नियुक्ति चार जून के बाद गठित नई सरकार करेगी।

पिछली सदी के आठवें दशक में जनरल जीजी बेवूर को सेवा विस्तार के बाद यह पहला मौका है जब किसी सेना प्रमुख को सेवा विस्तार दिया गया है। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने जनरल बेवूर को एक वर्ष का सेवा विस्तार दिया था।

रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने सेना नियम, 1954 के नियम 16ए(4) के तहत थलसेना प्रमुख जनरल मनोज सी. पांडे को एक महीने का सेवा विस्तार दिया है, जो उनकी सेवानिवृत्ति की तिथि (31 मई) से 30 जून तक है।' खास बात यह है कि उन्हें सेवा विस्तार ऐसे समय दिया गया है जब उनका विदाई समारोह भी आयोजित हो चुका है। वर्तमान में थलसेना के उप-प्रमुख के रूप में सेवा दे रहे लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी, जनरल पांडे के बाद वरिष्ठतम अधिकारी हैं। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी के बाद वरिष्ठतम अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल अजय कुमार सिंह हैं जो सेना की दक्षिणी कमान के कमांडर हैं।

****

1 जनवरी से 15 मई 2024 तक बिना हेलमेट दोपहिया पर चलने वाले 104028 लोगों का हुआ चालान, पिछले इस अवधि में हुए थे 72,313 चालान

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 27 मई, 2024

आज का मौसम

आसमान साफ रहेगा। भीषण लू चलेगी। दिन के समय 20 से 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने का भी पूर्वानुमान है।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
27 मई	46.0	28.0
28 मई	45.0	28.0
नोएडा		
27 मई	45.0	29.0
28 मई	45.0	29.0
गुरुग्राम		
27 मई	45.0	28.0
28 मई	45.0	29.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

लेह जा रहा विमान पक्षी से टकराने के बाद दिल्ली लौटा

नई दिल्ली : लेह जा रहा स्पाइसजेट का विमान एक पक्षी के टकराने के बाद वापस लौट आया। करीब आधा घंटा बाद विमान ने आइजीआइ एयरपोर्ट के रनवे पर सुरक्षित लैंडिंग कर ली। विमान में 135 यात्री सवार थे। स्पाइसजेट की उड़ान संख्या एसजी 123 ने सुबह 10 बजकर 29 मिनट पर लेह के लिए उड़ान भरी। उड़ान के करीब 10 मिनट बाद ही पायलट ने विमान में कंपन महसूस करना शुरू कर दिया। पक्षी विमान की इंजन संख्या दो से टकराया था। इसके बाद विमान ने शामली व पानीपत के नजदीक से दिल्ली का रुख कर लिया। (जासं)

25 साल बाद धुला दहेज के लिए पत्नी की हत्या का दाग

नई दिल्ली : पत्नी की हत्या के आरोप का दाग 25 साल बाद एक पति के माथे से धुल गया। 22 साल पहले याचिकाकर्ता को दोषी करार देने के निचली अदालत के निर्णय को पलटते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने पति को यह कहते हुए बरी कर दिया कि तथ्यों को संदेह से परे साबित करने में अभियोजन पक्ष पूरी तरह से विफल रहा है। अदालत ने कहा कि मामले में पेश किए गए गवाह दहेज उत्पीड़न संबंधी दोनों ही घटनाओं की तारीख, महीना यहां तक की वर्ष नहीं बता सके। (राब्यू, जागरण)

दस-दस पेड़ लगाने की शर्त पर रद की प्राथमिकी

नई दिल्ली : छेड़छाड़ व धमकी देने संबंधी प्राथमिकी को दिल्ली हाई कोर्ट ने दस-दस पेड़ लगाने की शर्त पर रद करने का आदेश दिया है। अदालत ने नोट किया कि दोनों पक्षों ने आपस में समझौता कर लिया है। न्यायमूर्ति अनूप कुमार मेहंदीरत्ता की पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ताओं पर जुर्माना लगाने के बजाए उन्हें दस-दस पेड़ लगाने का निर्देश दिया जाता है। (जासं)

वर्षों से मिलीभगत से नियम विरुद्ध चल रहा था अस्पताल

लापरवाही ▶ पंजीकरण अवधि पूर्ण होने से पहले पांच बेड की अनुमति लेकर लगा रखे थे 16 बेड

बेबी केयर न्यू बोर्न अस्पताल में फायर अलार्म, स्प्रिंकलर और अग्निशमन यंत्र नहीं थे

आशीष गुप्ता ● जागरण

पूर्वी दिल्ली : विवेक विहार के बेबी केयर न्यू बोर्न अस्पताल में वर्षों से नवजात शिशुओं के जीवन से खिलवाड़ हो रहा था। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग की नर्सिंग होम सेल से मिले साक्ष्य के अनुसार मार्च में पंजीकरण अवधि खत्म होने से पहले इस अस्पताल को कागजों में मात्र पांच बेड की अनुमति थी, लेकिन हकीकत में नियमों को ताक पर रखकर इसमें नवजात शिशुओं के लिए 16 नियोनेटल बेड लगाए गए थे। अस्पताल में फायर अलार्म, स्प्रिंकलर सिस्टम और अग्निशमन यंत्र नहीं लगे थे। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग और दमकल विभाग की अनियमितताएं सामने आ रही हैं। इनके अधिकारियों पर मिलीभगत का आरोप लग रहा है। इस अस्पताल की पंजाबी बाग समेत चार ब्रांच हैं।

नियमानुसार एक नियोनेटल बेड के लिए 60 वर्ग फीट जगह होना जरूरी है। ये बेड छोटा होता है, आसानी से आसपास चारों ओर आवाजाही के लिए इतनी जगह का प्राविधान नियम में किया गया है, लेकिन इस अस्पताल में 10 से 15 वर्ग फीट जगह में ही एक-दूसरे से सटाकर बेड रखा गया था। सीढ़ियां करीब दो फीट चौड़ी और घुमावदार थी, जिससे आपातस्थिति में भागना मुश्किल है। भूतल पर संकरी गैलरी है, जिसकी वजह से अधिक दिक्कत हुई।

नई दिल्ली के विवेक विहार स्थित बेबी केयर न्यू बार्न अस्पताल में लगी भयावह आग। वीडियो ग्रैब

इस अस्पताल में प्रवेश और निकासी एक जगह से थी, जबकि नियमानुसार अलग-अलग होनी चाहिए। पीछे की गली की ओर एक कमरे के दरवाजे को अस्पताल प्रबंधन कागजों में निकासी का रास्ता बताते रहे, लेकिन यह हमेशा बंद रहता था। इस कमरे में फोटोथेरेपी और इंक्यूबेटर रखे थे। यही वजह रही कि इस दरवाजे को खोला नहीं जा सका। अस्पताल में फाल्स सीलिंग लगी थी, जो उखड़ कर नीचे आ गई। इस संबंध में शाहदरा के मुख्य जिला चिकित्सा अधिकारी डा. बिमलेश यादव से फोन कर और वाट्सएप के जरिये पक्ष मांगा गया, लेकिन उनका कोई जवाब नहीं आया। वहीं, दमकल विभाग ने भी कोई पक्ष नहीं दिया। शाहदरा डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने पुष्टि करते हुए कहा कि पांच बेड की अनुमति थी और आग से सुरक्षा के इंतजाम नहीं थे।

नगर निगम के दावे को खारिज कर रहे लोग

नगर निगम के रिकार्ड के अनुसार, वर्ष 2015 से यह अस्पताल विवेक विहार की सी-54 बिल्डिंग में भूतल और प्रथम तल पर चल रहा था। यह बिल्डिंग वर्ष 2001-02 में बनाई गई थी, इसका नक्शा स्वीकृत है। निगम की ओर से बताया गया कि इस बल्डिंग में अस्पताल या नर्सिंग होम चलाना मान्य है, क्योंकि इसका भू-उपयोग मिश्रित है, लेकिन आसपास के लोग बता रहे हैं कि सिर्फ चार साल से यह अस्पताल संचालित हो रहा था।

पहले भी विवादों में रहा है बेबी केयर न्यू बोर्न अस्पताल

राकेश कुमार सिंह, जागरण

नई दिल्ली: विवेक विहार में चल रहा डाक्टर नवीन खीची का बेबी केयर न्यू बोर्न अस्पताल पहले भी विवादों में रहा है। इसके बाद भी किसी संबंधित एजेंसी ने इस अस्पताल पर ध्यान नहीं दिया। करीब तीन साल पहले इसी अस्पताल में कश्मीर की रहने वाली एक नर्स ने लगातार ड्यूटी करने से तंग आकर एक शिशु की इतनी पिटाई की थी कि उसके शरीर में कई जगहों पर फ्रैक्चर आ गए थे। डा. नवीन के एक परिचित मुस्लिम परिवार ने शिशु को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था। इस घटना का वीडियो सामने आने पर पुलिस ने केवल नर्स के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया था। डा. नवीन को उस दौरान केवल पांच शिशु को रखने का लाइसेंस था। पुलिस को अब यह भी जानकारी मिली है कि अस्पताल में 20-25 शिशुओं को रखा जाता था।

अस्पताल मालिक डा. नवीन खीची संबंधित एजेंसियों की मिलीभगत से मनमाफिक अस्पताल चलाता रहा और अग्निशमन विभाग समेत अन्य संबंधित एजेंसियां आंख मूंदे रहीं। मार्च में ही इस अस्पताल को चलाने की अनुमति खत्म हो गई थी, फिर भी इस पर किसी का ध्यान नहीं गया। शनिवार देर रात आग लगने से अस्पताल में भर्ती सात शिशुओं की मौत हो जाने के बाद पुलिस ने अब भले ही अस्पताल के मालिक डा. नवीन और एक अन्य डाक्टर को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि जिन एजेंसियों की मिलीभगत से यह अस्पताल अवैध तरीके से चलता रहा क्या उन्हें भी जिम्मेदार ठहराया जाएगा या नहीं? अस्पताल का मालिक डा. नवीन सुरक्षा के मापदंड का पालन कर रहा था या नहीं इसकी जांच करने की जिम्मेदारी अग्निशमन विभाग के अलावा, दिल्ली नगर निगम, थाना पुलिस व दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग की है। बताया गया है कि हाल के वर्षों में डा. नवीन ने एनसीआर में नवजातों के लिए कई अस्पताल खोले, जिनमें कुछ को इन्होंने एजेंसियों से तालमेल न बैठ पाने के कारण बाद में बंद कर दिया।

▶ एनसीआर में नवीन खीची के चल रहे हैं तीन अस्पताल

सिलेंडर फटने से हुआ हादसा

प्रथम पृष्ठ से आगे

अस्पताल की पहली मंजिल पर नवजात भर्ती थे और भूतल पर आक्सीजन सिलेंडर रखे जाते थे। सूत्रों का कहना है कि आक्सीजन गैस रीफिलिंग के दौरान सिलेंडर फटा है, जिससे अस्पताल में आग लगी है। एक के बाद एक 14 सिलेंडर फटते चले गए और आग ने विकराल रूप ले लिया।

आग की लपटों ने पड़ोसियों के घरों को भी अपनी चपेट में ले लिया। इसमें पड़ोस में रहने वाले ललित और धनेजा नाम के व्यक्तियों के घर भी जल गए। पुलिस व दमकल ने पीछे के रास्ते खिड़की से बच्चों को रेस्क्यू किया था। पड़ोसियों का आरोप है कि सूचना के बाद करीब आधे घंटे की देरी से एक दमकल की गाड़ी आई थी। पानी खत्म होने पर वह भी खड़ी रही, उसके बाद एक-एक कर दमकल की नौ गाड़ियां पहुंचीं। घटना में एक एंबुलेंस, एक मोटरसाइकिल और एक स्कूटी भी जल गई।

बड़े से छोटे सिलेंडर में आक्सीजन रीफिल करने का आरोप : पड़ोसियों का आरोप है कि अस्पताल में अवैध रूप से आक्सीजन रीफिलिंग का काम किया जाता था। इसी वजह से अस्पताल का संचालक अस्पताल के अंदर आक्सीजन सिलेंडर जमा करके रखता था। लोगों को बड़े से छोटे सिलेंडर में गैस भरकर दी जाती थी। इस बारे में कई बार संचालक से शिकायत की गई थी, लेकिन उसने ध्यान नहीं दिया। आग लगने से करीब 14 सिलेंडर फटे थे।

आग इतनी भवह थी कि तीन सिलेंडर राकेट की तरह अस्पताल से निकलकर करीब 150 मीटर दूर विवेक विहार आइटीआइ परिसर और सड़क पर गिरे। दो अभिभावकों ने मामले में नवजातों की डीएनए जांच करवाने को कहा है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद नवजातों के शव स्वजन को सौंप दिए हैं।

गुरुग्राम और फरीदाबाद में भी है अस्पताल की ब्रांच

पुलिस को जांच में पता चला कि बेबी केयर न्यू बार्न अस्पताल की चार शाखाएं विवेक विहार, पंजाबी बाग, गुरुग्राम और फरीदाबाद में है। इनके मालिक पश्चिम विहार निवासी नवीन खीची है। वह बाल चिकित्सा में एमडी हैं और उनकी पत्नी जागृति दंत चिकित्सक है। दोनों मिलकर चारों अस्पताल संचालित कर रहे है।

पहले भी लग चुकी हैं दिल्ली के अस्पतालों में आग, मगर बचा ली गई मरीजों की जान

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

राजधानी के विवेक विहार इलाके में आग की दिल दहलाने वाली घटना ने दिल्ली सहित पूरे देश में शौक की लहर है। दिल्ली के किसी अस्पताल में आग लगने की यह पहली घटना नहीं है, पहले भी अस्पताल में आग की घटनाएं होती रही है, मगर इन घटनाओं में किसी तरह से कोई हताहत नहीं हुआ। यदि अस्पतालों में पूर्व में अस्पतालों में लगी की घटनाओं से कुछ सबक लिया होता और विभागों ने सख्ती दिखाई होती तो शायद विवेक विहार का हादसा होता ही नहीं।

2023 में जनकपुरी में नवजात बच्चों के अस्पताल में लगी थी आग, बचाई गई थी 20 नवजात बच्चों की जान : पिछले साल 2023 में नौ जून को रात लगभग डेढ़ बजे पश्चिमी दिल्ली के जनकपुरी की वैशाली कालोनी में स्थित न्यू बोर्न बेबी अस्पताल में आग लगने की घटना सामने आई थी। जिस वक्त अस्पताल में आग लगी थी, तब वहां 20 नवजात भर्ती थे। मगर दमकल कर्मियों ने तेजी से बचाव कार्य करते हुए सभी बच्चों को सकुशल बाहर निकाल लिया था और आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया दिया था।

नई दिल्ली के बेबी केयर न्यू बोर्न अस्पताल में आग के कारण छह नवजातों की मौत हो गई। उनमें से एक पिता विनोद कुमार रोते हुए। प्रेट्र

31 दिसम्बर 2023 को बाबा साहेब अंबेडकर अस्पताल की पांचवी मंजिल पर लगी थी आग : रोहिणी के बाबा साहेब अंबेडकर अस्पताल की पांचवीं मंजिल स्थित यूरोलाजी विभाग में आग लगने से हड़कंप मच गया था। आग बायो वेस्ट में लगी थी और गनीमत रही कि आग को फैलने से पहले ही नियंत्रित कर लिया गया था। आग बुझाने के लिए बहुमंजिला इमारतों में आग बुझाने में इस्तेमाल की जाने वाली ब्रंटो गाड़ी समेत आठ दमकल वाहन अस्पताल पहुंचे थे। आग यूरोलजी विभाग के शौचालय के पास प्राथमिक उपचार के दौरान इस्तेमाल होने वाले बायो वेस्ट में लगी थी।

दिल्ली एम्स में भी हो चुकी हैं आग लगने की घटना : राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली स्थित एम्स के आपातकालीन वार्ड के पास सात अगस्त 2023 को एंडोस्कोपी रूम में भीषण आग लग गई थी। आग ओल्ड ओपीडी की दूसरी मंजिल पर इमरजेंसी वार्ड के ऊपर स्थित एंडोस्कोपी रूम में लगी थी। दमकल विभाग द्वारा सभी मरीजों को सुरक्षित निकाल कर दूसरे स्थान पर शिफ्ट कर दिया गया था। तब आपातकालीन वार्ड को भी सुरक्षा की दृष्टि से बंद कर दिया गया था।

2021 में भी लगी थी आग, कोरोना सैम्पल हो गए थे नष्ट : साल 2021 में भी जून के महीने में एम्स में आग लगने से हड़कंप मच गया था। आग एम्स के गेट नम्बर दो के पास कन्वर्जन ब्लाक की नौवी मंजिल में रात के समय लगी थी। अग्निशमन विभाग की 26 से ज्यादा गाड़ियों ने लगभग डेढ़ से दो घंटे की मशक्कत बाद आग पर काबू पाया था।

चार मंजिला मकान में लगी आग, मां-बेटे समेत तीन की मौत

जागरण संवाददाता, पूर्वी दिल्ली : कृष्णा नगर इलाके में शनिवार देर रात अवैध रूप से बने चार मंजिला मकान की पार्किंग में मीटर के पैनल से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे मकान को अपनी चपेट में ले लिया। मकान में 13 लोग फंस गए। धुएं से दम घुटने पर लोगों की आंख खुली और अफरातफरी मच गई। कई लोग जान बचाने के लिए बालकनी में खड़े हो गए थे। सूचना मिलते ही दमकल व पुलिस मौके पर पहुंची। रेस्क्यू कर सभी को बाहर निकाला और अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां डाक्टरों ने मां-बेटे समेत तीन को मृत घोषित कर दिया। 10 लोग झुलस गए। मृतकों की पहचान अंजू शर्मा, उनके बेटे केशव और पड़ोसी प्रमीला के रूप में हुई है। दमकल की छह गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। कृष्णा नगर थाना पुलिस ने लापरवाही से मौत की धारा में प्राथमिकी की है।

जिला पुलिस उपायुक्त सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि शनिवार रात करीब 2:37 बजे कृष्णा नगर के आजाद नगर में सौ गज के चार मंजिला मकान में आग लगने की सूचना मिली थी।

'चुनौतीपूर्ण रहा दो साल का समय, बहुत कुछ सही करने की जरूरत'

राज्य ब्यूरो, जागरण

नई दिल्ली: दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दो साल पहले 26 मई, 2022 को पदभार संभाला था। 22वें उपराज्यपाल के रूप में पदभार संभालने वाले सक्सेना ने दो साल पूरे होने पर रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा की। एलजी सक्सेना ने कहा कि जब से मैंने पदभार संभाला था, तब से दो साल उनके लिए चुनौतियों से भरे रहे हैं।

एलजी ने इन दो सालों का जिक्र करते हुए कहा कि अलग-अलग कारणों की वजह से शहर पीछे की तरफ गया है, बावजूद इसके हम बहुत कुछ हासिल भी कर सके हैं। एलजी ने पोस्ट में दिल्ली सरकार के बीच चल आ रहे टकराव का सीधे तौर पर जिक्र नहीं किया है, लेकिन उनका इशारा दिल्ली की चुनी हुई सरकार के साथ बरकरार टकराव की तरफ रहा। उन्होंने लिखा कि इन दो सालों में बहुत कुछ ऐसा रहा, जोकि रूक गया। अभी बहुत कुछ ऐसा है, जिसको सही करने की जरूरत है। उन्होंने दिल्ली के लोगों के प्रति भी आभार जताते हुए कहा कि वो उनके प्यार, स्नेह और समर्थन के लिए तहे दिल से धन्यवाद देते हैं।

एलजी वीके सक्सेना ने चुनौतियों और आगे बहुत कुछ करने की इच्छा जताई

गौरतलब है कि सक्सेना के पदभार संभालने के बाद से केजरीवाल सरकार व राजनिवास के बीच कई मुद्दों पर टकराव की स्थिति बनी रही। कई बार यह खुलकर सामने आ चुकी है। दिल्ली सरकार में कार्यरत अधिकारियों के नियुक्ति-तबादले के मामले में खींचतान बनी रही है। पिछले दिनों दिल्ली आबकारी मामले में सीएम केजरीवाल के तिहाड़ जेल में बंद के दौरान भी वह आम आदमी पार्टी के निशाने पर रहे थे। सक्सेना पहले ऐसे व्यक्ति हैं, जिनको कारपोरेट जगत से जुड़े होने के बावजूद दिल्ली का एलजी बनाया गया था। खादी को ग्लोबल ब्रैंड बनाने में उनकी अहम भूमिका रही है।

स्वाति मालीवाल का आरोप, दुष्कर्म व जान से मारने की मिल रहीं धमकियां

राज्य ब्यूरो ● जागरण

नई दिल्ली: आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल ने अपनी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया कि आप नेता और इसके कार्यकर्ताओं ने उनके खिलाफ जिस तरह से 'चरित्र हनन' अभियान चलाया, इसके बाद अब उन्हें दुष्कर्म और जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने यूट्यूबर ध्रुव राठी पर भी 'एकतरफा' वीडियो पोस्ट कर नफरत भरे अभियान को और बढ़ाने का आरोप लगाया।

स्वाति ने एक्स पर अपमानजनक संदेश और दुष्कर्म की धमकियों के कई स्क्रीन शाट साझा किए हैं। उन्होंने कहा, 'मेरी पार्टी यानी आप के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मेरे खिलाफ चरित्र हनन, शर्मसार करने और भावनाओं को भड़काने का अभियान चलाया है। उन्होंने दावा किया कि पार्टी नेतृत्व उन्हें विभव कुमार के खिलाफ शिकायत वापस लेने के लिए धमकाने की कोशिश कर रहा है। मालीवाल ने यूट्यूबर ध्रुव राठी से भी निराशा व्यक्त की और कहा कि उनसे संपर्क करने और अपना पक्ष साझा करने के प्रयासों के बावजूद उन्होंने उनके फोन और संदेशों को नजरअंदाज कर दिया। मालीवाल ने ध्रुव राठी पर आप प्रवक्ता होने का आरोप लगाया, जो खुद को स्वतंत्र पत्रकार होने का दावा करता है।

यूटयूबर ध्रुव राठी ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट कर स्वाति के आरोपों की सत्यता को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सत्यता जाने बगैर ध्रुव ने आप के बयान को दोहराया है।

▶ सांसद ने एक्स पर डाली पोस्ट में आप व यूट्यूबर ध्रुव राठी का भी लिया नाम

आप सांसद स्वाति मालीवाल। फाइल

मालीवाल ने वीडियो का उल्लेख करते हुए लिखा है...

1. घटना घटित होने की बात स्वीकारने के बाद आम आदमी पार्टी ने अपने रुख से यू-टर्न ले लिया।
2. एमएलसी रिपोर्ट हमले के कारण चोटों का पर्दाफाश करती है।
3. वीडियो का चुनिंदा हिस्सा जारी किया गया, आरोपी का फोन फार्मेट किया गया
4. आरोपित को मौका-ए-वारदात (सीएम हाउस) से गिरफ्तार किया गया। उसे उस स्थान में प्रवेश करने की अनुमति क्यों दी गई? सुबूतों से छेड़छाड़ के लिए?
5. जिस तरह मुझे बदनाम व शर्मिंदा करने का प्रयास किया गया है, वह महिला मुद्दों पर पार्टी के रवैये को बताता है।
7. दुष्कर्म और जान से मारने की धमकियों की रिपोर्ट पुलिस को कर रही हूं। उम्मीद है कि कड़ी कार्रवाई होगी।

कैमरों की निगरानी व त्रिस्तरीय सुरक्षा में स्ट्रांग रूम में रखी गई हैं ईवीएम

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

मतदान संपन्न होने के बाद शनिवार रात ही सभी सातों लोकसभा क्षेत्रों में बनाए गए सात स्ट्रांग रूम में ईवीएम जमा करा दी गई हैं। सातों लोकसभा क्षेत्र में जहां-जहां मतगणना होगी उसी में स्ट्रांग रूम बनाए गए हैं। इन स्ट्रांग रूम की सुरक्षा तीन लेयर की है। पहले लेयर की सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआरपीएफ की है, दूसरे लेयर की सुरक्षा आर्म्ड फोर्स व तीसरे लेयर की सुरक्षा दिल्ली पुलिस की है। प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में 10-10 कमरे को स्ट्रांग रूम बनाए गए हैं, जिनमें विधानसभा वाइज ईवीएम रखी गई है।

हर स्ट्रांग रूम के कमरे के बाहर 24 घंटे एक-एक सीआरपीएफ की तैनाती की गई है। उनके पास एक-एक रजिस्टर रखे गए हैं जिसमें वहां आने जाने वाले अधिकारियों को अपना नाम नंबर दर्ज करने होते हैं। कमरे में लगे ताले की चाबियां एडिशनल रिटर्निंग आफिसर के पास होती है। नई दिल्ली निर्वाचन कार्यालय ने गोल मार्केट स्थित बंगाली स्कूल में ईवीएम की निगरानी के लिए 160 सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं। इसी तरह अन्य छह अन्य लोकसभा क्षेत्रों में बनाए गए स्ट्रांग रूम में 150-200 के करीब सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। नई दिल्ली लोकसभा क्षेत्र के 1489 मतदान केंद्रों पर शनिवार को दिनभर चले मतदान के बाद रात पोलिंग पार्टियां बंगाली स्कूल लौटीं। यहां सील ईवीएम को स्ट्रांग रूम मिलान करने के बाद रखवा दिया गया है। जिला प्रशासन के मुताबिक जांच में हर ईवीएम की सील ठीक पाई गई। देर रात तक सभी पोलिंग पार्टियों के ईवीएम को प्रक्रिया के तहत जमा करा दिया गया। इसके पहले ही यहां निगरानी के लिए 160 सीसीटीवी कैमरे लगा दिए गए थे। यहीं से पोलिंग पार्टियों को मतदान केंद्र के लिए रवाना किया गया था। कैमरों के लिए यहां त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई।

▶ सभी सात लोकसभा क्षेत्रों में बनाए गए हैं सात स्ट्रांग रूम

▶ पहले लेयर में सीआरपीएफ, दूसरे में आर्म्ड फोर्स व तीसरे लेयर की सुरक्षा की जिम्मेदारी दिल्ली पुलिस की है

चुनाव के बाद

घर में आराम, मुलाकात और बैठक में गुजरा प्रत्याशियों का दिन

नई दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी बांसुरी स्वराज ने घर में किया आराम, आप प्रत्याशी सोमनाथ भारती घर में परिवार के साथ और बाहर दोस्तों के साथ की बैठक

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

करीब तीन महीने तक जबरदस्त चुनाव प्रचार के बाद शनिवार को प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में कैद हो गया। नई दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी बांसुरी स्वराज और आप प्रत्याशी सोमनाथ भारती की दिनचर्या भले अलग अलग रही, लेकिन दोनों ने लगातार दौड़ भाग के बाद आराम किया। बांसुरी ने घर में समय बिताया तो सोमनाथ ने घर में परिवार के साथ और बाहर दोस्तों के साथ समय बिताया।

भाजपा प्रत्याशी बांसुरी स्वराज ने मतदान के दिन वोटिंग के बाद अलग अलग बूथों पर कार्यकर्ताओं के साथ मुलाकात करती दिखीं। लेकिन, अगले दिन उन्होंने घर में आराम किया। इस दौरान वे पालतू कुत्ते लड्डू के साथ खूब खेलीं। चुनाव प्रचार में व्यस्तता के कारण वो घर में समय नहीं दे पा रही थी। फुरसत के समय में उन्होंने संतुलित आहार के साथ ज्यादा से ज्यादा आराम किया। आप प्रत्याशी सोमनाथ भारती ने बताया कि वे रोज की तरह सुबह पांच बजे ही उठे। ध्यान व योग के बाद अपने परिवार के साथ समय बिताया। मां को चाय खुद बनाकर दी। उसके बाद दोस्तों के साथ सीरी फोर्ट जाकर काफी पीने का आनंद लिया और फुरसत के पल बिताए।

मनोज तिवारी पहुंचे काशी, कन्हैया ने ली मतदान की जानकारी : उत्तर-पूर्वी दिल्ली के भाजपा प्रत्याशी अब अगले चरण के मतदान के लिए प्रचार करने काशी पहुंच गए हैं। वाराणसी से स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चुनाव लड़ रहे हैं तो मनोज तिवारी ने काशी में प्रचार किया। हालांकि तिवारी के साथ कार्य करने वाले कार्यकर्ता और नेता व पदाधिकारी चुनावी गुणा गणित करते रहे। रविवार को एक्स पर की गई एक पोस्ट में उन्होंने काशी में होने की जानकारी दी।।

कन्हैया कुमार दिल्ली में ही रहे। उन्होंने लोकसभा क्षेत्रों में चुनाव में बूथ पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। साथ ही जानकारी ली कि कहां-कहां चुनाव में दिक्कत आई या कार्यकर्ताओं को क्या परेशानी रही। पूरे दिन कार्यकर्ताओं से मिलने का सिलसिला चलता रहा। कार्यकर्ता भी कन्हैया को जीत का आश्वासन दे रहे थे।

चांदनी चौक के प्रत्याशियों ने परिवार के साथ बिताया रविवार

लंबे चुनावी संग्राम के बाद मतदान के अगले दिन रविवार को चांदनी चौक के प्रत्याशियों ने घर में परिवार के साथ सुकून के पल बिताए। कई घंटों की अच्छी नींद ली तो परिवार के लोगों से खूब बातें की। साथ भोजन लिया। बच्चों के साथ मस्ती की तथा कार्यकर्ताओं से मतदान की समीक्षा की।

रविवार को घर में परिवार के साथ खुशनुमा पल बिताते भाजपा प्रत्याशी प्रवीन खंडेलवाल।

चांदनी चौक से कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी जय प्रकाश अग्रवाल रविवार को भरपूर नींद सोए। अन्यथा, गठबंधन प्रत्याशी घोषित होने के बाद से लगातार 40 दिन तक कुछ घंटे की ही नींद ले पा रहे थे। वह सुबह सात बजे घर से निकल जाते थे, प्रतिदिन दो से तीन पदयात्रा में करीब 10 से 20 किमी चलना हो रहा है, कई बैठकें और सभाएं हो रही थी, ऐसे में देर रात घर लौटते थे। उसके बाद भी अगले दिन की कार्यक्रमों और रणनीति की तैयारी होती थी। ऐसे में रविवार वह आराम से सोकर उठे। उसके बाद क्षेत्र के कार्यकर्ताओं से मतदान की रिपोर्ट की समीक्षा करने के उपरांत पोती काशवी और रिया अग्रवाल के साथ खूब बातें की। साथ बैठकर परिवार के सभी सदस्यों ने भोजन किया। इसी तरह, इस संसदीय सीट से भाजपा उम्मीदवार प्रवीन खंडेलवाल ने भी करीब 90 दिन के बेहद थकान भरे चुनाव प्रचार के बाद आज सारा दिन अपने परिवार के साथ गुजारा तथा अपने तीनों बेटियों के बच्चों के साथ खेलते हुए अपना दिन बिताया। घर में खंडेलवाल की पत्नी कनक के अलावा उनकी माता सूर्यप्रभा ने भी उनके साथ घर परिवार की ढेर सारी बातें की।

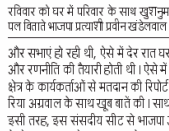

****

कह कर रहेंगे माधव जोशी

402 प्रत्याशियों की शैक्षिक योग्यता 5वीं से लेकर 12वीं पास है, जिनके भाग्य का फैसला सातवें चरण के मतदान में होगा। इसी चरण के 430 प्रत्याशियों ने अपनी शैक्षिक योग्यता स्नातक या इससे अधिक बताई है।

2024 तो एक ट्रेलर है, लेकिन 2027 के लिए भाजपा का रास्ता साफ दिखाई पड़ रहा

साक्षात्कार

भाजपा पहली बार बिना किसी गठबंधन के पंजाब की सभी संसदीय सीटों पर चुनाव लड़ रही है। राज्य में लंबे समय तक साथी रहे शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने किसानों के मुद्दे पर नाता तोड़ लिया था। इसके बाद कई दलों के नेता भाजपा से जुड़े, मगर शिअद संग बात नहीं बनी। पंजाब भाजपा के अध्यक्ष सुनील जाखड़ को आस है कि आने वाला समय उनकी पार्टी का है। व्यस्त चुनावी कार्यक्रम के बीच दैनिक जागरण के राज्य ब्यूरो प्रमुख इन्द्रप्रीत सिंह ने उनसे बातचीत की। पेश हैं उनसे बातचीत के प्रमुख अंश :

● भाजपा पहली बार पंजाब की सभी सीटों पर चुनाव लड़ रही है, आपको कितनी उम्मीद दिखाई दे रही है?

– मुझे लगता है कि नतीजे मेरी उम्मीद से ज्यादा अच्छे आएंगे। लोगों ने 2022 के विस चुनाव में सभी जाति, धर्म, पार्टियों और नेताओं को नकारते हुए आप के 92 विधायकों को जितवाया था, पर सरकार लोगों की अकांक्षाओं पर खरी नहीं उतरी। दूसरी ओर भाजपा ने कई सशक्त निर्णय लेकर खुद को साबित किया है। लोकसभा चुनाव 2024 तो मात्र एक ट्रेलर है, पर मुझे विस चुनाव 2027 के लिए भाजपा का रास्ता साफ दिखाई पड़ रहा है।

● भाजपा के प्रत्याशियों का विरोध हो रहा है, इस पर आप क्या कहते हैं?

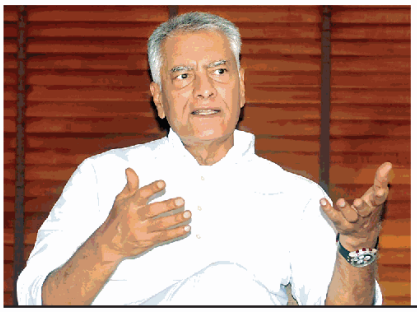

– यह विरोध किसानों का नहीं है, बल्कि सीधे तौर पर किसान संगठनों में क्रेडिट वार दिखाई पड़ रहा है। असली मुद्दा क्या है? फसलों की एमएसपी पर खरीद या किसानों की आमदनी? अगर फसलों की खरीद है तो पंजाब में किसानों का गेहूं व धान का एक-एक दाना एमएसपी पर खरीदा जा रहा है। इससे बड़ी गारंटी क्या होगी? केंद्र सरकार ने पांच अन्य फसलों की भी एमएसपी पर खरीद करने की बात मान ली थी, लेकिन किसान नेताओं की क्रेडिट वार के कारण बात सिरे नहीं चढ़ सकी। केंद्र सरकार की ओर से खरीद के लिए कैश क्रेडिट लिमिट देनी है, वह समय पर मिल रही है।

● किसानों में कृषि कानूनों को लेकर नाराजगी थी, आप इसका विरोध करने वाले पहले नेता थे

– हां, मैं मानता हूं कि किसानों के मन में एक वर्ष तक चले आंदोलन को लेकर टीस है। अब ये रद हो गए हैं, लेकिन अब भी कुछ लोग इसे मसला बनाए रखना चाहते हैं। खेतीबाड़ी में बदलाव की जरूरत है। विशेषज्ञ भी यही कह रहे हैं। पंजाब में तो एमएसपी मिल रही है, फिर भी किसान परेशान हैं। इसका अर्थ है कि बीमारी कहीं और है, हम इलाज कहीं और ढूंढ़ रहे हैं। मेरी किसानों से अपील है कि वह भोले बेशक रहें, लेकिन किसी के मोहरे न बनें। किसान संगठन उन दो एकड़ वालों के बारे में भी सोचें, जिनको पूरी एमएसपी मिलने के बाद भी घर चलाना मुश्किल है।

● फिरोजपुर सीट पर आपके परिवार के सदस्यों ने कई बार चुनाव लड़ा और जीता भी, इस बार आप पीछे क्यों हट गए?

– सवाल यह नहीं है कि कौन लड़ रहा है, कौन नहीं। एक तरफ हम 13 सीटें लड़ने की बातें कर रहे हैं दूसरी ओर मैं भी खड़ा हो जाता तो अन्य जगहों पर कौन लड़वाता। दूसरा, जिस दिन से कांग्रेस को छोड़ा था, उसी दिन चुनाव न लड़ने का निर्णय कर लिया था। मुझे तो बहुत हैरानी हुई कि अपने आप को धर्म निरपेक्ष कहने वाली कांग्रेस में हिंदू और सिख की बात होती है? मुझे हिंदू होने के कारण मुख्यमंत्री नहीं बनाया गया। क्या मैं माचिस हूं, जिसके मुख्यमंत्री बनने से पंजाब में आग लग जाती। कांग्रेस में सैम पित्रोदा कुछ कहते हैं तो पार्टी कह देती है कि यह सैम का अपना बयान है, पार्टी का नहीं। मेरी बारी में तो ऐसा नहीं कहा गया। सिर्फ एक श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने मेरे हक में आवाज उठाई।

● तो क्या भाजपा में हिंदू सिख की बात नहीं होती? यहां भी तो यही भाजपा सिख चेहरों की तलाश में रहते हुए पगड़ीधारी लोगों को ज्यादा तवज्जो दे रही है?

– भाजपा में हिंदू व सिख की बात नहीं होती। हमने संसदीय सीटों पर सभी वर्गों को प्रतिनिधित्व देने की कोशिश की है।

● शिरोमणि अकाली दल के साथ भाजपा का गठबंधन नहीं हुआ, क्या आपको नहीं लगता कि इससे दोनों पार्टियों को नुकसान हो रहा है?

– गठबंधन नहीं करने का निर्णय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का था, जो मैं समझता हूं एक बड़ा निर्णय था। मैं यकीन के साथ कह सकता हू कि यह एक सही निर्णय था और 2027 में पंजाब के लोग भाजपा को सत्ता में लाएंगे।

● भाजपा बेशक लोस की तीन और विस की 23 सीटें ही लड़ती रही है, पर पार्टी का अन्य शहरों में भी काडर था। पार्टी ने मात्र तीन सीटों पर ही अपने काडर से प्रत्याशी उतारे हैं। बाकी सीटों पर बाहरी प्रत्याशी हैं, क्या इससे पार्टी में निराशा नहीं है?

– नहीं, निराशा जैसी कोई बात नही है। पार्टी काडर में भी सीटें दी गई हैं। शिअद के साथ गठबंधन करके पार्टी अपना प्रसार नहीं कर सकी। प्रकाश सिंह बादल को लोग राजनीति का बरगद कहते हैं, आपको पता है बरगद अपने नीचे कुछ नहीं होने देता। ऐसा ही उन्होंने भाजपा के साथ किया। ऐसे में जब पार्टी ने अलग लड़ने का निर्णय लिया तो हमारे पास दो ही विकल्प थे। या तो हम शेष 94 विस सीटों पर लीडरशिप पैदा करने का इंतजार करते या दूसरी पार्टी की स्थापित लीडरशिप से पांव पसारते। हमने दूसरा विकल्प चुना।

● पंजाब में श्रीराम मंदिर कितना बड़ा मुद्दा है?

– यह आस्था का मुद्दा है, लेकिन अयोध्या में राम मंदिर बनने से लोगों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सशक्त नेता के रूप में पहचान हुई है। राम मंदिर बनाना बड़ा निर्णय था। उन्होंने ऐसा करके दिखाया। इसके साथ ही एक बड़ी बात यह भी है कि कोई फसाद नहीं हुआ।

पूरा साक्षात्कार पढ़ने के लिए स्कैन करें।

भाजपा ने चला दांव तो चन्नी ने ठोकी ताल

आप ने जिस सांसद को दिया टिकट, उसी को पाले में कर भाजपा ने उतारा, कांग्रेस ने पूर्व सीएम को दिया टिकट

पंजाब का प्राचीन शहर जालंधर राजनीति का गढ़ होने के साथ ही औद्योगिक केंद्र के रूप में जाना जाता है। श्री देवी तालाब मंदिर भी इसकी पहचान है ● जागरण आर्काइव

16.51 लाख मतदाता हैं लोकसभा क्षेत्र में

24 वर्ष बाद जालंधर में कांग्रेस को उपचुनाव में देखना पड़ा था हार का मुंह

दिनेश कुमार ● जागरण

जालंधर: जालंधर संसदीय सीट इस समय पंजाब की सबसे चर्चित सीटों में से एक बनी हुई है। दरअसल, राज्य में शिरोमणि अकाली दल (शिअद) से अलग होने के बाद दूसरी बार जालंधर लोकसभा सीट पर अकेले चुनाव लड़ रही भाजपा ने आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद सुशील कुमार रिंकू को टिकट दिए जाने के बाद भी अपने पाले में कर सत्तारूढ़ दल को मैदान में उतरने से पहले ही धोबी पछाड़ लगा दी। कांग्रेस ने पूर्व मुख्यमंत्री व दलित चेहरे चरणजीत सिंह चन्नी को उतार कर मुकाबले को और रोचक बना दिया है। आप के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी यहां की लड़ाई को नाक का सवाल बनाया हुआ है, जिससे यहां की जीत-हार की अहमियत समझी जा सकती है। आप ने अब पवन कुमार टीनू पर भरोसा जताया है। उधर, शिअद ने कांग्रेस के पूर्व सांसद मोहिंदर सिंह केपी को उतारकर मुकाबले को चतुष्कोणीय बना दिया है।

किसानों के मुद्दों पर शिअद के गठबंधन तोड़ने के बाद वर्ष 2023 में हुए लोकसभा उपचुनाव में भाजपा जालंधर में पहली बार अकेली मैदान में उतरी थी। हालांकि, तब आप के सुशील कुमार रिंकू को जीत हासिल हुई थी। अब एक बार फिर जालंधर में भाजपा की रणनीति आक्रामक और आमने-सामने की चुनावी लड़ाई की है। भाजपा ने लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद सबसे पहले जालंधर में आप की दुखती नब्ज पर हाथ रख दिया। लोकसभा में आप के एकमात्र सांसद सुशील कुमार रिंकू पार्टी के टिकट को ठुकरा कर भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा की इस रणनीति ने सभी को हैरान कर दिया।

कांग्रेस, आप और शिअद तीनों दलों के लिए चुनौती हैं भाजपा प्रत्याशी रिंकू

सुशील कुमार रिंकू

रविदासिया बिरादरी से संबंध रखने वाले सुशील रिंकू को मैदान में उतारकर भाजपा ने कांग्रेस, आप और शिअद सभी के लिए बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। रिंकू आप के सांसद रहने से पहले 2017 से 2022 तक कांग्रेस के विधायक भी रह चुके हैं। जालंधर सीट में नौ विधानसभा क्षेत्र आते हैं। इनमें से चार विशुद्ध रूप से शहरी हैं, जहां भाजपा की अच्छी पैठ है। ग्रामीण इलाकों के छोटे कस्बों में भी भाजपा का आधार है। इस बार वहां श्रीराम मंदिर का असर भी दिख रहा है।

32% दलित आबादी वाले राज्य में कांग्रेस चन्नी पर दांव चल साध रही है दलित वोट बैंक पर निशाना

पूर्व मुख्यमंत्री चन्नी को टिकट तो दे दिया, लेकिन कांग्रेस में हो गई है बगावत

चरणजीत सिंह चन्नी

चन्नी अपना विधानसभा क्षेत्र चमकौर साहिब छोड़कर जालंधर से लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। राज्य में 32 प्रतिशत और इस आरक्षित सीट पर दलित आबादी करीब 37 प्रतिशत है। एक बार फिर कांग्रेस चन्नी के कंधे पर बंदूक रखकर दलित वोट बैंक पर निशाना साधने का प्रयास कर रही है। वर्ष 2023 में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान पूर्व सांसद संतोख चौधरी के निधन के बाद हुए उपचुनाव में कांग्रेस को 24 वर्ष बाद जालंधर में हार का मुंह देखना पड़ा था। आप ने कांग्रेस के किले में सेंध लगाकर उपचुनाव जीत लिया था। कांग्रेस ने चन्नी पर दांव तो लगा दिया, लेकिन पार्टी में बगावत हो गई। पूर्व सांसद संतोख चौधरी की पत्नी टिकट कटने से खफा होकर भाजपा में शामिल हो गईं। उनके विधायक बेटे ने कांग्रेस से बगावत कर डाली। पूर्व सांसद एवं विधायक मोहिंदर केपी अकाली दल में शामिल हो गए और अब शिअद प्रत्याशी हैं। जम्मू-कश्मीर में वायु सेना के वाहन पर आतंकी हमले को स्टंट बताकर चन्नी ने खुद अपने लिए परेशानी खड़ी कर ली थी। इस कारण उन्हें लोगों की नाराजगी का सामना भी करना पड़ा। हालांकि, बाद में उन्होंने इस संबंध में कई बार अपनी सफाई भी दी। चुनाव आयोग ने उन्हें सेना पर इस तरह की टिप्पणी न करने की चेतावनी भी दी।

- **दलित वोट बैंक पर निशाना साधने के लिए कांग्रेस ने पूर्व सीएम चन्नी को किया सामने**
- **आक्रामक रणनीति के साथ अकेले ही चुनाव में उतरी भाजपा ने बदल दिए हैं समीकरण**

37% दलित आबादी है इस आरक्षित सीट पर

मुख्यमंत्री भगवंत मान के लिए नाक का सवाल बन गई सीट

16.51 लाख मतदाताओं वाली जालंधर सीट मुख्यमंत्री भगवंत मान के लिए भी नाक का सवाल बन गई है। पार्टी का एकमात्र सांसद टिकट मिलने पर भी उसे ठुकरा देता है और अपनी ही सरकार की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाते हुए भाजपा में शामिल हो जाता है। दूसरी ओर कांग्रेस के वह पूर्व मुख्यमंत्री मैदान में हैं, जिन पर आप सरकार ने घोटालों के आरोप लगाकर विजिलेंस जांच शुरू करवा रखी है। भगवंत मान ने अपने उम्मीदवार पवन कुमार टीनू को जीत दिलाने के लिए पूरा जोर लगा रखा है। वह खुद जालंधर लोकसभा क्षेत्र में अब तक छह रोड शो कर चुके हैं।

कांग्रेस का गढ़ रही है सीट: 14 बार पार्टी ने पाई है इस संसदीय क्षेत्र से विजय

जालंधर लोकसभा सीट कांग्रेस की गढ़ रही है। वर्ष 1951 से अब तक हुए लोकसभा चुनाव (दो उपचुनाव भी शामिल) में कांग्रेस को 14 बार जीत मिली है। केवल दो बार शिअद, दो बार जनता दल और एक बार आप कांग्रेस को रोक पाई है। वर्ष 1977 और 1996 में ही शिअद जालंधर में जीत दर्ज कर पाया था। 1989 और 1998 में जनता दल की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री इंद्र कुमार गुजराल ने कांग्रेस को हराया था। इसके अलावा 2023 के उपचुनाव में आप ने कांग्रेस का 24 वर्ष से जालंधर में चल रहा विजय रथ रोका था।

शिअद और बसपा बिगाड़ेंगे खेल

मोहिंदर सिंह केपी

पवन कुमार टीनू

बलविंदर

शिअद के अध्यक्ष सुखबीर बादल ने कांग्रेस के पूर्व सांसद मोहिंदर सिंह केपी पर विश्वास जताया है। कांग्रेस से टिकट नहीं मिलने से नाराज केपी शिअद में चले गए थे। ग्रामीण विधानसभा क्षेत्रों में शिअद का आधार है। शिअद जितना अधिक वोट प्राप्त करेगा, आप के पवन कुमार टीनू को उतना अधिक नुकसान पहुंच सकता है। इसी तरह बसपा का भी कुछ विधानसभा क्षेत्रों में अच्छा आधार है। लोकसभा चुनाव 2019 में बसपा प्रत्याशी बलविंदर दो लाख से अधिक वोट पा गए थे। बसपा को जितने अधिक वोट मिलेंगे, वह कांग्रेस को नुकसान पहुंचाएगी। बसपा हमेशा कांग्रेस के वोट बैंक में सेंध लगाती रही है।

मोदी का चुनावी रथ: सिर्फ प्रचार कार नहीं, सुविधाओं-सुरक्षा का किला भी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दिनों अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में रोड शो किया था। अब कोलकाता में मंगलवार को रोड शो प्रस्तावित है। केसरिया रंग में सजा उनका चुनावी रथ कोई सामान्य कार नहीं होती है, बल्कि चुनावी प्रबंधन, जनसंपर्क, क्राउड मैनेजमेंट और किसी भी तरह के हमले से सुरक्षा के उपायों से लैस होती है। इसके लिए ईसुजू कंपनी के डी-मैक्स माडल का उपयोग किया जा रहा है। पीएम द्वारा प्रयोग की जाने वाली इस चर्चित प्रचार कार की विशेषताओं पर अहमदाबाद से शत्रुघ्न शर्मा की रिपोर्ट:

जब सज कर तैयार होती है तो ऐसी दिखती है कार ● जागरण आर्काइव

11 फीट की ऊंचाई से मोदी का सड़क व पहली मंजिल के लोगों से हो पाता है बेहतर तरीके से आई कांटैक्ट

3 दिन पहले एनएसजी कार को कब्जे में ले लेती है रोड शो से

20 कारें तैयार कराई गईं हैं इसकी उपयोगिता को देखने के बाद

80 से ज्यादा रोड शो कर चुके मोदी इन कारों से

45 किमी रोड शो किया था मोदी ने अहमदाबाद में

ये हैं खूबियां

- अहमदाबाद में कार को तैयार कराने व मोदी के रोड शो के आयोजन से जुडे एक भाजपा नेता बताते हैं कि फाइव सीटर कार के निचले हिस्से में धातु की मोटी प्लेट लगी है, जो इसे बम धमाके से सुरक्षा प्रदान करती है।
- कार के पीछे की तरफ पीएम मोदी के खड़े होने की जगह भी दोनों ओर धातु की मोटी प्लेटें लगी हैं, जो बुलेट प्रूफ हैं।
- कार के भीतर एनएसजी कमांडो व एक अतिरिक्त चालक होता है, जबकि मोदी के अगल-बगल में एक-एक तथा पीछे चार नेता खड़े हो सकते हैं।
- मोदी के लिए उनके खड़े होने की जगह छह इंच का एक पटा (स्टूल) लगा होता है, ताकि वह उस पर खड़े होकर लोगों के साथ बेहतर तरीके से संपर्क कर सकें।
- मोदी के चेहरे के सामने एसी पैनल व एलईडी लगी होती है, जिससे गर्मी व रात के समय में भी आसानी से रोड शो किया जा सके। कार पर आगे व दोनों ओर मोदी के फोटो होते हैं।
- चुनावी रथ के समीस से गुजरने पर लोग भी आकर्षित होते हैं। इससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और जनता के बीच आत्मीयता प्रगाढ़ होती है।

जिस नेता ने दुनिया में भारत का नाम ऊंचा किया, उनका सारथी बनना गर्व व सौभाग्य की बात है। रथ का संचालन रोड शो के मूवमेंट, लोगों के उत्साह, स्वागत के तरीकों व लोगों की भागीदारी के अनुसार करना पड़ता है।

नरेंद्र व भाविन
गुजरात में मोदी के रथ के चालक

जो बुजुर्ग, बच्चे या घर की माताएं-बहनें किसी सभा स्थल तक नहीं जा पाते, वे अपने बेहद करीब अपने नेता को देखकर आह्लादित हो जाते हैं। फूल की पंखुड़ियां जिनके माथे पर पड़ती हैं वह अहोभाव से भर जाता है। इसका व्यापक असर उनके मन और मस्तिष्क तक पहुंचता है।

अशोक तिवारी, मेयर, वाराणसी (बनारस में मोदी के रोड शो का प्रबंधन देखने वाले)

कार में इस तरह खड़े होकर पीएम मोदी लोगों का अभिवादन करते हैं स्वीकार ● जागरण आर्काइव

आपात स्थिति से बचने के लिए अतिरिक्त चालक होता है कार में

स्थानीय इकाई के हाथ होती है रणनीति की जिम्मेदारी

रोड शो की रणनीति भाजपा की स्थानीय इकाई बनाती है। रोड शो से पूर्व पार्टी के स्थानीय नेता रूट पर पैदल चलते हैं और हर हिस्से का मुआयना करते हैं। एसपीजी की टीम पैदल पूरे रोड शो में चलती है। रोड शो से तीन दिन पहले यह कार पहुंच जाती है।

ये भी जानें

- **बम व गोली के हमले का असर नहीं, क्राउड मैनेजमेंट फ्रेंडली है**
- **अहमदाबाद में एक रोड शो में अमित शाह भी कर चुके उपयोग**

प्रत्येक रोड शो के बाद सर्विस

प्रत्येक रोड शो के बाद कार सर्विस के लिए सर्विस सेंटर जाती है। उपयोग नहीं होने पर इसे प्रदेश के भाजपा कार्यालय में रखा जाता है, जहां इसके रखरखाव की जिम्मेदारी प्रदेश महामंत्री स्तर का नेता के पास होती है

इनमें सुरक्षित है जन का मत

लोकतंत्र के महापर्व में छह चरण के मतदान में देश के मतदाता प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला ईवीएम में सुरक्षित कर चुके हैं। देश में किसकी सरकार बनेगी, इन्हीं ईवीएम से तय होगा। इसलिए ईवीएम की सुरक्षा सबसे अहम जिम्मेदारी है। यह तस्वीर झारखंड के धनबाद के बारबडा की है, जहां स्ट्रांग रूम में जिले के निर्वाचन अधिकारी ईवीएम का निरीक्षण कर रहे हैं ● एएनआइ

हिमाचल में कांग्रेस को सांसद से ज्यादा सरकार की चिंता

रोहित नागपाल ● जागरण

चुनावी परिदृश्य

- **2022 का विस चुनाव बहुमत से जीतने के बाद खोई राज्यसभा सीट**
- **आया सरकार पर संकट तो अब उपचुनाव पर अधिक जोर**
- **विस की दो सीटें जीतने से टल सकता है सरकार का संकट**

प्रतिभा सिंह, प्रदेशाध्यक्ष, कांग्रेस

सुखविंदर सिंह सुक्खू, मुख्यमंत्री

मुकेश अग्निहोत्री, उपमुख्यमंत्री

शिमला : हिमाचल प्रदेश में 2022 में बहुमत से सरकार बनाने वाली कांग्रेस लोकसभा चुनाव में उतरने से पहले राज्यसभा चुनाव में हार चुकी है। भाजपा के हर्ष महाजन विजयी रहे थे। छह विधायकों के पाला बदलने से निर्मित स्थितियों में राज्य सरकार पर खतरे के बादल मंडरा रहे हैं। यही वजह है कि प्रदेश में जितना ताप लोस चुनाव का है, उससे अधिक विस की छह सीटों पर हो रहे उपचुनाव का है। कांग्रेस के लिए सांसद से ज्यादा राज्य सरकार महत्वपूर्ण है।

विस की 40 सीटें जीतने वाली कांग्रेस राज्यसभा चुनाव के बाद 34 पर आ गई। इस झटके से उबरने के बाद कांग्रेस प्रयास कर रही है कि एकता का संदेश दिया जाए, पर ऐसा लग रहा है कि उसका ध्यान लोस चुनाव पर कम, विस के उपचुनाव पर अधिक है। वह राज्य सरकार को बचाने के लिए प्रयास रत है।

कांग्रेस में प्रत्याशियों को लेकर गंभीरता नहीं दिखी। मंडी से निवर्तमान सांसद और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने पहले यह कहकर चुनाव लड़ने से इन्कार कर दिया था कि सांसद निधि बांटने से चुनाव नहीं जीता जाता। उनका आरोप था कि मंडी संसदीय क्षेत्र में कोई काम ही नहीं हुआ और कार्यकर्ता निराश बैठा है। अब उनका बेटा व राज्य सरकार में मंत्री विक्रमादित्य सिंह ही चुनाव मैदान में हैं। इसी तरह हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में भी कांग्रेस के दिग्गज नेता चुनाव लड़ने को तैयार नहीं हुए। कांगड़ा में भी कांग्रेस ने आनंद शर्मा को चुनाव मैदान में उतारा। शिमला संसदीय क्षेत्र में भी विधायक पर दांव खेला गया।

नेताओं का अपने-अपने क्षेत्रों में ही ध्यान: प्रतिभा सिंह अपने बेटे के ही प्रचार में डटी हैं। मंडी क्षेत्र में ही उनका अभी तक का कार्यक्रम रहा है। शिमला व कांगड़ा में कांग्रेस प्रत्याशी के नामांकन में मौजूद रही थीं। इसके अलावा कैबिनेट मंत्री भी अपने-अपने इलाकों से बाहर प्रचार को नहीं निकल पा रहे हैं। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू व उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ही प्रचार को जा रहे हैं। कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व पांच दिन के लिए हिमाचल में है। मतदान से ठीक पहले शीर्ष नेतृत्व प्रचार को गति देगा। देखना होगा कि उनका कितना प्रभाव यदि प्रदेश कांग्रेस इस प्रचार में एकजुटता से काम कर ले तो निश्चित तौर पर इसका लाभ चुनाव में मिल सकेगा। यदि अपनी रंजिश मिटाने के लिए ही भितरघात जारी रहा तो स्थिति सुधरेगी नहीं।

भाजपा की स्थिति है मजबूत: जहां तक लोस चुनाव की बात है 2014 व 2019 में चारों सीटों पर हार चुकी कांग्रेस की राह अब भी कठिन है। इसका सबसे बड़ा कारण राज्यसभा चुनाव के समय सामने आईं संगठन की कमियां व धरातल पर पकड़ का कमजोर होना है। दूसरी तरफ विपक्षी दल भाजपा का संगठन सुनियोजित तरीके से अपने प्रत्याशियों की जीत के लिए मेहनत कर रहा है।

महासमर से जुड़ी खबरों और सामग्री को विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें

****

2012 के विधानसभा चुनाव के समय सपा ने अपने घोषणा पत्र में लिखा भी था कि जैसा आरक्षण बाबा साहेब आंबेडकर ने दलितों को दिया, वैसा ही मुसलमानों को दिया जाएगा। कांग्रेस ने वर्ष 2014 से रातों-रात कानून बदलकर कई संस्थाओं को अल्पसंख्यक घोषित कर दिया। यह आरोप भाजपा ने इंडी गठबंधन पर लगाए।

पंजाब को फिर से आतंकवाद की आग में जलने नहीं देंगे : शाह

जागरण संवाददाता, लुधियाना

- गृह मंत्री बोले, मोदी के टर्म-3 में राज्य को नशे की गर्त से ऊपर उठा लेंगे
- कहा, लोकसभा चुनाव के बाद पंजाब की मान सरकार भी खत्म हो जाएगी

सासाराम संसदीय क्षेत्र के भभुआ स्थित जगजीवन स्टेडियम में जनसभा को संबोधित करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह। जागरण

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पंजाब में आतंकवाद की बात करने वाले गर्मख्याली लोगों को चेतावनी देते हुए कहा कि पंजाब को फिर आतंकवाद में जलने नहीं देंगे। आतंकवाद जैसी बातें करने वाले बाज आ जाएं, नहीं तो उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। दोहराया कि भारत को पीओके (गुलाम जम्मू-कश्मीर) लेने से कोई रोक नहीं सकता। राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल कहते हैं कि पाकिस्तान से न भिड़ें, उसके पास एटम बम है, लेकिन केंद्र सरकार इससे डरती नहीं है। पीओके के लिए देश लड़ता रहेगा।

अमित शाह रविवार को लुधियाना में भाजपा प्रत्याशी रवनीत सिंह बिट्टू के समर्थन में आयोजित विशाल 'फतेह रैली' को संबोधित कर रहे थे। पूर्वांचल के लोगों के खिलाफ बयानबाजी करने वाले कांग्रेसियों पर शाह ने कहा कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी बंटवारे की राजनीति कर रही हैं, लेकिन भाजपा प्रत्येक धर्म और समाज को जोड़ने की बात करती है। मोदी ने पहले करतारपुर साहिब कोरिडोर खुलवाया और फिर श्रीराम मंदिर का निर्माण कराया। मोदी हिंदू-सिख दोनों को साथ लेकर चलते हैं। शाह ने भी कहा कि आजादी के बाद भाजपा की सरकार होती तो करतारपुर गुरुद्वारा साहिब पाकिस्तान में न होता।

शाह ने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद भगवंत मान सरकार ज्यादा देर नहीं चलेगी और वह भी समाप्त हो जाएगी। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी ने पंजाब को भ्रष्टाचार का अड्डा बना रखा है और इसे एटीएम के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। यही नहीं, मुझे यह बात समझ में नहीं आती कि आखिर भगवंत मान पंजाब के मुख्यमंत्री हैं या केजरीवाल के पायलट जो उनके हर दौरे पर अपने हेलीकाप्टर लेकर पहुंच जाते हैं। पंजाब में बढ़ते नशे को लेकर भी गृह मंत्री सख्त दिखे। उन्होंने लोगों से वादा किया कि मोदी के टर्म-3 में पंजाब को नशे की गर्त से ऊपर उठा लेंगे।

सुरक्षा और खाना पंजाब ही देगा: शाह ने कहा कि देश को सुरक्षा और खाना पंजाब ही दे सकता है। उनके गुरु दो बातें कहते थे। एक पंजाब न हो तो देश सुरक्षित नहीं रहेगा, दूसरा पंजाब न हो तो देश का पेट नहीं भर सकता। दोनों काम पंजाब ही कर सकता है। हमला चाहे बाबर का हो या औरंगजेब या पाकिस्तान का, हमेशा पंजाब के जवानों ने देश की सुरक्षा की।

'बेटे को सीएम बनाने के लिए पिछड़ा विरोधी पार्टी के साथ गए लालू'

जागरण टीम, पटना : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को बिहार में ताबड़तोड़ कई चुनावी सभाएं कीं। कहा कि लालू यादव बेटे को मुख्यमंत्री बनाने के लिए पिछड़ा विरोधी पार्टी कांग्रेस के साथ चले गए हैं। लालू सामाजिक न्याय की बात तो करते हैं, लेकिन कभी कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने की सिफारिश नहीं की। जबकि प्रधानमंत्री मोदी ने कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देकर पिछड़ों का सम्मान किया है। एक तरफ नरेन्द्र मोदी हैं, जो 23 वर्षों से फौजियों के बीच दिवाली मनाते आ रहे हैं। दूसरी तरफ राहुल गांधी हैं, जो मौसम बदलने पर छुट्टियां मनाने विदेश चले जाते हैं। शाह ने कहा कि एक तरफ चांदी की चम्मच लेकर पैदा होने वाले राहुल गांधी हैं, दूसरी ओर चाय बेचने वाले अति पिछड़ा के बेटे नरेन्द्र मोदी हैं। एक ओर 12 लाख करोड़ के घोटालेबाजों का गठबंधन है, दूसरी ओर 25 वर्षों से मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री रहते हुए भी बेदाग रहने वाले नरेन्द्र मोदी हैं। कहा कि लालू कहते हैं कि मुसलमानों को आरक्षण देंगे, लेकिन कहां से देंगे। कर्नाटक, हैदराबाद और बंगाल में एससी-एसटी व पिछड़ा समाज का आरक्षण काटकर मुसलमानों को दिया।

लोकसभा चुनाव के छठे चरण में अब 63.36 प्रतिशत मतदान

नई दिल्ली, प्रेट्र : शनिवार को हुए लोकसभा चुनाव के छठे चरण में 63.36 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। चुनाव आयोग ने रविवार को अपडेट आंकड़ा जारी किया। वैसे छह चरणों के मतदान में अब तक 20 मई को हुए पांचवें चरण की वोटिंग में सबसे कम 62.2 प्रतिशत मतदान हुआ है। सातवें और अंतिम चरण का मतदान अब एक जून को होगा।

छठे चरण में शनिवार को आठ राज्यों/केंद्र शासित प्रदेश की 58 लोकसभा सीटों पर मतदान हुआ था। इसमें उत्तर प्रदेश की 14 सीटों के अलावा, हरियाणा की सभी 10, बिहार व बंगाल की आठ-आठ, दिल्ली की सभी सात, ओडिशा की छह, झारखंड की चार सीटों के अलावा केंद्र शासित जम्मू-कश्मीर की अनंतनाग-राजौरी सीट शामिल रही। 2019 के आम चुनाव में छठे चारण में सात राज्यों की 59 सीटों पर 64.40 प्रतिशत मतदान हुआ था1 ।

किस चरण में कितना मतदान

चरण	मतदान प्रतिशत
पहला	66.14
दूसरा	66.71
तीसरा	65.68
चौथा	69.16
पांचवां	62.2
छठा	63.36

गुड़गांव के गांव सकतपुर में छठे चरण के मतदान के दौरान एक मतदान केंद्र पर वोट डालने के बाद बाहर निकलती महिलाएं। एएफपी (फाइल)

सपा और कांग्रेस का समर्थन कर रहे सीमा पार के जिहादी : मोदी

चुनावी रण ▶ इंडी गठबंधन की जीत के लिए पाकिस्तान में हो रहीं दुआएं

इंडी गठबंधन घोर साम्प्रदायिक, जातिवादी और परिवारवादी

जागरण टीम, लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मीरजापुर के बरकछा कला में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान राबर्ट्सगंज से एनडीए की ओर से अपना दल (एस) प्रत्याशी रिंकी कोल का अभिवादन करते पीएम मोदी। साथ में हैं उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। जागरण

प्रधानमंत्री पीएम नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि सीमा पार के जिहादी सपा और कांग्रेस का समर्थन कर रहे हैं। सपा और कांग्रेस के इंडी गठबंधन की जीत के लिए पाकिस्तान में दुआएं की जा रही हैं। अगर इंडी गठबंधन सत्ता में आया तो कश्मीर में अनुच्छेद 370 को फिर से लागू करेगा। पीएम ने कहा कि इंडी गठबंधन देश को कई दशक पीछे ले जाना चाहता है। इनका एजेंडा भारत का विकास नहीं है। पीएम ने रविवार को यूपी के मीरजापुर, मऊ और देवरिया में जनसभा को संबोधित किया।

पीएम ने कहा कि सपा के शासनकाल में लोग भयभीत रहते थे, अब भाजपा की सरकार में माफिया डर से कांप रहे हैं। सपा जब सत्ता में थी तो पूर्वांचल के साथ पूरा उत्तर प्रदेश माफिया की सुरक्षित पनाहगाह बन गया था। लोगों का जीवन हो या जमीन, कब छिन जाए कोई नहीं जानता था। मोदी ने देवरिया की सभा में दावा किया कि सीमा पार के जिहादी सपा और कांग्रेस का समर्थन कर रहे हैं, जो देश में वोट जिहाद की अपील कर रहे हैं। कांग्रेस पर हमेशा देश की सुरक्षा से खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारा देश ब्रह्मोस मिसाइल बनाता है। कई देश ब्रह्मोस खरीदना चाहते थे, लेकिन कांग्रेस सरकार ने इसमें अड़चनें पैदा कीं, क्योंकि वे नहीं चाहते कि भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बने। यह चाहते हैं कि उनके हथियार सौदे जारी रहें, उनकी दलाली जारी रहे और घोटाले जारी रहें।

ममता सरकार पर साधा निशाना : प्रधानमंत्री ने मीरजापुर और मऊ में कहा कि इंडी गठबंधन के लोग संविधान को बदल कर एससी, एसटी, ओबीसी, अति पिछड़े को मिलने वाला आरक्षण खत्म कर मुसलमानों को देना चाहते हैं।

मंदिर जाने पर सवाल

चुनावी काल में विपक्षी नेताओं के मंदिरों में जाने पर भी सवाल उठाते हुए पीएम ने कहा कि श्रीराम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के आयोजन का आमंत्रण ठुकराने वाले अब चुनाव के समय मंदिरों में जाने का दिखावा कर रहे हैं। सपा के लोग राममंदिर को गालियां दे रहे हैं। यह राम मंदिर बनने से नाराज हैं। ये चाहते हैं कि जैसे शाहबानो मामले को पलटा था, वैसे ही राम मंदिर पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलटा जाएगा।

'बांगालीर मोने मोदी' थीम पर कोलकाता में 28 को पीएम का रोडशो

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता : एक जून को होने वाले अंतिम चरण के मतदान के पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 28 मई को एक बार फिर बंगाल में चुनाव प्रचार के लिए आएंगे। पीएम उस दिन कोलकाता में एक विशाल रोडशो का नेतृत्व करेंगे। बता दें कि सातवें व अंतिम चरण में कोलकाता सहित पास के उत्तर व दक्षिण 24 परगना जिले की कुल नौ लोकसभा सीटों पर मतदान होंगे। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने बताया कि रोडशो का थीम 'बांगालीर मोने मोदी' यानी बंगाल वासियों के मन में मोदी रखा गया है। दो किलोमीटर लंबे इस रोडशो के बीच 40 मंच तैयार किए जाएंगे, जहां बंगाल की संस्कृति के अनुसार उनका स्वागत होगा।

वर्क फ्राम होम सुना था, वर्क फ्राम जेल पहली बार सुना : राजनाथ

जागरण संवाददाता, खन्ना (लुधियाना)

- कहा, केजरीवाल ने अपने गुरु की नहीं मानी, मालीवाल की पिटाई पर साधी चुप्पी
- शराब की दुकानें बंद करने की बात कह रहे थे, दिल्ली में हर गली में खुल गए ठेके

राजनाथ सिंह। फाइल

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि हमने वर्क फ्राम आफिस, वर्क फ्राम होम तो सुना था, लेकिन पहली बार वर्क फ्राम जेल सुन रहे हैं। जिस पार्टी के नेता का ही ऐसा चरित्र हो वह पार्टी कैसी होगी।

लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए रविवार को पहली बार पंजाब आए राजनाथ खन्ना और बठिंडा में को चुनावी रैलियों को संबोधित कर रहे थे। राजनाथ बोले, अन्ना हजारे ने कहा था कि इस आंदोलन से राजनीतिक दल ना बने। केजरीवाल ने गुरु की बात भी नहीं मानी। फिर कहा सीएम बनकर सरकारी बंगले ने नहीं रहूंगा, अब शीशमहल बना लिया। आप की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल को इनके घर में इनकी मौजूदगी में पीटा गया। माता, बहन, बेटी किसी भी दल या धर्म की हो वह सम्मानित है। उस पर चुप्पी साधे बैठे हैं। क्या केजरीवाल को मुख्यमंत्री बने रहने का अधिकार है? अगर केजरीवाल ऐसे हैं तो सीएम पंजाब की हालत कैसी होगी। उन्होंने कहा कि केजरीवाल पहले कहते रहे कि हमारी जब सरकार बन जाएगी तो शराब की सभी दुकानें बंद हो जाएंगी, लेकिन सरकार बनने पर दिल्ली की गली-गली में शराब की दुकानें खोल दीं। उन्होंने कहा कि एक बार भाजपा को आप मौका दें तो मैं देखता हूं कि कौन यहां पर नशे का व्यापार कर पाता है।

कांग्रेस आतंकवाद को हल्के में लेती रही: राजनाथ ने कहा कि पाकिस्तान के पूर्व मंत्री फराद हुसैन केजरीवाल और राहुल गांधी की तारीफ कर रहा है। इनके लिए पाकिस्तान से ट्वीट हो रहे हैं। क्या ऐसे लोगों को आप स्वीकार करेंगे। कांग्रेस की सरकार के समय 2008 में मुंबई में आतंकी हमला हुआ। कांग्रेस आतंकवाद को बड़े हल्के में लेती रही, लेकिन अब केंद्र में भाजपा सरकार है। जरूरत पड़ी तो हम सीमा से पार जाकर भी वार कर सकते हैं।

पैसा न बर्बाद हो इसके लिए वन नेशन वन इलेक्शन व्यवस्था करेंगे: राजनाथ ने कहा कि लोग देश में हर बार चुनाव नहीं चाहते। इससे समय और संसाधन की बर्बादी होती है। इसी कारण हमने फैसला किया है हमारी सरकार बनते ही वन नेशन वन इलेक्शन की व्यवस्था की जाएगी।

कहा, मोदी के तीसरी बार पीएम बनने तक आराम नहीं करूंगा

रक्षा मंत्री राजनाथ ने कहा कि 10 दिन पहले आंध्र प्रदेश में सभा में मंच पर उतरते वक्त उनके पैर में चोट लगी थी। डाक्टर ने खड़े रहना मना किया है, इसलिए बैठकर संबोधित कर रहा हूं। इलाज की फुर्सत नहीं मिल रही है। लेकिन जब तक मोदी तीसरी बार पीएम नहीं बनते मैं बोलता रहूंगा। आराम नहीं करूंगा।

पिछले जन्म के अधूरे काम पूरे करने को मोदी ने लिया पुनर्जन्म : पुष्पांजलि स्वामी

तिरुअनंतपुरम, आइएएनएस : 1.20 लाख करोड़ की संपत्ति के साथ दुनिया के सबसे अमीर हिंदू मंदिरों में से एक श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर के मुख्य महंत पुष्पांजलि स्वामी परमेश्वर ब्रह्मानंद ने कहा कि पिछले जन्म के अधूरे कामों को पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पुनर्जन्म लिया है। उन्होंने कहा कि मोदी भगवान कृष्ण के समकालीन हैं और उन्होंने उस युग के दौरान शासन में भूमिका निभाई। पुष्पांजलि स्वामी की टिप्पणी मोदी के उस हालिया बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्हें विश्वास है कि भगवान ने उन्हें जनहित के काम करने के लिए भेजा है और उनके पास जो ऊर्जा है, वह उन्हें भगवान द्वारा प्रदान की गई है। पुष्पांजलि स्वामी ने कहा- ''पीएम मोदी भगवान कृष्ण के समकालीन हैं। पिछले जन्म के अधूरे काम को पूरा करने के लिए यह उनका पुनर्जन्म है।'' उन्होंने कहा कि भारत एक महाशक्ति बनकर उभरेगा।

'भाजपा को वाराणसी में चुनाव प्रचार की आवश्कता ही नहीं '

जागरण संवाददाता, वाराणसी

- विदेश मंत्री ने कहा, खाड़ी देश की सरकार का अपने यहां हिंदू मंदिर बनवाना बड़ी उपलब्धि
- प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के शिक्षकों को बेहतर कल के लिए शिक्षण' विषय पर किया संबोधित

वाराणसी में रविवार को हनुमानघाट स्थित श्री काशी कामकोटि मंदिर में तमिल समाज के लोगों संग बैठक करते विदेश मंत्री एस. जयशंकर (बाएं से दूसरे)। जागरण

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने वाराणसी में भाजपा की जीत पर विश्वास जताते हुए कहा कि यहां अधिक चुनाव प्रचार की जरूरत नहीं है। यहां के लोगों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत के ऊंचे होते वैश्विक कद पर गर्व है। भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि है कि किसी खाड़ी देश में हिंदू मंदिर वहां की सरकार ने बनवाया। बता दें, हाल में ही संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में पहला हिंदू मंदिर बनाया गया है।

विदेश मंत्री ने वाराणसी स्थित सनबीम वरुणा में प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के शिक्षकों को 'शिक्षा के साथ सशक्तीकरण : बेहतर कल के लिए शिक्षण' विषय पर संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हम भारत सर्वप्रथम और वसुधैव कुटुम्बकम की बात करते हैं। इसका मतलब यही है कि जो देश का भला सोचता है, वह विश्व का भला भी सोचता है। उन्होंने कहा कि भविष्य के लिए हमारी शिक्षा में चार चीजें होनी चाहिए। पहला- आधुनिक तकनीकी शिक्षा। अमृतकाल में अगले 25 वर्ष शिक्षकों और छात्रों के हैं। दूसरी चीज ग्लोबलाइजेशन है। पूरी दुनिया हमारे लिए ग्लोबल मार्केट है। इसे ऐसे समझा जा सकता है कि मात्र खाड़ी देशों में ही हमारे लिए 90 लाख रोजगार हैं। यूरोपीय देश हमसे संबंध बढ़ाने को लालायित हैं। तीसरी चीज है समावेशी विकास यानी जो करना है, उसमें सबको साथ लेकर चलना है। कल्याणकारी योजनाएं, स्वनिधि, मुद्रा लोन, कौशल विकास, सड़क, बिजली, पानी आदि की उपलब्धता इसका ही विस्तार है।

भारत की संस्कृति के संरक्षण के साथ आधुनिकता की स्वीकार्यता वह चौथी चीज है, जो शिक्षा का अनिवार्य हिस्सा होनी चाहिए। आज पूरा विश्व योग कर रहा है। योग का मतलब ही वेलनेस हो गया है। कोरोना काल में आयुर्वेद के महत्व को दुनिया ने स्वीकारा। विदेश मंत्री ने इसके बाद हनुमानघाट स्थित कांची मठ में तमिल संगमम काशी के तत्वावधान में तमिल समाज के लोगों संग बैठक की। कहा कि हम पूरी दुनिया को काशी लाएंगे। इसके लिए काशी की समृद्ध विरासत को सबके सामने लाना होगा। कोशिश होगी कि तमिल संगम हर देश में आयोजित हो। इससे सामाजिक और आर्थिक दोनों विकास होगा।

एनडीए मजबूत गठबंधन है : नड्डा

जागरण टीम, पटना

- कहा- तेजस्वी क्या जानें कि उनके पिता ने क्या-क्या करतूत की है

जेपी नड्डा। फाइल

बोले- नरेन्द्र मोदी के आने से राजनीति की परिभाषा बदल गई

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 400 पार का नारा देते हुए कहा कि एनडीए मजबूत गठबंधन है, जबकि आइएनडीआइए (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) मजबूर गठबंधन है। इसमें शामिल नेताओं ने भाजपा को हराने के लिए एकजुटता की है अब लोगों को तय करना है कि देश में मजबूत सरकार बनाना है या मजबूर सरकार। 2014 में मजबूर सरकार को हटाकर ही भाजपा ने नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मजबूत सरकार बनाई थी। यह बातें उन्होंने रविवार को बिहार के जहानाबाद, आरा और नालंदा में जदयू प्रत्याशी के पक्ष में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहीं। पीएम नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत संकल्प में मजबूत भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान करते हुए नड्डा ने कहा कि 10 साल पहले तुष्टीकरण की नीति थी, अब मोदी के नेतृत्व में विकासवाद की नीति है। पहले जब आतंकी हमले होते थे, उस समय की सरकार डोजियर भेजा करती थी। आज हम मुंहतोड़ जवाब देते हैं। नड्डा ने कहा कि बिहार से मेरा पुराना लगाव रहा है। यहां के जंगलराज को करीब से देखा है। लालू प्रसाद पिछड़ा व अति पिछड़ा का आरक्षण मुसलमान को देना चाहते हैं। भाजपा ऐसा नहीं होने देगी। हम लोगों के रहते गरीबों का आरक्षण कोई छीन नहीं सकता। तेजस्वी क्या जानें कि उनके पिता ने क्या-क्या करतूत की है। आज कानून का राज है, लोगों का राज है। तेजस्वी हवा में ही नवरात्र में मछली व मटन की पार्टी करते हैं, जो सनातन धर्म का अपमान है। राजद का फुलफार्म, राष्ट्र विरोधी जंगलराज दलदल पार्टी है। मोदी के आने के बाद राजनीति की परिभाषा बदल गई।

मोदी आए तो नहीं बचेगा संविधान, झेलनी होगी गुलामी : खरगे

जागरण टीम, पटना

मल्लिकार्जुन खरगे।

बोले- मोदी ने विपक्ष के मुजरा करने की बात कह बिहार का अपमान किया

ओजपूर्ण आवाज और तथ्यपूर्ण आरोप से रविवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) पर हमलावर रहे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का पूरा प्रयास अपने वोटों को एकजुट करने का रहा। एक वाक्य में बिहार की अस्मिता व राजनीतिक चेतना की दुहाई देकर सर्व-समाज को साधने का उपक्रम किए तो दूसरे वाक्य में संविधान और आरक्षण पर संकट बताकर उन वर्गों को आकर्षित करने की चेष्टा भी, जिनके मत पिछले दो चुनावों में राजग की जीत में निर्णायक रहे हैं। रविवार की शाम पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हाल में गूंजने वाली करतल ध्वनि ने संभवतः उन्हें आश्वस्त किया जो वह इस बार आइएनडीआइए की जीत का उद्घोष कर गए। इस संशय के साथ कि अगर नरेन्द्र मोदी तीसरी बार सत्ता में आए तो न आरक्षण बचेगा, न संविधान। मोदी तानाशाह की तरह शासन करेंगे और देश दूसरी गुलामी के लिए अभिशप्त होगा। इससे पहले उन्होंने कैमूर जिले में जनसभा को संबोधित किया।

संविधान में उल्लेखित बाबा साहेब आंबेडकर की दो टिप्पणियों का उल्लेख कर खरगे ने राजधानी पटना में संविधान बचाओ जन-संवाद में उपस्थित जनसमूह को अपने मत से एकाकार करने का भरसक प्रयास किया। मंगलसूत्र, भैंस आदि छीन मुसलमानों को देने से संबंधित बयानों को वैमनस्यता पैदा करने का उपक्रम बताया। ऐसे घृणित बयानों (हेट स्पीच) के लिए चुनाव आयोग से कार्रवाई की अपेक्षा जताई।

संजय राउत का दावा, शाह और फडणवीस ने नितिन गडकरी को हराने के लिए काम किया

- कहा, चुनाव के बाद यदि मोदी फिर से पीएम बने तो उप्र के मुख्यमंत्री को बदल दिया जाएगा
- बावनकुले का पलटवार, राउत भ्रम के शिकार-भाजपा एक पार्टी नहीं, बल्कि एक परिवार है

संजय राउत।

एकनाथ शिंदे।

मुंबई, प्रेट्र : शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लोकसभा चुनाव में नितिन गडकरी को हराने के लिए काम किया। उन्होंने पार्टी के मुखपत्र सामना के एक लेख में लिखा कि मोदी, शाह और फडणवीस ने नागपुर में गडकरी की हार के लिए काम किया। जब फडणवीस को एहसास हुआ कि उन्हें हराया नहीं जा सकता, तो उन्होंने अनिच्छा से गडकरी के लिए प्रचार किया। नागपुर में आरएसएस के लोग खुलेआम कह रहे हैं कि फडणवीस ने गडकरी को हराने में विपक्ष की मदद की। उन्होंने कहा है कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हर निर्वाचन क्षेत्र में 25-30 करोड़ रुपये बांटे थे। उनकी मशीनरी ने अजीत पवार के नेतृत्व वाले राकांपा के उम्मीदवारों को हराने के लिए काम किया। लोकसभा चुनाव के बाद यदि मोदी फिर से पीएम बने तो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को बदल दिया जाएगा। वहीं, राज्य भाजपा प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि राउत भ्रम के शिकार हो गए हैं। भाजपा एक पार्टी नहीं, बल्कि एक परिवार है। जिन लोगों ने हमेशा गुटबाजी की राजनीति की है, वे पारिवारिक बंधनों को कभी नहीं समझेंगे। मोदी, शाह, फडणवीस भाजपा के परिवार का हिस्सा हैं।

शिंदे बोले, लूट करने वाले हमें न दें नसीहत: राउत पर पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि उन्हें ये आरोप लगाने में इतने दिन क्यों लगे। हम सभी राजग का हिस्सा हैं। मैं मुंबई में नाला सफाई अभियान में व्यस्त हूं। जिन लोगों ने सड़क मरम्मत कार्य और सफाई के नाम पर लूट की, उन्हें हमें नसीहत नहीं देनी चाहिए।

कांग्रेस ने किया सवाल, राउत को कैसे पता कि गडकरी चुनाव जीत रहे: नागपुर सीट से कांग्रेस उम्मीदवार विकास ठाकरे ने कहा कि राउत को कैसे पता है कि गडकरी चुनाव जीत रहे हैं। क्या वह कोई ज्योतिषी हैं। जब वह महाविकास आघाड़ी (एमवीए) का हिस्सा हैं तो उन्हें गडकरी के प्रति प्यार को अपने घर रखना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी के नाम पत्र लिखकर तेजस्वी ने घेरा, पूछे कई सवाल

तेजस्वी यादव। फाइल

कहा, पीएम मुद्दों की बजाय भैंस, मंगलसूत्र के रास्ते मुजरा तक आ गए

राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना : बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम एक पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने जातिवार गणना, संविधान, निजी क्षेत्र में आरक्षण समेत उन मुद्दों को लेकर प्रधानमंत्री से देश के सामने अपना पक्ष रखने की मांग की है। कहा है कि आप एक 34 साल के युवा से डर गए जो नौकरी दिलाने के लिए संघर्षशील है। क्या ऐसी धमकी देकर आप संविधान की धज्जियां नहीं उड़ा रहे है? कहा कि पीएम मुद्दों की बजाय भैंस, मंगलसूत्र के रास्ते मुजरा तक आ गए। क्या इस विशाल हृदय वाले देश के प्रधानमंत्री की भाषा ऐसी होनी चाहिए? आपने सेना, रेलवे अन्य विभागों में सरकारी नौकरियां खत्म कर दीं। अब बताएं आरक्षण कहां जाएगा। तीन पन्ने के पत्र में नेता प्रतिपक्ष ने सूची संलग्न कर गुजरात में अन्य पिछड़ा वर्ग की श्रेणी के तहत मुस्लिम समुदाय की जातियों को भी आरक्षण मिलने की बात कही है। लिखा कि चुनाव के मौसम में ही आप बिहार आते हैं और लोगों को भ्रमित करते हैं। अगस्त 2021 में आपके पास जातिवार गणना की मांग लेकर हम सभी आए थे। नीतीश की जदयू भी थी, लेकिन विधानसभा से पारित इस प्रस्ताव को आपने खारिज कर दिया।

****

2 पीठासीन अधिकारियों की अलग-अलग स्थान पर मौत हो गई है प्रयागराज में। वे ईवीएम जमा कर लौट रहे थे। दोनों की मृत्यु रास्ते में बेहोश होने के कारण हुई। 58 वर्षीय सज्जन कुमार कोरांव में इंचार्ज प्रधानाध्यापक पद पर कार्यरत थे। वहीं वरांव गांव के 50 वर्षीय सुशील कुमार शर्मा विद्युत विभाग में कार्यरत थे। उनकी ड्यूटी कोरांव में लगी थी।

विपक्ष ने छेड़ा ईवीएम से 'छेड़छाड़' का राग

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन को लेकर किया सतर्क

विपक्षी दलों से कहा–ऐसी मशीन ही नहीं जिससे छेड़छाड़ नहीं हो सके

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

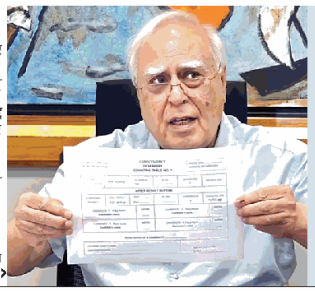

- ईवीएम खुलते ही सीयू, बीयू बैलेट और वीवीपैट नंबर जुटाने को कहा
- राज्यसभा सांसद ने फिर से इस मुद्दे को हवा दी है और कहा कि बहुत से लोग कह रहे हैं

नई दिल्ली में रविवार को ईवीएम को लेकर प्रेस कान्फ्रेंस करते पूर्व केंद्रीय मंत्री और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल। प्रेट्र

लोकसभा चुनाव में अब सिर्फ अंतिम चरण का चुनाव बाकी है, जो एक जून को होगा। वहीं मतगणना चार जून को होगी। हालांकि इससे पहले विपक्षी दलों की ओर से ईवीएम से छेड़छाड़ का मुद्दा फिर से गरमाने लगा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने फिर से इस मुद्दे को हवा दी है और कहा कि बहुत से लोग कह रहे हैं कि ईवीएम से छेड़छाड़ की जा सकती है, इसलिए हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि छेड़छाड़ की कोई संभावना नहीं है। इसके लिए हमने एक चार्ट तैयार किया और सभी विपक्षी दलों से कहा कि वह मतगणना के दौरान चार्ट के मुताबिक ईवीएम से जुड़ी जानकारी जुटाएं।

राज्यसभा सांसद सिब्बल ने रविवार को पत्रकारों से चर्चा में कहा कि वह न तो यह कह रहे हैं कि ईवीएम से छेड़छाड़ हुई है। न ही यह कह रहे हैं कि ईवीएम से छेड़छाड़ नहीं हो सकती है। लेकिन यह जरूर है कि दुनिया की कोई भी ऐसी मशीन नहीं है, जिससे छेड़छाड़ नहीं की जा सकती हो। फिलहाल हम मानते हैं कि ईवीएम से छेड़छाड़ नहीं हो सकती है। जनता के बीच इस भरोसे को मजबूती देने के लिए हमने इस बार मतगणना के दौरान ईवीएम से जुड़ी कुछ विशेष जानकारी जुटाने की योजना बनाई है। इसके लिए एक चार्ट तैयार किया है। इसमें ईवीएम से जुड़ी कंट्रोल यूनिट (सीयू), बैलेट यूनिट (बीयू) और वोटर वेरीफाइट पेपर आडिट ट्रेल (वीवीपैट) की जानकारी जुटाने को कहा गया है। इसके साथ ही मतगणना के समय को भी इनमें अवश्य दर्ज करने का सुझाव दिया है। सिब्बल ने कहा कि यदि ईवीएम से किसी भी तरह की छेड़छाड़ हुई होगी तो मतगणना के समय में अंतर दिखेगा। उन्होंने अपने मोबाइल का भी उदाहरण दिया और बताया कि जैसे इसमें कब किसे काल किया गया है या किसी की काल कब आयी थी, सारी जानकारी आ जाती है। उसी तरह से ईवीएम में मतगणना के पहले किसी तरह की छेड़छाड़ की गई होगी तो वह पता चल जाएगा।

'400 पार के दावे पर कहा था छेड़छाड़ होगी तभी संभव'

गौरतलब है कि ईवीएम को लेकर विपक्ष की ओर से पहले से ही सवाल उठाए जाते रहे हैं। लोकसभा चुनाव में भी कई विपक्षी नेताओं के बयान ईवीएम को लेकर आ चुके हैं। खुद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा की ओर से किए जा रहे 400 पार के दावे पर कहा था अगर ईवीएम से छेड़छाड़ होगी तभी यह संभव होगा। हाल ही में मतदान प्रतिशत को लेकर भी विपक्ष ने आशंका जताई थी। हालांकि बाद में निर्वाचन आयोग ने सारी आशंकाओं को खारिज करते हुए एक-एक वोट का हिसाब दे दिया।

मोदी और अदाणी–अंबानी के साथ पार्टनरशिप में चल रहा मीडिया : राहुल

जागरण टीम, धर्मशाला

- राहुल ने नाहन और ऊना में की सभाओं में मीडिया को जमकर कोसा

हिमाचल प्रदेश के सिरमौर में रविवार को लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान जनसभा को संबोधित करते कांग्रेस नेता राहुल गांधी। प्रेट्र

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने अपने चुनावी भाषण में मीडिया पर जमकर भड़ास निकाली। उन्होंने कहा कि देश का मीडिया मोदी, अदाणी और अंबानी की पार्टनरशिप में चल रहा है। आजकल प्रधानमंत्री के इंटरव्यू दिखा रहे हैं, जिसमें मोदी के चार चमचे सवाल करते हैं, मोदी जी आम कैसे खाते हैं। छील कर खाते हैं, या चूस कर खाते हैं। मोदी जवाब देते हैं कि सब कुछ अपने आप ही हो जाता है। उस पर चमचे वाह-वाह मोदी कहते हैं। क्या किसी मीडिया ने हिमाचल के बागवानों को सेब के कम दाम मिलने की खबर दिखाई। 30 मिनट के भाषण में राहुल गांधी आधे समय तक मीडिया को ही कोसते रहे। इसके बाद उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन की सरकार बनते ही हर परिवार से एक महिला चुनी जाएगी। जिसके बैंक खाते में पांच जुलाई से प्रति माह 8500 रुपये आएंगे। एक वर्ष में खाते में एक लाख रुपये आएंगे। युवाओं को 30 लाख सरकारी नौकरियां देंगे, आशा और आंगनबाडी वर्कर की दिहाड़ी दोगुनी होगी। मनरेगा की दिहाड़ी 250 रुपये से बढ़ाकर 400 रुपये की जाएगी। किसानों का ऋण माफ कर एमएसपी लागू करेंगे। अग्निपथ योजना को रद्दी की टोकरी में फेंका जाएगा। सेना में दो तरीके के जवान नहीं चाहिए, क्योंकि इससे देश की सुरक्षा व संप्रभुता को खतरा हो सकता है। चीन के सेना के जवान पांच वर्ष का प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं, लेकिन तब तक हमारे अग्निवीर सेवानिवृत्त होकर घर बैठ चुके होते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि जैसे ही गरीब महिलाओं व स्नातक युवाओं के खाते में पैसा आएगा, देश की अर्थव्यवस्था में भी सुधार होगा। यह पैसा बाजार में निवेश होगा। इससे मांग बढ़ने पर देश में ही उद्योग लगेंगे। रोजगार के अवसर पैदा होंगे, यहां का पैसा यहीं निवेश होगा। इसके लिए वाहन और पेट्रोल का उदाहरण दिया, जिसे सरकार लोगों को उपलब्ध कराएगी। कहा कि मोदी ने जिन दोस्तों पर मेहरबानी दिखाई, उन्होंने पैसा विदेश में निवेश किया।

मोदी ने पीएम रहते 25 लोगों को बनाया अरबपति : राहुल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अदाणी को हिमाचल के सेब पकड़ा दिए। सात एयरपोर्ट 50 वर्ष के लिए दे दिए। हिमाचल के बागवानों को सेब के सही दाम नहीं मिल पा रहे हैं, क्योंकि सभी कोल्ड स्टोर अदाणी को दे दिए हैं। किसानों को प्राइज फिक्सिंग का सामना करना पड़ रहा है।

हिमाचल सरकार को गिराना चाहती है भाजपा : राहुल ने आरोप लगाया कि भाजपा ने हिमाचल सरकार गिराने की कोशिश की। हिमाचल में 40 वर्ष तक मेहनत करने वाला कार्यकर्ता मुख्यमंत्री बना है। कोई भी कार्यकर्ता आम नहीं खास होता है। यह कांग्रेस में समय-समय पर साबित हुआ है। यहां हर किसी को अपना काम करने की पूरी आजादी है।

भगवान के साथ कनेक्शन

राहुल ने तंज कसते हुए कहा कि मोदी कहते हैं कि उनका भगवान के साथ सीधा कनेक्शन है और चमचे ताली बजाते हैं। मोदी से पूछना चाहते हूं कि यदि उनका भगवान से कनेक्शन है, तो क्या यह बीमारी सुबह होती है या शाम को या दिन में, यह जरूर बताएं। अदाणी की मदद के लिए भी क्या परमात्मा ने ही बोला है। उल्लेखनीय है कि मोदी के अवतार होने के बयान को लेकर विपक्ष हमलावर है।

जब तक किसान मरते रहे, केंद्र सरकार चुप रही : प्रियंका

जागरण टीम, खन्ना (लुधियाना)/पटियाला

- कहा, जब चुनाव आया तो कृषि कानून वापस ले लिए
- कांग्रेस महासचिव ने आप और शिअद पर साधी चुप्पी

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने चंडीगढ़ में न्याय संकल्प सभा के दौरान चंडीगढ़ सीट से पार्टी उम्मीदवार मनीष तिवारी के समर्थन में सभा की। सभा में नाराज चल रहे पवन बंसल भी मौजूद थे। एएनआइ

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने रविवार को खन्ना से पंजाब में चुनाव प्रचार की शुरुआत की। इसके अलावा उन्होंने पटियाला में भी रैली को संबोधित किया। खन्ना की रैली को न्याय संकल्प और पटियाला की रैली को नारी न्याय सम्मेलन नाम दिया गया। इस दौरान उन्होंने किसान आंदोलन के मुद्दे पर मोदी सरकार को घेरा और किसानों को साधने की कोशिश की।

खन्ना में प्रियंका ने कहा कि किसानों का आदर सभी करते हैं। किसान अन्नदाता है और सीमा पर खड़ा जवान किसान का बेटा है। मोदी सरकार ने किसानों का अपमान किया। अपनी बात रखने के लिए प्रधानमंत्री से मिलने गए किसानों को दिल्ली में घुसने तक नहीं दिया गया। जब तक किसान मरते रहे, केंद्र सरकार चुप रही। जब चुनाव आया तो कृषि कानून वापस ले लिए। उन्होंने कांग्रेस की गारंटियां भी गिनवाईं। महिलाओं, युवाओं और उद्योगों के पलायन के मुद्दे भी उठाए। प्रियंका ने अपने भाषण में आम आदमी पार्टी (आप) और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) का कहीं उल्लेख तक नहीं किया। उनसे पहले रैली को संबोधित करते हुए स्थानीय नेताओं ने आप पर जमकर निशाना साधा। कांग्रेस नेत्री ने कहा कि भाजपा सरकार अरबपतियों की सरकार है। मोदी ने कारोबारी मित्रों को लाभ पहुंचाने के लिए 16 हजार करोड़ का कर्ज माफ कर दिया, लेकिन किसानों की बात आई तो अर्थव्यवस्था का हवाला देने लगे।

चुनावी हलचल

बिहार में जिला स्वीप आइकान से हटाए जाएंगे क्रिकेटर आकाशदीप

जागरण संवाददाता, सासाराम (रोहतास) : बिहार के रोहतास जिला स्वीप आइकान व क्रिकेटर आकाशदीप को काराकाट संसदीय क्षेत्र के निर्दलीय प्रत्याशी पवन सिंह के साथ मंच साझा करना महंगा पड़ा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीएम नवीन कुमार ने उन्हें आइकान से हटाने संबंधी प्रस्ताव राज्य चुनाव आयोग को भेज दिया है। साथ ही कार्रवाई से आकाशदीप को भी अवगत करा दिया गया है। आकाशदीप दूसरे जिला आइकान हैं, जिन पर इस तरह की कार्रवाई की गई है। इसके पहले जिले के भोजपुरी लोक कलाकार अंकुश राजा भी पवन सिंह की चुनावी रैली में शामिल हुए थे। जिनको स्वीप आइकान की जवाबदेही से मुक्त कर दिया गया है। जिला स्वीप कोषांग के अधिकारी सह वरीय उपसमाहर्ता नेहा कुमारी ने बताया कि क्रिकेटर आकाशदीप को जिला स्वीप आइकान के रूप में निर्वाचन आयोग ने नामित किया था। उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी के साथ मंच साझा किया। इसे गंभीरता से लेते हुए उन्हें पद से हटाने का प्रस्ताव राज्य निर्वाचन आयोग को भेजा गया है।

आकाशदीप। फाइल

बिहार में चुनावी हिंसा में एक की मौत के बाद एसपी का तबादला

राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना : बिहार के सारण में चुनावी हिंसा मामले में बिहार सरकार ने पुलिस अधीक्षक (एसपी) गौरव मंगला का तबादला कर दिया है। उन्हें मुख्यालय में योगदान करने को कहा गया है। वहीं सारण के नए एसपी की जिम्मेदारी रेल एसपी (मुजफ्फरपुर) कुमार आशीष को दिया गया है। गृह विभाग ने चुनाव आयोग के निर्देश के बाद इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। मालूम हो कि सारण में मतदान के बाद दूसरे दिन तेलपा इलाके के भिखारी ठाकुर चौक के पास चुनावी हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी, जबकि दो अन्य घायल हो गए थे। मतदान के दिन अनियमितता और उसके बाद चार प्राथमिकी दर्ज की गई थी। पुलिस ने अब तक दो लोगों को गिरफ्तार किया है और फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए एक विशेष जांच दल (एसआइटी) का गठन भी किया था। इस मामले में पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के दो अंगरक्षक को भी निलंबित किया जा चुका है।

भाजपा के विज्ञापनों पर रोक मामले में आज सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट सोमवार को कलकत्ता हाई कोर्ट के एक फैसले के खिलाफ भाजपा की एक याचिका पर सुनवाई करेगा। एकल जज की पीठ ने अपने फैसले में भाजपा को वह विज्ञापन जारी करने से रोका है जिन्हें लोकसभा चुनाव के दौरान आचार संहिता का उल्लंघन माना गया है। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर 27 मई को काज लिस्ट अपलोड की गई है, जिसके अनुसार जस्टिस जेके महेश्वरी और केवी विश्वनाथन की खंडपीठ इस मामले की सुनवाई करेगी। 22 मई हाई कोर्ट की डिविजन बेंच ने एकल पीठ के अंतरिम आदेश के खिलाफ अपील की सुनवाई करने से मना कर दिया था। विगत 20 मई को एकल पीठ ने भाजपा को आगामी चार जून तक आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले पार्टी विज्ञापनों के प्रकाशन पर रोक लगा दी थी। अदालत ने बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के उल्लेखित भाजपा के विज्ञापनों पर भी रोक लगाई है जिसमें टीएमसी के खिलाफ निराधार आरोप लगाए गए थे। भाजपा ने याचिका में दावा किया है कि फैसला सुनाते हुए इसका ध्यान नहीं रखा कि मामला चुनाव आयोग के समक्ष है।

मोदी को मुख्यमंत्री बोल गए नीतीश कुमार

जागरण संवाददाता, दनियावां (पटना) : पटना साहिब लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी रविशंकर प्रसाद के पक्ष में दनियावां हाई स्कूल मैदान में रविवार को आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जुबान फिसल गई। लोगों से समर्थन की अपील करते हुए वह कह गए कि आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी फिर मुख्यमंत्री बनें, देश का विकास हो, बिहार का विकास हो, सभी कुछ हो। हालांकि, वह तुरंत ही संभल गए और कहा कि मोदी जी प्रधानमंत्री हैं और आगे भी बने रहेंगे। इंटरनेट मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर मुख्यमंत्री के संबोधन का यह हिस्सा प्रसारित हो रहा है। इससे पहले भी मुख्यमंत्री ने नवादा की जनसभा में पहली बार प्रधानमंत्री मोदी के सामने 400 की बजाय 4000 सीट पर एनडीए प्रत्याशियों को विजयी बनाने की अपील कर दी थी। इसके बाद वाल्मीकि नगर लोकसभा क्षेत्र में चुनावी सभा में उन्होंने यही बात दोहराई, हालांकि बाद में यहां उन्होंने 4000 नहीं, 400 सीट की बात कही थी।

नीतीश कुमार। फाइल

हेलीकाप्टर का तेल खत्म, सड़क मार्ग से गए सीएम

जागरण संवाददाता, मसौढ़ी (पटना): स्थानीय गांधी मैदान में चुनावी सभा में पहुंचे मुख्यमंत्री के हेलीकाप्टर में तेल खत्म होने के कारण उन्हें सड़क मार्ग से पटना लौटना पड़ा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार की दोपहर मसौढ़ी के गांधी मैदान में सभा को संबोधित करने के बाद जैसे ही संपतचक जाने के लिए हेलीकाप्टर में सवार होना चाहे, उनका हेलीकाप्टर उड़ान नहीं भर सका। बाद में पता चला कि तेल खत्म हो गया है। इस पर मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताई। बताया जाता है कि पटना से मसौढ़ी के लिए उड़ान भरने के पहले पायलट हेलीकाप्टर में तेल डलवाना भूल गया था। इधर, एसडीओ अमित कुमार पटेल ने मसौढ़ी में मुख्यमंत्री के हेलीकाप्टर का तेल खत्म होने की बात से इन्कार किया है। कहा, किस कारण से सीएम सड़क मार्ग से गए, पता नहीं है।

नशे व मतांतरण पर भाजपा ही कस सकती है नकेल : धामी

- उत्तराखंड के सीएम ने कहा– कांग्रेस, आप और शिअद तुष्टीकरण, भ्रष्टाचार और परिवारवाद को बढ़ावा देने वाली पार्टियां

राजपुरा में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी को सम्मानित किया गया सौ. भाजपा

संवाद सूत्र, जागरण ● राजपुरा (पटियाला): उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राजपुरा में कहा कि कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और शिरोमणि अकाली दल तुष्टीकरण, भ्रष्टाचार और परिवारवाद को बढ़ावा देने वाली पार्टियां हैं।

उन्होंने कहा कि आप की फिजूलखर्ची से पंजाब कर्ज के बोझ तले दबा है। पंजाब में नशे का छठा दरिया बह रहा है और यहां मतांतरण भी हो रहा है। इस पर भाजपा ही नकेल कस सकती है। पंजाब का हर आदमी आज खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है। आम आदमी पार्टी ने पंजाब में भ्रष्टाचार का उद्योग खोल दिया है। इसके लिए मौजूदा सरकार को सख्त कदम उठाने चाहिए। इस दौरान धामी ने केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, हर घर नल, जनधन जैसी अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। इन योजनाओं ने लोगों के जीवन को बेहतर बनाया है। उल्लेखनीय है कि उत्तराखंड में मतांतरण के खिलाफ लंबे समय से मुहिम चलाई जा रही है। मतांतरण की वजह से यहां के कुछ इलाकों की डेमोग्राफिक स्थित में बदलाव आने लगा है। इसके खिलाफ मुहिम चलाई जा रही है।

शिअद ने लगाया आरोप.... अलगाववादी अमृतपाल के परिवार की पृष्ठभूमि कांग्रेसी

धर्मबीर सिंह मल्हार ● जागरण

विरसा सिंह वल्टोहा।

शिअद प्रत्याशी ने पूछा, दो वर्ष पहले कांग्रेस का समर्थन क्यों कर रहा था अमृतपाल का परिवार

तरनतारन : असम की डिब्रूगढ़ जेल से ही खडूर साहिब लोकसभा सीट से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रहे अलगाववादी अमृतपाल सिंह के परिवार की पृष्ठभूमि कांग्रेसी रही है। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने यह आरोप लगाया है।

खडूर साहिब से शिअद प्रत्याशी विरसा सिंह वल्टोहा कहते हैं कि एनएसए के तहत डिब्रूगढ़ जेल में बंद अमृतपाल के परिवार के सबसे ज्यादा फोटो कांग्रेस के नेताओं के साथ हैं। लोकसभा चुनाव 2019 में अमृतपाल का पूरा परिवार खडूर साहिब से कांग्रेस प्रत्याशी जसबीर सिंह डिंपा के साथ चट्टान की तरह खड़ा था। उसके चाचा हरजीत सिंह ने चुनावी सभाओं में कई बार डिंपा को सम्मानित किया था। खडूर साहिब के तत्कालीन विधायक संतोख सिंह भलाईपुर की सभाओं में भी अमृतपाल का चाचा अक्सर नजर आता था। कांग्रेस की बदौलत अमृतपाल का परिवार गांव की सरपंची तक पाने में कामयाब हो गया था। वल्टोहा का कहना है कि स्वयं को सिखी का ठेकेदार बताने वाले अमृतपाल को क्या तब यह बात पता नहीं थी कि सिखों पर किसी ने सबसे ज्यादा अत्याचार किए हैं तो वह कांग्रेस है। वह चाहे श्री हरिमंदिर साहिब पर हमला हो या फिर दिल्ली में सिखों का नरसंहार। अब अमृतपाल स्वयं को ऐसे पेश कर रहा है कि वह सिखी को बचाने आया है। उन्होंने सवाल किया कि अमृतपाल के चुनाव अभियान की कमान संभालने वाली परमजीत कौर खालड़ा 2019 में जब खडूर साहिब से चुनाव लड़ रही थी तो उस समय अमृतपाल सिंह के परिवार ने कांग्रेस का समर्थन क्यों किया था?

कांग्रेस ने सेना वापस न बुलाई होती तो गुलाम कश्मीर हमारा होता : शांता

दिनेश कटोच, जागरण : धर्मशाला : पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता शांता कुमार राजनीति के गिरते स्तर पर चिंतित हैं। उनका कहना है कि अब नेता मुद्दों की बात नहीं करते। निजी हित बढ़ता जा रहा है। अगर कांग्रेस सरकार ने सेना वापस न बुलाई होती तो गुलाम कश्मीर आज हमारा होता। जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाना देश के हित में है। वह कहते हैं मंडी संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत बहादुर बेटी है, वह प्रदेश की राजनीति में भी अवश्य नाम कमाएगी। प्रदेश स्विट्जरलैंड से कम नहीं है लेकिन पर्यटन के क्षेत्र में काम नहीं हुआ है। मोदी सरकार ने 10 साल में ऐतिहासिक काम किए हैं। दैनिक जागरण से खास बातचीत में शांता कुमार ने कहा कि देश की आजादी में महात्मा गांधी व जवाहर लाल नेहरू का योगदान रहा है। इन नेताओं ने अपने समय में कुछ ऐसी गलतियां भी कर डालीं, जिसका खामियाजा आज देश को गुलाम कश्मीर के रूप में भुगतना पड़ रहा है। कांग्रेस ने वोट के लिए तुष्टीकरण किया।

कांग्रेस की सरकार बनते ही खुलेगी पाकिस्तान से व्यापार की राह : थरूर

जागरण संवाददाता, अमृतसर

- पूर्व केंद्रीय ने अमृतसर में कारोबारियों से की मुलकात

पत्रकारों से बातचीत करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर। साथ है सांसद गुरजीत सिंह औजला। सर्बजीत सिंह

पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर ने रविवार को अमृतसर में बिजनेस कान्फ्रेंस के तहत व्यापारियों से मुलाकात की। कारोबार की समस्याओं पर चर्चा के दौरान थरूर ने कहा कि केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनते ही पाकिस्तार का ट्रेड कोरिडोर खोला जाएगा। कस्टम ड्यूटी जो 200 प्रतिशत है, उसके लिए पालिसी रिवाइज की जाएगी और स्माल स्केल इंडस्ट्री को पैकेज दिए जाएंगे। बिजनेस कान्फ्रेंस में व्यापारियों ने शशि थरूर और पार्टी प्रत्याशी गुरजीत सिंह औजला को समस्याएं बताईं। शशि थरूर ने कहा कि वो चाहते हैं कि अमृतसर में कन्वेंशन सेंटर बनें, लेकिन ऐसे स्थान पर होना चाहिए जहां पर पार्किंग की सुविधा हो और आवाजाही आसान हो। शशि थरूर ने कहा कि इस समय लोग बदलाव चाहते हैं। बीते सालों में जो बदलाव आया है वो हिंदुत्व नहीं, बल्कि मोदीत्व है। थरूर ने औजला की तारीफ करते हुए कहा कि अमृतसर के निवासी बेहद भाग्यशाली हैं, जिन्हें ऐसा कर्मठ नेता मिला है। औजला ने संसद में हुए हमले के दौरान खुद की परवाह नहीं की और लोगों की जान बचाई। इसके लिए उन्हें अवार्ड मिलना चाहिए था। रियल एस्टेट सेक्टर की ओर से इंडस्ट्री का दर्जा न मिलने के सवाल पर शशि थरूर ने कहा कि दस सालों में कुछ बड़े घरानों से राय लेकर ही पालिसी बनाई गई।

कांग्रेस और भाजपा नेताओं में तीखी झड़प मामले में क्रास केस दर्ज

जागरण संवाददाता सिरसा : कांग्रेस कार्यकर्ताओं व भाजपा समर्थकों के बीच शनिवार शाम को भगत सिंह चौक पर हुई तीखी झड़प के बाद शहर थाना पुलिस ने दोनों पक्षों पर क्रास केस दर्ज किया है। वहीं इस मामले को लेकर दोनों ही पक्षों ने एसपी से मिलकर मामले की निष्पक्ष जांच करने की मांग की है।

पुलिस को दी शिकायत में भाजपा प्रत्याशी की पत्नी अवंतिका तंवर ने कांग्रेस प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य नवीन केडिया व उसके बेटे नमन केडिया के खिलाफ बेटी से अभद्रता करने के आरोप लगाते हुए मामला दर्ज करवाया है। वहीं कांग्रेस नेता नवीन केडिया की शिकायत पर भाजपा प्रत्याशी की पत्नी अवंतिका तंवर, बेटे आदिकर्ता व बेटी सहित पांच से सात अन्य लोगों के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। पुलिस पीआरओ सुरजीत सहारण ने बताया कि दोनों पक्षों के लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

मतदान केंद्र में तोड़फोड़ के आरोप में भाजपा प्रत्याशी गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, भुवनेश्वर

- ओडिशा विधानसभा चुनाव लड़ रहे जगदेव को पीठासीन अधिकारी की शिकायत पर किया गया गिरफ्तार

ओडिशा के चिल्का विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक प्रशांत जगदेव। जागरण

ओडिशा के चिल्का विधानसभा से भाजपा विधायक प्रशांत जगदेव को पुलिस ने शनिवार को चुनाव के दौरान बूथ में मतदान अधिकारी से मारपीट करने व ईवीएम तोड़ने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। वह खोरधा विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी है। यह घटना खोरधा की बोलागढ़ तहसील में स्थित राजसुनाखला के पास कौंरीपटना की है। संबंधित बूथ के पीठासीन अधिकारी ने इस मामले में विधायक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने प्रशांत जगदेव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। विधायक प्रशांत का कहना है कि उन्हें झूठे आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बूथ के सीसीटीवी की जांचकर कार्रवाई की मांग की है। एसपी अविनाश कुमार ने कहा है कि बूथ के सीसीटीवी की जांच नहीं हो पाई है। चुनाव अधिकारियों से सीसीटीवी मुहैया कराने को कहा गया है। फुटेज की जांच होने पर कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि भाजपा प्रत्याशी प्रशांत शनिवार को अपनी पत्नी के साथ मतदान करने बोलागढ़ ब्लाक के कौंरीपटना में बूथ पर गए थे। इस दौरान ईवीएम में कुछ खराबी आ गई और उन्हें बूथ पर लाइन में काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। इसी क्रम में विधायक की बूथ के पीठासीन अधिकारी से बहस हो गई, जिसमें धक्का-मुक्की की नौबत आ गई। आरोप है कि विधायक ने विवाद के दौरान ईवीएम की मेज जोर से खींच दी, ईवीएम नीचे गिरकर टूट गई। इसके बाद विधायक वहां से निकल गए और मौके पर मौजूद भाजपा की सांसद अपराजिता षाडंगी के साथ गाड़ी में सवार होकर जाने लगे। पीठासीन अधिकारी की शिकायत पर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। विधायक प्रशांत पहले भी विवादों में रहे हैं। मार्च 2022 में भाजपा कार्यकर्ताओं की भीड़ में वाहन घुसा देने के आरोप में उन्हें गिरफ्तार किया गया था। बीजद ने उन्हें पार्टी से निष्कासित कर दिया था।

'राहुल ने पहले पापा की सीट डुबोई, अब मम्मी की डुबोएंगे'

जागरण संवाददाता, वाराणसी : भाजपा के सांसद प्रत्याशी नरेन्द्र मोदी के समर्थन में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने रविवार को सीरगोवर्धनपुर में जनसभा की। उन्होंने कहा काशी के यादवों को धर्मध्वजा वाहक होने का गौरव प्राप्त है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि मोदी की सरकार बनी तो राहुल भागने को मजबूर हो गए। मोदी के आह्वान पर पूरे उत्तर प्रदेश से कांग्रेस साफ हो गई थी। सिर्फ एक सीट मम्मी की बची थी, बेटा तो ऐसा भागा कि केरल के आगे समुद्र आ गया नहीं तो किसी अरब देश में जाकर चुनाव लड़ते। राहुल उत्तर प्रदेश में आए तो मम्मी की सीट पर गए। पहले पापा की सीट डुबोई अब मम्मी की डुबोएंगे। डा. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस और उनके साथ के लोग गीता पर विश्वास नहीं करते हैं। वह तो राममंदिर में दर्शन करने नहीं जाना चाहते हैं।

****

साक्षात्कार नरेन्द्र मोदी

> मुझे विश्वास है कि पंजाब के लोग भाजपा के विकसित भारत के संकल्प के साथ जुड़ेंगे और पंजाब के बेहतर भविष्य के लिए हमारा समर्थन करेंगे।

काशी ने मुझे बनारसी बना दिया है

बतौर प्रधानमंत्री पूरे देश की चिंता, लेकिन संसदीय क्षेत्र वाराणसी की बात आते ही जो भावुकता और अपनत्व **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी** में एकबारगी दिखता है वह कइयों के लिए सीख हो सकती है। खासतौर से तब जबकि चुनाव में बड़ी संख्या में उम्मीदवारों को लेकर उनके ही क्षेत्रों में असंतोष दिखता रहा है। अब चुनाव उस मोड़ पर पहुंच गया है जहां वही स्टार प्रचारक खुद मैदान में हैं जिनके नाम और छवि पर केवल भाजपा के ही नहीं, बल्कि राजग के सहयोगी दलों के कई उम्मीदवार भी जीत की आस लगाए बैठे हैं। **दैनिक जागरण** के राजनीतिक संपादक **आशुतोष झा** जब प्रधानमंत्री मोदी से वाराणसी के मुद्दों पर बात करते हैं तो लगता है कि 10 वर्षों में उन्हें काशी की हर गली याद हो गई है। पीएम कहते हैं- बनारस कुछ खास है। जैसे आप कहीं भी चले जाएं, लेकिन जब आप अपने घर पहुंचते हैं, अपनी मां के पास पहुंचते हैं तो अलग प्रकार का सुकून मिलता है। वैसे ही बनारस मेरे लिए मां की तरह है, वहां मां गंगा भी हैं। प्रस्तुत हैं बातचीत के मुख्य अंशः

> इस देश में 10 वर्ष तक एक ऐसे प्रधानमंत्री रहे जो इलेक्टेड यानी चुने हुए नहीं थे तो उनके लिए चुनाव में वोट मांगना, लोगों से मिलना, ये सब कोई महत्व नहीं रखता था। उनके बाद अब मैं जो कर रहा हूं वो लोगों को नया लगता है।

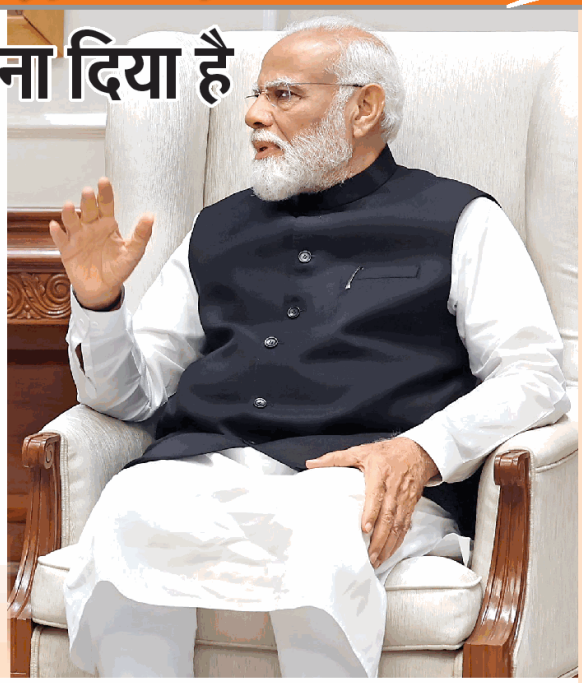

> काशी में जो काम हुआ है, मैं उसका निमित्त भर था। ये सब कुछ बाबा विश्वनाथ के आदेश से हुआ। जिस नगरी का विकास, विधान स्वयं महादेव निर्धारित करें, वह दिव्य और भव्य तो बन ही जाती है।

● यह लगातार देखा गया है कि पीएम होते हुए भी आप बहुत बड़ी संख्या में चुनावी सभाएं व रोडशो करते हैं। ऐसा इसलिए कि आप लोगों के बीच जाना पसंद करते हैं या महसूस करते हैं कि जीत के लिए आपको ही जिम्मेदारी निभानी होगी?

– लोकतंत्र में चुनाव की एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। लोकतंत्र में जरूरी है कि जो चुने हुए प्रतिनिधि हैं वे लोगों तक पहुंचें, अपना काम बताएं, उनका फीडबैक लें और फिर जनता की जरूरतों के मुताबिक काम करने का संकल्प लें। देश के लोग पहली बार एक ऐसी सरकार देख रहे हैं जो अपना रिपोर्ट कार्ड लेकर जनता के पास जाती है। हमारे लिए एक-एक वोट हमारे काम पर जनता की मुहर है।

इस देश में 10 वर्ष तक एक ऐसे प्रधानमंत्री रहे जो इलेक्टेड यानी चुने हुए प्रधानमंत्री नहीं थे। उनके लिए चुनाव, वोट मांगना, लोगों से मिलना, ये सब कोई महत्व नहीं रखता था। उनके बाद अब मैं जो कर रहा हूं, वह लोगों को नया लगता है। मैं प्रधानमंत्री तो हूं पर भाजपा का नेता भी हूं। भाजपा का नेता होने के नाते मेरा कर्तव्य है कि पार्टी मुझे जो जिम्मेदारी देगी, मैं उसे निभाऊंगा।

भाजपा में प्रधानमंत्री से लेकर पन्ना प्रमुख तक हर स्तर पर सभी कार्यकर्ता कड़ी मेहनत कर रहे हैं। आप हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष जी को देखिए, रक्षा मंत्री जी को देखिए, गृह मंत्री जी को देखिए। हमारे मुख्यमंत्री, मंत्री सब बहुत मेहनत कर रहे हैं। सभी दिन में चार-पांच कार्यक्रम कर रहे हैं। यह भारतीय जनता पार्टी की संस्कृति है, संस्कार है। सभी अधिकतम योगदान देने में जुटे हैं।

● आप देश में रैली व रोड शो कर रहे हैं, लेकिन जब आप अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में पहुंचते हैं, वहां रोड शो या रैली करते हैं तो वह दूसरे क्षेत्रों से क्या और कितना अलग होता है?

– (थोड़ी मुस्कान के साथ) बनारस कुछ खास है। जैसे आप कहीं भी चले जाएं, लेकिन जब अपने घर पहुंचते हैं, अपनी मां के पास पहुंचते हैं तो अलग प्रकार का सुकून मिलता है। वैसे ही बनारस मेरे लिए मां है, वहां मां गंगा भी हैं। जब भी मैं बनारस जाता हूं तो अलग प्रकार का अपनापन व स्नेह मिलता है। मैं वहां का प्रतिनिधि हूं, लोगों से वोट मांगता हूं, वे मुझे समर्थन देते हैं, वोट देते हैं। यह सब चलता रहता है, किंतु बनारस के साथ मेरा रिश्ता इससे बढ़कर है।

काशी बहुसांस्कृतिक नगरी है। आप जब रोड शो में अलग-अलग मोहल्लों से गुजरते हैं, तो अलग-अलग संस्कृतियां भी देखने को मिलती हैं। अभी मैं नामांकन करने गया था। बीएचयू के पास से रोड शो शुरू हुआ, वहां बिहार समेत पूर्वी भारत के परिवार रहते हैं। आगे बढ़ने पर अस्सी मोहल्ला है, वहां आपको दक्षिण भारत से जुड़े अनेक मठ और आश्रम मिल जाएंगे। इसी राह में कांची कामकोटिश्वर मठ है। केदार घाट पर उत्तराखंड की शैली के मंदिर हैं। घाट हैं जो राजस्थान के राजाओं ने बनवाए।

इसी रास्ते पर आगे बढ़ेंगे, तो मदनपुरा में मुस्लिम परिवार और बुनकर भाइयों के घर मिलेंगे। इसके बाद जंगमबाड़ी में बंगाली परिवारों का मोहल्ला है। गोदौलिया पर पूरे भारत से आने वाले लोग मिल जाएंगे। आगे विश्वनाथ मंदिर की ओर बढ़ने पर मराठी और गुजराती परिवार मिल जाते हैं। यही काशी है। एक चार-पांच किलोमीटर के रोड शो में कोई आरती करता है, कोई शिवाजी महाराज की तस्वीर लेकर खड़ा होता है, कोई बंगाली साड़ी पहने तो कोई दक्षिण के परिधानों में मिलता है। काशी के रोड शो और सभाओं में पूरे भारत की संस्कृति का संगम होता है। मेरे लिए यह एक भारत-श्रेष्ठ भारत का सबसे सशक्त रूप है। इसीलिए काशी सबसे अलग है, सबको जोड़े हुए है।

● 'दिव्य काशी, भव्य काशी' की हर ओर चर्चा है। बीते 10 वर्षों में काशी का, यहां के इंफ्रास्ट्रक्चर का आपने कायाकल्प कर दिखाया। यह कितना मुश्किल था?

– देखिए, काशी में जो काम हुआ है, मैं उसका निमित्त भर था। ये सब कुछ बाबा विश्वनाथ के आदेश से हुआ। जिस नगरी का विकास, विधान स्वयं महादेव निर्धारित करें, वह दिव्य और भव्य तो बन ही जाती है। विकास के बारे में मैं कुछ बातें आपको बताता हूं।

देखिए, वाराणसी का माडल पूरे विश्व में सबसे अलग है। करीब 70 लाख लोगों का शहर है और अब हर रोज करीब पांच लाख पर्यटक भी यहां आते हैं। हमने बीते 10 वर्षों में इतनी जनसंख्या के लिए शहर को अलग-अलग माडल पर बदला। स्थानीय लोगों की जो समस्याएं थीं और पर्यटन का विकास होने के कारण बाद में जो जरूरतें बनीं, हमने दोनों पर काम किया। स्थानीय लोगों के लिए गलियों की साफ सफाई, पुराने सीवेज सिस्टम में बदलाव, सड़कों का चौड़ीकरण, हेरिटेज माडल पर बाजारों का विकास, स्ट्रीट लाइट सिस्टम, लोकल वेंडिंग जोन की समस्या ऐसी कई चीजें हमने योजनाबद्ध तरीके से बदलीं। बनारस में एक कमांड सेंटर बनाकर ट्रैफिक मैनेजमेंट सही किया गया। ये काशी के अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर माडल का पहला कदम था।

बनारस में हर रोज लाखों लोग इलाज, दर्शन, बाजार और पर्यटन के लिए आते हैं। हमने यात्रियों के लिए शहर भर में पार्किंग बनाई हैं। गोदौलिया और बेनियाबाग की हाईटेक पार्किंग ऐसे ही इंतजाम हैं। पर्यटकों के आने के लिए वाराणसी के चारों ओर के हाईवे नेटवर्क को सुधारा गया। पूर्वांचल के जिलों से आने वालों के लिए गाजीपुर-वाराणसी, जौनपुर-वाराणसी, आजमगढ़-वाराणसी सड़कें सुधारी हैं।

शहर में 15 ऐसे फ्लाईओवर बने हैं, जिनसे जाम की समस्या बहुत हद तक खत्म हुई है। वाराणसी के बाहरी इलाकों में रिंग रोड बनी है। एयरपोर्ट का विकास हो रहा है, काशी के स्टेशन को फ्यूचर रेडी किया जा रहा है। इससे पर्यटकों को काशी आने में सहूलियत मिलती है और काशीवासियों को भी लाभ होता है। जो लोग इलाज के लिए आते हैं, उनके लिए कैंसर का अस्पताल और सुपर स्पेशियालिटी हास्पिटल बने हैं। बीएचयू के अस्पताल का बड़ा अपग्रेडेशन हुआ है। इससे न सिर्फ पूर्वांचल, बल्कि बिहार के भी लाखों लोग लाभान्वित हो रहे हैं। इन सब के साथ शहर में बिजली, पानी और वेस्ट मैनेजमेंट की व्यवस्था के लिए भी करोड़ों रुपये खर्च किए गए हैं।

अब बनारस भविष्य के लिए तैयार हो रहा है। भारत का पहला सिटी रोप-वे बनारस में बन रहा है। इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम से लेकर घाटों तक बहुत सारे काम हो रहे हैं। काशी में रुद्राक्ष जैसा हाइटेक कन्वेंशन सेंटर भी है और बाबा विश्वनाथ का भव्य धाम भी। काशी शहरी विकास का माडल सिटी है। काशी जैसे जनघनत्व वाले शहर में इतने सारे काम हुए होंगे, तो सोचिए लोगों को कितनी सारी परेशानी हुई होगी। लेकिन काशीवासियों ने विकास कार्यों में मेरा बहुत साथ दिया। यही कारण है कि हम काशी को इतना बदल पाए।

● काशी की भारत की आध्यात्मिक राजधानी के रूप में मान्यता है, पर 10 वर्ष पहले तक यहां आने वाले श्रद्धालुओं को कई असुविधाओं का सामना करना पड़ता था। काशी की पौराणिकता को सहेजने और संवारने के लिए आपके द्वारा किए गए कामों की सूची लंबी है। क्या इस दौर को हम सनातन-शाश्वत काशी का स्वर्ण काल कह सकते हैं?

– काशी तो भारत के आध्यात्मिक वैभव की नगरी है। यह महादेव का तीर्थ भी है और बुद्ध की नगरी भी। यहां संत रविदास का सीर गोवर्धन भी है और मां गंगा के घाटों की श्रृंखला भी। इन सभी के दर्शन के लिए शताब्दियों से श्रद्धालु यहां आते हैं। इनके लिए पहले जो व्यवस्थाएं थीं, वे बढ़ती जनसंख्या के साथ अपर्याप्त होती गईं। इससे असुविधाएं होने लगीं, लेकिन काशीवासियों ने आतिथ्य भाव में कभी कमी नहीं की।

जिन सरकारों ने उत्तर प्रदेश या देश पर राज किया उन्होंने कभी काशी के विकास के बारे में सोचा तक नहीं। गलियां, सड़कें, मंदिर सब वैसे ही रह गए। कुछ क्षतिग्रस्त हो गए और कुछ होने की कगार पर आ गए। एक जमाना था, जब बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए लोग गलियों में लंबी लाइन में लगते थे और वहीं सीवर बहता रहता था। सारनाथ या सीर गोवर्धन में कोई आयोजन हो जाए तो पूरे शहर में जाम की स्थिति बन जाती थी। काशी आने वाले यात्रियों के लिए सड़क, ट्रेन और हवाई मार्ग से अच्छे साधन नहीं थे।

10 वर्षों में हमने चीजें बदलीं। हमने शहर के 101 मंदिरों का विकास किया। जिन कुंडों पर काशी के संस्कार होते थे, उनकी सफाई और जीर्णोद्धार किया। काशी के जिस मणिकर्णिका घाट पर पूर्वांचल और बिहार के लोग क्रिया कर्म के लिए आते हैं, उसका पुनर्निर्माण हो रहा है। पंचकोसी यात्रा के पड़ावों को ठीक किया गया। ये काशी की संस्कृति और भव्यता के अनुरूप बनें, इसका सबसे ज्यादा ध्यान रखा।

आज पहले की तुलना में कई गुना ज्यादा लोग यहां आते हैं। काशी में साधन और संसाधन दोनों का विकास हुआ है। आप इसे स्वर्ण काल कहते हैं, यह आपका मानना है। मैं संतुष्ट नहीं होता। अभी काशी में बहुत कुछ करना है। मुझे विश्वास है कि बाबा विश्वनाथ के आशीर्वाद से काशी और समृद्ध होगी।

● आप संतुष्ट होकर रुकना नहीं चाहते, यह तो अच्छी बात है, लेकिन श्री विश्वनाथ धाम का भव्य निर्माण आपको कितना संतोष देता है? विश्वनाथ मंदिर के पुनरुद्धार ने करोड़ों शिवभक्तों की सदियों की प्रतीक्षा खत्म की है। आप विरासत भी, विकास भी की बात करते हैं। क्या यह पूरा होता नजर आ रहा है?

– बाबा विश्वनाथ धाम का भव्य निर्माण मेरे लिए ड्रीम प्रोजेक्ट की तरह था। मैं इस मंदिर से अपनी अंतरात्मा से जुड़ा हूं। जब भी बाबा के अरघे के किनारे बैठता हूं, लगता है एक दूसरी ऊर्जा से जुड़ गया हूं। विश्वनाथ धाम का निर्माण इसी शक्ति से हुआ है।

आज बाबा विश्वनाथ के धाम में बाबा का गर्भगृह स्वर्णमंडित हुआ है। धाम का स्वरूप भव्य हुआ है। गंगा के तट से बाबा का धाम जुड़ा है। हजारों भक्तों के एक साथ खड़े होने की व्यवस्था हुई है। बाबा के धाम के साथ पूरी काशी के मोहल्लों के कुंड भी भव्य हुए हैं। काशी के लक्खा मेलों का आनंद भी बढ़ा है। बाबा विश्वनाथ सर्वसमावेशी विकास के सबसे बड़े पुंज हैं। आज एक तरफ बाबा का धाम दिखता है, दूसरी तरफ गंगा में चलते हाईटेक क्रूज दिखते हैं। यही विरासत और विकास का संगम है। मेरे लिए यही उपलब्धि है कि काशी अपनी पुरातन परंपरा को संरक्षित करते हुए नवयुग को देख रही है, लेकिन यह महादेव की कृपा से हुआ है। मैं बस साधन हूं, साध्य खुद बाबा विश्वनाथ हैं।

सनातन में यह धारणा रही है कि परमात्मा की इच्छा से ही जगत के सारे काम हो रहे हैं। मेरे जीवन का भी एक उद्देश्य ईश्वर ने तय किया है और उस उद्देश्य को पूरा करने की शक्ति भी वही देते हैं। मैं स्वयं ये सब नहीं कर रहा बल्कि महादेव मुझसे काशी की सेवा करा रहे हैं। भगवान शिव स्वयं विरक्त रहते हैं, लेकिन भक्तों की हर इच्छा पूरी करते हैं। मैंने भी उनसे विरक्त जीवन जीते हुए लोक कल्याण के लिए काम करने की प्रेरणा ली है।

● जब आप 10 वर्ष पहले बनारस आए तो कहा कि मुझे मां गंगा ने बुलाया है। हाल ही में आपने कहा कि मुझे मां गंगा ने गोद ले लिया है। मां गंगा और काशी से अपने नाते की बात करते हुए आप भावुक हो जाते हैं। अपने जीवन में काशी के प्रभाव के बारे में आप क्या कहेंगे?

– (थोड़ी चुप्पी के बाद) काशी में कुछ है जिसे शब्दों में नहीं बताया जा सकता। जहां गंगा का नित प्रवाह हो, बाबा विश्वनाथ का अभयदान हो और माता अन्नपूर्णा की समृद्धि हो, वही काशी है। मैं जब यहां आया था, तो जनप्रतिनिधि के रूप में था। अब परिवार के प्रतिनिधि के रूप में हूं। इसीलिए कहता हूं कि काशी ने मुझे बनारसी बना दिया है।

जब भी काशी आता हूं, काशी के लोग आत्मीयता से मिलते हैं। काशी परिवार सी लगती है। मां गंगा ने मुझे 10 वर्ष पहले काशी बुलाया था, पर आज लगता है कि उन्होंने मुझे बेटा मानकर अपना लिया है। चूंकि मेरी मां अब प्रत्यक्ष रूप से मेरे साथ नहीं हैं, इसलिए गंगा ही मेरी मां के रूप में हैं। मैं काशी आता हूं तो लगता है मां के घर आया हूं। अब बेटा मां और परिवार के पास आएगा तो उसका भावुक होना स्वाभाविक है।

● पंजाब में भाजपा की जड़ें नहीं जम पाईं। क्या इस बार कुछ उम्मीदें हैं?

– पंजाब में भाजपा लगभग तीन दशक बाद बिना गठबंधन के उतरी है। जब तक हम गठबंधन में रहे, तब तक हमारा दायरा सीमित रहा। हम गठबंधन धर्म के नियमों से बंधे थे। उस समय भी हम लोक कल्याण के अपने दायित्वों से पीछे नहीं हटे, लेकिन तब हमें पंजाब के हर जिले, हर पिंड में विस्तार का अवसर नहीं मिला। 2024 के चुनाव में भाजपा देश और पंजाब के विकास का विजन लेकर लोगों के बीच जा रही है। पिछले 10 वर्षों में केंद्र की भाजपा सरकार ने जो काम किए हैं, उनसे लोगों का भाजपा पर विश्वास बढ़ा है। लोगों के सामने एक तरफ हमारे 10 वर्षों का ट्रैक रिकार्ड है तो दूसरी तरफ भ्रष्टाचार, ड्रग्स की समस्या, इंफ्रास्ट्रक्चर का बुरा हाल और खस्ताहाल कानून-व्यवस्था का अनुभव है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पंजाब में अलग-अलग चुनाव लड़ रही हैं, लेकिन दिल्ली और देश के दूसरे हिस्सों में वे मिलकर प्रचार कर रही हैं। ऐसे में वे पंजाब के लोगों से जो चाहें कह लें, जनता असलियत जानती है। उनकी नीति और नीयत की कोई विश्वसनीयता नहीं है। इंडी अलायंस की यह राजनीति लोगों के गले नहीं उतर रही। ऐसे में लोगों को भाजपा से बड़ी उम्मीदें हैं। मुझे विश्वास है कि पंजाब के लोग भाजपा के विकसित भारत के संकल्प के साथ जुड़ेंगे और पंजाब के बेहतर भविष्य के लिए हमारा समर्थन करेंगे।

● बिहार में राजग की ओर से अभी भी जंगलराज की ही याद दिलाई जाती है, जबकि लालू राज खत्म हुए 20 वर्ष हो गए हैं। आप कुछ कहेंगे।

– खराब यादें वर्षों तक मन में रहती हैं। उदाहरण के लिए देश के लोग इमरजेंसी की खौफनाक यादों को अब भी नहीं भूल पाए हैं। जब चर्चा होती है कि कोई सरकार किस तरह लोगों को दबा सकती है, विरोध की आवाज कुचल सकती है तो तुरंत आपातकाल याद आता है। वैसे ही जंगलराज की कटु यादें हैं। भले ही कुछ समय बीत गया हो पर जो लोगों ने देखा और भुगता है, सहन किया है वह सबको याद है। लूट, हत्या, डकैती, फिरौती, खुलेआम महिलाओं के साथ अपराध, ध्वस्त कानून-व्यवस्था कोई भूल नहीं सकता। इसकी वजह से जिन लोगों ने पलायन किया, वे 20-30 वर्षों से बिहार से दूर रह रहे हैं, फिर भी उनके मन से इसका चित्र नहीं जाता। जिन्होंने ये सब नहीं देखा या भूल गए थे, उन्हें इन लोगों की कुछ समय के लिए आई सरकार ने फिर से याद करा दिया है। उस दौर की भयानक यादें फिर से ताजा हो गई हैं। इन्होंने दिखा दिया कि अगर इन्हें फिर से सत्ता मिली तो ये उससे भी भयानक काम कर सकते हैं। रोज-रोज मर्डर, डकैती, लूट और जहां कानून का कोई राज ही न हो, वैसा शासन उन्होंने कुछ ही समय में करके दिखाया है।

> किसी भी चीज की खराब यादें होती हैं तो वे वर्षों तक मन में रहती हैं। जब कभी चर्चा होती है कि कोई सरकार किस तरह लोगों को दवा सकती है, किस तरह विरोध की आवाज कुचल सकती है तो तुरंत आपातकाल का स्मरण हो जाता है। वैसे ही विहार के जंगलराज की कटु यादें हैं।

● जिस तरह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टकराव बढ़ रहा है, उसमें माना जा रहा है कि आने वाले दिन संकट और संघर्ष के रहेंगे। उसमें भारत की गति को साधना कितना मुश्किल रहेगा?

– हम सब देख रहे हैं कि दुनिया एक अप्रत्याशित दौर से गुजर रही है। पहले कोविड और अभी दो बड़े संघर्ष चल रहे हैं। इसका असर अलग-अलग सेक्टर्स पर पड़ रहा है। खासकर फूड, फ्यूल और फर्टिलाइजर पर। इनके या तो दाम बढ़े हैं या फिर किल्लत है। ये स्थिति दुनिया में सब जगह है। ऐसे समय में भारत ने सुनिश्चित किया है कि फ्यूल, फूड और फर्टिलाइजर की कोई कमी नहीं हो। ना ही हमारे लोगों को इसके लिए ज्यादा कीमत चुकानी पड़े।

दुनिया में संघर्ष की स्थिति और विकट हो सकती है। ये सब ऐसे समय में हो रहा है जब भारत को तेजी से विकास करना है। फिर भी मेरा मानना है कि भारत के लिए विकास का सही समय यही है। ऐसे समय में यह बहुत जरूरी है कि भारत दुनिया भर के संघर्षों के बीच विकास की गति बनाए रखे। हमें इस गति को और बढ़ाना होगा ताकि हम विकसित भारत का अपना सपना पूरा कर सकें। इसके लिए देश में एक स्थिर और पूर्ण बहुमत वाली सरकार का होना बहुत आवश्यक है।

लोगों ने देखा है कि हमारी विदेश नीति में जो अभूतपूर्व परिवर्तन आया है, उसकी वजह भी पूर्ण बहुमत वाली स्थिर और मजबूत सरकार है। आज विश्व के हर मंच पर भारत अपनी बात पूरे आत्मविश्वास से कहता है। जब दुनियाभर में तेल के दाम बढ़ रहे हैं, तब भारत बिना किसी दबाव के रूस से तेल खरीदता है क्योंकि भारत के पास एक स्थिर सरकार है। आज भारत दुनिया के हर देश से आंख मिलाकर बात करता है। इसका कारण भी पूर्ण बहुमत की सरकार है।

> उत्तर प्रदेश या देश पर राज करने वाली पहले की सरकारों ने काशी के विकास की उपेक्षा की। पहले बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए लोग लंबी कतारों में खड़े रहते थे और वहीं सीवर बहता रहता था।

> सनातन के मूल में है कि विश्व में सारे काम ईश्वर की इच्छा से हो रहे हैं। मेरे जीवन का उद्देश्य भी परमात्मा ने तय किया है और इसे पूरा करने की शक्ति भी वही दे रहे हैं। मैं ये सब खुद नहीं कर रहा, महादेव स्वयं मुझसे काशी की सेवा करा रहे हैं।

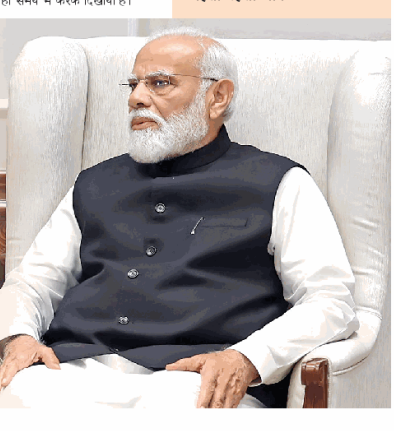

> विश्व में संघर्ष और तेज हो सकता है। इसी समय भारत को तेजी से विकास करना है। यह जरूरी है कि भारत विकास की गति बनाए रखे। हमें इस गति को और बढ़ाना होगा ताकि विकसित भारत का सपना पूरा कर सकें। इसके लिए देश में एक स्थिर और पूर्ण बहुमत वाली सरकार का होना बहुत महत्वपूर्ण है।

****

6 यात्रियों की उत्तर प्रदेश के लखीमपुर में टाटा मैजिक और यूपी रोडवेज से अनियंत्रित एक बस की टक्कर में मौत हो गई। सभी मृतक टाटा मैजिक में सवार थे। हालांकि बस में सवार किसी भी यात्री को चोट नहीं आई।

न्यूज गैलरी

तृणमूल विधायक को फोन पर जान से मारने की धमकी

कोलकाता: बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के जंगीपुर से तृणमूल विधायक और राज्य के पूर्व मंत्री जाकिर हुसैन को झारखंड से फोन पर जान से मारने की धमकी मिल रही है। उन्होंने मुर्शिदाबाद के सुती थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई है। विधायक को दो दिनों से उनके वाट्सएप नंबर पर एक विशेष नंबर से गाली-गलौज और धमकी भरे फोन आ रहे हैं। बदमाशों ने विधायक को जान से मारने की धमकी भी दी है। पुलिस ने बताया कि काल झारखंड के एक नंबर से आई थी, जिसकी पहचान कर ली गई है। आरोपितों को पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है। (राब्यू)

जयपुर में नगर निगम ने सीज किए छह गेम जोन

जयपुर : गुजरात के राजकोट में गेम जोन में हुए हादसे के बाद जयपुर में भी प्रशासन सक्रिय हो गया है। इसी कड़ी में जयपुर नगर निगम ने रविवार को शहर में चल रहे छह गेम जोन को सीज कर दिया है। सभी गेम जोन शहर स्थित एक माल में चल रहे थे। नगर निगम के मुख्य अग्निशमन अधिकारी गौतम लाल ने बताया कि निगम की टीम ने आठ गेम जोन का निरीक्षण किया। ट्राइटन माल में संचालित हो रहे गेम जोन में भारी अनियमितताएं मिली हैं। इनमें प्लास्टिक, कागज और थर्माकोल के साथ ही भारी मात्रा में लकड़ी का इस्तेमाल किया गया था। आग बुझाने के पर्याप्त संसाधन भी नहीं थे। (जासं)

लोगों को सस्ती आयुष चिकित्सा दिलाने की तैयारी

नई दिल्ली: सरकार लोगों को सुलभ और सस्ती आयुष चिकित्सा दिलाने की तैयारी कर रही है। आयुष मंत्रालय बीमा कंपनियों के अधिकारियों और आयुष अस्पतालों के मालिकों के लिए सोमवार को कार्यक्रम आयोजित करेगा। मंत्रालय ने रविवार को कहा कि इस कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय राजधानी के अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआइआइए) में होगा। इसका उद्देश्य बीमा कवरेज के लिए सरकारी और प्राइवेट आयुष अस्पतालों को सूचीबद्ध करना है। (आइएएनएस)

मणिपुर में सड़क पर लगाए गए तीन आइईडी डिफ्यूज

इंफाल: मणिपुर के इंफाल पूर्वी जिले में सड़क पर लगाए गए तीन इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आइईडी) को सेना के जवानों की सतर्कता से रविवार को डिफ्यूज कर दिया गया। रक्षा प्रवक्ता ने कहा कि जवानों ने निगरानी अभियान के दौरान मफौ बांध के पास नोंगदम तांगखुल और एथम तांगखुल गांवों को जोड़ने वाली सड़क पर तीन आइईडी देखे। बाद में बम निरोधक दस्ता ने आइईडी को डिफ्यूज किया। (आइएएनएस)

बंगाल व बांग्लादेश के तट से टकराया 'रेमल'

चक्रवात के कारण बंगाल में 1.10 लाख व पड़ोसी देश में आठ लाख लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया

बांग्लादेश में एक की मौत, कई जख्मी

जागरण टीम, कोलकाता

बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवात 'रेमल' रविवार रात करीब 8.30 बजे बंगाल और पड़ोसी देश बांग्लादेश के तटीय इलाकों से टकरा गया। इससे भारी तबाही की आशंका जताई जा रही है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक चक्रवात ने बंगाल की खाड़ी से बांग्लादेश के दक्षिण-पश्चिमी तटीय इलाके और बंगाल के सागरद्वीप की तरफ से लैंडफाल किया और बांग्लादेश के खेपूपाड़ा और मोंगला के दक्षिण- पश्चिम की ओर से उत्तरी दिशा में बढ़ता हुआ बंगाल के तटीय इलाकों को पार कर रहा है। चक्रवात उस क्षेत्र को पार करने के बाद धीरे-धीरे कमजोर होता जाएगा, हालांकि इसके प्रभाव से भारी से अति भारी बारिश का दौर जारी रहेगा। इस बीच बांग्लादेश में चक्रवात की चपेट में आकर अभी तक एक युवक की मौत की खबर है जबकि कई जख्मी हुए हैं।

बांग्लादेश के दक्षिण-पश्चिम तटीय इलाकों से आठ लाख लोगों को हटाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। दूसरी तरफ बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के सागरद्वीप, काकद्वीप व सुंदरवन इलाकों से भी 1.10 लाख लोगों को हटाया जा चुका है। चक्रवात से निपटने की तैयारियों की समीक्षा के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को समीक्षा बैठक की थी। उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए थे। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि चक्रवात के मद्देनजर लोगों को सुरक्षित क्षेत्रों में पहुंचाया जा रहा है। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोगों से घरों में रहने की अपील की थी। राज्यपाल डा सीवी आनंद बोस ने कहा कि वह स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं और राज्य और केंद्रीय विशेषज्ञों के साथ लगातार संपर्क में हैं।

बंगाल के दक्षिण 24 परगना में चक्रवात 'रेमल' के दौरान रविवार को तेज हवा के बीच सामान हटाता स्थानीय नागरिक। प्रेट्र

पीएम नरेन्द्र मोदी ने रविवार को दिल्ली में चक्रवात से निपटने के लिए आयोजित बैठक में तैयारियों की समीक्षा की। प्रेट्र

इससे पहले कोलकाता हवाई अड्डे के अधिकारियों ने रविवार दोपहर से 21 घंटे के लिए उड़ान संचालन निलंबित कर दिया। पूर्वी और दक्षिण पूर्वी रेलवे ने कई ट्रेनें रद कर दीं। नौसेना ने भी चक्रवात के मद्देनजर तैयारी की है। चिकित्सा सुविधा से लैस जहाजों को तैयार किया है। इसके अतिरिक्त, सी किंग और चेतक हेलीकाप्टरों के साथ-साथ डोर्नियर विमान भी त्वरित प्रतिक्रिया के लिए तैयार हैं। उपकरणों के साथ विशेष गोताखोर टीमों को तैनात किया गया है।

मौसम विभाग ने बताया है कि चक्रवात सोमवार अलसुबह तक बांग्लादेश और निकटवर्ती बंगाल के बीच से गुजरेगा। चक्रवात के बांग्लादेश और आसपास के बंगाल के तटों तक पहुंचने के बाद 110 से 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। तटीय इलाकों में 27 और 28 मई को मध्यम दर्जे से लेकर अति भारी वर्षा होगी। चक्रवात को केंद्र में रखकर ओडिशा के विभिन्न हिस्सों से दीघा (बंगाल) जाने वाली छह ट्रेनें रद कर दी गई हैं। ओडिशा शासन ने एहतियात के तौर पर मछली पकड़ने वाली लगभग 20 हजार नौकाओं को तटीय क्षेत्रों पर सुरक्षित रखा है। एनडीआरएफ की टीमों ने भी मोर्चा संभाल लिया है।

सेना में भर्ती का था सपना, करने लगे नशे की तस्करी

- सेना में भर्ती की तैयारी कर रहे दोस्त नशा तस्करों के चंगुल में फंसे
- आरोपितों की आयु 19 से 23 वर्ष, चार महीने से कर रहे थे तस्करी

जागरण संवाददाता, फाजिल्का

आयु 19 से 23 वर्ष के करीब, लक्ष्य सेना में भर्ती होकर देश सेवा का लेकिन एक तस्कर ने ऐसे बरगलाया कि ये पांचों दोस्त अंतरराष्ट्रीय तस्कर बन गए। पुलिस ने इस गिरोह के सात सदस्यों को गिरफ्तार कर उनसे पांच किलो 270 ग्राम हेरोइन व 1.07 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद किया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डा. प्रज्ञा जैन ने रविवार को बताया कि गत 23 मई को पुलिस को सूचना मिली कि बलजिंदर सिंह, सुखचैन सिंह, सोलव सिंह, गुरचरण सिंह, करणदीप सिंह व कमलदीप सिंह ने पाकिस्तान में बैठे तस्करों से ड्रोन के जरिये हेरोइन मंगवाई है, जो आगे बेचने की तैयारी में हैं।

इसके बाद पुलिस ने छापेमारी कर बलजिंदर सिंह के घर के बाहर कार को घेर लिया और उक्त सभी को गिरफ्तार कर उनसे पांच किलो 270 ग्राम हेरोइन व 40 कारतूस बरामद किए। जांच के बाद सुखचैन सिंह से 1 लाख 7 हजार रुपये ड्रग मनी, 8.470 ग्राम सोना और 68.970 ग्राम चांदी और बलजिंदर से तीन मोटरसाइकिल बरामद किए गए। सुखचैन से पूछताछ के बाद दलजीत सिंह उर्फ मनी को भी गिरफ्तार किया गया। एसएसपी ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि 21 वर्षीय बलजिंदर सिंह उर्फ लवली, 19 वर्षीय सुखचैन सिंह, 19 वर्षीय सोलव सिंह, 21 वर्षीय गुरचरण सिंह उर्फ मिल्खा, 19 वर्षीय करणदीप सिंह ये सभी विद्यार्थी हैं और जलालाबाद के स्पोर्ट्स स्टेडियम में सेना भर्ती की तैयारी करते थे। इसी दौरान उनकी पहचान कमलजीत सिंह से हुई। उसी ने ही इन नवयुवकों को नशा तस्करी के लिए उकसाया और इनके माध्यम से ही पाकिस्तान से हेरोइन मंगवाने लगा।

प्रतीकात्मक फोटो

इन्होंने पाकिस्तान से राजस्थान व तरनतारन के खालड़ा और खेमकरण इलाके के जरिए भी हेरोइन भी मंगवाई थी। आरोपित चार महीने से तस्करी में लगे हुए थे।

प्रज्वल का पासपोर्ट रद करने पर केंद्र ने कोई जवाब नहीं दिया : जी परमेश्वर

बेंगलुरु, प्रेट्र: कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने रविवार को कहा कि दुष्कर्म मामले में हासन के सांसद प्रज्वल रेवन्ना के राजनयिक पासपोर्ट को रद करने की मांग पर केंद्र सरकार की ओर से अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है। परमेश्वर ने विदेश मंत्री एस जयशंकर के उस बयान पर कटाक्ष किया कि प्रज्वल का राजनयिक पासपोर्ट रद करने का कर्नाटक सरकार का अनुरोध 21 मई को प्राप्त हुआ। कांग्रेस नेता ने जयशंकर से सवाल किया कि मुख्यमंत्री सिद्दरमैया द्वारा एक मई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेजे गए पत्र का क्या हुआ। बेंगलुरु में मीडिया से बात करते हुए गृह मंत्री परमेश्वर ने कहा कि सीएम सिद्दरमैया के बाद आरोपों की जांच के लिए राज्य सरकार द्वारा गठित एसआइटी ने भी केंद्र को पत्र लिखकर राजनयिक पासपोर्ट रद करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा, 'विदेश मंत्री ने मीडिया को दिए बयान में कहा है कि वे कार्रवाई कर रहे हैं और एक दो दिनों में वे राजनयिक पासपोर्ट रद कर देंगे, लेकिन हमें इस पर कोई लिखित सूचना नहीं मिली है।

राजकोट में 99 रुपये की फीस से गेमिंग जोन में उमड़ी भीड़

राजकोट, आइएएनएस: गेमिंग जोन में आग लगने से 35 लोगों की मौत के बाद राजकोट में शोक का माहौल है। इस बीच यह बात सामने आई है कि गेमिंग जोन के संचालकों ने सप्ताहांत का फायदा उठाते हुए आगंतुकों को लुभाने के लिए प्रवेश शुल्क पांच सौ रुपये से घटा कर 99 रुपये कर दिया था। इस स्कीम के कारण गेमिंग जोन में भारी भीड़ देखी गई। नतीजतन, आग लगने के समय वहां करीब 300 लोग जमा हो गए थे। यह बात भी सामने आई है कि गेमिंग जोन प्रबंधन ने फायर एनओसी प्राप्त नहीं किया था। नगर निगम की मंजूरी से बचने के लिए गेमिंग जोन को शेड में स्थापित किया गया था और केवल राइड सर्टिफिकेट प्राप्त करने के बाद तीन मंजिला परिसर चालू कर दिया गया। इन प्रमाणपत्रों को जारी करने के लिए जिम्मेदार अधिकारी अब फरार हैं।

बताया जा रहा है कि आग सीढ़ी पर वेल्डिंग की चिंगारी की वजह से लगी। सिर्फ एक सीढ़ी उपलब्ध होने की वजह से दूसरी और तीसरी मंजिल पर मौजूद लोग फंस गए, जिससे हताहतों की संख्या बढ़ गई। गेमिंग जोन में इस्तेमाल की गई संरचना और सामग्री की वजह से आग तेजी से फैली।

राजकोट में गेम जोन में लगी आग के बाद मलबा हटाती जेसीबी। प्रेट्र

सूत्रों ने बताया कि गेमिंग जोन में रबर और रेजिन फ्लोरिंग, थर्मोकोल शीट व कार जोन के चारों ओर एक हजार से ज्यादा टायर लगे थे, जिससे अत्यधिक ज्वलनशील वातावरण बन गया। घटनास्थल पर रखे 1500 लीटर डीजल ने आग को और भी ज्यादा भड़का दिया, जिससे यह भयंकर और बेकाबू हो गई।

एक परिवार के पांच सदस्यों की मौत : प्रेट्र के अनुसार, सप्ताहांत पर घूमने निकलना जडेजा परिवार के लिए दुखद बन गया, जिसने भीषण आग में अपने पांच सदस्यों को खो दिया। शनिवार शाम को वीरेंद्रसिंह जडेजा गेमिंग जोन में थे। बेटी देविकाबा जडेजा ने बताया कि उनके पिता आग लगने के बाद अपने बेटे और तीन अन्य रिश्तेदारों को बचाने के लिए गेमिंग जोन की ऊपरी मंजिल पर पहुंचे, जिसके बाद वह लापता हो गए। अधिकारी मृतकों को लापता मानते हैं, जबकि परिवार जांच के लिए डीएनए नमूनों की पुष्टि का इंतजार कर रहे हैं।

पुलिस ने छह साझेदारों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की, दो गिरफ्तार

प्रथम पृष्ठ से आगे

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार सुबह घटनास्थल और एक अस्पताल का दौरा किया, जहां घायल व्यक्तियों को भर्ती कराया गया है। इस बीच, अग्निकांड मामले में पुलिस ने गैर इरादतन हत्या के आरोप में जोन के मालिक, प्रबंधक और चार साझेदारों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। राजकोट के पुलिस आयुक्त राजू भार्गव ने पत्रकारों को बताया कि पुलिस ने नवंबर 2023 में गेमिंग जोन को बुकिंग लाइसेंस दिया था, जिसका एक जनवरी से 31 दिसंबर, 2024 तक के लिए नवीकरण किया गया था। गेमिंग जोन को सड़क और भवन विभाग से अनुमति मिल गई थी। इसने फायर एनओसी प्राप्त करने के लिए अग्नि सुरक्षा उपकरण का सुबूत भी जमा किया था। इसकी प्रक्रिया अभी चल रही थी और फायर एनओसी नहीं मिला था। मामले की जांच कर रही एसआइटी के सदस्यों ने रविवार तड़के राजकोट में स्थानीय प्रशासन के साथ बैठक की। अधिकारियों ने बताया कि शव इस कदर जले हुए हैं कि उनकी पहचान करना मुश्किल है। मृतकों व उनके रिश्तेदारों के डीएनए नमूने एकत्र किए गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डा. मनसुख मांडविया ने कहा है कि अग्निकांड में घायल हुए लोगों का इलाज करने के लिए एम्स राजकोट में 30 आइसीयू बेड तैयार किए गए हैं।

पीएम राहत कोष से दो लाख रुपये मुआवजे का एलान: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गेमिंग जोन में आग लगने से मारे गए लोगों के स्वजन को प्रधानमंत्री राहत कोष से दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। पीएमओ ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, घायलों को 50 हजार रुपये दिए जाएंगे। इससे पहले गुजरात सरकार ने मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख व घायलों को 50-50 हजार मदद की घोषणा की थी।

ब्लैकमेल व फिरौती की साजिश विफल होने पर की गई थी सांसद की हत्या

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

बांग्लादेशी सांसद हत्याकांड

अनवारुल अजीम अनार की कोलकाता के एक फ्लैट में कर दी गई थी हत्या

कोलकाता के न्यूटाउन इलाके में स्थित एक फ्लैट में पिछले दिनों बांग्लादेश के सांसद अनवारुल अजीम अनार की हुई हत्या के मामले में बांग्लादेश की खुफिया पुलिस ने कुछ सनसनीखेज रहस्योद्घाटन किए हैं। पता चला है कि फिरौती की साजिश विफल होने पर आरोपितों ने बांग्लादेशी राजनेता की हत्या कर दी। बता दें कि अनवारुल इलाज के लिए गत 12 मई को कोलकाता आए थे। उन्हें 13 मई की दोपहर आखिरी बार देखा गया था। कोलकाता से सटे उत्तर 24 परगना जिले के बरानगर के निवासी और अनवारुल के परिचित गोपाल बिश्वास ने 18 मई को स्थानीय थाने में उनकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

बताया गया है कि सांसद के दोस्त अख्तरुज्जमां शाहीन की करीबी महिला सिलिस्टी रहमान के साथ बांग्लादेश के राजनेता का न्यूड वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने की भी साजिश बनाई गई थी। इसके लिए अनवारुल अजीम को बेहोशी की दवा दी गई थी तथा उनके कपड़े उतारकर सिलिस्टी के साथ न्यूड वीडियो भी बनाया गया था। लेकिन अधिक मात्रा में बेहोशी की दवा देने की वजह से सांसद अधमरे की हालत में पहुंच गए थे। इस कारण अनवारुल की हत्या कर दी गई। बांग्लादेश खुफिया सूत्रों के मुताबिक इसके पहले बांग्लादेश में दो बार सांसद की हत्या की साजिश रची गई थी। दूसरी ओर सीआइडी की टीम गोताखोरों की मदद से दक्षिण 24 परगना जिले के भांगड़ इलाके के कृष्णामती गांव के विभिन्न जलाशयों में रविवार को लगातार तीसरे दिन शव के टुकड़े तलाशने में जुटी रही। आरोपितों ने शव की बोटी-बोटी कर प्लास्टिक की थैलियों में भरकर जलाशयों में फेंक दिया था।

चार आरोपित अभी भी लापता : हत्याकांड में बांग्लादेश से तीन और कोलकाता से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है, लेकिन चार अन्य आरोपित शाहीन, सियाम, फैजल और मुस्ताफिजुर अभी भी लापता हैं। राज्य खुफिया पुलिस उनका पता लगाने के लिए इंटरपोल की मदद ले सकती है। जांचकर्ताओं का मानना है कि शाहीन अमेरिका और सियाम नेपाल भाग गया है। बाकी दो बांग्लादेश में हो सकते हैं।

कोलकाता पहुंची बांग्लादेश खुफिया पुलिस की टीम : जांच के सिलसिले में बांग्लादेश खुफिया पुलिस के प्रमुख हारून अर रशीद के नेतृत्व में एक टीम रविवार सुबह कोलकाता पहुंची। हत्याकांड में गिरफ्तार कसाई जेहाद हवलादार से भी पूछताछ की है।

दक्षिण गोवा में सड़क किनारे बनी झुग्गियों में घुसी बस, चार की मौत

गोवा, एएनआइ : दक्षिण गोवा के वर्ना मोड़ पर तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर झुग्गियों में घुस गई। इस हादसे में चार मजदूरों की मौत हो गई। वहीं पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायल श्रमिकों को गोवा मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मजदूरों को एक ठेकेदार ने सड़क बनाने के लिए काम पर रखा था। सभी श्रमिक बिहार के रहने वाले हैं। दक्षिण गोवा की पुलिस अधीक्षक सुनीता सावंत ने कहा कि हादसे के समय चालक नशे में धुत था। रविवार को निजी कंपनी की बस कर्मचारियों को छोड़ने जा रही थी। सुबह साढ़े 11 बजे के करीब वर्ना मोड़ के समीप पहुंचते ही चालक ने बस पर नियंत्रण खो दिया और हादसा हो गया। आरोपित बस चालक भरत गोवेकर को पकड़ लिया गया है। वह कारटोलिम गांव का रहने वाला है। झुग्गियों में ही रहने वाले रूपेंद्र माथुर ने कहा कि आरोपित बस चालक ने उसको धमकी दी थी कि पुलिस को सूचना दी तो वह सभी लोगों को मार देगा। हादसे में रूपेंद्र के चाचा रमेश व भाई अनिल की मौत हुई है।

चालक को झपकी आने से खड़ी बस से टकराया डंपर, 12 श्रद्धालुओं की मौत

जागरण संवाददाता, शाहजहांपुर

- शाहजहांपुर में हादसा, 52 सीटर बस में 82 थे सवार, 25 घायल

उप्र के शाहजहांपुर में डंपर चालक की लापरवाही ने 12 श्रद्धालुओं की जान ले ली। डंपर अनियंत्रित होकर गलत दिशा में पहुंचा और ढाबे पर खड़ी श्रद्धालुओं की बस से टकराकर वहीं पलट गया। दुर्घटना में 25 अन्य लोग घायल हुए। इनमें चार की हालत गंभीर होने पर लखनऊ रेफर कर दिया गया। डंपर चालक के विरुद्ध लापरवाही से वाहन चलाने, गैरइरादतन हत्या की धारा में प्राथमिकी की गई। पुलिस आशंका जता रही कि झपकी आने से चालक डंपर से नियंत्रण खो बैठा। शासन ने यातायात पुलिस, परिवहन विभाग व लोक निर्माण विभाग की संयुक्त टीम बनाकर जांच के निर्देश दिए हैं।

सीतापुर निवासी रूपेश ने पूर्णागिरी (टनकपुर, उत्तराखंड) जाने के लिए 52 सीटर बस बुक कराई थी। घायल श्रद्धालु यशराज ने बताया कि शनिवार शाम को सीतापुर से रवाना हुए थे। रात 11.30 बजे भोजन के लिए बस गोला मार्ग पर खुटार में ढाबे के सामने रुकी थी। 25 यात्री बस में बैठे थे, शेष आसपास टहल रहे थे तभी दूसरी साइड से आया डंपर टकरा गया। पुलिस के अनुसार, बस में चालक व स्टाफ समेत 59 महिला-पुरुष और 23 बच्चे सवार थे। बस का चालक भी मौके से फरार हो गया, उसकी तलाश की जा रही। 12 मृतकों में पांच पुरुष, चार महिलाएं एवं तीन बच्चे हैं। इनमें दो मां-बेटे और एक पिता-पुत्र शामिल हैं।

शाहजहांपुर में दुर्घटना में क्षतिग्रस्त बस। जागरण

डीएम उमेश प्रताप सिंह ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और राजकीय मेडिकल कालेज में घायलों का उपचार कराया जा रहा। एआरटीओ शशिभूषण पांडेय ने बताया कि डंपर के प्रपत्र पूरे हैं, मगर (गिट्टी) ओवरलोडेड होने की आशंका है। बस के प्रपत्र सही मिले। वह सड़क से काफी नीचे कच्चे स्थान पर खड़ी थी। उसमें क्षमता से अधिक सवारी बैठने की पुष्टि हुई है। दुर्घटना स्थल के आसपास कोई मोड़ या ब्लैक स्पाट नहीं है। ऐसे में चालक के झपकी आने से दुर्घटना की आशंका अधिक है।

जागरण विशेष

टोनर रिसाइक्लिंग से कार्ट्रिज सस्ती कर घटा रहे ई-वेस्ट का पहाड़

आइआइटी कानपुर से जुड़ी स्टार्टअप कंपनी फिर से उपयोग में ला चुकी है 40 लाख टोनर कार्ट्रिज

अखिलेश तिवारी • जागरण

कानपुर: कार्बन और पालिमर से तैयार होने वाला टोनर पाउडर पूरी दुनिया में ई-वेस्ट का पहाड़ खड़ा कर रहा है। बीते साल भारत में 160 करोड़ किलो ई-कचरा निकला है जिसमें प्रिंटर कार्ट्रिज यानी टोनर पाउडर व अन्य सामग्री का योगदान 19.2 करोड़ किलो है जो करीब 12 प्रतिशत है। आइआइटी कानपुर से जुड़ी स्टार्टअप कंपनी आर-क्यूब रिसाइक्लिंग इसी समस्या का समाधान कर पर्यावरण संरक्षित करने में जुटी है। पुराने कार्ट्रिज को उपभोक्ताओं से वापस लेकर बदले में सस्ती दर पर नई कार्ट्रिज देकर कंपनी ई-कचरा बनने से रोक रही है। दिसंबर 2023 तक 40 लाख पुरानी कार्ट्रिज को ई-कचरा बनने से रोका जा चुका है। बता दें कि लेजर प्रिंटर टोनर कार्ट्रिज का उपयोग करते हैं, जिसे प्रिंटर टोनर भी कहा जाता है। यह एक पाउडर-आधारित स्याही है। इसका प्रयोग प्रिंटर में स्याही के रूप में किया जाता है।

टोनर वेस्ट के अलग-अलग हिस्से रिसाइकल के लिए तैयार • स्वयं

चीन से टोनर का आयात भी घटा

आर-क्यूब ने पांच साल पहले रिसाइकल बिजनेस शुरू किया था। देश के बड़े शहरों में कंपनी का काम है। वर्ष 2023 में भूटान में इसकी शुरुआत की और अब हर माह 30 हजार कार्ट्रिज लेकर नई कार्ट्रिज की आपूर्ति कर रही है। पर्यावरण जागरूकता के लिए कंपनी ने टेक बैक स्कीम शुरू की। इसके तहत पुरानी कार्ट्रिज लेकर 100 रुपये कम में नई कार्ट्रिज दी जा रही है। कंपनी के सह संस्थापक महेश रावरिया बताते हैं कि नई टोनर कार्ट्रिज बनाने में 4.8 किग्रा कार्बन उत्सर्जन होता है। रिसाइकल कर हम इसे शून्य कर रहे हैं और चीन से टोनर पाउडर आयात भी घटा है।

> प्रिंटर कार्ट्रिज कचरे को अभी तक जमीन में दबाने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। मगर अब पर्यावरण सुरक्षा व कार्बन उत्सर्जन भी कम हो रहा। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उत्पाद तैयार करके सात देशों में निर्यात भी शुरू कर दिया है।
> **रवि रावरिया**, सीईओ व संस्थापक आर-क्यूब

> प्रिंटर कार्ट्रिज को रिसाइकल करने के नवाचार को कंपनी की ओर से सफलतापूर्वक लागू किया जा रहा है। इससे पर्यावरण की रक्षा के साथ टोनर पाउडर का आयात भी घटा है।
> **प्रो. अंकुश शर्मा**, प्रभारी प्रोफेसर, इंक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर, आइआइटी कानपुर

प्रिंटिंग तकनीक के विकास के साथ ही टोनर पाउडर का कचरा पूरी दुनिया के लिए समस्या बन रहा है। कंप्यूटर की प्रिंटर कार्ट्रिज में प्लास्टिक, धातु (एल्यूमीनियम और अन्य धातुओं की छोटी मात्रा), रबर, कागज, फोम और टोनर पाउडर का प्रयोग किया जाता है। यह पाउडर कार्बन और पालिमर से बनता है। विज्ञानियों के अनुसार, इसका विनाश एक हजार साल में भी संभव नहीं है। प्रिंटर कार्ट्रिज का प्रयोग करने वाले इसे कचरे में फेंक दे रहे हैं जहां कबाड़ का काम करने वाले एल्युमीनियम समेत अन्य धातुएं तो निकाल लेते हैं, लेकिन टोनर पाउडर को जमीन में डाल देते हैं। इसके स्थायी समाधान के लिए आर-क्यूब ने प्रिंटर कार्ट्रिज को वापस लेकर और टोनर पाउडर को दोबारा उपयोगी बनाने का काम शुरू किया है। ऐसा करने वाली वह एशिया की अकेली कंपनी है, मगर जागरूकता के अभाव में अब भी लाखों टोनर कार्ट्रिज कंपनी तक नहीं पहुंच पा रहे हैं।

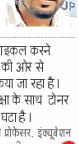

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

नासिक में ज्वेलरी कंपनी पर आयकर विभाग की छापेमारी, 26 करोड़ रुपये जब्त

आयकर विभाग द्वारा महाराष्ट्र के नासिक में सुराना ज्वैलर्स के यहां छापे की कार्रवाई के दौरान जब्त की गई 26 करोड़ रुपये की नकदी। छापे में 90 करोड़ रुपये की बेहिसाब संपत्ति के दस्तावेज भी बरामद हुए हैं। एएनआइ

नासिक, प्रेट्र: आयकर विभाग ने महाराष्ट्र के नासिक में एक ज्वेलरी कंपनी पर छापेमारी के बाद करीब 26 करोड़ रुपये की बेहिसाब नकदी जब्त की है। सूत्रों ने रविवार को बताया कि ज्वेलरी कंपनी व उसके प्रमोटरों द्वारा टैक्स चोरी किए जाने की जानकारी के बाद विभाग ने छापेमारी शुरू की। तलाशी के दौरान आयकर विभाग की टीम ने अब तक लगभग 26 करोड़ रुपये नकदी जब्त की गई है। छापेमारी करने वाली टीम को अघोषित निवेश से संबंधित कुछ दस्तावेज भी मिले हैं। उनकी जांच की जा रही है। इसी तरह की कार्रवाई में आयकर विभाग ने पिछले हफ्ते आगरा में जूता व्यापारी से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान 57 करोड़ रुपये नकद बरामद किए थे।

****

दैनिक जागरण
आसान कार्य भी आरंभ में कठिन लगता है

चलता है वाली संस्कृति

गुजरात के राजकोट शहर में एक गेमिंग जोन में लगी आग से 35 से अधिक लोगों की मौत लापरवाही और नियम-कानूनों की अनदेखी का ही नतीजा है। गुजरात हाई कोर्ट ने यह बिल्कुल सही कहा कि यह मानव जनित घटना है। इस भयावह घटना में कई बच्चे भी काल का शिकार बने हैं। यह ठीक है कि गुजरात सरकार ने विशेष जांच दल का गठन कर दिया और गेमिंग जोन के संचालकों की गिरफ्तारी कर ली गई है, लेकिन इतने मात्र से बात बनने वाली नहीं है। प्रश्न यह है कि यह गेमिंग जोन अग्निशमन विभाग के अनापत्ति प्रमाण पत्र के बिना कैसे चल रहा था। इसी तरह प्रश्न यह भी है कि गेमिंग जोन ने नगर निगम से कोई अनुमोदन अथवा लाइसेंस क्यों नहीं ले रखा था। वास्तव में जब तक अग्निशमन विभाग और नगर निगम के अधिकारियों को इस घटना के लिए जवाबदेह बनाने के साथ दंड का भागीदार नहीं बनाया जाता तब तक सही तरह न्याय नहीं होने वाला।

आग से बचाव के उपायों की अनदेखी के कारण दुर्घटना की यह कोई पहली घटना नहीं है। इस तरह की घटनाएं देश के विभिन्न हिस्सों में रह-रहकर होती ही रहती हैं। उनमें लोग जान भी गंवाते रहते हैं, लेकिन सभी जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई मुश्किल से ही हो पाती है। चिंताजनक यह है कि इस तरह के मामले बढ़ते ही चले जा रहे हैं। गत दिवस ही देश की राजधानी में एक केयर सेंटर में आग लगने से छह नवजात बच्चों की मौत हो गई। इस घटना के मामले में भी यह सामने आया है कि आग से बचाव के पर्याप्त उपाय नहीं किए गए थे। जब देश के बड़े शहरों में यह स्थिति है तो कोई भी समझ सकता है कि छोटे शहरों में सुरक्षा के उपायों की कैसी उपेक्षा और अनदेखी होती होगी। राजकोट अथवा दिल्ली जैसी घटनाएं यही बताती हैं कि अपने देश में चलता है की संस्कृति खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। यह संस्कृति इसलिए खत्म नहीं हो रही, क्योंकि जिम्मेदारी और जवाबदेही तय करने के स्थान पर लीपापोती की प्रवृत्ति कायम है। निःसंदेह इस तरह की घटनाएं देश की बदनामी कराती हैं और भारत को एक ऐसे देश के रूप में रेखांकित करती हैं जहां भ्रष्टाचार, सुरक्षा उपायों की अनदेखी, नियम-कानूनों के उल्लंघन, लोगों में अनुशासन की कमी आदि के चलते रह-रहकर घटनाएं होती ही रहती हैं। इस सिलसिले को बंद किए बगैर भारत को वास्तव में एक विकसित राष्ट्र बनाना कठिन होगा। यदि भारत को सचमुच विकसित राष्ट्र के रूप में उभरना है तो हर स्तर पर नियम-कानूनों का पालन सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। इस आवश्यकता की जितनी पूर्ति सरकारी तंत्र को करनी होगी, उतनी ही आम लोगों को भी।

अविश्वास भी अच्छा है

बढ़ते साइबर अपराध आम लोगों को आर्थिक नुकसान पहुंचाने के साथ उनकी मानसिक शांति को भी भंग कर रहे हैं। ये अपराध अनूठेपन के कारण पुलिस की नाक में भी दम किए हुए हैं। इनमें दो-तीन चीजें एक जैसी होती हैं इसलिए पहली बार अविश्वास करके भी इनसे इनसे बचा जा सकता है। इसके लिए जागरूकता और दिमाग को शांत-संयत रखना बहुत जरूरी है। रिश्तेदार या परिचित बनकर आपात स्थिति बताकर अपने खातों में रुपये ट्रांसफर करवाने वाले नजदीकी बनकर धोखा करते हैं। वे आम आदमी की जानकारियां इंटरनेट प्लेटफार्म से एकत्र करते हैं और उसी आधार पर झांसा दे देते हैं। इसके अलावा अब आवाज की हूबहू नकल करने वाले या फिर फोटो, वीडियो में छेड़छाड़ कर ठगी के मामले बढ़े हैं। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में तो अपराधियों ने कालेज छात्राओं को बदली हुई आवाज में झांसा देकर उनके साथ दुष्कर्म जैसे घिनौने अपराध को अंजाम दे दिया। बेहद सामान्य लोगों को पुलिस कार्रवाई या फिर अविश्वसनीय अपराधों से बचाने का झांसा देने के नाम पर पहले डराने के लिए डिजिटली अरेस्ट करना और फिर बचाने के लिए लाखों रुपये ऐंठ लेने के मामले सामने आए हैं। अविश्वसनीय लाभ, एटीएम कार्ड ब्लाक होने और विविध आफर के नाम पर ठगी के तो हजारों मामले सामने आ चुके हैं। पुलिस अधिकारी एवं एजेंसियां भी आगाह करती हैं कि किसी भी लुभावने या भयभीत करने वाली बातों पर एकदम से विश्वास न करें। यदि कोई किसी के नाम पर आपात स्थिति की वजह से रुपये मांग रहा है तो सीधे उसी व्यक्ति से बात कर स्थिति स्पष्ट कर लें। लुभावने आफर, कई गुना फायदा आदि पर भी अविश्वास करें। ऐसा करने से आप ठगी से काफी हद तक बच सकते हैं। साइबर अपराध की दुनिया में अविश्वास भी फायदेमंद हो सकता है। साइबर अपराधी वैसे भी काफी दूर होते हैं और केवल आदमी के दिमाग से खेलते हैं इसलिए विचार करना, एकबारगी किसी पर भरोसा न करना और पुष्टि करने से काफी हद तक इनसे बचा जा सकता है।

समृद्ध और सशक्त भारत की रूपरेखा

विवेक देवराय

व्यापक सुधारों, समावेशी वृद्धि और जनसांख्यिकीय एवं आर्थिक संभावनाओं का लाभ उठाकर समृद्ध-विकसित राष्ट्र का सपना साकार किया जा सकता है

आदित्य सिन्हा

भारत की आजादी को 2047 में पूरे सौ वर्ष हो जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उस पड़ाव तक पहुंचने से पहले देश को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इस संकल्प की पूर्ति के प्रयासों के लिए इस अवधि को अमृतकाल का नाम दिया गया है। चूंकि किसी भी राष्ट्र के विकसित होने की एक प्राथमिक कसौटी उसकी आर्थिक प्रगति से निर्धारित होती है तो इस पैमाने पर भारत के सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी की दशा-दिशा पर दृष्टि डालनी होगी। वर्ष 2024 तक भारत की प्रति व्यक्ति आय लगभग 2,700 डालर तो प्रति व्यक्ति क्रय शक्ति क्षमता यानी पीपीपी आय करीब 10,120 डालर है। भारत की जीडीपी कुल 3.9 ट्रिलियन (लाख करोड़) डालर और (आधिकारिक विनिमय दरों पर) करीब 14.6 ट्रिलियन डालर है। ये आंकड़े भारत के व्यापक आर्थिक प्रभाव को रेखांकित करते हैं। वर्ष 2018-19 के इकोनमिक सर्वे में वर्ष 2024-25 तक भारत को पांच ट्रिलियन डालर की आर्थिकी बनाने के लिए (चार प्रतिशत की अनुमानित मुद्रास्फीति के साथ) आठ प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि की आवश्यकता बताई गई थी। इसी बीच कोविड महामारी ने उस योजना को बेपटरी कर दिया। इसके बावजूद भारत की आर्थिक आकांक्षाएं उसी प्रकार कायम हैं, जिसमें सतत एवं समावेशी वृद्धि पर ध्यान केंद्रित हैं।

देश की आर्थिक वृद्धि की गति के हिसाब से 2047 तक प्रति व्यक्ति आय कम से कम 10,000 डालर और आर्थिकी का आकार 20 ट्रिलियन डालर तक पहुंचने का अनुमान है। इस वृद्धि से भारत निम्न-मध्यम-आमदनी वाले देश की श्रेणी से निकलकर उच्च-मध्यम-आय वाली श्रेणी में पहुंचकर उच्च आय वाले दर्जे के निकट पहुंच जाएगा। इसी दौरान भारत ने मानव विकास की श्रेणी में ऊंची छलांग के लिए भी रणनीति बनाई है। अभी भारत में जीवन प्रत्याशा 70.8 वर्ष है जो वर्ष 2047 तक बढ़कर 78 वर्ष होने की उम्मीद है। यह उपलब्धि स्वास्थ्य सेवाओं में आशातीत सुधार से संभव होती दिख रही है। इसके अतिरिक्त शिक्षा से जुड़े सुधार भी व्यापक रूप से प्रगति पर अपनी छाप छोड़ेंगे। उद्योगीकरण के साथ ही डिजिटल इकोनमी की वृद्धि को प्रोत्साहन देने वाली आर्थिक नीतियां भी उपयोगी सिद्ध होंगी।

विकसित भारत के अपेक्षित लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में कुछ रणनीति आवश्यक लग रही हैं। इसमें सर्वप्रथम वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी को सुसंगत बनाना होगा। इसमें पेट्रोलियम और रियल एस्टेट जैसे उन क्षेत्रों को भी जोड़ना होगा जो अभी तक इसमें शामिल नहीं। इससे सक्षमता का स्तर और बढ़ेगा। इसके साथ जीएसटी को छह, 12 और 18 प्रतिशत की तीन श्रेणियों में विभाजित करने से अनुपालन लागत एवं विवाद घटेंगे। रियायतों को समाप्त कर निजी एवं कारपोरेट करों को सरल बनाया जाए, जिससे समानता का स्तर बढ़ने के साथ ही मुकदमेबाजी घटेगी और पारदर्शी कर व्यवस्था बनेगी। इससे जीडीपी के अनुपात में करों की हिस्सेदारी 18 से बढ़कर 23 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान है, जिससे सार्वजनिक वस्तुओं एवं सेवाओं में और निवेश बढ़ने की राह खुलेगी।

अवधेश राजपूत

आर्थिक वृद्धि की गति बनाए रखने के लिए निजी क्षेत्र के निवेश में निरंतरता आवश्यक है। वर्ष 2024 तक भारत में सकल नियत पूंजी निर्माण करीब 28 प्रतिशत के स्तर पर है। देश में उत्पादकता वृद्धि की दर पांच प्रतिशत है, जबकि जनसांख्यिकीय लाभांश के चलते बड़ी कामकाजी आबादी से भारी वृद्धि की संभावनाएं और जगती हैं। जीडीपी में करीब 20 प्रतिशत का योगदान देने वाले निर्यात को भी बढ़ाना होगा। बुनियादी ढांचे में सुधार, कारोबारी नियमनों का सुगम होना और लाभकारी व्यापार समझौतों से निर्यात में वृद्धि के साथ ही एफडीआइ में तेजी आने के भरे-पूरे आसार हैं। फिलहाल देश में 60 अरब डालर सालाना के हिसाब से एफडीआइ आ रहा है।

भारत में श्रम कार्यबल की भागीदारी करीब 46 प्रतिशत है, जिसमें महिलाओं की भागीदारी 23 प्रतिशत है। चूंकि कामकाजी आबादी के स्तर पर 53 प्रतिशत लोग औपचारिक प्रशिक्षण से वंचित हैं तो कौशल विकास कार्यक्रम बेहद अहम हो जाते हैं। करीब 80 प्रतिशत रोजगार प्रदान करने वाले असंगठित क्षेत्र को संगठित स्वरूप प्रदान करने से रोजगार सुरक्षा में सुधार के साथ ही उत्पादकता भी बढ़ेगी। तकनीक संचालित प्लेटफार्म मांग की तुलना में आपूर्ति करके बेरोजगारी को घटा सकते हैं। श्रम उत्पादकता वृद्धि में सालाना पांच प्रतिशत से अधिक की वृद्धि आर्थिक दायरे में भारी विस्तार करेगी।

चूंकि भारत में शहरीकरण 34 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है तो सक्षम नगरीय निकाय शासन बहुत आवश्यक हो जाता है। इस दिशा में डिजिटल सर्वे के माध्यम से भू रिकार्ड का आधुनिकीकरण पारदर्शिता बढ़ाने के साथ ही विवादों को घटाएगा। भू-उपयोग की सुसंगत नीतियां बेहतर विकास की आधारशिला रखेंगी। इसलिए स्थानीय सरकारों का सशक्तीकरण समावेशी वृद्धि के लिए अपरिहार्य है। स्थानीय स्तर पर स्वायत्तता और विकेंद्रीकरण बढ़ाने से जिम्मेदार एवं जवाबदेह शासन को बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय बुनियादी ढांचे एवं सेवाओं में सुधार से संतुलित क्षेत्रीय विकास सुनिश्चित होने के साथ ही बड़े पैमाने पर हो रहे शहरी पलायन के बढ़ते दबाव को भी कम किया जा सकेगा।

इस समय भारत का सार्वजनिक व्यय जीडीपी का 27 प्रतिशत है। इसलिए व्यय की प्राथमिकता तय करना और स्वास्थ्य एवं शिक्षा जैसी सामाजिक सेवाओं के साथ ही बुनियादी ढांचे पर ध्यान बेहतर परिणाम प्रदान कर सकता है। इस दिशा में विभिन्न सरकारी विभागों के बीच व्यय में तालमेल बिठाने के लिए सार्वजनिक व्यय परिषद का गठन उपयोगी होगा। इस रणनीतिक आवंटन से बुनियादी ढांचा और सामाजिक सेवाओं में सुधार के साथ ही उनकी गुणवत्ता एवं उन तक पहुंच की स्थिति सुधरेगी।

वर्ष 2047 तक भारत की यात्रा परिवर्तन एवं अवसरों से भरी है। व्यापक सुधारों, समावेशी वृद्धि और जनसांख्यिकीय एवं आर्थिक संभावनाओं का लाभ उठाकर एक समृद्ध एवं विकसित राष्ट्र का सपना साकार किया जा सकता है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए प्रतिबद्धता, रणनीतिक योजनाओं के साथ ही सही समन्वय आवश्यक होगा। उचित दृष्टि और दृढ़ता के साथ भारत एक वैश्विक लीडर के रूप में उभर सकता है।

(देवराय प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के प्रमुख और सिन्हा परिषद में ओएसडी-अनुसंधान हैं)

response@jagran.com

जजों की छुट्टियों पर बेजा बहस

डा.ब्रजेश कुमार तिवारी

कानूनी संस्कृति में व्यापक बदलाव के बिना केवल जजों की छुट्टियों में कटौती करने से कुछ हासिल नहीं होने वाला

सुप्रीम कोर्ट में गर्मी की छुट्टियां शुरू हो गई हैं। अब जुलाई में फिर से कोर्ट खुलेगा। अधिकांश हाई कोर्ट एवं जिला अदालतें भी गर्मी की छुट्टियों की वजह से जून में बंद रहेंगी, वहीं ठंड वाले राज्यों में सर्दी की छुट्टियां दिसंबर या जनवरी में होती हैं। ऐसा नहीं कि छुट्टियों में कोर्ट में सुनवाई नहीं होती। इसके लिए वैकेशन बेंच बनाई जाती है। यह बेंच त्वरित मामलों की सुनवाई करती है। वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट में प्रति वर्ष औसतन 193 कार्यदिवस हैं, जबकि उच्च न्यायालयों में 210 दिन और जिला अदालतों में 245 कार्यदिवस हैं। भारत उन देशों में है जहां न्यायपालिका साल में सबसे ज्यादा दिन काम करती है। अमेरिका, आस्ट्रेलिया, कनाडा, सिंगापुर और ब्रिटेन में शीर्ष अदालतें क्रमशः 79, 97, 120, 145 और 189 दिनों तक बैठती हैं। भारत का सुप्रीम कोर्ट प्रतिदिन कम से कम 10-15 फैसले देता है, वहीं अमेरिका का सुप्रीम कोर्ट एक वर्ष में अधिकतम 10-15 निर्णय देता है।

भारतीय उच्चतम न्यायालय में 31 दिसंबर, 2023 तक 80,000 से अधिक तो उच्च न्यायालयों में 61 लाख से अधिक मामले लंबित थे, जबकि जिला अदालतों में कुल लंबित मामले 4.32 करोड़ से अधिक थे। पिछले कुछ वर्षों से भारत की अदालतों में लंबित मामलों की भारी संख्या को देखते हुए जजों की छुट्टियों को कम करने की लगातार मांग की जा रही है। दरअसल जो लोग कोर्ट की कार्यप्रणाली को नहीं जानते, वही इसकी मांग करते हैं। अधिकांश को तो यह भी नहीं पता कि न्यायाधीश कैसे काम करते हैं। वास्तव में इन 'छुट्टियों' के दौरान ही न्यायाधीश आरक्षित निर्णयों के लंबित आदेशों को पूरा करते हैं। अपने चैंबर में या घर पर बने दफ्तर में बैठकर तमाम मामलों में जजमेंट लिखवाते हैं। इनको लिखवाने से पहले उन्हें पूरे केस की फाइल और तमाम जिरह को देखना होता है। मामले से संबंधित तमाम पुराने जजमेंट भी पढ़ने होते हैं। देखा जाए तो यह देश का सबसे कठिन काम है। न्यायाधीशों द्वारा बोले या लिखे गए प्रत्येक शब्द लोगों के जीवन को प्रभावित करते हैं। यह राजनेताओं द्वारा रिबन काटने और भाषण देने जैसा काम नहीं है, जिसका लोगों पर बहुत कम प्रभाव या कोई परिणाम नहीं होता है। हर हफ्ते औसतन 300 से अधिक मामलों की सुनवाई की तैयारी करना आसान नहीं है। ऐसा नहीं है कि न्यायाधीश सिर्फ दस से चार बजे तक ही कार्य करते हैं। वास्तव में एक न्यायाधीश का जीवन अदालत के घंटों के बाद आम जनता से छिपा होता है। न्यायाधीश आम तौर पर शाम, रात और सप्ताहांत में फाइलें पढ़ने, आदेश लिखने, अन्य निर्णय और कानून की किताबें पढ़ने में बिताते हैं, क्योंकि जब अदालतें काम कर रही होती हैं तो न्यायाधीशों के पास ऐसा करने के लिए बहुत कम समय बचता है। कोर्ट यह कभी नहीं कहता कि छुट्टी है। ऐसे में कोर्ट से दूसरे सरकारी विभागों की छुट्टियों की तुलना करना ठीक नहीं है। यही कारण है कि तनाव प्रबंधन के लिए न्यायाधीशों को समय-समय पर आराम की आवश्यकता होती है और वकीलों को भी, क्योंकि वकील भी न्यायिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

मात्र अदालतों तक ही नहीं सिमटा न्यायिक कार्य। फाइल

विशेषज्ञ मानते हैं कि भारतीय न्यायपालिका में जजों की संख्या में कमी मामलों के लंबित होने के लिए जिम्मेदार है। उनकी छुट्टियों को दोष देने की जगह न्यायपालिका को ज्यादा संसाधन उपलब्ध कराया जाना ही इस समस्या का समाधान है। कानून मंत्रालय के अनुसार एक अक्टूबर, 2023 तक जिला अदालतों में कुल 5,388 पद (21 प्रतिशत) खाली थे। ऐसे ही उच्च न्यायालयों में 1,114 न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या के मुकाबले 347 न्यायाधीशों के पद (31 प्रतिशत) खाली थे। भारत में न्यायाधीश-जनसंख्या अनुपात में भी भारी अंतर है। यह 2020 में प्रति 10 लाख लोगों पर 21 न्यायाधीश का था। जबकि 1987 में विधि आयोग ने सुझाव दिया था कि 10 लाख नागरिकों के लिए 50 न्यायाधीश होने चाहिए। अमेरिका में प्रति दस लाख लोगों पर 107 न्यायाधीश हैं और ब्रिटेन में 51 न्यायाधीश हैं। जब तक इस अनुपात को बेहतर नहीं बनाया जाता तब तक देश की अदालतों में लंबित मामलों की संख्या बढ़ती ही रहेगी। संविधान का अनुच्छेद-21 सभी नागरिकों को त्वरित न्याय का अधिकार देता है। ऐसे में जरूरत है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा की गई सिफारिशों पर सरकार समय पर कार्रवाई करे और नियुक्तियां करें। आज भी कई अदालतों में न्यायाधीशों, वकीलों, कर्मचारियों और वादियों के लिए बुनियादी ढांचे की कमी है। अदालतों में मुकदमेबाजी इसलिए भी बढ़ रही, क्योंकि ज्यादातर विभाग सही से काम नहीं कर रहे। कई बार स्कूलों की फीस, स्वच्छता, कुपोषण से लेकर सड़क के गड्ढे दुरुस्त करने तक के आदेश अदालतों को ही देने पड़ते हैं। न्याय विभाग द्वारा प्रकाशित 2017 के एक दस्तावेज में कहा गया है कि अदालतों में कुल लंबित मामलों का 46 प्रतिशत हिस्सा सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य स्वायत्त निकायों से संबंधित है। अब समय आ गया है कि सरकारें अपनी नीति में बदलाव करें, क्योंकि इससे न केवल कोर्ट का समय व्यर्थ होता है, बल्कि निरर्थक मुकदमेबाजी पर भारी मात्रा में सार्वजनिक धन बर्बाद होता है।

कुल मिलाकर देखें तो गर्मी हो या सर्दी की छुट्टियां, वे न्यायाधीशों या वकीलों में तनाव प्रबंधन का काम करती हैं, क्योंकि वे पूरे वर्ष जटिल कानूनी मुद्दों और सवालों को सुलझाने का काम करते हैं। संपूर्ण कानूनी संस्कृति में व्यापक बदलाव के बिना केवल जजों की छुट्टियों में कटौती करने से कुछ हासिल नहीं होने वाला।

(लेखक जेएनयू के अटल स्कूल आफ मैनेजमेंट में प्रोफेसर हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

लक्ष्य की स्पष्टता

जीवन उसी का सार्थक कहा जाएगा जिसने स्वयं को निरंतर परिष्कृत करते रहने की प्रवृत्ति बना ली है। ऐसे व्यक्ति का एक स्पष्ट लक्ष्य रहता है। उच्च लक्ष्य का निर्धारण उसे दैनंदिन प्रतिबद्ध, जीवंत और आश्वस्त रखता है। वह सभी इच्छित कार्य मनोयोग से संपन्न करता और तदनुसार फल पाता है। जीवन में आने वाली बाधाएं उसे परास्त नहीं करतीं। उसे लक्ष्य तक पहुंचने से कोई शक्ति नहीं रोक सकती, जिसने एक स्पष्ट लक्ष्य ठान रखा है और जो निष्ठा से अविरल उस दिशा में कार्यरत है। लक्ष्य जितना व्यापक, गरिमामय और दूरदर्शितापूर्ण होगा उसी अनुपात में उलझनों से मुक्त रहेंगे। लौकिक लक्ष्य के पीछे प्रायः निजी स्वार्थ रहता है, जैसे शैक्षिक परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम, उच्च पैकेज की नौकरी, पदोन्नति, लाटरी लगना, गंभीर बीमारी या मुकदमेबाजी से छुटकारा, भूखंड या फ्लैट का स्वामित्व, संतान की प्राप्ति या उसका विवाह आदि। सांसारिक लक्ष्यों में एक भारी कमी रहती है। एक पूरा होता नहीं कि तुरंत दूसरा प्रकट हो जाता है, लेकिन वह भी उच्च कोटि का नहीं होता। जितना महत्वपूर्ण लक्ष्य है उतना ही महत्वपूर्ण इसकी प्राप्ति का मार्ग। लक्ष्य प्राप्ति में गलत उपायों का प्रयोग सुफल नहीं देता।

जनकल्याण से संबद्ध लक्ष्य सर्वोच्च कोटि का होता है। इससे समाज को लाभ मिलता है। इंजीनियरिंग, चिकित्सा या कारोबारी क्षेत्र कम समय या लागत में प्रभाव देने वाले उत्पाद विकसित करें तो व्यापक स्तर पर उपभोक्ता लाभान्वित होंगे। परहित में निरत व्यक्ति पुण्य का भागी होता है। ईश्वरीय शक्तियां भी उसे सहयोग देती हैं। चित्त को डोलाते, पारिवारिक संबंधों को क्षीण करते, सांस्कृतिक मूल्यों से दुराव बढ़ाते आज के समाज में उन लक्ष्यों से अभिप्रेरित व्यक्तियों की आवश्यकता है, जो हमें सन्मार्ग पर अग्रसर रहने का संबल प्रदान करें।

हरीश बड़थ्वाल

कामकाजी महिलाओं की सुरक्षा

सुनीता मिश्रा

गर्भावस्था और मासिक धर्म के दौरान महिला कर्मचारी लंबे समय तक लगातार कठिन श्रेणी के कार्य नहीं कर सकतीं

ड्यूटी के दौरान गर्भपात का सामना करने वाली महिला ट्रेन चालकों के एक समूह ने रेलवे बोर्ड से गर्भवती कर्मचारियों को इस अवधि में हल्के और दफ्तर में बैठकर वाले किए जाने वाले काम देने की अपील की है। उनका कहना है कि मातृत्व लाभ (संशोधन) अधिनियम, 2017 के तहत इस सुविधा की अवधि में उन्हें कार्यालय संबंधी गैर खतरनाक कार्य करने को दिए जाने चाहिए। इसके लिए उनका दूसरे विभाग में तबादला किया जाना चाहिए। रेलवे अधिनियम और मातृत्व लाभ अधिनियम की धारा चार में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि महिला कर्मचारियों को खतरनाक और कठिन श्रेणी के कार्य करने के लिए नहीं कहा जा सकता है। कठिन श्रेणी में लंबे समय तक खड़े रहना, बैठे रहना, बार-बार केबिन की सीढ़ियां चढ़ना, भारी सामान उठाने जैसे कई कार्यों को शामिल किया गया है। ये कार्य गर्भवती महिला के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं, जिससे भ्रूण के सामान्य विकास में बाधा उत्पन्न होने और गर्भपात का खतरा अधिक होता है।

वर्तमान में भारतीय रेलवे में 13 लाख से अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें 1500 से अधिक महिलाएं देश भर के विभिन्न रेलवे जोनों में लोको पायलट और सहायक लोको पायलट के रूप में कार्य कर रही हैं। ये महिला कर्मचारी लंबे समय से ड्यूटी के दौरान न मिलने वाली बुनियादी सुविधाओं की शिकायत करती रही हैं। खासतौर पर गर्भावस्था और मासिक धर्म के दौरान उन्हें कई कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि इस वक्त वे लंबे समय तक लगातार नहीं बैठ सकती हैं। पिछले महीने भी महिला ट्रेन चालकों ने रेलवे बोर्ड से आग्रह किया था कि या तो उनकी दयनीय कामकाजी परिस्थितियों में सुधार किया जाए या फिर उन्हें अन्य विभागों में स्थानांतरित करने की अनुमति दी जाए। इसके साथ ही महिलाकर्मियों ने इंजन में शौचालय सुविधाओं की कमी, मासिक धर्म के समय सैनिटरी पैड नहीं बदल पाने और नाइट ड्यूटी के लिए आवास से लाने-पहुंचाने की सुविधा नहीं होने जैसी समस्याओं का उल्लेख किया था।

महिला रेलकर्मियों को भी दफ्तर में काम करने का अवसर मिलना चाहिए। सुविधाओं के अभाव, काम के घंटों की अनिश्चितता और आराम के समय की कमी के कारण गर्भवती महिला कामगारों के लिए काम करना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में उनका दूसरे विभाग में तबादला करने के साथ-साथ रेलवे को महिला कर्मचारियों को शौचालय सहित अन्य सभी तरह की सुविधाएं मुहैया कराने पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है, ताकि कोई भी कामकाजी महिला गर्भपात की शिकार न होने पाए। इससे ज्यादा महिलाएं रेलवे में कार्य करने को इच्छुक होंगी।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

देशहितैषी सार्थक मुद्दों पर भी बहस हो

शिवकांत शर्मा के आलेख 'आरोपों-प्रत्यारोपों में ओझल सार्थक मुद्दे' में जिस महत्वपूर्ण विषय को उठाया गया है, वह सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के लिए विचारणीय होना चाहिए। 2024 के लोकसभा चुनाव में एक ओर सत्ता पक्ष का एनडीए है तो दूसरी ओर विपक्षी दलों का आइएनडीआइए। देश की सत्ता पर काबिज होने के लिए सत्ता पक्ष और विपक्ष के अपने-अपने दावे हैं। इस परिदृश्य को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि देश के आम चुनाव से देशहितैषी मुद्दे गायब हो गए हैं और उनके स्थानापन्न एक दूसरे को दोषारोपित करने का दौर बदस्तूर जारी है। जबकि देश का जागरूक मतदाता यह जानने के लिए आतुर है कि पक्ष-विपक्ष के दावे के अनुरूप सत्ता पर काबिज होने वाला देश का भावी नेतृत्व शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर क्या सोच रखता है? हालांकि हर दल का अपना चुनावी एजेंडा है, लेकिन इन एजेंडों में मुफ्तखोरी की लोकलुभावन घोषणाओं के इतर कुछ भी ऐसा नहीं है जिसमें देश की बेहतरी का कोई विजन हो। इस संबंध में शायद पहली बार आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना के साथ देश को विकसित राष्ट्र बनाने की बात प्रधानमंत्री मोदी ने की है। भाजपा के चुनावी एजेंडे में भी इस संकल्प को दोहराया गया है। इस संदर्भ में लेखक का यह सुझाव गौरतलब है कि पश्चिमी देशों की तर्ज पर भारत में भी सत्ता पक्ष और विपक्ष के प्रमुख नेताओं को टीवी पर आमने-सामने बैठकर देशहित के महत्वपूर्ण मुद्दों पर सकारात्मक बहस करनी चाहिए। ताकि देश के मतदाताओं को इनके विजन का आभास हो जाए।

डा. वीपी पांडेय, अलीगढ़ (उप्र)

मेलबाक्स

किसको दें वोट?

मेरा वोट, मेरा अधिकार-ये नारा इन दिनों खूब चर्चा में है। कुछ युवा पहली बार वोट डालने के लिए उत्साहित हैं तो वहीं वरिष्ठ लोग पिछली सरकारों द्वारा किए गए कार्यों के आधार पर वोट डालने का मन बना रहे हैं। इन सबके बीच कुछ ऐसे भी लोग हैं जो आज भी अपनी जाति, धर्म या पार्टी के घोषणा पत्रों में किए गए वादों के आधार पर वोट देते हैं। इधर बड़े बड़े नेता सत्ता की चाह में एक दूसरे पर बयानबाजी में लगे हैं। कोई तुष्टीकरण की राजनीति के बारे में बता रहा है तो कोई लोक लुभावन वादों और मुफ्त की सुविधाओं पर जोर दे रहा है। देखा जाए तो ऐसे बयानों में नेताओं का सत्ता पाने का स्वार्थ झलकता है, देश का विकास नहीं। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन और मानव विकास संस्थान के मुताबिक भारत में तीन में से दो शिक्षित युवा बेरोजगार हैं। विश्व के 30 में से 21 सबसे प्रदूषित शहर भारत में हैं। ऐसे गंभीर मुद्दों पर कोई राजनीतिक दल बात क्यों नहीं करता? ऐसी ही जाने कितनी समस्याएं हैं जो सर उठाए बुनियादी विकास के रास्ते में खड़ी हैं, पर नेता इनकी बात नहीं कर रहे। यही कारण है कि मतदान को लेकर लोगों के बीच उदासीनता नजर आती है, क्योंकि उन्हें लगता है की उनके एक वोट से कुछ नहीं बदलने वाला। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में मतदाताओं की ऐसी उदासीनता चिंताजनक है।

सोनल वर्मा, प्रयागराज

तुष्टीकरण की राजनीति

'बेनकाब हुई तुष्टीकरण की राजनीति' शीर्षक से लिखे आलेख में संजय गुप्त ने उन तमाम दलों के नेताओं की करगुजारियों से पर्दा उठाने का प्रयास किया है जो वास्तव में संप्रदायिक राजनीति है, लेकिन ऐसी राजनीति करने वाले दल इसे पंथनिरपेक्ष राजनीति करार दे रहे हैं। आखिर जब किसी जाति को पिछड़ा घोषित करने के मानक बने हुए हैं तब ऐसी स्थिति में अधिक से अधिक मुस्लिम जातियों को पिछड़ा घोषित कर आरक्षण देना उन पिछड़ी हिंदू जातियों की हकमारी ही तो है। यह तो अच्छा हुआ कि 2024 के लोकसभा चुनाव के प्रचार अभियान के जरिये जनता के सम्मुख यह यथार्थ सामने आ गया। हद तो तब जब कर्नाटक जैसे राज्य ने समस्त मुसलमानों को पिछड़ा मान आरक्षण का लाभ दे दिया।

मुकेश कुमार मनन, पटना

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।
****

47.1 करोड़ से भी अधिक हो चुकी है देश में महिला मतदाताओं की संख्या, जबकि महज पांच वर्ष पहले इनकी संख्या 43.8 करोड़ थी।

आजकल

डिजिटल भविष्य की ओर बढ़ता भारत

देश में आम चुनाव की प्रक्रिया जारी है। सातवें और अंतिम चरण का मतदान शनिवार को होगा। वैसे इस बार कम मतदान प्रतिशत भी भारतीय लोकतंत्र के लिए एक नई चुनौती के रूप में उभर कर सामने आया है। हालांकि देश के अनेक हिस्सों में पड़ रही प्रचंड गर्मी को भी इसका कारण माना जा रहा है, फिर भी मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किए जाने की संभावनाएं तलाशी जानी चाहिए। डिजिटल तकनीक में वह सामर्थ्य है, जिसकी क्षमताओं का लाभ चुनावों में भी उठाया जाना चाहिए

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी
चेयर प्रोफेसर, केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा, पंजाब

अधिक से अधिक मतदान सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक तकनीकों को भरपूर सहयोग लिया जाना चाहिए। प्रतीकात्मक

लोकसभा चुनाव अंतिम चरण में है। चुनाव प्रक्रिया में देश को इस बार अभूतपूर्व सामर्थ्य हासिल होने जा रहा है। समावेशी डिजिटलाइजेशन क्रांति की ओर भारत ने स्वयं को बहुत मजबूत किया है। भारत के शीर्ष नेतृत्व ने सक्षम भारत बनाने के क्रम में यह नवोन्मेषी कदम उठाया है। डिजिटल प्रारूप में आधारभूत बदलाव लाने की दिशा में हमारा देश प्रतिबद्ध दिख रहा है।

चुनावों में एआइ (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) का उपयोग के करने लिए पुरजोर कोशिश चल रही है। इसके लिए नई डिजिटल साक्षरता पर बल दिया जा रहा है। यह प्रयास युवा भारत के युवा मतदाताओं के बीच लोकप्रिय बनने जा रहा है। आने वाले समय में मतदाता एआइ के माध्यम से मतदान में प्रतिभागी बन सकेंगे। चुनाव संपन्न करने वाली हमारी युवा टीम इसी माध्यम से चुनाव में किए जाने वाले समस्त क्रियाकलापों पर निगरानी रखेगी और कम समय में अधिक मतदान संभव कराना सुनिश्चित करेगी। समावेशी डिजिटलीकरण का सबसे महत्वपूर्ण सहयोग यह मिलने जा रहा है कि जो मतदाता चुनाव में हिस्सेदारी से बचते थे, वे भी रुचि लेने की स्थिति में चुनाव में प्रतिभागी बन सकेंगे।

राष्ट्रीय सुरक्षा : समावेशी डिजिटलीकरण पहले एक स्वप्न था, लेकिन भारत में अब इसे एक मजबूत टूल्स के रूप में देखा जा रहा है। डिजिटल विश्व तेजी से एक सत्तावादी जगह बनने की ओर अग्रसर है। बहुत सारी लोकतांत्रिक सरकारें एकाधिकारवादी शासन की तरह काम कर रही हैं। इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की गोपनीयता की रक्षा करने और राष्ट्रीय सुरक्षा के बारे में दुनिया की सरकारें जागरूक हुई हैं। वे ऐसे टूल्स को तैयार कर रही हैं जिनसे गोपनीयता भी बनी रहे और राष्ट्रीय सुरक्षा एवं अन्य साइबर लीगेसी को भी बनाए रखा जाए। भारत सरकार ने बहुत ही सूक्ष्म अध्ययन एवं शोध के माध्यम से डिजिटलीकरण की प्रक्रिया को मजबूत बनाने में कामयाबी हासिल की है। यह व्यवस्था न्याय प्रणाली और मतदान प्रणाली में पूर्णतया लागू हो जाए तो भारत की डिजिटल क्रांति विश्व में व्यापक पहचान हासिल कर लेगी। लेकिन इसके लिए भारत के प्रत्येक नागरिक खासकर युवाओं को व्यापक शिक्षण-प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा। सरकार अगले कुछ वर्षों में यदि इच्छित लक्ष्य को हासिल कर पाई तो भारत में डिजिटल चुनाव प्रक्रिया को आरंभ करने में मदद मिल सकती है। इससे एक बड़ा लाभ भारतीय लोकतंत्र को यह होगा कि अधिकतम मतदान सुनिश्चित किया जा सकेगा।

डिजिटल विश्व में कारपोरेट की भूमिका महत्वपूर्ण है। विकेंद्रीकृत नेटवर्क जहां संचार सेवाओं का एकाधिकार होने के बजाय स्थानीयकृत होने की मांग कर रहा है, वहां यह जरूरी है कि कारपोरेट जगत डिजिटल भारत में अपना निवेश करके डिजिटलाइजेशन को बढ़ावा देना चाहती हैं, तो वे बढ़-चढ़कर इसमें भाग लें और भारतीय साइबर कानून का गंभीरता से पालन करके गोपनीयता एवं सुरक्षा पर बल दें। भारत सरकार इसके लिए जो अनुबंध बनाए, वह भारत की प्राथमिकताओं और स्थानीयकृत व्यवस्थाओं का ध्यान रखे और निवेश में सेवा को प्राथमिकता दे, लाभ को नहीं। भारतीय गतिशीलता में यह महत्त्वपूर्ण कदम है और इससे डिजिटल समावेशीकरण के लिए जो भारत सरकार ने लक्ष्य निर्धारित कर रखे हैं, उसे भी बेहतर ढंग से प्राप्त किया जा सकेगा।

ग्लोबल डिजिटल कांपैक्ट : भारत में जब जी-20 सम्मलेन हुआ था तो संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने कहा था ग्लोबल डिजिटल कांपैक्ट को लोकतंत्र, मानवाधिकार और विज्ञान को कमजोर करने वाली आनलाइन बदमाशी एवं घातक दुष्प्रचार को रोकने के लिए सरकारों, तकनीकी कंपनियों और इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्मों की जिम्मेदारी पर विचार करना चाहिए। भारत ने इन सभी मुद्दों पर तर्कपूर्ण तरीके से कई मायने में कई कदम की दूरी तय कर ली है। डिजिटल कांपैक्ट मानव अधिकारों पर दृढ़ता से आधारित है, जिसे भारत जानता है। प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सुसंगत भारतीय दृष्टिकोण बहुत स्पष्ट है जिससे वह आने वाले समय में डिजिटल क्रांति की दिशा में बहुत से नए मापदंड बनाते हुए आगे जाने के लिए तैयार है। दुनिया के बहुत से देश जो गरीबी, भुखमरी और दूसरी कई समस्याओं का सामना कर रहे हैं, वे जीवन के विभिन्न पहलुओं को प्रभावित करने वाले कारक को चिह्नित नहीं कर पाए हैं, वे डिजिटल विकास की यात्रा कर ही नहीं सकते। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इसने इकोनमिक डिजिटलीकरण पर ज्यादा फोकस किया है जिससे डिजिटल साक्षरता बढ़ी है। इसका फायदा यह हुआ है कि जो डिजिटल प्लेटफार्म को नहीं भी यूज कर रहे थे, वे अब इसका भरपूर उपयोग करने लगे हैं। भारत का सही मायने में देखा जाए तो डिजिटलीकरण साक्षरता डर कोविड के बाद मुद्रा योजना, डिजिटल पेमेंट आदि के माध्यम से बढ़ी है। युवा तो डिजिटल प्लेटफार्म का उपयोग कर ही रहे हैं, सेल्फ हेल्प ग्रुप्स, वृद्धजन आदि भी इस प्लेटफार्म का उपयोग कर रहे हैं।

कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि भारत डिजिटल क्रांति के लिए तैयार है। नेतृत्व को भी यह पता है कि भारत के लिए क्या उपयुक्त है और कैसे भारत को दुनिया की प्रतिस्पर्धा में सम्मिलित किया जा सकता है। हमारे उद्देश्य भी स्पष्ट हैं। ऐतिहासिक रूप से जो परिवर्तन भारत में विगत कुछ वर्षों में हुआ है वह उसकी नीति और नियति दोनों साफ होने के कारण हुआ है। समावेशी डिजिटलीकरण भारत इसलिए भी कर रहा है, क्योंकि वह दुनिया में भारतीय छवि को मजबूत करना चाहता है। इसके माध्यम से भारत संयुक्त राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने में सक्षम होगा, यह भी भारत जानता है। खैर, इन सबके बावजूद भी यदि भारत की डिजिटल नीति देखेंगे तो वह डिजिटल जस्टिस का एक सच्चा नमूना है जिसे भारत बहुत गर्व के साथ आज दुनिया के समक्ष भी रख रहा है। अब तो कई देश इस बात को उद्धृत करने लगे हैं कि भारत डिजिटल प्रारूप में आ चुका है और वह विश्व में अच्छा डिजिटल प्रदर्शन कर रहा है। भारत की साइबर सुरक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार भारत के लिए हितकारी साबित होने वाला है। इससे विश्व में जो ग्लोबल डिजिटल कांपैक्ट बन रहा है उसमें भारत की महत्वपूर्ण मानी जाएगी।

परिवर्तन की यह बयार भारत के लिए बहुत ही सुखद है और डिजिटली महत्त्वाकांक्षी है। इसके लिए येन-केन-प्रकारेण कमर कस कर अधिकतम निवेश भारत सरकार करेगी। इसमें कोई दो मत नहीं है। देश की यह समावेशी एवं सार्वभौमिक डिजिटल कोशिश नई रंगत लाएगी और भारत की जो प्रतिष्ठा अब है उसमें भी अभिवृद्धि करेगी। अच्छी बात यह है कि भारतीय डिजिटल क्रांति को रेखांकित करने वाले कुछ देश जो डिजिटल निवेश नहीं कर सकते वे अपने देशों में भारत की सहायता भी लेंगे।

डीपफेक से निपटने की मुश्किल चुनौती

योगेश कुमार गोयल

केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव डीपफेक की चुनौतियों से निपटने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। वस्तुतः किसी भी वीडियो में किसी व्यक्ति के चेहरे या शरीर को डिजिटल रूप से बदलने को 'डीपफेक' कहते हैं। डीपफेक वीडियो और आडियो दोनों ही रूप में हो सकता है। इसे एक स्पेशल मशीन लर्निंग का इस्तेमाल करके बनाया जाता है, जिसे 'डीप लर्निंग' कहा जाता है। डीप लर्निंग में कंप्यूटर को दो वीडियो या फोटो दिए जाते हैं, जिन्हें देखकर वह स्वयं ही दोनों वीडियो या फोटो को एक जैसा बनाता है यानी एडिटेड वीडियो में किसी अन्य के चेहरे को किसी अन्य के चेहरे से बदल दिया जाता है। इस तरह के फोटो तथा वीडियो में कुछ छिपी हुई लेयर्स होती हैं, जिन्हें केवल एडिटिंग साफ्टवेयर की मदद से ही देखा जा सकता है। ये वीडियो इतने सटीक होते हैं कि आप इन्हें आसानी से नहीं पहचान सकते।

हालांकि डीपफेक तकनीक से तैयार तस्वीरों और वीडियो को पहचानना आसान तो नहीं होता, लेकिन यह असंभव भी नहीं है। तकनीक के जानकारों के मुताबिक इन्हें पहचानने के लिए वीडियो को बहुत बारीकी से देखते हुए खासतौर पर चेहरे के भाव, आंखों की हलचल और शारीरिक शैली पर ध्यान देना होगा। डीपफेक वीडियो का प्रसार रोकने के लिए लोगों में जागरूकता बहुत जरूरी है। भारत में डीपफेक से मुकाबले का कानूनी हथियार मौजूद है, लेकिन इस अधिकार की जानकारी भी हर किसी को होना जरूरी है। आइटी एक्ट 2000 किसी भी व्यक्ति को उसकी गोपनीयता की सुरक्षा प्रदान करता है, ऐसे में यदि कोई डीपफेक वीडियो या तस्वीर किसी की मर्जी के बिना बनाकर कानून तोड़ता है तो उसके खिलाफ शिकायत की जा सकती है। धारा 66डी के तहत ऐसे मामले में दोषी पाए जाने पर उसे तीन वर्ष तक की सजा और एक लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि डीपफेक वीडियो को पकड़ना आसान हो सकता है, क्योंकि ये इंटरनेट पर मौजूद असली वीडियो से ही बनाए जाते हैं, लेकिन भारत में ऐसे वीडियो को लेकर चिंता की सबसे बड़ी बात यही है कि हमारे यहां इसके लिए जिस धैर्य की जरूरत है, वह इंटरनेट यूजर्स में नहीं दिखती। लोग बिना कुछ सोचे-समझे किसी भी संदेश को एक-दूसरे को अग्रेषित करते रहते हैं। डिजिटल साक्षरता कम होने के कारण ऐसे वीडियो समस्या को गंभीर बना सकते हैं। एआइ के आगमन से आर्थिक और सामाजिक विकास को लेकर उम्मीदें बढ़ी थी, यह भी माना जा रहा था कि इससे फेक न्यूज और गलत सूचनाओं के प्रसार को रोकने का प्रभावी तरीका मिल जाएगा, लेकिन इसका उपयोग बढ़ने के साथ-साथ इसका दुरुपयोग तेजी से बढ़ रहा है, जिससे फेक न्यूज में वृद्धि हो रही है। अब यह चरित्र हनन करने के मामले में भी एक शक्तिशाली औजार के रूप में उभर रहा है। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

खरी-खरी

खोजो, भारत खोजो

पूरन सरमा

देश के राजनेताओं में कीचड़ उछालो का गंदा खेल जारी है और राजनीति मूल्यहीन हो गई है। एक कहता है तू माल खा गया, दूसरा कहता है कि तू मुझसे ज्यादा खा गया। बस लड़ाई खाने की चल रही है। कोई कहता है मुख्यमंत्री बनाओ, कोई कहता है मंत्री बनाओ और कोई कहता है मेरा मंत्रालय बदलो। असंतुष्ट कहते हैं हमें भी ठिकाने लगाओ वरना हम सरकार गिरा देंगे। कोई कहता है हम बाहर से समर्थन देंगे, लेकिन सरकार नहीं चलने देंगे। लफड़ा एक नहीं अनेक हैं, जो देश की छवि को मटियामेट कर रहे हैं। प्रधानमंत्री को एक ही चिंता खाए जा रही है कि कहीं उनकी कुर्सी न चली जाए, इसलिए वे चुपचाप बंसी बजा रहे हैं। उन्हें हंसने के अलावा कुछ नहीं आता। विपक्षी इस बात पर तमतमाए हुए हैं कि वे सत्ता में क्यों नहीं हैं। कोई अयोध्या की ओर कूच कर गया है तो कोई अपने मंत्रिमंडल विस्तार का झांसा दे रहा है। इस पर तुर्रा यह कि यह तो हमारी राजनीति है, इसमें सब जायज है।

किसी को महंगा होते सोने की चिंता है और वह भर लेना चाहता है अपनी तिजोरी। किसी को अनाज और सब्जी के बढ़ते दामों की फिक्र नहीं है। गरीब की सब्जी प्याज भी अंधाधुंध तेजी पर है, लेकिन प्याज की परवाह किसे है। वे खा रहे हैं पिज्जा और बर्गर। कारों में घूम रहे हैं और पेट्रोल के दाम महंगे कराने पर तुले हैं। घर के हर सदस्य के पास हैं महंगे स्मार्टफोन। विदेशों से चोरी-चोरी महंगी कारें मंगवा रहे हैं तथा सरकार के राजस्व को चूना लगा रहे हैं।

हर भारतीय परिवार फिल्मी जीवनशैली अपनाने को बेताब है। खाने को दाना नहीं, लेकिन स्टाइल के क्या कहने। हीरो आदमी के आदर्श बन गए हैं। हर आदमी करोड़पति बनने का सपना संजोये रातों-रात अपना अतीतकाल भुला देना चाहता है। क्रिकेटरों का हाल भी इनसे कम नहीं है। खेल पर ध्यान कम है और विज्ञापनों से होने वाली आय पर ज्यादा। हर आदमी पैसा बनाकर अपना धन राजनीति में इन्वेस्ट करने को आतुर है। व्यावसायिकता ही अंधी हौड़, जिसका दौर थमने वाला किसी तरफ से दिखाई नहीं दे रहा और बेहाई का नंगा नाच चल रहा है।

X पोस्ट

कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा मुस्लिम वर्चस्व वाले ओबीसी कोटे को रद किए जाने के बाद ओबीसी-मुस्लिम जुगलबंदी की अग्निपरीक्षा है। यह महज एक राज्य का मामला नहीं है। ताज्जुब नहीं कि ओबीसी विचारक मुस्लिम विरोधी रुख अपना रहे हैं। सवर्ण राजनीति की काट तो उनके पास है, पर मुस्लिम राजनीति की काट आसान नहीं। सुशांत झा @jhasushant

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कई संस्थाओं में ओबीसी आरक्षण लागू किया। आरक्षण के लिए छह संविधान संशोधन कराए। इसके बावजूद मोदी समेत भाजपा का कोई नेता चुनाव प्रचार में इसका जिक्र नहीं कर रहा है जबकि उन पर आरक्षण समाप्त करने को लेकर हमला हो रहा है। अरविंद कुमार @arvind_kumar__

पत्रकारों को लेकर इंटरनेट मीडिया पर जो कई तरह की मूर्खतापूर्ण बातें की जाती हैं, उनमें एक है कि पत्रकारों को वोट नहीं डालना चाहिए, क्योंकि इससे वे चुनाव में अपनी पसंद या नापसंद बता रहे होते हैं। क्या पत्रकार किसी दूसरे ग्रह से आया हुआ अजूबा है? पत्रकार भी किसी अन्य नागरिक की तरह संविधान द्वारा दिए गए अपने मताधिकार का प्रयोग करता है। अखिलेश शर्मा @akhileshsharma1

जागरण जनमत कल का परिणाम

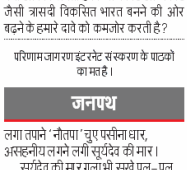

क्या गौतम गंभीर टीम इंडिया का कोच बनने के लिए सबसे उपयुक्त दावेदार हैं?

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या आपको लगता है कि राजकोट अग्निकांड जैसी त्रासदी विकसित भारत बनने की ओर बढ़ने के हमारे दावे को कमजोर करती है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

लगा तपाने 'नौतपा' चुए पसीना धार,
असहनीय लगने लगी सूर्यदेव की मार।
सूर्यदेव की मार गला भी सूखे पल-पल,
जीव जंतु हर ओर ढूंढते हैं जल ही जल।
हम पेड़ों को काट लगे तालाब सुखाने,
इसीलिए तो सूर्य हमें है लगा तपाने!
- ओमप्रकाश तिवारी

छत्तीसगढ़ डायरी

भ्रष्टाचार पर वार, कांग्रेस का दामन दागदार

डा. सुनील गुप्ता
संपादकीय प्रभारी, बिलासपुर

छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के बाद वर्ष 2003 में विधानसभा का पहला चुनाव हुआ। राज्य की सत्ता से कांग्रेस की विदाई हुई और भाजपा सत्तासीन हो गई। भाजपा का सफर 15 वर्षों तक अनवरत जारी रहा। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का 15 साल का वनवास खत्म हुआ और सत्ता में वापसी हुई। पर यह क्या, पूरा कार्यकाल राजनीतिक रूप से विवादित तो रहा ही, भ्रष्टाचार के मामले में भी कम दागदार नहीं रहा। कोल स्कैम, शराब घोटाला और महादेव बेटिंग एप के जरिए आनलाइन सट्टा। एक भी घोटाला ऐसा नहीं जो हजार करोड़ रुपये से कम हो। घोटालेबाजों ने हद तब पार कर दी जब युवाओं के करियर के साथ खिलवाड़ करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य लोक सेवा आयोग जैसी प्रतिष्ठापूर्ण परीक्षा को भी नहीं छोड़ा। ऐसी परीक्षा जिसे पास करने और सफल होने के बाद राज्य सरकार की निगरानी में प्रशासनिक कामकाज को अंजाम देने अफसर तैयार होते हैं। हम और आप सहज की कल्पना कर सकते हैं कि राज्य लोक सेवा आयोग की परीक्षा को दूषित कर दिया जाए, तब किस तरह के अफसर राज्य सेवा में आएंगे। अपनी क्षमता के बजाय दूसरे रास्ते अख्तियार कर प्रशासनिक पद पाने वाले युवाओं का सोच कैसा होगा और राज्य सरकार के साथ ही करोड़ों जनता की अपेक्षाओं पर कितना खरा उतर पाएंगे?

कहावत है बोए बीज बबूल के तो आम कहां से होए? राज्य लोक सेवा आयोग की परीक्षा में उम्मीदवारों के चयन के लिए जिन अफसरों को जिम्मेदारी दी गई है उनका भी कर्तव्य बनता है कि प्रतिभावान और ईमानदार छवि के युवाओं को अवसर दिया जाए। उनको अपनी क्षमता का भरपूर उपयोग करने की आजादी मिले। विडंबना देखिए, वर्ष 2021 की प्रारंभिक परीक्षा से लेकर मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार की पूरी प्रक्रिया को जिम्मेदारों ने न केवल

कानून के शिकंजे में रानू साहू। फाइल

सौम्या चौरसिया। फाइल

दूषित किया, वरन भ्रष्टाचार करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी। पूर्व गृह मंत्री व रामपुर के पूर्व विधायक ननकीराम कंवर ने इस पूरे मामले की सीबीआइ से जांच कराने और पिछले दरवाजे से कांग्रेस नेताओं व राज्य सरकार के कुछ प्रभावशाली अफसरों के बेटे-बेटियों व रिश्तेदारों जिनकी नियुक्ति हो गई है, उसे रद करने की मांग को लेकर छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट में याचिका दायर की है।

राज्य लोक सेवा आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष टामन सिंह सोनवानी ने तो भ्रष्टाचार के साथ ही नैतिकता की सारी हदें पार कर दी है। टामन सिंह सोनवानी ने अपने पद का जमकर दुरुपयोग किया। आधा दर्जन रिश्तेदारों को अलग-अलग पदों पर नियुक्ति दे दी। राज्य लोक सेवा आयोग के दागदार दामन, खोई प्रतिष्ठा और सम्मान को वापस दिलाने की जिम्मेदारी सीबीआइ को सौंपी गई है। यह तब होगा जब सीबीआइ भ्रष्टाचारियों को जेल की सलाखों के पीछे भेजे और पूरे मामले का दूध का दूध और पानी का पानी करे। ऐसा करके राज्य सरकार जीरो टालरेंस की अपनी नीति पर मजबूत कदम रखते दिखाई दे रही है। इसमें भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन देने के साथ ही राजनीतिक शुचिता का संदेश भी नजर आ रहा है। पिछली कांग्रेस सरकार ने प्रदेश में जिस तरह राजनीति चलाई, अफसरों के संरक्षण में घोटालों पर घोटाले हुए, इससे प्रदेशवासियों का भरोसा उठ गया था। भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ जिस अंदाज में कार्रवाई हो रही है निश्चित रूप से यह अच्छा कदम और सुफल योग कहा जा सकता है। अफसरों पर अंकुश के साथ ही सुशासन की दिशा में बढ़ते कदम की प्रशंसा की जानी चाहिए।

कोल स्कैम में ईओडब्ल्यू का शिकंजा : कोल स्कैम की जांच में ईओडब्ल्यू का शिकंजा कसता ही जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की उपसचिव सौम्या चौरसिया व निलंबित आइएएस रानू साहू के भाई को ईओडब्ल्यू ने पूछताछ के लिए कोर्ट से रिमांड पर ले ली है। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग परीक्षा घोटाले की सीबीआइ जांच, कोल स्कैम, शराब घोटाला और महादेव बेटिंग एप मामले की जांच में आई तेजी प्रदेश में भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन की ओर साफ संकेत है।

गारंटी कहें या संकल्प, हो रहा पूरा : साढ़े तीन महीने पहले विधानसभा चुनाव के दौरान भ्रष्टाचार का मुद्दा अपने चरम पर था। भाजपा ने इसे चुनावी मुद्दा बनाया था। चुनावी सभाओं के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अलावा दिग्गज भाजपाइयों की ओर से इन घोटालों का ना केवल जिक्र किया था वरन सरकार बनने पर जांच का भरोसा भी दिलाया था। युवाओं को छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में हुए घोटाले की सीबीआइ जांच कराने की गारंटी भी दी गई थी। अब इस घोटाले की जांच सीबीआइ ने अपने हाथ में ले ली है। इसके पहले इसी मामले में ईओडब्ल्यू ने एफआइआर दर्ज कर ली है।

महिला मतदाता

लोकतंत्र में परिवर्तन की सूत्रधार

केंद्र सरकार ने महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में अनेक कार्य किए हैं। लिहाजा महिलाएं उन्हें ही अपना वोट दे रही हैं, जिनसे उन्हें सामाजिक सुरक्षा के साथ इज्जत भी मिली है

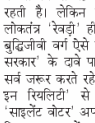

मनु त्यागी
manu@nda.jagran.com

मतदान के प्रति महिला मतदाताओं में पहले से कहीं अधिक उत्साह दिख रहा है। फाइल

देश में चुनाव के समय 'रेवड़ी' शब्द का उपयोग बढ़ जाता है। धरातल पर मतदान साधने को राजनीतिक दलों के माध्यम से यह अपना काम करती रहती है। लेकिन क्या वाकई हमारे लोकतंत्र 'रेवड़ी' ही चलाती है। कुछ बुद्धिजीवी वर्ग ऐसे तर्कों से 'रेवड़ी से सरकार' के दावे पालिटिकल मेन्यू में सर्व जरूर करते रहे हैं, लेकिन 'रेवड़ी इन रियलिटी' से इतर मतदान में 'साइलेंट वोटर' अपना काम करता है। जिस तरह साइलेंट वोटर नामक महिला शक्ति का घर में मैनेजमेंट होता है, उसी तरह साइलेंट परफार्मेंस उसका मतदान में भी होता है। कह सकते हैं कि मतदान की कतार में दिखने के बाद चुप्पी साधे ये वोट जिस करवट बैठ जाए, उस तरफ चुनाव की दिशा तय हो जाती है।

एक्सिस माइ इंडिया के चेयरमैन डायरेक्टर प्रदीप गुप्ता ने हाल ही में एक बातचीत में कहा भी था इस बार हर समुदाय की महिलाएं अपने पुरुषों से विपरीत दिशा में जाकर वोट कर रही हैं और यही इस बार के चुनाव का टेक-अवे है। यह भी सर्वविदित है कि महिलाएं हमेशा से ही वर्तमान प्रधानमंत्री की ताकत रही हैं। बतौर प्रमाण हम एक दशक से चुनाव परिणामों में ऐसा होते देखते भी रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2014 और 2019 की चुनावी जंग फतह ही नहीं की, बल्कि पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता पर काबिज हुए थे। इस बार के चुनाव में अब तक छह चरण के मतदान हो चुके हैं, केवल एक चरण शेष है। अब तक के पिछले चरणों के मतदान के आंकड़े गवाही दे चुके हैं कि सर्वाधिक मतदाता कोई निकला है तो ये साइलेंट वोटर यानी स्वावलंबन की शक्ति ही है।

देश में पांच साल पहले 43.8 करोड़ महिला मतदाता थीं, जो अब बढ़कर 47.1 करोड़ से ज्यादा हो गई हैं। इस बढ़े महिला मतदाता के आंकड़े का ही प्रमाण है कि महिलाओं ने अपने वोट का सदुपयोग भी किया है। हर चरण में देशभर में महिला मतदाताओं ने घर से निकलकर आत्मविश्वास के साथ वोट किया है। अब तक के चरणों में मतदान प्रतिशत घटने-बढ़ने को लेकर राजनीतिक दल जो आरोप-प्रत्यारोप लगाते रहे, लेकिन उससे अलग एक तस्वीर महिला मतदाता की बहुत सार्थक रूप से उभरकर सामने आई है। बिहार में तीसरे चरण के दौरान कुल 59.15 प्रतिशत वोट पड़े हैं, लेकिन महिलाओं का प्रतिशत 65.20 रहा है। बंगाल में 77.53 प्रतिशत कुल मतदान में महिलाओं का प्रतिशत 83.01 प्रतिशत रहा। गोवा में 76.66 प्रतिशत महिलाओं ने मतदान किया।

सबको आवास : प्रधानमंत्री आवास योजना पूरे देश में गेम चेंजर के तौर पर काम कर रही है। देश के अनेक इलाकों में कच्चे मकान अब पक्के मकान हो चुके हैं। सुरक्षा का यह भाव 'साइलेंट वोटर' में 'साइलेंट' तरीके से आज से काम नहीं कर रहा, जिसकी शुरुआत शौचालय से हुई थी। 'इज्जत घर' ग्रामीण क्षेत्रों की बड़ी आबादी के लिए किसी सुरक्षा कवच से कम नहीं है। यहां हमारा दृष्टिकोण सुविधा देने, 'लाभ' के संकुचित नजरिये से देखने तक रह जाता है, जबकि घर-घर शौचालय को महिलाओं ने भोर में एक डर के साए में खेतों तक जाने के भय से मुक्ति की तरह देखा है। ये साइलेंट सुरक्षा महिलाओं के मन में बैठ चुकी है। ग्रामीण परिवेश के ऐसे घरों की महिलाएं इस पीड़ा को बता सकती हैं, जिन परिवारों ने समाज में अपनी इज्जत खोई है। और यही समाज मूकदर्शक बना रहा।

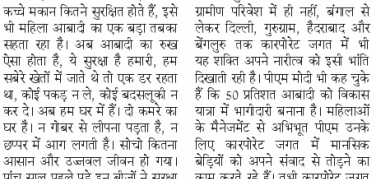

बहरहाल घर रूपी सुरक्षा भी उसी तरह साइलेंटली काम करती है, क्योंकि कच्चे मकान कितने सुरक्षित होते हैं, इसे भी महिला आबादी का एक बड़ा तबका सहता रहा है। अब आबादी का रुख ऐसा होता है, ये सुरक्षा है हमारी, हम सबेरे खेतों में जाते थे तो एक डर रहता था, कोई पकड़ न ले, कोई बदसलूकी न कर दे। अब हम घर में हैं। दो कमरे का घर है। न गोबर से लीपना पड़ता है, न छप्पर में आग लगती है। सोचो कितना आसान और उज्जवल जीवन हो गया। पांच साल पहले पड़े इन बीजों ने सुरक्षा के कवच के रूप में महिलाओं को बहुत आश्वस्त किया है। स्वावलंबन, स्वाभिमान से अभिभूत किया है।

प्रदीप गुप्ता का बयान इस नजरिए से भी बहुत मायने रखता है कि केवल ग्रामीण परिवेश में ही नहीं, बंगाल से लेकर दिल्ली, गुरुग्राम, हैदराबाद और बेंगलुरु तक कारपोरेट जगत में भी यह शक्ति अपने नारीत्व को इसी भांति दिखाती रही है। पीएम मोदी भी कह चुके हैं कि 50 प्रतिशत आबादी को विकास यात्रा में भागीदारी बनाना है। महिलाओं के मैनेजमेंट से अभिभूत पीएम उनके लिए कारपोरेट जगत में मानसिक बेड़ियों को अपने संवाद से तोड़ने का काम करते रहे हैं। तभी कारपोरेट जगत में सशक्त होती नारी शक्ति ने मतदान की स्याही को अपने माथे की टिकुली के सम्मान की तरह ही समझा है।

****

भारतपे और फोनपे ने सभी ट्रेडमार्क विवाद निपटाए

नई दिल्ली : वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों भारतपे ग्रुप और फोनपे समूह ने प्रत्यय 'पे' के साथ ट्रेडमार्क के उपयोग से संबंधित लंबे समय से चले आ रहे सभी कानूनी विवादों को सुलझा लिया है। बयान के अनुसार, दोनों कंपनियां पिछले पांच वर्षों के दौरान कई अदालतों में लंबे समय से चले आ रहे कानूनी विवादों में उलझी रही हैं। यह समझौता सभी खुली न्यायिक कार्यवाही को समाप्त कर देगा। (प्रेट्र)

पिछले वित्त वर्ष में लक्जरी कार खंड 20 से 25 प्रतिशत की दर से बढ़ा है। अगले कुछ साल में भी यही वृद्धि दर रहने की उम्मीद है। हमें उम्मीद है कि हम इससे अधिक वृद्धि हासिल करेंगे।
— राजन अंबा, प्रबंध निदेशक, जगुआर लैंड रोवर

दुनियाभर में बढ़ते कर्ज से भारत भी सतर्क

जून-जुलाई में होने वाली जी-20 बैठक में बढ़ते ऋण का समाधान निकालने पर होगी अहम चर्चा

जयप्रकाश रंजन • जागरण

- केंद्रीय बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास के अलावा देश के नए वित्त मंत्री के इस बैठक में हिस्सा लेने की संभावना
- पिछले वर्ष भारत में हुई बैठक में इस समस्या पर विमर्श किया गया था, लेकिन अंतिम सहमति नहीं बन पाई थी

2,35,000
अरब डालर का है वैश्विक कर्ज

बढ़ते कर्ज से ये पड़ेगा नकारात्मक असर
- निर्यात होगा कम, बेरोजगारी बढ़ने के आसार
- 2047 तक विकसित देश बनने की संभावना होगी प्रभावित

कई देशों में चुनाव होने से कर्ज चुकाने पर नहीं है ध्यान
भारत वैश्विक स्तर पर बढ़ते कर्ज से कितना बेचैन है इसका पता पिछले हफ्ते आरबीआइ की तरफ से जारी रिपोर्ट से पता चलता है। इसमें कहा गया है कि दुनिया पर 2,35,000 अरब डालर का कर्ज है, जो सभी देशों की कुल जीडीपी का 238 प्रतिशत है। रिपोर्ट में इस बात पर चिंता जताई गई है कि कई देशों में चुनाव होने से कर्ज चुकाने पर खास ध्यान नहीं दिया जा रहा है, जिसकी वजह से यह समस्या आगामी वर्षों में और विकराल हो सकती है। बाहरी कर्ज के ब्याज के तौर पर जो राशि अभी सभी देश चुका रहे हैं वह 10 वर्ष पहले के मुकाबले पांच गुना ज्यादा हो गई है। कई देश शिक्षा व स्वास्थ्य क्षेत्र पर जो राशि खर्च कर रहे हैं उससे काफी ज्यादा राशि कर्ज चुकाने में कर रहे हैं।

नई दिल्ली : जी-20 शिखर सम्मेलन में सदस्य देशों ने दुनिया पर बढ़ते कर्ज की समस्या के समाधान को लेकर जो सहमति बनाई थी, उसे बारे में छह महीने से ज्यादा गुजर जाने के बावजूद कोई कदम नहीं उठाया गया है। ऐसे में अब जून और जुलाई में ब्राजील में जी-20 के सदस्य देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की बैठक पर नजर है, जिससे गरीब और विकासशील देशों पर बकाये कर्ज की वसूली को लेकर एक सर्वमान्य सहमति बन सके।

ब्राजील में होने वाली इन बैठकों में भारत भी हिस्सा लेगा। भारत इस संदर्भ में आइएमएफ-विश्व बैंक की तरफ से गरीब और मध्यम आय वाले देशों को राहत देने के लिए तैयार किए जा रहे नए प्रस्ताव का भी समर्थन करेगा। भारत इस समस्या का शीघ्रता से समाधान निकालने की मुहिम के पक्ष में है। वजह यह है कि भारत को इस बात की चिंता है कि अगर यह समस्या ज्यादा विकराल होती है तो इसका नकारात्मक असर उनके आर्थिक विकास पर पड़ेगा।

सूत्रों ने बताया कि जी-20 की 10 से 12 जून, 2024 को अंतरराष्ट्रीय वित्त व्यवस्था पर गठित कार्य दल की बैठक है। इसके बाद 22-23 जुलाई को जी-20 के केंद्रीय बैंकों के डिप्टी गवर्नरों की बैठक है। इसके बाद 25 जुलाई को मंत्रिस्तरीय बैठक है और इसके साथ ही केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की बैठक होगी। जुलाई में होने वाली मंत्रिस्तरीय बैठक में कई ऐसे मुद्दे एजेंडे में हैं जिनको लेकर पिछले वर्ष भारत की अगुआई में हुई बैठक में विमर्श किया गया था लेकिन अंतिम सहमति नहीं बन पाई थी। जैसे आइएमएफ की तरफ से कर्ज वितरण की नई कोटा व्यवस्था पर फैसला किया जाना है। वैश्विक इकोनमी के लिए संवेदनशील देशों पर कर्ज के बोझ को कम करने या इन देशों को कर्ज चुकाने के लिए ज्यादा सहूलियत देने का एजेंडा भी इसमें शामिल है। इस बैठक से ठीक पहले जून, 2024 में ब्राजील की अगुआई में इसी मुद्दे पर पेरिस क्लब (ऋण देने वाले देशों का समूह) की भी बैठक होने वाली है।

निदेशकों की नियुक्ति में विफल रहने पर तेल कंपनियों पर जुर्माना

नई दिल्ली, प्रेट्र : निदेशक मंडल में जरूरी संख्या में निदेशकों की नियुक्ति में विफल रहने रहने पर कई तेल एवं गैस कंपनियों पर जुर्माना लगाया गया है। इन कंपनियों पर पिछली तीन तिमाहियों में भी इसी कारण से जुर्माना लगाया गया था। शेयर बाजारों ने जनवरी-मार्च तिमाही में सूचीबद्धता अनिवार्यता को पूरा नहीं करने पर इंडियन आयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम, ओएनजीसी, आयल इंडिया लिमिटेड और मेंगलूर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स पर कुल मिलाकर 34 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना इन पर 31 मार्च, 2024 तक अपने निदेशक मंडल में जरूरी संख्या में स्वतंत्र निदेशकों या महिला निदेशकों की नियुक्ति नहीं करने के लिए लगाया गया है। हालांकि, इन कंपनियों ने स्पष्ट किया है कि निदेशकों की नियुक्ति सरकार द्वारा की जाती है और इसमें उनकी कोई भूमिका नहीं है।

60 लाख रुपये तक के सस्ते घरों की आपूर्ति 38 प्रतिशत घटी

- सस्ते घरों की आपूर्ति कम होने की वजह जमीन की लागत बढ़ना
- बिल्डर अब लक्जरी या महंगे फ्लैट बनाने पर ज्यादा ध्यान दे रहे

नई दिल्ली, प्रेट्र : इस साल जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान आठ प्रमुख शहरों में 60 लाख रुपये तक कीमत वाले सस्ते घरों की नई आपूर्ति 38 प्रतिशत घटकर 33,420 इकाई रह गई है। एक साल पहले की समान अवधि में 53,818 इकाई थी। इसकी बड़ी वजह यह है कि बिल्डर लक्जरी यानी महंगे फ्लैट बनाने पर ध्यान दे रहे हैं। रियल एस्टेट के आंकड़ों का विश्लेषण करने वाली कंपनी प्रापइक्विटी के मुताबिक सस्ते घरों की आपूर्ति घटने की वजह जमीन और निर्माण की लागत बढ़ना है। इससे सस्ते घरों का निर्माण बहुत लाभ का सौदा नहीं रह गया है। ये आठ शहर-दिल्ली-एनसीआर, मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, कोलकाता, पुणे और अहमदाबाद हैं।

प्रापइक्विटी के सीईओ समीर जसूजा ने कहा, 'सस्ती आवासीय इकाइयों की संख्या में गिराट आ रही है। 2023 में 60 लाख रुपये से कम कीमत के सिर्फ 1,79,103 घर पेश किए गए। यह 2022 के आंकड़े 2,24,141 से 20 प्रतिशत कम है।' यह प्रवृत्ति 2024 में भी जारी रहने की उम्मीद है। इस गिरावट के कई कारण हैं। रियल एस्टेट की बढ़ती कीमतें (पिछले दो वर्षों में कुछ शहरों में 50-100 प्रतिशत तक) और बढ़ती निर्माण लागत की वजह से सस्ती आवासीय परियोजनाएं रियल एस्टेट कंपनियों के लिए लाभ का सौदा नहीं रह गई हैं। वहीं महामारी के बाद अब लोग बड़े घर चाहते हैं। इन पर ऊंचा मार्जिन भी मिलता है।

एफपीआइ ने मई में अब तक शेयरों से 22,000 करोड़ रुपये निकाले

नई दिल्ली, प्रेट्र : लोकसभा चुनाव के नतीजों को लेकर अनिश्चितता और चीन के बाजारों के बेहतर प्रदर्शन के कारण विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआइ) ने इस महीने अब तक शेयरों से शुद्ध रूप से 22,047 करोड़ रुपये की भारी निकासी की है। इससे पहले मारीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिका में बांड प्रतिफल में निरंतर वृद्धि को लेकर चिंता के बीच एफपीआइ ने अप्रैल में शेयरों से 8,700 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की थी। वहीं एफपीआइ ने मार्च में शेयरों में 35,098 करोड़ रुपये और फरवरी में 1,539 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था।

समीक्षाधीन अवधि में एफपीआइ ने ऋण या बांड बाजार में 2,009 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे पहले एफपीआइ ने मार्च में बांड बाजार 13,602 करोड़ रुपये, फरवरी में 22,419 करोड़ रुपये और जनवरी में 19,836 करोड़ रुपये का निवेश किया था। इस साल एफपीआइ शेयरों से 19,824 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं। इस दौरान उन्होंने बांड बाजार में 46,917 करोड़ रुपये डाले हैं।

चुनाव नतीजों को लेकर अनिश्चितता के बीच विदेशी निवेशक इस समय भारतीय बाजारों में उतरने से कतरा रहे हैं।
-हिमांशु श्रीवास्तव, एसोसिएट डायरेक्टर, मार्निंगस्टार इंडिया

एफपीआई की लिवाली का सिलसिला चुनावी नतीजों से पहले भी शुरू हो सकता है। **-वीके विजयकुमार**, मुख्य निवेश रणनीतिकार, जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज

सरकार ने अंतरराष्ट्रीय फर्जी काल पर प्रतिबंध लगाने का दिया निर्देश

नई दिल्ली, प्रेट्र : सरकार ने दूरसंचार कंपनियों को भारतीय मोबाइल नंबर प्रदर्शित करने वाली सभी इनकमिंग अंतरराष्ट्रीय फर्जी काल को प्रतिबंधित करने का निर्देश दिया है।

दूरसंचार विभाग ने रविवार को बताया कि यह जानकारी मिली है कि जालसाज भारतीय नागरिकों को भारतीय मोबाइल नंबर दिखाकर अंतरराष्ट्रीय फर्जी काल कर रहे हैं और साइबर अपराध और वित्तीय धोखाधड़ी कर रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि ऐसी काल देश के अंदर से ही आ रही हैं, लेकिन विदेश से साइबर अपराधियों द्वारा कालिंग लाइन आइडेंटिटी में हेरफेर करके की जा रही हैं। डीओटी और दूरसंचार कंपनियों ने ऐसी अंतरराष्ट्रीय फर्जी काल की पहचान करने और उन्हें किसी भी ग्राहक तक पहुंचने से रोकने के लिए एक प्रणाली तैयार की है। अब ऐसी आने वाली अंतरराष्ट्रीय फर्जी काल रोकने के लिए टीएसपी को निर्देश जारी किए गए हैं।'

10 व्यापारिक साझेदारों में से नौ के साथ भारत घाटे में

- 2022-23 की तुलना में चीन, रूस, दक्षिण कोरिया और हांगकांग के साथ घाटा बढ़ा
- पड़ोसी चीन 118.40 अरब डालर के साथ भारत का सबसे बड़ा व्यापरिक साझेदार बना

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत को वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान चीन, रूस, सिंगापुर और दक्षिण कोरिया समेत शीर्ष 10 व्यापारिक साझेदारों में से नौ के साथ व्यापार घाटे का सामना करना पड़ा है। आयात और निर्यात के बीच के अंतर को व्यापार घाटा कहा जाता है। आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि बीते वित्त वर्ष में 2022-23 की तुलना में चीन, रूस, दक्षिण कोरिया और हांगकांग के साथ घाटा बढ़ा है। वहीं संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब, रूस, इंडोनेशिया और इराक के साथ व्यापार घाटे में कमी हुई।

वित्त वर्ष 2023-24 में चीन के साथ व्यापार घाटा बढ़कर 85 अरब डालर, रूस के साथ 57.2 अरब डालर, दक्षिण कोरिया के साथ 14.71 अरब डालर और हांगकांग के साथ 12.2 अरब डालर हो गया। चीन के साथ दोतरफा व्यापार 2023-24 में 118.4 अरब डालर रहा और वह अमेरिका को पीछे छोड़ते हुए भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया। भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2023-24 में 118.28 अरब रहा। भारत का अपने चार प्रमुख व्यापारिक साझेदारों – सिंगापुर, यूएई, दक्षिण कोरिया और इंडोनेशिया के साथ मुक्त व्यापार समझौता है।

चौथी तिमाही में 6.1-6.7% रहेगी विकास दर

उपासना भारद्वाज •

- अर्थशास्त्रियों के मुताबिक, 2023-24 में वृद्धि दर 7.6-7.8 प्रतिशत रहने का अनुमान
- रेटिंग एजेंसी इक्रा के मुताबिक, चौथी तिमाही में विकास दर चार तिमाहियों के निचले स्तर पर रहेगी

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय संस्थान दोनों 2024-25 में भारत के लिए सात प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान जता रहे हैं। बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर संभवत: 6.5 प्रतिशत से अधिक रहेगी। ऐसे में पूरे वित्त वर्ष के लिए यह आंकड़ा 7.8 प्रतिशत रहेगा। आइएमएफ का अनुमान भी यही है।
डीके श्रीवास्तव, मुख्य नीति सलाहकार, ईवाई इंडिया

नई दिल्ली, प्रेट्र : बीते वित्त वर्ष यानी 2023-24 की चौथी (जनवरी-मार्च) तिमाही में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.1 से 6.7 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद है। यह इससे पिछली तिमाहियों में दर्ज आठ प्रतिशत की वृद्धि दर से कम है। सरकार चौथी तिमाही के जीडीपी आंकड़े और पूरे वित्त वर्ष के लिए अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर का अनुमान 31 मई को जारी करेगी।

विभिन्न अर्थशास्त्रियों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2023-24 में वृद्धि दर 7.6-7.8 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है। भारतीय अर्थव्यवस्था 2023-24 की जून तिमाही में 8.2 प्रतिशत, सितंबर तिमाही में 8.1 प्रतिशत और दिसंबर तिमाही में 8.4 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। कोटक महिंद्रा बैंक की मुख्य अर्थशास्त्री उपासना भारद्वाज ने कहा कि मुख्य आंकड़े व्यापक रूप से मजबूत वृद्धि का संकेत देते हैं। हमारा अनुमान है कि चौथी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 6.1 प्रतिशत रहेगी और पूरे वित्त वर्ष के लिए यह आंकड़ा 7.6 प्रतिशत के करीब रहेगा।' भारद्वाज ने कहा, 'हम सेवा क्षेत्र और औद्योगिक क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों में कुछ नरमी देख रहे हैं। यही कारण है कि चौथी तिमाही में सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) 5.7 प्रतिशत और जीडीपी वृद्धि दर 6.1 प्रतिशत रहने की उम्मीद है।' जीडीपी एक निश्चित अवधि में उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं का कुल मूल्य होता है। वहीं जीडीपी में शुद्ध करों (कुल कर संग्रह में से सब्सिडी हटाकर) को हटाने पर जीवीए निकलता है। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च का अनुमान है कि 2023-24 की चौथी तिमाही में वृद्धि दर 6.2 प्रतिशत रहेगी। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने मंगलवार को कहा था कि बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर चार तिमाहियों के निचले स्तर 6.7 प्रतिशत पर आ जाएगी।

राष्ट्रीय फलक

आरोपित मोबाइल व रुपये लूट लेते थे, छात्राएं मुश्किल से पहुंच पाती थीं घर

नईदुनिया, सीधी

सीधी में हैवानियत
- दुष्कर्म पीड़िता ने कहा- आवाज और बात पर किया भरोसा इसलिए बुलाने पर चले गए
- मप्र के सीधी में आरोपितों की गिरफ्तारी के बाद खुल रहीं घटनाक्रम की परतें

मप्र के सीधी में वाइस चेंजर एप से महिला की आवाज में बात कर छात्राओं को बुलाने और दुष्कर्म करने के आरोपित पीड़ित छात्राओं के मोबाइल और रुपये छीन लेते थे। इससे पीड़ित छात्राएं किसी से संपर्क भी नहीं कर पाती थीं। रुपये न होने के कारण वे घर भी मुश्किल से पहुंच पाती थीं। पहली शिकायतकर्ता ने बताया कि आरोपित वारदात कर भाग गए। वह रातभर भटकने के बाद किसी तरह अपने रिश्तेदार के घर पहुंची। आरोपितों की गिरफ्तारी के बाद धीरे-धीरे घटनाक्रम की परतें खुल रही हैं। पीड़ित छात्राओं ने लगभग एक ही तरह का बयान दिया है। आरोपित हेलमेट लगाए होते थे।

मुख्य आरोपित बृजेश प्रजापति ने एसआइटी टीम को बताया कि उसने कई छात्राओं के साथ दुष्कर्म किया है। एक पीड़ित छात्रा ने बताया कि दुष्कर्म के बाद रात करीब आठ बजे युवक ने मोटरसाइकिल पर बिठाकर गांव से एक किमी पहले छोड़ दिया। छीने गए पैसे और मोबाइल वापस नहीं किए। पांच किमी पैदल चलकर करीब 10 बजे पीड़िता एक अनजान घर पहुंची और सुबह आटो से अपने घर पहुंची। पीड़िता ने बताया कि उसने छात्रवृत्ति के लिए आवेदन किया था, लेकिन एक वर्ष बाद भी पैसा खाते में नहीं आया था। 13 मई को अचानक दिन में 12 बजे एक फोन आया, जिसमें मैडम (अर्चना) ने स्कालरशिप के बारे में पूछा और कहा कि आपके पांच हजार रुपये आ गए हैं।

मैडम ने बताया कि वह किसी काम से अपने गांव टिकरी (जिला मुख्यालय से 30 किमी दूर) आ गई हैं अतः अपना आधार कार्ड व अन्य दस्तावेज लेकर यहीं आ जाओ। आज स्कालरशिप मिलने की अंतिम तारीख है, रजिस्टर में हस्ताक्षर कर दो ताकि खाते में पैसा भेजा जा सके। पीड़िता ने बताया कि करीब 10 मिनट तक बातचीत होने के बाद लगा कि मैडम कालेज में काम करती हैं। मैडम का फोन आने के बाद वह करीब साढ़े छह बजे टिकरी पहुंची और उस नंबर पर काल किया, इस पर मैडम ने कहा कि हम बेटे को भेज रहे हैं, साथ आ जाना। करीब 10 मिनट बाद टिकरी बाजार से कुछ दूर मड़वास मार्ग पर काले रंग की मोटर साइकिल में हाथ में दस्ताने और हेलमेट लगाए हुए एक युवक मिला, जिसके साथ करीब 10 किमी तक चलने के बाद जब मैंने पूछा कि हम कहां जा रहे हैं तो जवाब मिला जल्दी घर पहुंचा देंगे। पीड़िता ने जैसे ही मोबाइल निकाला तो बाइक चालक ने छीनकर उसे फ्लाइट मोड पर डाल दिया। चिल्लाने पर वह जान से मारने की धमकी देने लगा। इस बीच हम करीब तीन किमी चलकर खंडहर जैसे मकान में पहुंच गए थे, जहां अंधेरा था, यहां उसने तीन बार दुष्कर्म किया।

एप पर रोक लगाने की मांग करेगी मध्य प्रदेश सरकार
एडीजी साइबर अपराध योगेश देशमुख ने बताया कि वाइस चेंजर एप से प्रिंसिपल की आवाज में छात्राओं को बुलाकर दुष्कर्म की घटना सामने आने के बाद प्रदेश सरकार इस तरह के मोबाइल एप्लीकेशन को बंद करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय को पत्र लिखेगी। पुलिस मुख्यालय इस तरह के एप की सूची तैयार कर रहा है। बता दें कि मैजिक काल के नाम से कई वाइस चेंजर एप गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध हैं। स्मार्टफोन में डाउनलोड कर इस एप के माध्यम से अपनी आवाज को पुरुष, महिला, बच्चे या किसी कार्टून के चरित्र की आवाज में बदला जा सकता है।

तमिलनाडु सरकार ने विदेश में नौकरियों के फर्जी प्रस्तावों से लोगों को किया आगाह

- भर्ती एजेंसियों को भी लोगों को विदेश नहीं भेजने की दी चेतावनी
- कुछ लोग टूरिस्ट वीजा पर कंबोडिया, थाईलैंड और म्यांमार भेजे गए

सचेत रहना जरूरी। प्रतीकात्मक

चेन्नई, आइएएनएस : तमिलनाडु सरकार ने विदेश में नौकरियों के फर्जी प्रस्तावों के प्रति लोगों को आगाह किया है। साथ ही भर्ती करने वाली एजेंसियों को फर्जी नौकरियों के लिए लोगों को विदेश नहीं भेजने की चेतावनी दी है। अनिवासी तमिल कल्याण विभाग का कहना है कि ऐसी एजेंसियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। ऐसी विभागीय रिपोर्ट है कि कुछ लोगों को आइटी और साफ्टवेयर की नौकरियों के लिए टूरिस्ट वीजा पर कंबोडिया, थाईलैंड और म्यांमार भेजा जा चुका है। सरकार ने चेताया है कि इन लोगों को अवैध आनलाइन गतिविधियों के लिए नौकरियों पर रखा गया है।

विभाग का कहना है कि भारतीयों के इन देशों में पहुंचने के बाद अवैध आनलाइन काम करने से इन्कार करने पर उन्हें बिजली के झटके देने समेत कई तरीकों से प्रताड़ित किया गया है। शिकायत मिलने के बाद विभाग ने 83 तमिलों को इस रैकेट के चंगुल से छुड़ाया है। विभाग का कहना है कि दुबई, बैंकाक, सिंगापुर और भारत से देशभर के लोगों को भर्ती किया जा रहा है। भर्ती किए गए कुछ लोगों को बंधक बनाकर रखा गया और उन्हें शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करके काम कराया जाता रहा है। विभाग का कहना है कि लाओस में जो लोग मानव तस्करी में लिप्त पाए गए हैं, उन्हें 18 सालों तक की कैद की सजा होती है। लिहाजा विभाग ने तमिल लोगों से ऐसे फर्जी एजेंटों से सावधान रहने के लिए चेताया है।

13 भारतीय कामगारों को सुरक्षित निकाला : लाओस में भारतीय दूतावास ने बताया कि बंधक बनाए गए 13 भारतीय नागरिकों को बचाया गया है जिनमें सात उड़िया भाषी हैं। लाओस के वेइनटाइन में भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने बताया कि अट्टापेयु प्रांत में काम करने वाले 13 भारतीयों को सुरक्षित वहां से निकाला गया है। छह भारतीयों को इस दक्षिणपूर्वी एशियाई देश के बोकियो प्रांत के 'गोल्डन ट्राइएंगल स्पेशल इकोनामिक जोन' मुक्त कराया गया है।

अवैध रूप से भारत में घुसने वाले 20 बांग्लादेशी नागरिकों को सजा

मिड-डे, मुंबई

- प्रत्येक दोषी को आठ महीने की सजा और चार हजार रुपये का जुर्माना
- एजेंटो के जरिये बनवाते थे पासपोर्ट, आधार व स्थायी निवास के दस्तावेज

अवैध रूप से भारत में घुसने के दोषी 20 बांग्लादेशी नागरिकों को किला कोर्ट मुंबई ने सजा सुनाई है। प्रत्येक दोषी को आठ महीने जेल की सजा और चार हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। जुर्माना न भरने पर सजा 16 महीने तक बढ़ा दी जाएगी। वैध पासपोर्ट के बिना भारत में प्रवेश करने वाले बांग्लादेशी नागरिकों को फर्जी भारतीय पासपोर्ट, आधार कार्ड और जन्म प्रमाण पत्र सहित स्थायी निवास दस्तावेजों के लिए दोषी ठहराया गया है।

बोरीवली पुलिस ने शुरुआत में इन 20 बांग्लादेशी नागरिकों और पुणे से दो एजेंटों को गिरफ्तार किया, जिन्होंने फर्जी दस्तावेज बनाने में उनकी सहायता की थी। गौरतलब है कि दैनिक जागरण के सहयोगी प्रकाशन मिड-डे ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट में बांग्लादेशी नागरिकों के भारत में प्रवेश करने, विभिन्न क्षेत्रों में निवास स्थापित करने और जाली भारतीय दस्तावेज प्राप्त करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले जटिल तरीकों को उजागर किया था।

19 अक्टूबर 2023 को बोरीवली पुलिस ने तीन बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया था। इसके बाद पुलिस के अधिकारियों ने एक टीम का गठन किया। प्राप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए इस टीम ने नालासोपारा, विरार और पुणे से 17 और बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया था। जांच के दौरान पुणे से दो एजेंटों की गिरफ्तारी हुई, जो इन बांग्लादेशी नागरिकों को भारतीय दस्तावेज बनाने में मदद करने में सहायक थे। जांच अधिकारी पीआई काले ने पुणे और बंगाल से सभी आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए और अदालत में आरोप पत्र प्रस्तुत किया।

कार की टक्कर से बुजुर्ग महिला की मौत मामले में डाक्टर को जमानत

- मुंबई के सायन अस्पताल परिसर में हुआ था यह हादसा

मुंबई, एएनआइ : मुंबई के सायन अस्पताल परिसर में 60 वर्षीय महिला की कार से टक्कर लगने से मौत के मामले में आरोपित वरिष्ठ चिकित्सक डा. राजेश ढेरे को जमानत मिल गई है। डा. ढेरे सायन अस्पताल के फोरेंसिक मेडिसिन विभाग के प्रमुख हैं। 24 मई को अस्पताल परिसर में ही कार ने बुजुर्ग महिला को टक्कर मार दी थी। बुरी तरह से घायल महिला ने बाद में दम तोड़ दिया था।

अधिकारियों के अनुसार, कार सायन अस्पताल के डा. राजेश ढेरे की थी। आरोपित के वकील ने कहा कि जिस मामले में डा. ढेरे के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, वह जमानती है। इसलिए, उन्हें जमानत मिल गई। मृतक महिला की पहचान जुबैदा शेख के रूप में हुई है। वह मधुमेह से पीड़ित थीं और पिछले दो सप्ताह तक सायन अस्पताल में भर्ती थीं। उन्हें एक सप्ताह पहले ही अस्पताल से छुट्टी मिली थी। वह अस्पताल जांच कराने आई थीं। पुलिस ने महिला के बेटे शाहनवाज खान की शिकायत के आधार पर डाक्टर को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने बताया कि अस्पताल परिसर के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है।

अस्पताल के डीन का दावा, दिल का दौरा पड़ने से हुई मौत
मिड डे के अनुसार, सायन अस्पताल के डीन डा. मोहन जोशी ने दावा किया है कि उन्हें अगले दिन यानी शनिवार तक अस्पताल परिसर में हुई इस घटना की जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि मुझे जो पता है वह यह है कि डा. ढेरे मरीज को कैजुअल्टी में ले गए थे, जहां उसका इलाज किया गया। मेरा मानना है कि मरीज को दिल का दौरा पड़ा और अंततः उसकी मृत्यु हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कार्रवाई पर निर्णय लूंगा। डा. ढेरे ने कोविड-19 के दौरान बहुत ही सराहनीय काम किया था।

मुंबई में अवैध होर्डिंग हादसे के आरोपित भिंडे की पुलिस हिरासत बढ़ी

मुंबई, प्रेट्र : मुंबई की एक अदालत ने अवैध होर्डिंग हादसे के आरोपित भावेश भिंडे की पुलिस हिरासत 29 मई तक बढ़ा दी। वह एक विज्ञापन कंपनी का निदेशक है। उसकी विज्ञापन कंपनी मेसर्स एगो मीडिया प्राइवेट लिमिटेड ने घाटकोपर क्षेत्र में एक पेट्रोल पंप के पास विशाल अवैध होर्डिंग को लगाया था, जो गत 13 मई को तेज आंधी में गिर गया था। उससे 17 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि दर्जनों लोग घायल हो गए थे। भिंडे घटना के बाद फरार हो गया था। इसके बाद पुलिस ने उसके खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया था। उसे 16 मई को राजस्थान के उदयपुर से गिरफ्तार कर मुंबई लाया गया था। इसके बाद भिंडे को 26 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया था। रविवार को भिंडे को उसकी हिरासत की अवधि समाप्त होने पर मेट्रोपालिटन मजिस्ट्रेट अदालत के समक्ष पेश किया। अपराध शाखा कंपनी द्वारा शहरभर में लगाए गए होर्डिंग्स की जांच पड़ताल कर रही है।

छग, राजस्थान से लारेंस और अमन साहू गैंग के चार शूटर गिरफ्तार

नईदुनिया, रायपुर

- लेवी नहीं देने पर कारोबारियों की हत्या की मिली थी सुपारी
- 27 मई को करने वाले थे वारदात, इंदौर से लाए थे पिस्टल
- 72 घंटों तक चले आपरेशन में पुलिस ने किया गिरफ्तार

छत्तीसगढ़ पुलिस ने जेल में बंद गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई और झारखंड के अमन साहू गैंग के चार शूटरों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों को छत्तीसगढ़ और झारखंड के दो बड़े कोयला कारोबारियों की हत्या की सुपारी मिली थी। 10 दिनों तक रेकी के बाद इन्होंने 27 मई को हत्या करने की योजना बनाई थी। इसके लिए तीन शूटर रायपुर पहुंच गए थे, जिन्हें दबोच लिया गया। एक शूटर को राजस्थान से गिरफ्तार किया गया। आरोपितों को दो जून तक रिमांड पर लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है।

रविवार को रायपुर रेंज के आइजी अमरेश मिश्रा ने बताया कि अमन साहू गैंग की ओर से रायपुर के कारोबारी को लेवी नहीं देने पर हत्या करने की धमकी दी गई थी। कारोबारी ने इसकी शिकायत पुलिस में की थी। इसके बाद 72 घंटे चले आपरेशन में पुलिस ने बोकारो, झारखंड निवासी रोहित स्वर्णकार, पाली, राजस्थान निवासी मुकेश कुमार, यहीं के देवेन्द्र सिंह और पप्पू सिंह उर्फ पप्सा को पकड़ा है। आरोपितों के खिलाफ पूर्व में भी मामले दर्ज हैं। बालीवुड एक्टर सलमान खान के घर भी इसी गैंग के लोगों ने पूर्व में फायरिंग की थी। रायपुर में वारदात के लिए पिस्टल इंदौर से लाई गई थी।

रायपुर और रायगढ़ के कारोबारी : पुलिस ने बताया कि शूटरों के निशाने पर रायपुर के रोड ठेकेदार और रायगढ़ के कोयला कारोबारी थे। जानकारी के अनुसार, रायपुर के एक रोड ठेकेदार को झारखंड में 800 करोड़ का काम मिला है। उससे अमन साहू गैंग ने रंगदारी मांगी थी।

****

ताइवान के राष्ट्रपति लाई ने अब चीन से की सहयोग की पेशकश

ताइपे, रायटर : ताइवान के आसपास चीन के दो दिन तक चले सैन्याभ्यास के बाद राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने रविवार को सद्भाव दिखाते हुए चीन के साथ सहयोग की पेशकश की। ताइवानी राष्ट्रपति लाई ने कहा कि वह आपसी समझ और मेल-मिलाप बढ़ाने के लिए तत्पर हैं। इसके साथ ही चीनी सैन्याभ्यास के बारे में चिंता जाहिर करने के लिए लाई ने अमेरिका एवं अन्य देशों का आभार व्यक्त किया। वहीं, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इंटरनेट मीडिया पर 'वन चाइना पालिसी' का समर्थन किया है।

ताइवान सरकार पर दबाव बनाने के लिए पिछले चार वर्ष से चीन द्वीप के आसपास नियमित रूप से सैन्य गतिविधि करता आ रहा है। ताइवान के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति लाई ने पिछले हफ्ते पदभार संभालने के बाद चीन को धमकी न देने की नसीहत दी थी। इस बयान से चीन चिढ़ गया। चीन ने ताइवान को घेरकर दो दिवसीय सैन्य अभ्यास किया। उसे इसने अलगाववादियों को दंडित करने की कार्रवाई बताया। चीन लाई को बार-बार 'अलगाववादी' कहता है तो ताइवान के राष्ट्रपति ने बीजिंग के संप्रभुता के दावों को खारिज कर दिया और कहा कि केवल ताइवान के लोग ही अपना भविष्य तय कर सकते हैं।

हमास ने चार माह बाद किया इजरायल पर मिसाइल हमला

आठ मिसाइलों में से ज्यादातर को आकाश में नष्ट किया

इजरायली हमलों में गाजा में मरने वाले 36 हजार हुए

तेल अवीव, रायटर : करीब चार माह बाद हमास ने रविवार को इजरायल पर मिसाइलों से हमला किया। हमले से किसी के हताहत होने या बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। इजरायली सेना ने बताया है कि गाजा से आठ मिसाइलें दागी गईं। ज्यादातर को एयर डिफेंस सिस्टम ने आकाश में ही नष्ट कर दिया। हमास ने कहा है कि गाजा में निर्दोषों को मारे जाने के जवाब में यह हमला किया गया।

गाजा के रफाह से किए हमास के हमले के चलते तेल अवीव सहित कई इजरायली शहरों में सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए सतर्क करने वाले सायरन बजे। फलस्तीनियों के सशस्त्र संगठन हमास ने सात माह से जारी युद्ध के बीच इजरायल पर मिसाइल हमला कर अपनी ताकत प्रदर्शित की है। इस बीच गाजा में इजरायली सेना और फलस्तीनी लड़ाकों के बीच भीषण लड़ाई जारी है। इस लड़ाई में अभी तक लगभग 36 हजार फलस्तीनी मारे जा चुके हैं।

इजरायल-गाजा बार्डर पर एयर स्ट्राइक के दौरान उठता धुआं का गुबार। रायटर

इजरायली सैनिकों को बंदी बनाने का दावा : हमास ने दावा किया है कि उसके लड़ाकों ने जबालिया में इजरायली सैनिकों को पकड़कर बंदी बना लिया है। लेकिन इजरायली सेना ने हमास के इस दावे का खंडन किया है। हमास ने यह नहीं बताया है कि उसने कितने सैनिकों को बंदी बनाया है और अपने दावे के समर्थन में कोई साक्ष्य भी प्रस्तुत नहीं किए हैं। हमास के प्रवक्ता अबू उबैदा ने बताया है कि लड़ाकों ने एक सुरंग में घात लगाकर इजरायली सैनिकों को पकड़ा। ये सैनिक हमास लड़ाकों की तलाश में सुरंग में घुसे थे। इस बीच मिस्र ने बदले रास्ते से गाजा को राहत सामग्री से भरे ट्रक फिर से भेजने शुरू कर दिए हैं। गाजा में युद्धविराम के लिए अगले सप्ताह फिर से इजरायल और हमास के बीच वार्ता शुरू होने के संकेत हैं।

पाकिस्तान के पंजाब में ईसाइयों पर हमला मामले में 25 गिरफ्तार

लाहौर, प्रेट्र : पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में अल्पसंख्यक ईसाई समुदाय के लोगों और पुलिसकर्मियों पर हमला करने के लिए पुलिस ने रविवार को 450 लोगों के विरुद्ध मामला पंजीकृत किया और उनमें से 25 को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आतंकवाद फैलाने समेत अन्य आरोप लगाए हैं।

कट्टरपंथी संगठन तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) की अगुआई में भीड़ ने शनिवार को सरगोधा जिले की मुजाहिद कालोनी में ईसाई समुदाय के लोगों पर हमले किए थे। हमले में दो ईसाई व 10 पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। भीड़ ने ईसाइयों के घरों एवं संपत्तियों को आग लगा दी। एफआइआर के अनुसार, 450 से ज्यादा लोगों ने नजीर मसीह के घर व जूता फैक्ट्री को घेर लिया। भीड़ ने मसीह पर कुरान की बेअदबी करने का आरोप लगाया था। मसीह की जूता फैक्ट्री, कुछ दूसरी दुकानों और घरों में भीड़ ने आग लगा दी। भीड़ ने मसीह की बुरी तरह पिटाई की, लेकिन समय पर पुलिस ने पहुंचकर उनकी और ईसाई समुदाय के 10 अन्य लोगों की जान बचाई। मसीह के परिवार ने कुरान की बेअदबी के आरोप से इन्कार किया, लेकिन भीड़ उनकी जान लेने पर तुली थी। पुलिस के अनुसार, शहर में स्थिति अब पूरी तरह शांतिपूर्ण और नियंत्रण में है।

पहली बार भारतीय हज यात्री जेद्दा से मक्का हाईस्पीड ट्रेन से जाएंगे

हरामैन हाईस्पीड ट्रेन। साभार : सीएनएन

जेद्दा, आइएएनएस : एक ऐतिहासिक कदम के तहत भारतीय हज यात्रियों ने पहली बार जेद्दा एयरपोर्ट पहुंचने पर रविवार को मक्का जाने के लिए बसों के बजाय हरामैन हाईस्पीड ट्रेन से सफर किया। हजयात्रियों को यह सुविधा जेद्दा स्थित भारतीय कांसुलेट ने दिलवाई है। इसके लिए उसने संबंधित सऊदी प्रशासन का सहयोग लिया है। इस साल भारत से हज के लिए सऊदी अरब जाने वाले कुल हज यात्रियों का कोटा 1,75,025 निर्धारित किया गया है।

सऊदी अरब में भारत के राजदूत सुहेल एजाज खान और कंसुलेट जनरल शाहिद आलम ने सऊदी अरब रेलवे के वाइस प्रेसिडेंट अल हरबी और अन्य अफसरों की मदद से भारतीय हजयात्रियों की सहूलियत के लिए यह कदम उठाया। परिवहन व हज मंत्रालय के अफसर रविवार को भारतीय हज यात्रियों को जेद्दा एयरपोर्ट से मक्का ले जाने वाली विशेष ट्रेन में उनके साथ गए।

300 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली इस ट्रेन से यात्रियों को समय बचने के साथ ही आरामदायक सफर का अनुभव हुआ। इस साल 32 हजार भारतीय हजयात्री इस विशिष्ट सेवा का आनंद उठाएंगे। भारतीय हज मिशन भारत की सीमाओं के बाहर सऊदी प्रशासन के सहयोग से चलाया जाने वाला सबसे बड़ा अभियान है। केरल के 278 भारतीय हजयात्री कोच्चि एयरपोर्ट से सऊदी अरब रवाना हो गए हैं। उन्हें सांसद बेनी बहनान और विधायक मोहम्मद मोहसिन ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

बौद्धिक संपदा संरक्षण पर अंतरराष्ट्रीय समझौता

नई दिल्ली, एएनआइ : दशकों के विचार विमर्श के बाद संयुक्त राष्ट्र ने बौद्धिक संपदा, आनुवांशिक संसाधनों व परंपरागत ज्ञान से संबंधित समझौते के मसौदे को स्वीकार कर लिया है। इस समझौते को संयुक्त राष्ट्र के अंतर्गत कार्य करने वाली संस्था विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआइपीओ) ने स्वीकार किया है। भारत इस समझौते के लिए लंबे समय से पैरवी रहा था। संयुक्त राष्ट्र के ताजा निर्णय को भारत की सफलता माना जा रहा है। इससे भारत के प्राचीन ज्ञान को वैश्विक स्तर पर महत्व मिलने की संभावना प्रबल हुई है। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय ने समझौते को भारत और ग्लोबल साउथ (अमेरिका व यूरोप के अतिरिक्त विश्व का हिस्सा) की जीत बताया है।

डब्ल्यूआइपीओ वैश्विक स्तर पर कार्य करने वाली संयुक्त राष्ट्र की 15 विशिष्ट इकाइयों में शामिल है। यह संगठन विश्व में बौद्धिक संपदा को बढ़ावा देने, उसके संरक्षण व उसे सुरक्षित रखने के लिए कार्य करता है। वह यह कार्य संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों के सहयोग व अंतरराष्ट्रीय संगठनों संग मिलकर करता है। भारत ने इस समझौते पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए सहमति बनाने के लिए सदस्य देशों को बधाई दी है। कहा, इससे विश्व के सभी हिस्सों की बौद्धिक संपदा को प्रमुखता मिलने व उसका लाभ समूची मानव जाति को मिलने का मार्ग प्रशस्त होगा। भारत ने डब्ल्यूआइपीओ के महानिदेशक डेरेन टैंग का सम्मेलन आयोजित कर समझौता संपन्न कराने के लिए आभार जताया है।

- डब्ल्यूआइपीओ ने स्वीकार किया विश्वव्यापी समझौता
- भारत लंबे समय से कर रहा था पैरवी, जताई प्रसन्नता

विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआइपीओ) का कार्यालय। फाइल

इस समझौते से संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों को न्यायपूर्ण तरीके से अपने उत्पादों, विशिष्ट ज्ञान व उपयोगी प्राचीन परंपराओं का पेटेंट कराने का अधिकार मिल जाएगा। इससे उक्त ज्ञान का लाभ पूरे विश्व को मिल पाएगा। साथ ही उसकी विलुप्ति का खतरा भी दूर हो जाएगा। भारत को वैश्विक स्तर पर इस तरह के समझौते की जरूरत तब महसूस हुई जब हल्दी का 1995 में अमेरिका के मिसीसिपी मेडिकल सेंटर ने पेटेंट करा लिया था। मेडिकल सेंटर ने इलाज में हल्दी को घाव भरने व रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सहायक पाया। भारत में हल्दी का इन कार्यों के लिए उपयोग सदियों से हो रहा है। रोजाना के खाने में हल्दी इसी उद्देश्य से प्रयोग होती है। दो वर्ष बाद भारत की काउंसिल आफ साइंटिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च ने अमेरिकी मेडिकल सेंटर के पेटेंट को चुनौती दी। लंबी सुनवाई के बाद अमेरिकी पेटेंट रद हुआ।

पाक में मुठभेड़ में पांच आतंकी मारे गए, दो सैनिकों की भी मौत

पेशावर, प्रेट्र : पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार को सैन्य अभियान में पांच आतंकी मारे गए, जबकि मुठभेड़ में एक कैप्टन समेत दो सैनिकों की भी जान गई। इस प्रांत में प्रांजिंदा से डेरा इस्माइल खान जा रही बस को तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकियों ने जला दी और यात्रियों को प्रताड़ित किया।

सेना ने पेशावर जिले से 35 किलोमीटर पश्चिम में हासन खेल क्षेत्र में एक अभियान के दौरान पांच आतंकियों को मार गिराया और तीन को घायल कर दिया। पाकिस्तान सेना की मीडिया शाखा आइएसपीआर ने कहा, आतंकियों के क्षेत्र में होने की सूचना मिली थी। दूसरी ओर, टीटीपी के आतंकियों ने दरबान तहसील में बस रोक दी और यात्रियों को उतार लिया। पहले तो आतंकियों ने यात्रियों को प्रताड़ित किया और उसके बाद उन्हें सरकार का समर्थन करने के लिए धमकी दी। बस को पूरी तरह जला देने के बाद टीटीपी आतंकी मौके से फरार हो गए।

ऋषि सुनक की पार्टी के 78 सांसदों ने चुनाव लड़ने से हाथ खड़े किए

लंदन, प्रेट्र : ब्रिटेन में आम चुनाव चार जुलाई को होने हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को बड़ा झटका लगा है। कैबिनेट मंत्री माइकल गोव और एंड्रिया लेडसम ने आगामी चुनाव न लड़ने का फैसला लिया है। इसके साथ ही चुनाव की दौड़ छोड़ने वाले पार्टी सदस्यों की संख्या 78 हो गई है।

गोव ने अपने पत्र में लिखा कि उन्हें पता था कि हम स्वयंसेवक हैं जो स्वेच्छा से अपना भाग्य चुनते हैं, पर एक क्षण ऐसा आता है, जब आपको पता चलता है कि जाने का समय आ गया है। नई पीढ़ी को इसका नेतृत्व करना चाहिए। वहीं उनके कुछ ही समय बाद लीडसम ने पत्र जारी किया। उन्होंने कहा, विचार के बाद मैंने आगामी चुनाव में उम्मीदवार के रूप में खड़ा नहीं होने का फैसला किया है।

गार्जियन की ओर से कहा गया है कि सुनक ने अपनी संकटग्रस्त कंजर्वेटिव पार्टी से संसद के वरिष्ठ सदस्यों के बड़े पैमाने पर पलायन के बीच चुनाव अभियान के पहले सप्ताहांत में सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूर रहने का असामान्य कदम उठाया है। इसे करीबी सलाहकारों के साथ चुनावी रणनीति पर चर्चा में बिताएंगे।

- सुनक सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूर करीबी सलाहकारों से कर रहे चर्चा
- दो मंत्रियों ने पत्र लिख कहा, आगामी चुनाव न लड़ने का फैसला लिया

ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक। आर्काइव

अनिवार्य राष्ट्रीय सेवा नियम लागू करने की योजना बना रहे सुनक

पीएम ऋषि सुनक ने घोषणा की है कि अगर कंजर्वेटिव पार्टी फिर से जीतकर आई, तो वह अनिवार्य राष्ट्रीय सेवा नियम लाएंगे। इसमें युवाओं को 18 वर्ष का होने पर एक वर्ष के लिए पूर्णकालिक सैन्य नियुक्ति का विकल्प दिया जाएगा या एक साल के लिए माह के एक सप्ताहांत में वालंटियर सेवा देनी पड़ेगी। वहीं, लेबर पार्टी ने प्रस्ताव को टोरी पार्टी की एक और हताश प्रतिबद्धता बताया। गृहमंत्री जेम्स क्लेवरली ने कहा, सैन्य विकल्प चयनात्मक होगा। किसी को सैन्य कार्य करने के लिए मजबूर नहीं किया जाएगा, पर जो ऐसा करेंगे उन्हें भुगतान किया जाएगा। जो स्वेच्छा से काम करना चुनेंगे उन्हें भुगतान नहीं किया जाएगा।

भारतीय फिल्मकारों को कान में मिले चार पुरस्कार

- इस साल का फिल्म महोत्सव भारतीय फिल्मकारों के लिए शानदार रहा
- आठ भारतीय या भारत आधारित फिल्मों को प्रतिस्पर्धाओं में जगह मिली

फ्रांस के कान में अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में 'आल वी इमेजिन एज लाइट' फिल्म के लिए ग्रैंड प्राइज जीतने के बाद प्रसन्नमुद्रा में अभिनेत्री पायल कपाड़िया। एपी

कान, प्रेट्र : भारत के लिए इस साल का कान फिल्म महोत्सव शानदार रहा और पायल कपाड़िया की 'आल वी इमेजिन एज लाइट', एफटीआइआइ के छात्र चिदानंद एस. नाइक की 'सनफ्लावर वेयर द फर्स्ट वन्स टू नो' और 'द शेमलेस' की अनसूया सेनगुप्ता को अलग-अलग श्रेणी में प्रमुख पुरस्कारों से नवाजा गया। सिनेमेटोग्राफर और फिल्म निर्देशक संतोष सिवन को सिनेमेटोग्राफी में प्रतिष्ठित पियरे एंजनीक्स एक्सीलेंस पुरस्कार दिया गया। इसके साथ ही संतोष सिवन सिनेमेटोग्राफी में क्रांति लाने वाले जूम लेंस के आविष्कारक के नाम पर पुरस्कार पाने वाले पहले एशियाई बन गए।

शनिवार को संपन्न हुए फिल्म महोत्सव में आठ भारतीय या भारत पर आधारित फिल्मों को विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में जगह मिली। भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (एफटीआइआइ) की पूर्व छात्रा पायल कपाड़िया ने 'आल वी इमेजिन एज लाइट' के लिए ग्रांड प्रिक्स पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय फिल्म निर्माता बनकर इतिहास रच दिया।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा, हमारी फिल्म को यहां तक लाने के लिए कान फिल्म महोत्सव का शुक्रिया। एक और भारतीय फिल्म के लिए कृपया 30 साल तक इंतजार न करें। फिल्म को पाल्मे डोर के बाद महोत्सव के दूसरे सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार ग्रांड प्रिक्स से सम्मानित किया गया है। कपाड़िया की फिल्म 30 वर्षों में मुख्य प्रतियोगिता में दिखाई गई पहली भारतीय फिल्म और किसी भारतीय महिला निर्देशक की पहली फिल्म है। इससे पहले आखिरी बार शाजी एन करुण की फिल्म स्वाहम (1994) प्रदर्शित की गई थी। बुल्गारियन निर्देशक कोंस्टेंटिन बोजानोव की "द शेमलेस" में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली सेनगुप्ता अन सर्टेन रिगार्ड श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। चिदानंद एस. नाइक की 'सनफ्लावर वेयर द फर्स्ट वन्स टू नो' को ला सिनेफ (फिल्म स्कूल फिक्शन या एनिमेटेड फिल्में) श्रेणी में प्रथम पुरस्कार मिला।

मोदी ने पायल कपाड़िया को पुरस्कार जीतने पर बधाई दी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि देश को निर्देशक पायल कपाड़िया पर गर्व है, जो अपनी फिल्म आल वी इमेजिन एज लाइट के लिए 2024 के कान फिल्म महोत्सव में ग्रांड प्रिक्स पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय फिल्म निर्माता बन गई हैं। मोदी ने यह भी कहा कि अपनी उल्लेखनीय प्रतिभा के माध्यम से भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान (एफटीआइआइ) की पूर्व छात्रा ने भारत की समृद्ध रचनात्मकता की झलक प्रदर्शित की है। उनकी प्रतिभा वैश्विक मंच पर चमक रही है। यह प्रतिष्ठित सम्मान न केवल उनके असाधारण कौशल का सम्मान करता है, बल्कि भारतीय फिल्म निर्माताओं की नई पीढ़ी को भी प्रेरित करता है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने कपाड़िया और सेनगुप्ता के बारे में कहा कि इन महिलाओं ने इतिहास रचा है और भारतीय फिल्म जगत को प्रेरित किया है।

जेलेंस्की ने बाइडन और शी से शांति शिखर सम्मेलन में शामिल होने की अपील की

कीव, रायटर : यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रविवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और चीनी नेता शी चिनफिंग से अगले माह होने वाले शांति शिखर सम्मेलन में भाग लेने की अपील की। यूक्रेन को उम्मीद है कि स्विट्जरलैंड में कीव के नेतृत्व वाले सम्मेलन में अधिक से अधिक देश शामिल होंगे। इस बैठक का उद्देश्य युद्ध रोकने के तरीके पर वैश्विक राय को एकजुट करना और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर दबाव बनाना है। बैठक में पुतिन को आमंत्रित नहीं किया गया है।

जेलेंस्की ने कहा,बैठक में 80 से अधिक देश भाग लेंगे। मैं दुनिया के उन नेताओं से अपील कर रहा हूं जो अब भी शांति शिखर सम्मेलन के वैश्विक प्रयासों से दूर हैं। कृपया वास्तविक शांति के लिए प्रयास करें। शिखर सम्मेलन दिखाएगा कि दुनिया में कौन वास्तव में युद्ध समाप्त करना चाहता है। कीव अपनी शांति योजना में रूसी सैनिकों की पूर्ण वापसी व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सीमाओं की बहाली का आह्वान कर रहा है, जिसे मास्को वार्ता की सही शुरुआत नहीं मानता। पिछले हफ्ते, रूसी सूत्रों ने कहा था पुतिन यूक्रेन के साथ युद्ध को रोकने के लिए तैयार थे, जो वर्तमान युद्धक्षेत्र लाइनों को मान्यता देता है।

- अगले माह स्विट्जरलैंड में होने वाली है बैठक
- यूक्रेन रूसी सैनिकों की देश से पूर्ण वापसी चाहता है

रूस के हवाई हमले में यूक्रेन के बड़े शहर खार्कीव में स्थित एक शापिंग माल पूरी तरह से तबाह हो गया। रायटर

यूक्रेनी हमले में बेलगोरोद में चार की मौत, 12 घायल

यूक्रेन के हमले में दक्षिणी रूस के बेलगोरोद में चार लोगों की मौत हो गई और एक बच्चे समेत 12 लोग घायल हो गए। यूक्रेनी वायु सेना ने रविवार को दावा किया कि रूस की ओर से लांच 12 मिसाइलें और भेजे गए 31 ड्रोन मार गिराए गए। उधर, रूस की ओर से खार्कीव पर किए गए हमलों में मारे जाने वालों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है, जबकि 43 घायल हो गए हैं। खार्कीव गवर्नर ने कहा कि 16 लोग लापता हैं।

भारतीय नौसेना का जहाज किल्टन ब्रुनेई के मुआरा पहुंचा

- यह यात्रा दक्षिण चीन सागर में पूर्वी बेड़े की परिचालन तैनाती का हिस्सा है

भारतीय नौसेना के जहाज किल्टन ब्रुनेई के मुआरा पहुंचने पर रायल ब्रुनेई नौसेना की ओर से स्वागत किया गया। पीआइबी

मुआरा, एएनआइ : भारतीय नौसेना का पोत किल्टन ब्रुनेई के मुआरा पहुंचा, जहां रायल ब्रुनेई की नौसेना ने उसका गर्मजोशी से स्वागत किया। यह यात्रा दक्षिण चीन सागर में भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े की परिचालन तैनाती का हिस्सा है। रक्षा मंत्रालय ने कहा, यह यात्रा दोनों देशों के बीच सहयोग को और मजबूत बनाएगी। भारतीय पोत किल्टन की यात्रा पेशेवर वार्ता, खेल आयोजनों, सामाजिक आदान-प्रदान और सामुदायिक आउटरीच पर केंद्रित है, जो दोनों देशों और नौसेनाओं के साझा मूल्यों को दर्शाती है। मंत्रालय ने कहा, आइएनएस किल्टन चार पी28 एंटी-सबमरीन वारफेयर कार्वेट में से तीसरा है, जिसे गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स कोलकाता द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन व निर्मित किया गया है। इससे पहले 20 मई को आइएनएस दिल्ली, आइएनएस शक्ति व आइएनएस किल्टन दोनों देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही दोस्ती और समुद्री सहयोग को और मजबूत करने के लिए मनीला गए थे। यह यात्रा दक्षिण चीन सागर में भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े की परिचालन तैनाती का हिस्सा थी।

टर्ब्युलेंस में फंसा कतर एयरवेज का विमान, 12 घायल

- आठ लोगों को अस्पताल में कराना पड़ा भर्ती
- घायलों में चालक दल के छह सदस्य शामिल

डबलिन, रायटर : कतर की राजधानी दोहा से आयरलैंड की राजधानी डबलिन जा रहा कतर एयरवेज का विमान रविवार को थोड़े समय के लिए टर्ब्युलेंस (वायुमंडलीय विक्षोभ) में फंस गया, जिससे विमान में सवार 12 लोग घायल हो गए। हालांकि विमान ने अपने निर्धारित समय पर सुरक्षित लैंडिंग की।

डबलिन एयरपोर्ट ने बताया कि कतर एयरवेज की उड़ान संख्या क्यूआर017 (बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमान) ने स्थानीय समयानुसार दोपहर एक बजे निर्धारित समय पर लैंडिंग की। इसके बाद एयरपोर्ट पुलिस और अग्निशमन एवं बचाव विभाग समेत आपातकालीन सेवा कर्मियों ने तत्काल कार्रवाई की क्योंकि तुर्किये के आसमान में टर्ब्युलेंस के कारण छह यात्रियों एवं छह चालक दल सदस्यों के घायल होने की सूचना मिली थी।

एयरपोर्ट ने बताया कि आठ लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आयरलैंड के प्रसारणकर्ता आरटीई ने यात्रियों के हवाले से बताया कि टर्ब्युलेंस का करीब 20 सेकेंड तक अनुभव किया गया, उस समय यात्रियों को भोजन परोसा जा रहा था।

उल्लेखनीय है कि पांच दिन पहले सिंगापुर एयरलाइंस की लंदन से सिंगापुर जा रही उड़ान को भी टर्ब्युलेंस का सामना करना पड़ा था, उस दौरान एक ब्रिटिश यात्री की कथित तौर पर हार्ट अटैक (हृदयाघात) से मौत हो गई थी और दर्जनों लोग घायल हुए थे। यह वाक्या उस समय हुआ था जब विमान में यात्रियों को नाश्ता परोसा जा रहा था। अभी भी 41 घायलों का बैंकाक के तीन अस्पतालों में इलाज चल रहा है। हालांकि टर्ब्युलेंस का सामना करने वाला विमान रविवार को सिंगापुर पहुंच गया।

पाक ने चीनी इंजीनियरों की हत्या में शामिल 11 आतंकियों को पकड़ा

इस्लामाबाद, प्रेट्र : पाकिस्तान में पांच चीनी इंजीनियरों की हत्या में शामिल तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के 11 आतंकियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आतंकियों ने मार्च में आत्मघाती बम विस्फोट में पांच चीनी इंजीनियर समेत छह लोगों को उड़ा दिया था। पाकिस्तान के आतंकवाद विरोधी प्रमुख राय ताहिर व गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने बताया कि आतंकियों के पास से मोबाइल बरामद हुआ है, जिससे पता चला है कि हमले का संदेश आतंकियों को टीटीपी लीडर से मिला था। हमले की साजिश अफगानिस्तान में रची गई थी।

गृह मंत्री ने कहा, हमले में शामिल अन्य तीन मुख्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए कानूनी सहायता ली जाएगी। दरअसल, मार्च में अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में विस्फोटकों से भरे वाहन के बस से टकराने से छह लोग मारे गए थे, जिसमें पांच नागरिक चीन के थे।

पापुआ न्यू गिनी में भूस्खलन में मरने वालों की संख्या 670 पार पहुंची

- भूस्खलन की चपेट में आकर 150 से अधिक घर तबाह हुए
- मलबे में दबे शवों को निकालने के प्रयास में जुटे हैं लोग

पापुआ न्यू गिनी में भूस्खलन के बाद मलबे में शवों की खोज करते लोग। एपी

मेलबर्न, एपी : पापुआ न्यू गिनी में पिछले हफ्ते हुए भूस्खलन में मरने वालों की संख्या 670 से अधिक हो गई है। संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी ने रविवार को नए आंकड़ों का हवाला दिया है। यह एमबली और एंगा के प्रांतीय अधिकारियों की गणना पर आधारित है। भूस्खलन की चपेट में 150 से अधिक घर आ गए हैं। शुरुआत में 60 घर चपेट में आने की बात सामने आई थी। पहले मृतकों की संख्या 100 से अधिक बताई गई थी।

आस्ट्रेलिया के विदेश मामलों और व्यापार विभाग ने कहा,पोर्ट मोरेस्बी से करीब 600 किमी दूर प्रांत के मुलिताका क्षेत्र में भूस्खलन से छह से अधिक गांव प्रभावित हुए हैं। जमीन अब भी खिसक रही है, चट्टानें गिर रही हैं। इससे खतरा बढ़ता जा रहा है। 250 से अधिक घरों में रहने वाले ने रिश्तेदारों व दोस्तों के पास शरण ली है। वहीं, 1,250 लोग विस्थापित हो गए हैं। एजेंसी ने कहा, भूस्खलन के कारण काफी बड़े इलाके में मलबा फैल गया था, जिससे सड़क तक पहुंच बंद हो गई थी और राहत कार्य मुश्किल हो गया था। क्षेत्र तक पहुंचने के लिए हेलीकाप्टर ही एकमात्र रास्ता था।

****

टी-20 आइपीएल

पर्पल कैप

गेंदबाज	टीम	विकेट
हर्षल पटेल	पंजाब	24
बुमराह	मुंबई	20
चक्रवर्ती	केकेआर	20

आरेंज कैप

बल्लेबाज	टीम	रन
विराट कोहली	आरसीबी	741
रुतुराज	सीएसके	583
रियान पराग	राजस्थान	573

अबकी बार केकेआर

- सनराइजर्स को आठ विकेट से रौंदा
- 10 वर्ष बाद जीती चमचमाती ट्राफी

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: अबकी बार केकेआर। चेन्नई के चेपक मैदान पर इस टीम ने वो कर दिखाया, जिसका उसे 10 वर्षों से इंतजार था। आइपीएल 2024 के फाइनल में सनराइजर्स हैदराबाद को आठ विकेट से हराकर केकेआर ने 2014 के बाद अपनी तीसरी ट्राफी जीती और ऐसा करने के साथ ही वह मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपरकिंग्स के बाद आइपीएल की सबसे सफल टीम भी बन गई। 2014 के बाद केकेआर की टीम पांच बार प्लेआफ में पहुंची। इसमें से 2021 में टीम फाइनल में पहुंची, लेकिन ट्राफी जीतने से दूर रही। पिछले दो सत्रों में टीम सातवें स्थान पर रही थी, लेकिन इस बार टीम ने 14 में से नौ मैच जीतकर प्लेआफ में जगह बनाई और एक चैंपियन टीम की तरह खेलते हुए आइपीएल ट्राफी जीतकर ही दम लिया। मिशेल स्टार्क (2/14) की अगुआई में गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सनराइजर्स को केवल 113 रन पर ही ढेर हो गए, जो फाइनल में अब तक का न्यूनतम स्कोर है। इसके जवाब में वेंकटेश अय्यर (50) के अर्धशतक के दम पर टीम ने 57 गेंद शेष रहते दो विकेट खोकर लक्ष्य प्राप्त कर लिया।

स्टार्क के आगे बेबस दिखे बल्लेबाज: अहमदाबाद में मंगलवार को क्वालीफायर-1 में अपनी गेंदबाजी से दर्शकों का 'पैसा वसूल' कराने वाले आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने रविवार को चेन्नई के चेपक स्टेडियम में गेंदबाजी की वही धार दिखाई और अभिषेक शर्मा (02) और राहुल त्रिपाठी (09) का विकेट लेकर सनराइजर्स हैदराबाद को घुटनों पर ला दिया। आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड फिर खाता नहीं खोल पाए, लेकिन इस बार उन्हें स्टार्क ने नहीं बल्कि वैभव अरोड़ा ने शिकार बनाया।

हेड गोल्डन डक पर आउट हुए। इसके बाद बस बल्लेबाज आते गए और जाते गए। स्टार्क ने जो दबाव बनाया, उसका लाभ दूसरे गेंदबाजों को हुआ। रसेल ने एडेन मार्करैम, अब्दुल समद और पैट कमिंस को आउट किया। वहीं हर्षित ने क्लासेन और नीतीश रेड्डी का शिकार किया। हैदराबाद की टीम एक समय 90 रन पर आठ विकेट गंवा चुकी थी और उसका 100 तक पहुंचना भी मुश्किल था। लेकिन कप्तान पैट कमिंस (24) को तीन बार जीवनदान मिला और टीम 113 रन तक पहुंच सकी।

फाइनल में जीत के बाद जश्न मनाते केकेआर के खिलाड़ी ● एएनआइ

बड़े मैचों का बड़ा खिलाड़ी : मिशेल स्टार्क ने एक बार फिर साबित किया कि बड़े मैचों में वह अलग ही रंग में होते हैं। पिछले वर्ष वनडे विश्व कप में लीग चरण के आठ मैचों में 10 विकेट लेने वाले स्टार्क जैसे ही नाकआउट मैचों में उतरे तो वह अलग ही गेंदबाज थे। उन्होंने सेमीफाइनल और फाइनल में पांच विकेट चटकाए और आस्ट्रेलियाई टीम को विश्व कप ट्राफी दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। इसी तरह आइपीएल के मौजूदा सत्र में लीग चरण के 12 मैचों में 12 विकेट लेने वाले स्टार्क जैसे ही कोलकाता की ओर से प्लेआफ में उतरे तो उसी रंग में दिखे। क्वालीफायर-1 में उन्होंने तीन विकेट लिए थे तो फाइनल में उन्होंने दो विकेट चटकाए।

प्लेआफ में हेड-अभिषेक का फ्लाप शो : अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड की जोड़ी ने जहां लीग मैचों में विपक्षी गेंदबाजों की नींद हराम कर रखी थी, लेकिन जैसे ही प्लेआफ मुकाबले आए ये जोड़ी फ्लाप साबित हुई। हेड और अभिषेक ने लीग चरण में 227.4 की जबरदस्त स्ट्राइक रेट से 689 रन बनाए थे। इस सत्र में इन दोनों के आसपास भी कोई नहीं था। इस सत्र में उन्होंने तीन बार शतकीय साझेदारी कीं। दिल्ली कैपटिल्स के विरुद्ध तो इन दोनों ने पावरप्ले के ही छह ओवर में 125 रन जोड़ डाले थे। इतना ही नहीं, लखनऊ सुपरजायंट्स के विरुद्ध तो इन दोनों ने केवल 10 ओवर ही में 165 का स्कोर बना डाले थे। लीग चरण में सनराइजर्स की सफलता का मुख्य कारण हेड और अभिषेक की घातक जोड़ी थी, लेकिन जब टीम को इस जोड़ी से अच्छे प्रदर्शन की आशा थी तो ये दोनों बल्लेबाज विफल साबित हुए। क्वालीफायर-1 में केकेआर के विरुद्ध हेड जहां शून्य पर आउट हुए तो अभिषेक केवल तीन रन ही बना सके। वहीं क्वालीफायर-2 में जब हैदराबाद की टीम राजस्थान के विरुद्ध उतरी तो हेड 34 तो अभिषेक 12 रन ही बना सके। भले ही हैदराबाद ने यह मैच जीता था, लेकिन उसमें उसके गेंदबाजों का योगदान था। अब फाइनल में स्टार्क ने पहले ही ओवर में अभिषेक को चलता किया तो वैभव अरोड़ा के सामने हेड खाता भी नहीं खोल पाए। यानी तीन में से दो मैचों में हेड शून्य पर आउट हुए, जबकि अभिषेक का सर्वश्रेष्ठ स्कोर 12 रन रहा।

स्कोर बोर्ड

हैदराबाद : 113 (18.3 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
अभिषेक बो. मिशेल स्टार्क	02	05	0/0
हेड का. गुरबाज बो. वैभव	00	01	0/0
त्रिपाठी का. रमनदीप बो. स्टार्क	09	13	1/0
मार्करैम का. स्टार्क बो. रसेल	20	23	3/0
नीतीश का. गुरबाज बो. हर्षित	13	10	1/1
हेनरिक क्लासेन बो. हर्षित	16	17	1/0
शाहबाज का. नारायण बो. चक्रवर्ती	08	07	0/1
समद का. गुरबाज बो. रसेल	04	04	0/0
कमिंस का. स्टार्क बो. रसेल	24	19	2/1
उनादकट एलबीडब्ल्यू बो. नारायण	04	11	0/0
भुवनेश्वर कुमार अविजित	00	01	0/0

अतिरिक्त : 13 (बा-5, लेबा-2, वा-6)
कुल : 18.3 ओवर में 113 रन पर सभी आउट
विकेटपतन : 1-2 (अभिषेक, 0.5), 2-6 (हेड, 1.6), 3-21 (त्रिपाठी, 4.2), 4-47 (नीतीश, 6.6), 5-62 (मार्करैम, 10.2), 6-71 (शाहबाज, 11.5), 7-77 (समद, 12.4), 8-90 (क्लासेन, 14.1), 9-113 (उनादकट, 17.5)
गेंदबाजी: स्टार्क 3-0-14-2, वैभव 3-0-24-1 हर्षित 4-1-24-2, नारायण 4-0-16-1 रसेल 2.3-0-19-3, चक्रवर्ती 2-0-9-1

कोलकाता : 114/2 (10.3 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
गुरबाज एलबीडब्ल्यू बो. शाहबाज	39	32	5/2
नारायण का. शाहबाज बो. कमिंस	06	02	0/1
वेंकटेश अय्यर अविजित	52	26	4/3
श्रेयस अय्यर अविजित	06	03	1/0

अतिरिक्त : 11 (बा-4, लेबा-2, वा-5)
कुल : 10.3 ओवर में दो विकेट पर 114 रन
विकेटपतन : 1-11 (नारायण, 1.2), 2-102 (गुरबाज, 8.5),
गेंदबाजी: भुवनेश्वर 2-0-25-0, कमिंस 2-0-18-1, नटराजन 2-0-29-0, शाहबाज 2.3-0-22-1, उनादकट 1-0-9-0, मार्करैम 1-0-5-0

आइपीएल फाइनल में न्यूनतम स्कोर

113	सनराइजर्स vs केकेआर	2024
125/9	सीएसके vs मुंबई	2013
129/8	मुंबई vs पुणे सुपरजायंट्स	2017

17 विकेट वरुण चक्रवर्ती ने मध्य के ओवरों में लिए हैं, जो कि इस सत्र में सर्वाधिक है। नारायण ने 13 विकेट लिए हैं।

मिशेल स्टार्क का ग्रुप चरम और नाकआउट में प्रदर्शन

विश्व कप 2023
ग्रुप चरण : आठ मैचों मे 10 विकेट
नाकआउट चरण : दो मैच में छह विकेट

आइपीएल 2024
ग्रुप चरण : 12 मैचों में 12 विकेट
प्लेआफ : दो मैचों में पांच विकेट

दो बार चैंपियन बनाने वाले गंभीर की मेंटरशिप में केकेआर ने जीती तीसरी ट्राफी

गंभीर ने पूरी की बादशाह की मन्नत

अभिषेक त्रिपाठी ● जागरण

नई दिल्ली : बात 2014 की है जब कोलकाता नाइटराइडर्स ने अंतिम बार आइपीएल की ट्राफी जीती थी और तब टीम के कप्तान थे गौतम गंभीर। 2011 में गौतम गंभीर कोलकाता नाइटराइडर्स से जुड़े और 2018 में एक बार फिर अपनी पुरानी टीम दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स) में लौट गए। इस दौरान उन्होंने कोलकाता को दो बार चैंपियन बनाया। इस दौरान कई अवसरों पर गंभीर की केकेआर के मालिक और बालीवुड के बादशाह कहे जाने वाले शाह रुख खान के साथ बात हुई, लेकिन क्रिकेट की चर्चा कभी नहीं हुई। 2022 में गौतम गंभीर लखनऊ सुपरजायंट्स के मेंटर बने और उनकी देखरेख में टीम दो बार प्लेआफ में पहुंचीं। पिछले वर्ष जब गंभीर के सुपरजायंट्स को छोड़ने की चर्चा शुरू हुई तो शाह रुख ने केकेआर के पुराने कप्तान गौतम को मुंबई अपने घर मन्नत पर बुलाया और दोनों के बीच घंटों बात हुई। इस दौरान जब 'दैनिक जागरण' ने गौतम गंभीर के लखनऊ सुपरजायंट्स को छोड़ने और केकेआर में लौटने का समाचार प्रकाशित किया तो खुद लखनऊ के मालिक संजीव गोयनका अचंभित रह गए थे। गोयनका को तब भी लग रहा था कि गंभीर उनकी टीम के साथ जुड़े रहेंगे लेकिन वह लखनऊ को छोड़ने का मन बना चुके थे और आइपीएल नीलामी से पहले उन्होंने 'दैनिक जागरण' की खबर पर मुहर लगाते हुए केकेआर का मेंटर बनने का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया था। दरअसल, जब गंभीर लखनऊ सुपर जायंट्स के मेंटर थे तो अभिनेता शाह रुख खान ने उनको ऐसा प्रस्ताव दिया था कि वह खुद को रोक नहीं पाए थे। शाह रुख ने गंभीर से कहा था कि आपको 10 साल तक मेरी टीम संभालनी है, आपको इसके लिए जितनी भी फीस चाहिए उसे ब्लैंक चेक में भर लें। हालांकि वह ब्लैंक चेक भरी गई या नहीं ये पता नहीं है।

जीत के बाद गंभीर का माथा चूमते शाह रुख खान ● एक्स

शाह रुख का गंभीर को मेंटर बनाने का दांव सफल रहा और अपनी कप्तानी में दो बार टीम को चैंपियन बनाने वाले गौतम ने इस बार अपनी मेंटरशिप में टीम को चैंपियन बनाया। नीलामी टेबल से लेकर टीम को ट्राफी जिताने तक गंभीर का हर दांव सफल रहा। दुबई में पिछले वर्ष हुई नीलामी में जब आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क का नाम आया तो गंभीर हर हाल में इस गेंदबाज को टीम से जोड़ना चाहते थे। इसके लिए केकेआर ने रिकार्ड 24.75 करोड़ रुपये तक खर्च कर डाले। तब कई दिग्गजों ने कहा कि एक गेंदबाज पर इतनी राशि खर्च करना गलत निर्णय है, लेकिन गंभीर का यह दांव सफल रहा और प्लेआफ में स्टार्क का प्रदर्शन उनकी कीमत को जायज ठहराने के लिए काफी है। जब गंभीर कप्तान थे तो नारायण ओपनिंग करते थे।

इस सत्र में गंभीर ने यह तुरुप का इक्का फिर निकाला और नारायण से ओपनिंग कराई। इस सत्र में नारायण की बल्लेबाजी ने विरोधी खेमे में हलचल मचा दी और टीम को फाइनल में पहुंचाने में नारायण का बतौर बल्लेबाज सफल होना बड़ा कारण था। यानी गंभीर केकेआर की ताकत को बखूबी समझते हैं और उनकी रणनीति के कारण ही केकेआर की टीम पहली बार लीग चरण में नौ मैच जीतकर शीर्ष पर रहकर फाइनल में पहुंची और तीसरी ट्राफी जीतकर अभियान खत्म किया। शायद ही किसी को पता होगा कि गंभीर को कैरेबियन खिलाड़ियों पर बहुत भरोसा रहता है और उनका ये भरोसा इस बार भी काम आया। अब देखना ये है कि अपनी टीम को चैंपियन बनाने के बाद क्या वह भारतीय टीम के कोच की राह पकड़ेंगे या नहीं।

खिलाड़ियों को वापस बुलाकर इंग्लैंड ने गलती की : वान

चेन्नई, प्रेट्र : पूर्व कप्तान माइकल वान का मानना है कि पाकिस्तान के विरुद्ध टी-20 सीरीज खेलने के लिए अपने क्रिकेटरों क्रिकेटरों को आइपीएल से वापस बुलाकर इंग्लैंड ने गलती की क्योंकि उन्हें प्लेआफ में दबाव के हालात में खेलने का अनुभव नहीं मिल सका जो टी-20 विश्व कप में काम आता। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर (राजस्थान रायल्स), फिल साल्ट (केकेआर) और विल जैक्स (आरसीबी) को इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान के विरुद्ध चार मैचों की टी-20 सीरीज के लिए वापस बुला लिया था, जिसकी सुनील गावस्कर समेत भारत के पूर्व क्रिकेटरों ने आलोचना की थी ।

माइकल वान ● फाइल फोटो, एक्स

वान ने क्लब प्रेयरी फायर पाडकास्ट में कहा, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पहले है लेकिन आइपीएल में दबाव उससे कम नहीं। इन खिलाड़ियों को प्रशंसकों, मालिकों और सोशल मीडिया के जिस दबाव का सामना करना होता है, वह बहुत बड़ा है। इंग्लैंड ने खिलाड़ियों को वापस बुलाकर उस दबाव के अनुभव से वंचित कर दिया। आइपीएल प्लेआफ के दबाव, दर्शकों के दबाव से तैयारियां पाकिस्तान के विरुद्ध टी-20 खेलने से कहीं बेहतर होती। खास तौर पर साल्ट और जैक्स को तो बहुत कुछ सीखने को मिलता और उनकी तैयारी मजबूत होती। मैं पाकिस्तान या इंग्लैंड टीम का अपमान नहीं कर रहा लेकिन आइपीएल में दबाव बहुत होता है और इसका स्तर उस द्विपक्षीय सीरीज से बेहतर है। टी-20 विश्व कप दो जून से शुरू होगा।

केकेआर ने दिया खुशियां मनाने का अवसर

विशाल श्रेष्ठ ● जागरण

चक्रवात की दहशत के बीच नाइटराइडर्स के तीसरी बार आइपीएल खिताब जीतने के बाद कोलकाता शहर में लोगों ने मनाया जश्न

कोलकाता : इसे ही कहते हैं आपदा में अवसर। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने शहरवासियों को चक्रवात 'रेमल' की दहशत के बीच खुशियां मनाने का मौका दे दिया। रविवार शाम चेन्नई में जहां कोलकाता-हैदराबाद के बीच आइपीएल का फाइनल मैच चल रहा था, वहीं दूसरी तरफ कोलकाता में चक्रवात के असर से तेज हवाओं के साथ बारिश हो रही थी। लोग अपने घरों में दुबके हुए थे। कभी टीवी पर मैच देख रहे थे तो कभी चैनल बदलकर चक्रवात का अपडेट ले रहे थे। चक्रवात के रविवार देर रात बंगाल के सागरद्वीप के पास लैंडफाल करने की बात कही गई थी। जैसे-जैसे लैंडफाल का समय नजदीक आ रहा रहा था, कोलकाता के लोगों की धड़कनें तेज होती जा रही थीं क्योंकि इसका महानगर पर भी भारी असर पड़ने की आशंका जताई गई थी, हालांकि उससे पहले कोलकाता के तीसरी बार आइपीएल का खिताब जीतने से अचानक माहौल बदल गया। डर छूमंतर हो गया। लोग खुशी से झूमने लगे। सत्येंद्र सिंह नाम के युवा ने कहा- 'बड़े इंतजार के बाद यह दिन फिर से आया है। मौसम मेहरबान नहीं तो क्या हुआ। जश्न तो बनता है।'

कोलकाता में जश्न मनाते लोग ● जागरण

वहीं परेश पाल नामक केकेआर के समर्थक ने कहा- 'फाइनल मैच तो रोमांचकारी नहीं हुआ लेकिन मौसम ने जीत के रोमांच को जरूर बढ़ा दिया है।' बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोगों से रविवार शाम अपने घर में रहने का अनुरोध किया था। उन्होंने ट्वीट कर कहा था- 'घर पर रहें, सुरक्षित रहें। हम आपके साथ हैं। चक्रवात गुजर जाएगा।'

मलेशिया मास्टर्स में खिताब से चूकीं सिंधू

कुआलालंपुर, प्रेट्र : भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू का पिछले दो साल से चला आ रहा खिताब का इंतजार और लंबा हो गया क्योंकि उन्हें मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में रविवार को यहां विश्व रैंकिंग में सातवें स्थान पर काबिज चीन की वांग झी यी से हार का सामना करना पड़ा। ओलिंपिक में दो बार की पदक विजेता सिंधू तीन गेम तक चले 79 मिनट के मुकाबले के निर्णायक गेम में 11-3 की बड़ी बढ़त बनाने के बावजूद 21-16 5-21 16-21 से हार गईं। सिंधू 2022 सिंगापुर ओपन खिताब अपने नाम करने में सफल रही थीं और पिछले साल मैड्रिड स्पेन मास्टर्स में उपविजेता रही थीं। सिंधू अगर चैंपियन बनतीं तो सोने पर सुहागा होता लेकिन फाइनल तक के सफर में इस प्रदर्शन से पेरिस ओलिंपिक से पहले आत्मविश्वास काफी बढ़ेगा।

ग्रुप 'बी' में इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया की होगी चुनौती

5 दिन शेष विश्व कप

नई दिल्ली, जेएनएन: अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी-20 विश्व कप में इस बार 20 टीमों को पांच-पांच के चार ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप 'बी' में आस्ट्रेलिया, गत चैंपियन इंग्लैंड, नामीबिया, ओमान और स्काटलैंड को रखा गया है। इस ग्रुप में आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड अगले दौर में जाने के लिए प्रबल दावेदार हैं। यही दो टीमें बाकी टीमों को चुनौती देते दिखाई देगी। इंग्लैंड 2010 और 2022 में टी-20 विश्व कप का चैंपियन बना था तो आस्ट्रेलिया ने 2021 में इस खिताब को अपने नाम किया था।

2022 टी-20 विश्व कप की विजेता इंग्लैंड टीम ●

इंग्लैंड : (विजेता-2010-2022) इंग्लैंड टीम टी-20 विश्व कप दो बार जीतकर सबसे सफल टीम रही है। उन्होंने 2010 में आस्ट्रेलिया और 2022 में पाकिस्तान को मात देकर विश्व कप की ट्राफी जीतने में कामयाब रहे थे। 2022 में टीम को विश्व कप दिलाने वाले जोस बटलर ही टीम की अगुआई कर रहे हैं और इस बार भी उनकी टीम काफी मजबूत दिखाई दे रही है। टीम में बटलर के अलावा कुरैन, जोफ्रा आर्चर और विल जैक्स पर नजरें होंगी।

आस्ट्रेलिया : (विजेता-2021) आरोन फिंच के नेतृत्व में आस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को हराकर टी-20 विश्व कप का खिताब जीता था। इसके अलावा 2010 में आस्ट्रेलिया उपविजेता रहा था। इस बार टीम की कप्तानी मिशेल मार्श कर रहे हैं। कई सीनियर खिलाड़ियों को आस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है। इस प्रतियोगिता में वार्नर, मैक्सवेल, मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस और मैथ्यू वेड पर सबकी निगाहें होंगी।

नामीबिया : टी-20 प्रारूप में नामीबिया टीम का जीत का प्रदर्शन या प्रतिशत औसत है। पिछले दो वर्षों में उन्होंने 80 टी-20 मैच खेले हैं और केवल 30 मैच ही जीत पाए हैं। हालांकि इस वर्ष गेरहार्ड इरास्मस की कप्तानी में नामीबिया की टीम इस प्रतियोगिता में खुद को साबित करने के लिए कड़ी मेहनत करेगी।

स्काटलैंड : इस वर्ष स्काटलैंड की कप्तानी रिची बेरिंगटन कर रहे हैं। टीम छठी बार प्रतियोगिता में भाग ले रही है। उन्होंने अब तक टी-20 विश्व कप में 18 मैच खेले हैं, जिसमें से पांच में ही जीत पाए हैं। जोश डेवी अनुभवी खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्होंने अपनी टीम के लिए तीन टी-20 विश्व कप खेला है।

ओमान : इस वर्ष टी-20 विश्व कप में ओमान टीम का नेतृत्व आकिब इलियास करेंगे। प्रतियोगिता दो जून 2024 को संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा के बीच पहले मैच के साथ शुरू होगा।

अलकराज दूसरे दौर में

पेरिस, रायटर: कार्लोस अलकराज ने टूर्नामेंट में चोट की चिंताओं को दूर कर फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में आसानी से प्रवेश कर लिया, जबकि साथी वरीय आंद्रे रुबलेव और ह्यूबर्ट हर्काज ने रविवार को ग्रैंड स्लैम में जीत के साथ आगे बढ़े। अलकराज को वर्ष के दूसरे मेजर मुकाबले की तैयारी में चोट लग गई थी, जिसमें 21 वर्षीय स्पैनियार्ड ने कहा कि उन्हें अभी भी अमेरिकी जेजे वोल्फ के साथ मुकाबले से पहले चिंताएं हैं। लेकिन दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने जेजे को 6-1, 6-2, 6-1 से हराया। अब वह जैक ड्रेपर या जेस्पर डी जोंग का सामना करेंगे।

जीत के बाद अलकराज ● रायटर

तीसरी वरीयता प्राप्त अलकराज ने कहा, 'मैं यहां पेरिस में फिर से प्रतिस्पर्धा करके खुश हूं। यह मेरे लिए एक कठिन महीना रहा है। मुझे टेनिस खेलना पसंद है।'' पुरुषों के ड्रा में विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज आंद्रे रुबलेव ने टारो डेनियल को 6-2, 6-7, 6-3, 7-5 से हराया। लोरेंजो सोनेगो ने नंबर 17 उगो हम्बर्ट को 4-6, 6-2, 4-6, 3-6 से शिकस्त दी। हम्बर्ट टूर्नामेंट में सर्वोच्च रैंक वाले फ्रांस के खिलाड़ी थे। महिलाओं के ड्रा में फ्रेंच ओपन टेनिस में सातवीं बार खेल रही जापान की नाओमी ओसाका ने काबिज ब्रोंजेटी पर 1-6, 6-4, 7-5 की जीत दर्ज की। विश्व रैंकिंग में 30वें स्थान पर काबिज दयान यास्त्रेमस्का ने अजला टोमलजानोविक को शिकस्त दी तो वहीं डोना वेकिच के खिलाफ पीठ दर्द की समस्या के कारण लेसिया त्सुरेंको पहले सेट के बीच में ही मैच से हट गईं।

रुड, ज्वेरेव के पास जीतना का अच्छा अवसर : भांबरी

साक्षात्कार

भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी युकी भांबरी पुरुष डबल्स में स्थानीय खिलाड़ी ओलीवेटी के साथ उतरेंगे। पहले दौर में उन्हें सैफियुलिन और पीयर्स से भिड़ना है, इसका प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर होगा। युकी का मानना है कि सिंगल्स में रुड और ज्वेरेव के पास अवसर है, पर जोकोविक-नडाल को नजरअंदाज नहीं कर सकते। सुकांत सौरभ ने युकी भांबरी से विशेष बातचीत की, पेश हैं मुख्य अंश...

● रोलां गैरो की तैयारी कैसी है?

-इसकी तैयारी बहुत अच्छी है। पहले ही पहुंच चुका हूं इसकी तैयारी के लिए क्योंकि भारत में अधिक क्ले कोर्ट नहीं हैं। दो तीन टूर्नामेंट पहले खेलना पड़ता है। यह क्ले कोर्ट का सबसे बड़ा टूर्नामेंट है। इसी के साथ क्ले कोर्ट का टूर्नामेंट समाप्त हो जाता है। क्ले कोर्ट के सत्र की मेरी शुरुआत बहुत अच्छी रही थी। मोरक्को में, म्यूनिख में तो मैंने ओलीवेटी के साथ ही टूर्नामेंट जीता भी था। इसका अंत भी शानदार हो।

● ओलिवेटी और आपकी जोड़ी कैसी है? साथ ही पेरिस ओलिंपिक को लेकर यह टूर्नामेंट आपके लिए कितना महत्वपूर्ण है?

-मेरे जोड़ीदार ओलीवेटी फ्रेंच खिलाड़ी हैं। आशा है कि इस बार हमें स्थानीय समर्थन भी मिलेगा। आशा यही है कि हम यहां अच्छा करेंगे। इस बार पेरिस ओलिंपिक भी यहां होनी है। इसलिए रोलां गैरो उसकी तैयारी के लिए सर्वश्रेष्ठ स्थान है। अगर मैं यहां अच्छा करूंगा तो मेरी रैंकिंग बढ़ेगी जिससे मुझे ओलिंपिक खेलने का अवसर मिल सकता है। इससे मेरा आत्मविश्वास भी बढ़ेगा जो ओलिंपिक के लिए बहुत आवश्यक होगा। ओलिंपिक के मैच यहीं होने हैं और यहां का प्रदर्शन बहुत काम आएगा। ओलिंपिक की तैयारी और प्रदर्शन के लिए रोलां गैरो से बेहतर कोई स्थान नहीं है। यहां स्तर लगभग सभी का एक ही होता है, इसलिए यहां प्रदर्शन करने से मिलने वाला आत्मविश्वास आगे बहुत काम आएगा।

● रोलां गैरो का आपका सबसे यादगार पल क्या रहा है?

-मेरे अनुसार मेरा सबसे यादगार पल पिछले वर्ष ही था। मैं अपने करीबी दोस्त साकेत माइनेनी के साथ रोलां गैरो में खेला था। हम इस टूर्नामेंट में क्वालीफाई करने वाले शायद अंतिम जोड़ी थे। हमने पहले ही दौर में आर्थर रिंडरक्नेश और एंजो कोउआकाउ की स्थानीय जोड़ी को हराया था। यह मैच बहुत यादगार था क्योंकि हमने फ्रेंच खिलाड़ियों को उनके घर पर हराया था।

● जोकोविक, नडाल और मेदवेदेव तीनों को हाल में लगातार हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में आपके अनुसार फ्रेंच ओपन के पुरुष सिंगल्स में प्रबल दावेदार कौन होगा?

-मेरे अनुसार इस बार फ्रेंच ओपन में हमें नया चैंपियन मिल सकता है। सिनर चोटिल हैं, जोकोविक की तैयारियां अच्छी नहीं है। नडाल भी अच्छी फार्म में नहीं हैं। हर टूर्नामेंट में हमें कोई अलग ही विजेता दिख जाता है। अलकराज भी क्ले कोर्ट पर अब तक इस सत्र में कोई विशेष प्रदर्शन कर पाए हैं। मेरे अनुसार ज्वेरेव और कैस्पर रुड जिन्होंने हाल में अच्छा प्रदर्शन किया है इनके पास अच्छा अवसर है। हालांकि, फिर भी आप दिग्गज खिलाड़ियों को बिल्कुल अनदेखा नहीं कर सकते। जोकोविक 24 बार के चैंपियन हैं, तो नडाल 22 बार के चैंपियन हैं।

****

दीपा ने एशियाई सीनियर चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतकर रचा इतिहास

खेल डायरी

ताशकंद, प्रेट्र : शीर्ष भारतीय जिमनास्ट दीपा करमाकर रविवार को यहां महिला वाल्ट स्पर्धा में पीला तमगा प्राप्त कर एशियाई सीनियर चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली देश की पहली जिमनास्ट बन गईं। दीपा (30 वर्ष) ने प्रतियोगिता के आखिरी दिन वाल्ट फाइनल में 13.566 का औसत स्कोर बनाया।

उत्तर कोरिया की किम सोन हयांग (13.466) और जो क्योंग ब्योल (12.966) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते। दीपा ने 2015 चरण में इसी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। आशीष कुमार ने 2015 एशियाई चैंपियनशिप में व्यक्तिगत फ्लोर एक्सरसाइज में कांस्य पदक जीता था। प्रणति नायक ने भी 2019 और 2022 चरण में वाल्ट स्पर्धा में कांस्य पदक प्राप्त किया था। पिछले वर्ष वापसी करने वाली दीपा आगामी पेरिस ओलिंपिक की दौड़ से बाहर हैं।

दीपा करमाकर ● एएनआइ

श्रीहरि ने जीता रजत

नई दिल्ली : भारत के अनुभवी तैराक श्रीहरि नटराज ने फ्रांस में चल रहे 30वें मेयर नोस्ट्रम तैराकी टूर्नामेंट में 50 मीटर बैकस्ट्रोक में रजत पदक जीता। टोक्यो ओलिंपिक खेल चुके नटराज ने 25.50 सेकेंड का समय निकालकर हंगरी के एडम जास्जो के बाद दूसरा स्थान हासिल किया। ब्रिटेन के स्काट गिब्सन को कांस्य पदक मिला। नटराज का इस वर्ग में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 25.11 सेकेंड का है। (प्रेट्र)

दैनिक जागरण
सप्तरंग
साहित्य और संगीत का
सोमवार, 27 मई, 2024

सूरज दहशतगर्द हुआ

नवगीत

योगेन्द्र वर्मा व्योम
मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश

मेघा रे!
अब और न रूठो
जल्दी आओ ना।

तुलसी झुलसी, पीपल का
हर पत्ता जर्द हुआ,
सूरज इस सीमा तक वहशी
दहशतगर्द हुआ,
सूखे खेतों की
मुस्कानें
वापस ला ओ ना।

टोने-टोटके भी सब के सब
करके देख लिए,
रहा बरसना दूर, दरस तक
तुमने नहीं दिए,
किसी रेल के
इंतजार-सा
अब तरसाओ ना।

अब की बारिश में हंगामा
नया-नया होगा,
बच्चों ने ई-मेल किया है,
पहुंच गया होगा,
नाव चलानी है
कागज की
जल बरसाओ ना।

vyom70@gmail.com

भाषा विमर्श

डा. बुद्धिनाथ मिश्र
देहरादून, उत्तराखंड

यद्यपि शुद्धं लोक-विरुद्धम्

किसी भी शब्द का प्रयोग करते समय उसकी सामाजिक मान्यता पर पूरा ध्यान देना आवश्यक है। शब्दकोश हमेशा प्रमाण नहीं बन सकता, क्योंकि आधी सदी पहले बना शब्दकोश आज के प्रचलित अर्थ नहीं देता। अतः अंतिम प्रमाण लोक-व्यवहार और लोक-आस्था ही है।

जागरण आर्काइव

गोरखधाम के पूर्व महंत योगी अवेद्यनाथ देश के प्रतिष्ठित राजनेता भी थे। हर जगह योगी 'अवेद्यनाथ' को आप 'अवैद्यनाथ' ही लिखा हुआ पाएंगे। यह है भाषा के प्रति उदासीनता का उदाहरण। संस्कृत में विद् धातु ज्ञान के अर्थ में है। इससे निर्मित संज्ञा शब्द 'वेद' का अर्थ भी ज्ञान होता है। वेद अर्थात संपूर्ण ब्रह्मांड का ज्ञान, जो बीज रूप में सुरक्षित है। यजुर्वेद से लेकर आयुर्वेद और धनुर्वेद तक सभी ज्ञान-विज्ञान उसी वेद के विकसित रूप हैं। आयुर्वेद के ज्ञाता 'वैद्य' कहलाए और उनके स्वामी भगवान शंकर 'वैद्यनाथ' हुए। याद करें 12 ज्योतिर्लिंगों में एक, देवघर के बाबा वैद्यनाथ (बैजनाथ)। 'वेद' और 'देव' - ये दोनों एक-दूसरे से संबंधित हैं। उसी विद् धातु से बना है 'वेद्य' यानी जो जाना जा सके। जैसे 'खाद्य' का मतलब है- खाने योग्य, 'पेय' का मतलब है पीने योग्य। उसी तरह 'वेद्य' हुआ जानने योग्य। जो नहीं जाना जा सके, वह है 'अवेद्य'। ईश्वर अवेद्य है, अप्रमेय है। जो ब्रह्म को जान लेता है, वह 'ब्राह्मण' हुआ और जो ब्रह्म की ओर उन्मुख है, उसे 'ब्रह्मचारी' कहते हैं।

इसी तरह एक शब्द है 'वेश्या', जिसका मोटे तौर पर अर्थ होता है धनलाभ के लिए शारीरिक संबंध बनानेवाली। जो पुरुषों को आकृष्ट करने के लिए लुभावने 'वेश' धारण करती है, वह हुई 'वेश्या'। प्राचीन काल में वह 'नगरवधू' भी कहलाती थी, जो नृत्य-संगीत आदि में भी निष्णात होती थी। दुर्भाग्यवश, लोग 'वेश्या' को 'वैश्या' कहने लगे, जो अनुचित है। वैश्या शब्द 'वैश्य' का स्त्रीलिंग है। वैश्य शब्द भले ही बाद में चार वर्णों में तीसरा वर्ण वाणिज्य, व्यवसाय, कृषि, गोपालन आदि करनेवाले समुदाय के लिए प्रयुक्त किया जाने लगा, लेकिन वैदिक काल में संपूर्ण प्रजा 'विश्' कहलाती थी। उसी से 'विश्व' बना, जो परिवार जैसा ही था-यत्र विश्वं भवत्येक नीडम् (जहां विश्व एक घोंसले की तरह है)। उस 'वैश्य' शब्द का स्त्रीलिंग 'वैश्या' शुद्ध होते हुए भी इसका उपयोग करना उचित नहीं है। इसीलिए संस्कृत में एक बहुत उपयोगी सुभाषित है- 'यद्यपि शुद्धं लोकविरुद्धं माचरणीयं माचरणीयम्' अर्थात कोई कार्य शास्त्र की दृष्टि से भले ही सही हो, लेकिन यदि लोगों की दृष्टि में आपत्तिजनक हो, तो ऐसा आचरण नहीं करना चाहिए (मा = नहीं, आचरणीयम् = आचरण करना चाहिए)।

संस्कृत भाषा का कोई शब्द ऐसा नहीं है, जो असंसदीय हो और जिसका उच्चारण करना उचित न लगे। लेकिन उन्हीं शब्दों को लोकभाषा में प्रयोग करते समय जबान लड़खड़ा जाती है। यह भाषाओं का अपना संस्कार है। हमारी लोकभाषाओं में संस्कृत के अनेक शब्दों और धातुओं का प्रयोग अपशब्द के रूप में होने लगा है। ऐसे तमाम शब्द, जो पहले धड़ल्ले से उपयोग में लाये जाते थे, अब असंसदीय बन गए हैं। हिंदी में ही लगभग एकसमान अर्थ देनेवाले 'ग्रामीण' और 'गंवार' शब्द में बहुत अंतर है। बहुत शब्दों के मूल अर्थ पूरी तरह बदल गए हैं। जैसे 'गुरु घंटाल' पहले उसे कहा जाता था, जो बिगड़ैल हाथियों के गले में घंटा बांध सके। कुशाग्र छात्र वह होता था, जो कुश की तेज धार वाली पत्तियों से हाथ बचाकर कुश उखाड़ कर गुरुकुल लाए। आज ब्राह्मण, महापात्र, गुरु घंटाल, कुशल आदि के अर्थ मूल अर्थ से कोसों दूर चले गए हैं, इसलिए किसी भी शब्द का प्रयोग करते समय उसकी सामाजिक मान्यता पर पूरा ध्यान देना जरूरी है। शब्दकोश हमेशा हमारा प्रमाण नहीं बन सकता। आधी सदी पहले बना शब्दकोश आज के प्रचलित अर्थ को देता भी नहीं। अतएव, अंतिम प्रमाण लोक-व्यवहार और लोक-आस्था ही है। इसीलिए- यद्यपि शुद्धं लोकविरुद्धं माचरणीयं माचरणीयम्।

buddhinathji@gmail.com

वर्ग पहेली-2642

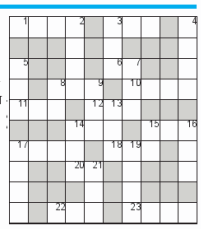

© Bird Features & Writing Agency

बाएं से दाएं
1. स्वीकार कर लेना, अपना बना लेना (4)। 3. रोगी, अस्वस्थ (3)।
6. नीर, पानी (2)। 8. चोरी, गबन, पचाना (3)। 10. संपत्ति, जगह-जमीन (4)। 11. जलयान (3)। 12. प्रकाशित होना (3)। 14. तरीका, ढंग (3)।
15. हरे रंग का, हरियाली (3)।
17. बगीचा, बगिया (4)। 18. शेर, सिंह, व्याघ्र (3)। 20. राख, धूल (2)।
22. झंझट, बखेरा (3)।
23. पैरों से रौंदना, लात मारना (4)।

ऊपर से नीचे
2. अनुचित, अवैध (4)। 3. आदमी, मानव, मनुष्य (3)। 4. पुलकित, हर्षित (4)।
5. मतलब, प्रयोजन (3)। 7. शर्माना (3)।
8. ... करने लोग मक्का जाते हैं (2)।
9. मत्स्य, मीन (3)। 13. भेजा खाना, भट्ठे में तपाना, सिझाना (3)। 14. तुल्य, सदृश (3)।
15. प्रत्येक (2)। 16. ओर, पार्श्व (3)।
17. सांप के मुख से निकलने वाला शब्द (4)।
19. विष, जहर (4)। 21. वस्त्र (3)।

कल का हल

जागरण सुडोकू-2642

1		8	2		3	9		
	4						8	
	9				1	2		3
		7	4		8		3	
3				1				
		9	3		5		2	
9					4	5		2
	5		1			4		
4				2				9

कल का हल

4	6	7	9	2	3	8	5	1
3	1	9	8	5	7	6	4	2
2	8	5	1	4	6	9	7	3
1	4	2	7	6	8	5	3	9
7	9	3	5	1	4	2	6	8
8	5	6	2	3	9	4	1	7
9	2	4	6	7	1	3	8	5
6	7	8	3	9	5	1	2	4
5	3	1	4	8	2	7	9	6

संगीतायन

विवेक भटनागर
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश

विषय के नोट्स बनाने वाले आइआइटी के छात्रों ने लिया संगीत के नोट्स का आनंद... चित्र सौ.: स्पिक मैके

युवाओं को शांति व ऊर्जा देता है शास्त्रीय संगीत

आइआइटी मद्रास परिसर में 20 से 26 मई तक आयोजित हुआ स्पिक मैके का शास्त्रीय संगीत पर आधारित कार्यक्रम इस धारणा को तोड़ता है कि आज की पीढ़ी के युवाओं की भारतीय संस्कृति और शास्त्रीय संगीत में कोई रुचि नहीं है...

शास्त्रीय संगीत को लेकर कई मिथक बन गए हैं। जैसे कि आज के युवाओं को शास्त्रीय संगीत पसंद नहीं..., जिसे शास्त्रीय संगीत का ज्ञान नहीं है, वह उसमें आनंद नहीं उठा सकता... तकनीक-विज्ञान और कला-संगीत का आपस में कोई मेल नहीं है। इस तरह की मिथ्या धारणाओं को तोड़ा है स्पिक मैके ने। रविवार 26 मई को चेन्नई स्थित आइआइटी मद्रास परिसर में स्पिक मैके का नौवां इंटरनेशनल कन्वेंशन 2024 संपन्न हुआ है, जिसमें युवाओं की पसंद बता रही है कि जो धारणाएं उनके बारे में बनाई गई हैं, वे कितनी गलत हैं। तकनीक के जो छात्र अपने विषयों के नोट्स बना रहे थे, उन्होंने संगीत के नोट्स का भी आनंद उठाया। 20 से 26 मई तक आइआइटी मद्रास का परिसर संगीत के स्वर, लय, ताल, आलाप, तान से गूंजता रहा। भारतीय संगीत की धरोहर को आत्मसात कर तकनीक के छात्रों ने अपने भीतर असीम शांति का अनुभव किया। स्पिक मैके का गठन ही युवाओं में हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत और भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए हुआ, लेकिन इस सांस्कृतिक आंदोलन के संस्थापक किरण सेठ के लिए यह आसान नहीं था। 1977 में आइआइटी दिल्ली में एसोसिएट प्रोफेसर रहते हुए किरण यह मिथक तोड़ना चाहते थे कि शास्त्रीय संगीत और भारतीय पुरातन संस्कृति से युवा तालमेल नहीं बैठा सकते। उन्होंने डागर बंधु की प्रस्तुति के साथ शुरुआत की। इस प्रयास को 47 साल हो चुके हैं और देश के बड़े-बड़े गायक, संगीतकार, कलाकार युवाओं को लुभा रहे हैं। किरण सेठ कहते हैं, शुरुआत में लोग कहते थे कि मैं गाने-बजाने में समय क्यों बर्बाद कर रहा हूं। हालांकि पांच छात्रों के साथ डागर बंधु की प्रस्तुति से शुरू हुआ यह सांस्कृतिक आंदोलन अब लोकप्रिय कार्यक्रम बन चुका है। इन दिनों किरण युवाओं को संगीत और संस्कृति से जोड़ने के आंदोलन के तहत साइकिल यात्रा पर हैं। वरिष्ठ वायलिन वादक जीजेआर कृष्णन, किरण सेठ को 'योगी' कहकर उनकी प्रशंसा करते हैं। आइआइटी मद्रास के कार्यक्रम में प्रस्तुति देने वाले कृष्णन कहते हैं, 'मेरे पिता लालगुडी जयरामन को भी युवाओं तथा छात्रों के लिए प्रस्तुति देना अच्छा लगता था। छात्रों को आकर्षित करने के लिए वे राग में उतरने से पहले कुछ रोचक धुनें बजाया करते थे।' इस कार्यक्रम में प्रस्तुति देने वाली भरतनाट्यम नृत्यांगना पद्मा सुब्रह्मण्यम कहती हैं, 'युवाओं के लिए प्रस्तुति का अवसर मिलता है, तो मुझे बहुत अच्छा लगता है। इस कार्यक्रम में वार्तालाप सत्र बड़े मजेदार होते हैं, क्योंकि युवा बहुत उत्सुक और जागरूक होते हैं। वे बड़ी मासूमियत से प्रश्न पूछते हैं। हो सकता है वे छात्र कला या संगीत को न चुनें, लेकिन जब वे भारतीय संस्कृति के ज्ञान से ओतप्रोत होकर जीवन में प्रवेश करेंगे, तो बेहतर पथ पर आगे बढ़ सकेंगे।'

पुस्तक परिचय

व्यंग्य और हास्य का सम्मिलन

पुस्तक : बुरे फंसे
लेखिका : रिंकल शर्मा
प्रकाशक : अद्विक पब्लिकेशन
मूल्य : 250 रुपये

दार्शनिक कहते हैं कि जीवन एक नाटक है, जिसमें हम सब अपनी-अपनी भूमिकाएं निभाते हैं। आज के परिप्रेक्ष्य में ये भूमिकाएं इतनी रुक्ष हो गई हैं कि जीवन के नाटक दुखांत अधिक हो रहे हैं। लेकिन कवयित्री व व्यंग्य लेखिका रिंकल शर्मा ने जो नाटक रचा है, उसमें दुख भी हंसते-मुस्कुराते हुए आते हैं। पाठक को नाटक की स्थितियों-परिस्थितियों में तनाव का अनुभव नहीं होता है। हास्य नाटकों की पुरानी परंपरा रही है, जिसे रिंकल शर्मा ने आगे बढ़ाया है हास्य नाटक बुरे फंसे में। लेखिका ने बचपन में सुने अपने पारिवारिक किस्सों के आधार पर नाटक का कथानक मजेदार ढंग से बुना है। व्यंग्य और विशुद्ध हास्य के तालमेल से इसने एक पठनीय हास्य-व्यंग्य नाटक का रूप लिया है।

विभ

आज का भविष्यफल- 27 मई, 2024 सोमवार

के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष चतुर्थी।
आज का राहुकाल : प्रातः 7 बजकर 30 मिनट से 9 बजे तक।
आज का दिशाशूल : पूर्व।

कल 28 मई, 2024 का पंचांग
कल का दिशाशूल : उत्तर
विक्रम संवत 2081, शके 1946, उत्तरायण, उत्तरगोल, ग्रीष्म ऋतु ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष की पंचमी, 15 घंटे 24 मिनट तक तत्पश्चात षष्ठी, उत्तराआषाढ़ा नक्षत्र 9 घंटे 34 मिनट तक तत्पश्चात श्रवण नक्षत्र, ब्रह्म योग 26 घंटे 6 मिनट तक, तत्पश्चात ऐन्द्र योग, मकर में चंद्रमा।

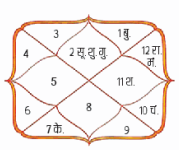

मेष : महिला अधिकारी का सहयोग मिलेगा। भौतिक सुख में वृद्धि होगी।
वृष : उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।
मिथुन : व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी।
कर्क : जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। सम्मान में वृद्धि होगी।
सिंह : किसी कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।
कन्या : शासनसत्ता का सहयोग मिलेगा। मन प्रसन्न रहेगा।
तुला : भौतिक सुख में वृद्धि होगी। रचनात्मक कार्यों में प्रगति होगी।
वृश्चिक : आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। लोकप्रियता बढ़ेगी।
धनु : व्यावसायिक प्रयास सार्थक होगा। गृह वस्तुओं में वृद्धि होगी।
मकर : आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।
कुंभ : यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद होगी। विरोधी परास्त होगा।
मीन : संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।

जिंदगी पर भारी पड़ रही हाई एल्टीट्यूट मानकों की अनदेखी

- ऊंचाई वाले क्षेत्र में जाने के लिए पहले एक्लाइमेटाइज होना जरूरी
- यमुनोत्री धाम में 2016 से अब तक हृदयाघात से मरे 167 तीर्थयात्री

उत्तरकाशी जिले में यमुनोत्री धाम में 17 मई को जुटी श्रद्धालुओं की भीड़। फाइल/प्रेट्र

शैलेंद्र गोदियाल • जागरण

उत्तरकाशी : अनियोजित चारधाम यात्रा तीर्थ यात्रियों की जिंदगी की पर भारी पड़ रही है। कपाट खुलने से लेकर अबतक हेमकुंड साहिब समेत चारों धाम में हृदयगति रुकने से 62 तीर्थ यात्रियों की मौत हुई है। इनमें यमुनोत्री में मरने वालों की संख्या 12 है। परंपरा के अनुसार, तीर्थयात्री यमुनोत्री धाम से चारधाम यात्रा की शुरुआत करते हैं। लेकिन, यात्रा के दौरान हाई एल्टीट्यूड के मानकों की अनदेखी उन पर भारी पड़ जाती है, क्योंकि ऊंचाई वाले स्थान पर एक्लाइमेटाइज होने में हर व्यक्ति को अलग-अलग समय लगता है।

यूनाइटेड स्टेट्स नेशनल लाइब्रेरी आफ मेडिसिन (एनएलएम) की वेबसाइट पर उपलब्ध प्रो. टिमोथी, जैफ व केर्मिट के जुलाई 2023 में प्रकाशित एक शोधपत्र के अनुसार, एक्यूट माउंटेन सिकनेस (एएमएस) की दर ऊंचाई के साथ बढ़ती चली जाती है। यह पाया गया कि बिना एक्लाइमेटाइज हुए समुद्रतल से 3,000 मीटर की ऊंचाई तक जाने वालों में 75 प्रतिशत एएमएस से प्रभावित हुए। इससे बचने का सीधा उपाय यह है कि अपेक्षाकृत धीमी गति से ऊंचाई की दिशा में बढ़ा जाए। लक्षण उभरने पर समाधान यही है कि शीघ्रता से कम ऊंचाई की दिशा में प्रस्थान किया जाए। एएमएस में हृदय, स्नायु, श्वास रोग, रक्तहीनता से पीड़ित व नशे के आदी व्यक्तियों पर अधिक प्रभाव पड़ने की आशंका रहती है।

उत्तरकाशी स्थित नंदा देवी एडवेंचर इंस्टीट्यूट ने भी अपनी वेबसाइट में माउंटेन मैनर्स को विस्तार से समझाया है। बताया गया है कि चारधाम की यात्रा में पहले महीनों लगा करते थे, लेकिन अब वह आठ से दस दिन में ही हो जा रही है। अब ट्रैवल इंडस्ट्री में कम से कम समय में यात्रा करवाने की होड़ मची है और इसका खामियाजा पहले से ही व्याधिग्रस्त तीर्थ यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। बड़े समूह में एक साथ तेज चलने की प्रवृत्ति कुछ सदस्यों के लिए हानिकारक भी हो सकती है।

10,804 फीट की ऊंचाई पर है यमुनोत्री धाम : जिला अस्पताल उत्तरकाशी के हृदय रोग विशेषज्ञ डा. विकास सेमवाल के अनुसार, समुद्रतल से 6,560 फीट से अधिक ऊंचाई वाला क्षेत्र हाई एल्टीट्यूड माना जाता है। इससे ऊपर की यात्रा मध्यम ऊंचाई और उच्च ऊंचाई वाली मानी जाती है। यमुनोत्री मार्ग पर बड़कोट समुद्रतल से 4,003 फीट, जानकी चट्टी 8,700 फीट और यमुनोत्री धाम की ऊंचाई 10,804 फीट है। इसके अलावा उत्तरकाशी 3,800 फीट और गंगोत्री धाम की ऊंचाई 10,300 फीट है।

इन बातों का रखें ध्यान

- यात्रा पर जाने से पहले स्वास्थ्य की जांच करवाएं, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, श्वास संबंधी समस्याओं वाले लोग विशेष ध्यान रखें।
- मौसम के अनुरूप पर्याप्त गर्म कपड़े, रेनकोट और मजबूत जूते साथ रखें। ऊंचाई वाले स्थानों पर तापमान तेजी से बदलता है।
- ऊंचाई वाले क्षेत्र में जाने से पहले कुछ दिन के लिए कम ऊंचाई पर रुकें। एक्लाइमेटाइज होने पर धीरे-धीरे ऊंचाई बढ़ाएं।
- यात्रा के दौरान खुद को हाइड्रेटेड रखें। नियमित रूप से पानी पिएं।
- पोर्टेबल आक्सीजन केन साथ ले जाएं।

राजस्थान में भीषण गर्मी से चार दिन में 24 लोगों की मौत

- जैसलमेर में 55 डिग्री सेल्सियस के पार तक पहुंचा तापमान, फलौदी का तापमान दूसरे दिन 50 तक पहुंचा
- हरियाणा के सिरसा में 48.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचा तापमान, पंजाब में फरीदकोट रहा सबसे गर्म

जागरण टीम, नई दिल्ली

दिल्ली, हरियाणा और पंजाब समेत पूरा उत्तर भारत भीषण गर्मी से तप रहा है। राजस्थान में भीषण गर्मी के कारण चार दिन में 24 की मौत हो चुकी है। रविवार को दो और लोगों की मौत हुई है। जैसलमेर से सटी भारत-पाकिस्तान सीमा पर तापमान 55 डिग्री सेल्सियस पार कर गया। हरियाणा के सिरसा में तापमान 48.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। पंजाब में फरीदकोट सबसे गर्म रहा, जहां तापमान 47.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। फलौदी का तापमान रविवार को लगातार दूसरे दिन 50 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। पंजाब के लुधियाना, पटियाला, बठिंडा, अमृतसर, फरीदकोट में लू चली, जिससे सड़कों व बाजारों में सन्नाटा रहा। हरियाणा के कई जिलों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। सिरसा में सबसे ज्यादा 48 डिग्री रहा। उत्तर प्रदेश में झांसी का तापमान सबसे अधिक 47.6 डिग्री सेल्सियस रहा।

राजस्थान में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर लू इस कदर चल रही है कि तारबंदी पर लगे तापमान मापने के यंत्र की स्क्रीन भी काली हो गई और यंत्र ने काम करना बंद कर दिया। सीमा पर चौकसी कर रहे बीएसएफ के जवानों ने गाड़ी के बोनट पर रोटी सेकी। एक जवान ने आटा गाड़ी के बोनट पर रखा तो कुछ देर में रोटी सिक गई। यहां जवानों ने कच्चा पापड़ रेत के अंदर दबा दिया जो कुछ देर में तैयार हो गया। एक जवान ने अंडा रेत में दबाया जो कुछ ही मिनट में उबल गया। रविवार को रोटी व पापड़ सेकने और अंडा उबलने के वीडियो सामने आए हैं। गर्मी के कारण उदयपुर में तीन दिन में तीन सौ चमगादड़ों की मौत हुई है। तेज गर्मी के बीच स्थानीय निकायों ने प्रदेश के सभी शहरों की सड़कों पर पानी का छिड़काव कर लोगों को राहत देने का प्रयास किया। अस्पतालों के आपातकालीन वार्डों में 82 हजार से अधिक मरीज पहुंचे हैं। इनमें से 2243 मरीज ऐसे हैं जिनको लू लगी है।

फसलों पर पड़ रहा प्रभाव : गर्मी से फसलों पर भी प्रभाव पड़ रहा है। टमाटर की फसल खराब होने लगी है। पर्याप्त पानी न मिलने से गन्ने की फसल में बीमारी का खतरा बढ़ रहा है।

47 डिग्री तापमान के बीच आरसीसी की सड़क फटी : रविवार को यूपी के संभल में 47 डिग्री तापमान के बीच आरसीसी की सड़क फट गई। सड़क के करीब पांच-पांच मीटर के दो स्लैब (सड़क का एक हिस्सा) ऊपर उठ गए। इनमें एक दो टुकड़ों में बंट गया। एक बाइक सवार बाल-बाल बच गया। फटी सड़क से खलबली मच गई। प्रथमदृष्टया इसका कारण भीषण गर्मी माना जा रहा है। नौ सौ मीटर सड़क चार साल पहले बनाई गई थी। गवां नगर पंचायत में इस मार्ग से वाहनों का काफी आवागमन रहता है। रविवार दोपहर सड़क ऊपर उठना शुरू हो गई। पहले एक हिस्सा उठा, फिर दूसरा। नगर पंचायत की अधिशासी अधिकारी वंदना मिश्रा ने कहा कि जांच के बाद ही इसका कारण स्पष्ट हो सकेगा। ठेकेदार को भी तलब किया गया है। लोनिवि के मुख्य अभियंता संजय प्रताप सिंह ने बताया कि चार साल पुरानी आरसीसी की सड़क फट जाना गंभीर है। निर्माण के दौरान कोई कमी रहने पर भीषण गर्मी में इस तरह होने की आशंका रहती है।

कहां पर कितना तापमान

जिला	अधिकतम
बाड़मेर	48.8
सिरसा	48.4
नारनौल	47
बठिंडा	46.9
जयपुर	44

(डिग्री सेल्सियस में)

उत्तर भारत इनदिनों भीषण लू की चपेट में है। हरियाणा, राजस्थान सहित कई राज्यों में पारा 45 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है। बीकानेर में रविवार को झुलसा देने वाली धूप से बचने के लिए सीमेंट के पाइप में आराम फरमाते लोग। एएनआइ

स्वास्थ्य मंत्रालय ने गर्मी से बचाव को साझा किए टिप्स

नई दिल्ली, आइएएनएस : बढ़ती गर्मी के बीच स्वास्थ्य मंत्रालय ने कार्यस्थल पर गर्मी से बचाव के लिए रविवार को टिप्स साझा किए हैं। मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट किया, आइए सुनिश्चित करें कि कर्मचारी स्वस्थ रहें और अपना योगदान दे सकें। मंत्रालय ने नियोक्ताओं को ये सलाह दी हैं-
- कार्यस्थल पर पेयजल सुविधाएं उपलब्ध कराएं
- दफ्तर के बाहर के कार्यों को धूप होने से पहले कराएं
- ब्रेक या विश्राम की आवृत्ति बढ़ाएं ताकि कर्मी नियमित अंतराल पर विश्राम कर सकें

नोएडा में भेल की डिप्टी मैनेजर की मौत, आइआरएस अधिकारी पर हत्या का आरोप

- पिछले तीन वर्ष से 2016 बैच के आइआरएस अधिकारी के साथ लिवइन में थीं शिल्पा

जागरण संवाददाता, नोएडा

कोतवाली सेक्टर-39 क्षेत्र के सेक्टर-100 स्थित लोटस बुलेवर्ड सोसायटी के फ्लैट में शनिवार शाम फंदे पर लटका मिला युवती का शव भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) में डिप्टी मैनेजर शिल्पा का था। पिता ने लिवइन पार्टनर सौरभ मीणा पर हत्या कर शव को फंदे पर लटकाने का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया है। सौरभ 2016 बैच के आइआरएस अधिकारी है और दिल्ली में तैनात है। पुलिस ने सौरभ को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां कोर्ट ने न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

डीसीपी विद्या सागर मिश्रा ने बताया कि मूलरूप से जिला अलीगढ़ के गाटा क्वार्सी की 36 वर्षीय शिल्पा गौतम भेल में डिप्टी मैनेजर के पद पर कार्यरत थीं। वह वर्तमान में सेक्टर-78 में रहती थीं। वह पिछले तीन वर्ष से आइआरएस सौरभ मीणा के साथ लिवइन में थीं। मूलरूप से राजस्थान के जिला भरतपुर के गांव नशवारा के सौरभ मीणा सेक्टर-10 स्थित लोटस बुलेवर्ड सोसायटी के टावर-8 स्थित फ्लैट में रहते हैं। शनिवार दोपहर शिल्पा मिलने के लिए सौरभ के पास उनके फ्लैट पर आई थीं। शाम के समय पुलिस को सूचना मिली कि शिल्पा ने फ्लैट के दूसरे कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। इस दौरान सौरभ फ्लैट में ही मौजूद था। सोसायटी की सिक्योरिटी की मदद से दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही फॉरेंसिक टीम ने निरीक्षण करते हुए साक्ष्य एकत्र किए। डीसीपी ने बताया कि शिल्पा के पिता ओमप्रकाश गौतम ने हत्या का आरोप लगाते हुए शिकायत करते हुए केस दर्ज कराया। पुलिस ने फौरन ही सौरभ को गिरफ्तार कर लिया।

शादी का दबाव बनाने पर की हत्या : युवती के पिता का आरोप है कि शिल्पा और सौरभ की मुलाकात डेटिंग एप के जरिये हुई थी। इसके बाद दोनों का मिलना-जुलना शुरू हो गया। आरोप है कि आइआरएस अधिकारी ने डिप्टी मैनेजर से शादी करने का वादा किया। जब उसपर शादी का दबाव बनाया गया तो उसने युवती की हत्या कर डाली।

मारपीट और अभद्रता का लगाया आरोप : युवती के पिता का आरोप है कि सौरभ अक्सर मारपीट व अभद्र व्यवहार करता था। पिता को उसकी एक दोस्त के जरिये सूचना मिली कि शिल्पा का शव सौरभ के फ्लैट पर पड़ा है। पुलिस का कहना है कि शिल्पा के शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट अभी नहीं आई है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह सामने आ पाएगी।

मैदानों में चढ़ा पारा तो पर्यटक पहाड़ पहुंचे

- स्कूलों की छुट्टी होने पर सप्ताहांत पर हिमाचल और उत्तराखंड में बढ़ी भीड़
- होटलों के कमरे हुए फुल, सड़कों पर लग रहे जाम से परेशान हो रहे पर्यटक

जागरण टीम, नई दिल्ली

उत्तर भारत में भीषण गर्मी के चलते लोग राहत पाने के लिए पहाड़ों का रुख कर रहे हैं। ऐसे में उत्तराखंड और हिमाचल के पर्यटक स्थलों पर भीड़ लगातार बढ़ रही है। सप्ताहांत पर उत्तराखंड के मसूरी, नैनीताल, शिमला और हिमाचल के मनाली, शिमला, डलहौजी सहित अन्य स्थलों पर पर्यटकों को होटलों में कमरे नहीं मिल पा रहे हैं। जगह-जगह सड़क पर जाम की स्थिति बन रही है। इस कारण आने वाले पर्यटकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दूसरी ओर दिन के समय पहाड़ों में भी गर्मी बनी हुई है, जिसने पर्यटकों की परेशानी बढ़ रही है। हालांकि समर सीजन के रफ्तार पकड़ने के कारण होटल कारोबारियों में खुशी है।

उत्तराखंड के तमाम पर्यटक स्थल इन दिनों पैक हो गए हैं। दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में भीषण गर्मी से निजात पाने के लिए लोग उत्तराखंड की वादियों में पहुंच रहे हैं। मसूरी और नैनीताल के साथ ही लैंसडौन, टिहरी झील, औली, ऋषिकेश, धनोल्टी, चकराता, मुनस्यारी, रानीखेत आदि में जबरदस्त भीड़ है। वाहनों के अत्यधिक दबाव के कारण जगह-जगह जाम से भी जूझना पड़ रहा है। मैदानी राज्यों में पारा अधिकांश जगह 45 से ऊपर पहुंच गया है। हालांकि उत्तराखंड में इस बार गर्मी की चुभन अन्य सालों से ज्यादा है। उत्तराखंड में एक ओर चारधाम यात्रा चरम पर है। वहीं, स्कूलों की छुट्टियां पड़ने से विभिन्न राज्यों के सैलानी परिवार समेत उत्तराखंड का रुख करने लगे हैं। दिन में पर्यटक झरने का आनंद लेने कैंपटी फाल पहुंचे और यहां पानी में उतरकर चिलचिलाती धूप व गर्मी से निजात पा रहे हैं। सुबह से ही पर्यटक वाहनों को एंट्री प्वाइंट पर ही रोक शटल से शहर तक भेजा गया। इसके बावजूद संपर्क मार्गों व शहर के भीतर जाम की स्थिति रही।

****

राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 27 मई, 2024
आजकल
www.jagran.com

बंबई में भारत के पहले एक्वेरियम का उद्घाटन किया गया

1951 में आज ही तत्कालीन राष्ट्रपति डा. राजेंद्र प्रसाद ने देश के पहले एक्वेरियम तारापोरवाला एक्वेरियम का उद्घाटन बंबई (अब मुंबई) में किया था। इसे आठ लाख रुपये की लागत से बनाया गया था। वर्तमान में इसमें 400 से अधिक प्रजातियों की लगभग दो हजार मछलियां हैं।

पिकार्ड और काइफर ने की स्ट्रेटोस्फेयर की पहली यात्रा

1931 में आज ही अगस्ते पिकार्ड और चार्ल्स काइफर पहली बार गुब्बारे से स्ट्रेटोस्फेयर यानी समताप मंडल तक पहुंचे थे। दोनों 17 घंटे में गुब्बारे को 10 मील की ऊंचाई तक ले गए। समुद्र तल से लगभग 10-13 किलोमीटर ऊपर स्ट्रेटोस्फेयर शुरू हो जाता है।

ओवर में छह छक्के लगाने वाले पहले भारतीय रवि शास्त्री

क्रिकेटर रवि शास्त्री का जन्म 1962 में आज ही के दिन बंबई (अब मुंबई) में हुआ था। 1981 में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया। 10 जनवरी, 1985 को प्रथम श्रेणी क्रिकेट का सबसे तेज (113 मिनट में) दोहरा शतक बनाया। वह 1983 में क्रिकेट विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। पहला टेस्ट शतक 1986 में लाइर्स में इंग्लैंड के खिलाफ बनाया था। रवि शास्त्री ने 80 टेस्ट मैचों और 150 वनडे मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। 1992 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया।

पृथ्वी के ध्रुवों का अध्ययन करने को जलवायु उपग्रह लांच

नासा का मिशन ▶ 10 माह के लिए होगा संचालित, पृथ्वी द्वारा अंतरिक्ष में उत्सर्जित होने वाली गर्मी की मात्रा को मापेंगे

माहिया (न्यूजीलैंड), एएनआइ : नासा ने पृथ्वी के ध्रुवों पर गर्मी उत्सर्जन का अध्ययन करने के लिए एक छोटा जलवायु उपग्रह लांच किया है। नासा के अनुसार न्यूजीलैंड के समयानुसार शनिवार शाम 7:41 बजे कक्षा में भेजा गया। नासा के प्रीफायर (फार-इन्फ्रारेड एक्सपेरिमेंट में पोलर रेडियंट एनर्जी मिशन) में दो शूबाक्स-आकार के क्यूब उपग्रह या क्यूबसैट शामिल हैं, जो ग्रह के दो सबसे ठंडे, सबसे दूरस्थ क्षेत्रों से पृथ्वी द्वारा अंतरिक्ष में उत्सर्जित होने वाली गर्मी की मात्रा को मापेंगे। मिशन के डाटा से शोधकर्ताओं को बेहतर अनुमान लगाने में मदद मिलेगी कि गर्म होती दुनिया में पृथ्वी पर मौजूद बर्फ, समुद्र और मौसम कैसे बदलेंगे। मिशन के 10 महीने तक संचालित होने की उम्मीद है।

नासा के पृथ्वी विज्ञान प्रभाग के निदेशक करेन सेंट जर्मेन ने कहा, "नासा का अभिनव प्रीफायर मिशन पृथ्वी प्रणाली की हमारी समझ में एक अंतर को भर देगा - हमारे विज्ञानियों को एक विस्तृत तस्वीर प्रदान करेगा कि पृथ्वी के ध्रुवीय क्षेत्र हमारे ग्रह द्वारा अवशोषित और उत्सर्जित होने वाली ऊर्जा को कैसे प्रभावित करते हैं।" इससे समुद्री बर्फ के नुकसान, बर्फ की चादर के पिघलने और समुद्र के स्तर में वृद्धि की भविष्यवाणी को और सटीकता के साथ किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि मौसम और पानी के बदलावों पर नजर रखने वाले इस उपग्रह के जरिये किसानों और मछुआरों के लिए अहम जानकारी मिल सकती है। ग्राउंड नियंत्रकों ने 8:48 ईस्टर्न डे टाइम (ईडीटी) पर क्यूबसैट के साथ सफलतापूर्वक संचार स्थापित किया। दूसरा प्री फायर क्यूबसैट आने वाले दिनों में लांच काम्प्लेक्स 1 से अपने स्वयं के इलेक्ट्रान राकेट पर रवाना होगा। नासा के अनुसार, 30-दिन की चेकआउट अवधि के बाद इंजीनियर और विज्ञानी यह सुनिश्चित करेंगे कि दोनों क्यूबसैट सामान्य रूप से काम कर रहे हैं,

प्री फायर मिशन के केंद्र में पृथ्वी का ऊर्जा बजट है- सूर्य से आने वाली ऊष्मा ऊर्जा और ग्रह द्वारा दी गई बाहर जाने वाली ऊष्मा के बीच संतुलन। दोनों के बीच का अंतर ही ग्रह का तापमान और जलवायु निर्धारित करता है। उन्होंने कहा कि आर्कटिक और अंटार्कटिका से निकलने वाली गर्मी दूर-अवरक्त विकिरण के रूप में उत्सर्जित होती है, लेकिन इस प्रकार की ऊर्जा का कोई विस्तृत माप नहीं है। इससे समुद्री बर्फ के नुकसान, बर्फ की चादर के पिघलने और समुद्र के स्तर में वृद्धि की भविष्यवाणी में सुधार होगा, जिससे आने वाले वर्षों में हमारे ग्रह की प्रणाली बदल जाएगी, इसकी बेहतर समझ पैदा होगी। उन्होंने कहा कि यह मछली पकड़ने के बेड़े में काम करने वाले किसानों के लिए बदलते समुद्र और तटीय समुदाय लचीलेपन का निर्माण कर रहे हैं।

नासा ने जलवायु परिवर्तन उपग्रह लांच किया। सौजन्य-इंटरनेट मीडिया

क्यूबसैट से जलवायु परिवर्तन से निपटने में मिलेगी मदद

मिशन के प्रत्येक क्यूबसैट में थर्मल इंफ्रारेड स्पेक्ट्रोमीटर नामक एक उपकरण होता है, जो इंफ्रारेड तरंग दैर्ध्य को मापने के लिए विशेष आकार के दर्पण और सेंसर का उपयोग करता है। क्यूबसैट पर फिट होने के लिए उपकरणों को छोटा करने के लिए कुछ हिस्सों को छोटा करना आवश्यक हो गया जबकि अन्य घटकों को बड़ा करना पड़ा। मैडिसन के विस्कान्सिन विश्वविद्यालय के प्रीफायर के प्रमुख अन्वेषक ट्रिस्टन एल'इक्यूयर ने कहा कि हमें पृथ्वी के ध्रुवों से उत्सर्जित होने वाली दूर-अवरक्त तरंग दैर्ध्य का नया माप देगा, जिसका उपयोग हम जलवायु और मौसम माडल में सुधार करने और लोगों को जलवायु परिवर्तन के परिणामों से निपटने में मदद करने के लिए कर सकते हैं। ब्लू कैन्यन टेक्नोलाजीज ने क्यूबसैट का निर्माण किया।

शक्ति की रानी के सम्मान में परेड

बोलीविया की राजधानी ला पाज में शक्ति की रानी, 'लार्ड आफ ग्रेट पावर' के सम्मान में वार्षिक परेड ला मोरेनाडा में स्ट्रीट डांस करता नृत्यांगनाओं का समूह। यह परेड स्वदेशी मान्यताओं और ईसा मसीह को श्रद्धांजलि देने के लिए निकाली जाती है। यह देश के सबसे बड़े और सबसे भव्य धार्मिक समारोह में शुमार है। एपी

इधर-उधर की

ब्रिटिश कोलंबिया में 33 वर्ष बाद मिला खोया हुआ पर्स

1991 में खो गया था निक चौधरी का पर्स। इंटरनेट मीडिया

ओट्टावा, एजेंसी : ब्रिटिश कोलंबिया के एक व्यक्ति को उसका पर्स 33 वर्ष के बाद वापस मिला। वह व्यक्ति पर्स खोने की बात भी भूल चुका था लेकिन जब उसे पर्स मिला तो उसके आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा। निक चौधरी ने बताया कि वे 1991 में कामोक्स मरीन में मछली पकड़ रहे थे। वहीं पर वह पर्स चट्टान पर रख कर भूल गए थे। पर्स में उनका जन्म प्रमाण पत्र, स्टेटस कार्ड व इन्श्योरेंस कार्ड था। 14 वर्ष का लड़का जेमी उसी जगह पर मछली पकड़ रहा था तो उसे एक पर्स मिला।

शौक और शुभ-लाभ के गणित से संकट में आए कछुए

दीप्ति मुले ● नईदुनिया

जबलपुर : लोगों के शौक और शुभ-लाभ के अंधविश्वास में कछुओं का जीवन संकट में पड़ रहा है। अपने फायदे के लिए लोग बाल्टी, टब और एक्वेरियम में कछुए को पाल-पोस रहे हैं। चोरी-छिपे संरक्षित और प्रतिबंधित कछुए घरों में रखे जा रहे हैं। सीमित स्थान और उचित खान-पान नहीं मिलने से कछुओं का दम घुट रहा है। वन विभाग और आदर्श विज्ञान महाविद्यालय के अधिकारियों ने बताया कि जबलपुर में नर्मदा और उसकी सहायक नदियों में कई प्रजाति के कछुए पाए जाते हैं। इन कछुओं की औसत आयु 10 से 80 वर्ष तक होती है। शान और टोटके लिए लोग कछुओं को उनके प्राकृतिक आवास से हटाकर अपने घर में कैद कर रहे हैं। यह वातावरण कछुओं के अनुकूल नहीं है। घर में बंद कछुओं की औसतन पांच से 50 वर्ष में मौत हो जाती है।

आदर्श विज्ञान महाविद्यालय में सहायक प्राध्यापक डा. प्रीति खरे ने बताया कि परंपरागत रूप से कछुए का पूजन होता है, लेकिन अब कछुए के मांस का सेवन हो रहा है। कुछ लोग मांस सेवन के लिए भी कछुए पाल रहे हैं। बांध, बैराज के निर्माण और बढ़ते जलीय प्रदूषण से कछुए का प्राकृतिक आवास असुरक्षित हो गया है। लोगों के शौक से उन पर खतरा और बढ़ गया है। घर में छोटे टब में रखे जाने और उचित देखभाल और भोजन के अभाव में कछुए की अपनी औसत आयु के पहले ही मौत हो रही है। यह चिंता का विषय है।

▶ **विशेषज्ञों का दावा- कछुए की औसत आयु 10 से 80 वर्ष तक होती है, घर में पांच से 50 वर्ष में ही हो जाती है मौत**

आधी आयु में दम तोड़ रहे कछुए। फाइल

कछुए के बारे में...

- विश्व में 260 तरह की प्रजातियां पाई जाती हैं।
- एशिया में 85 प्रकार की प्रजातियां हैं।
- भारत में 28 प्रकार की प्रजातियां पाई जाती हैं।
- जबलपुर में 10-12 तरह के प्रजाति है।
- दुनिया में सबसे अधिक आयु का कछुआ सेंट हेलिना प्रजाति का है, जिसकी उम्र 192 वर्ष है।

वन्य प्राणी अधिनियम में रेडईयर्ड स्लाइडर टर्टल के ही पालन की अनुमति है। कछुए के प्रजातियों की आम लोगों को सामान्य रूप से पहचान नहीं होती है। वे संरक्षित प्रजाति के कछुए भी घर में पाल लेते हैं। किसी भी जीवन को उसके मूल स्थान से अलग करना कानून अपराध की श्रेणी में आता है।

- अनिरुद्ध मजुमदार, वैज्ञानिक वन्य एवं प्राणी एसएफआरआइ

रेत खनन से दो प्रजाति विलुप्ति की कगार पर

प्राणी शास्त्र विशेषज्ञ डा. रीता भंडारी के अनुसार कछुए को भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। इसे सकारात्मक प्रतीक मान कर लोग घरों में रखते हैं। नदी, तालाब और सरोवर में कछुए पानी में आक्सीजन की मात्रा बनाए रखते हैं। मध्य प्रदेश में प्रमुख रूप से कछुए की टेटोरिया प्रजाति मिलती है। अन्य प्रजाति में गारगेनी स्पटूला, इंडियन साफटशेल टर्टल, जंगल क्विल, ओरिएंटन एंड ग्रीन प्लानेट है। कछुए रेत में अंडे देते हैं। नदी में होने वाले अवैध रेत खनन के कारण कछुओं की इंडियन टेंट टर्टल व पेंगासुरुआ टेंटोरिया प्रजाति विलुप होने के कगार पर है।

जबलपुर में कछुओं के विक्रय का मामला सामने आ चुका है। गत वर्ष एक दुकान से विलुप्त प्रजाति के 11 नग कछुए जब्त किए गए थे। ये कछुए नर्मदा में पाए जाते हैं। इनका पालन प्रतिबंधित है। संबंधित दुकान के संचालक पर कानूनी कार्रवाई की गई है।

- अपूर्व शर्मा, रेंज आफिसर, वन विभाग

निम्न मध्यम आय वाले देशों में सफाई से भी बच सकती हैं लाखों जिंदगियां

अनुसंधान

कोरोना महामारी के दौरान लोगों ने साफ सफाई का महत्व समझा। साथ ही यह भी समझा कि बिना डाक्टरी परामर्श के एंटीबायोटिक का परहेज करना चाहिए। अब एक शोध में सामने आया है कि निम्न और मध्यम आय वर्ग वाले देशों में हर वर्ष एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (रोगाणुरोधी प्रतिरोध) से जान गंवाने वाले करीब साढ़े सात लाख लोगों को सिर्फ संक्रमण की रोकथाम के लिए बेहतर कदम उठाकर बचा सकते हैं।

द लैंसेट जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में कहा गया है कि हाथों की बेहतर तरीके से सफाई, अस्पतालों और स्वास्थ्य देखभाल केंद्रों में साफ-सफाई और उपकरणों का स्टरलाइजेशन, स्वच्छ पेयजल आदि संक्रमण की रोकथाम में बेहद कारगर हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि हर साल दुनियाभर में होने वाली हर आठ में से एक मौत का कारण बैक्टीरिया का संक्रमण है। ये एंटीबायोटिक के प्रतिरोधी हो जाते हैं, जिस कारण व्यक्ति पर दवा का असर नहीं होता।

नाइजीरिया स्थित यूनिवर्सिटी आफ इबादान की प्रोफेसर इरुका ओकेके ने कहा कि दुनियाभर में मरीजों को प्रभावी एंटीबायोटिक मुहैया होना जरूरी है। प्रभावी एंटीबायोटिक लंबे अरसे तक आपको ठीक रखने, बीमारी के खतरे को कम करने, स्वास्थ्य देखभाल में होने वाले खर्च सीमित करने और सर्जरी जैसे दूसरे जीवन रक्षक चिकित्सा उपायों को सुलभ बनाते हैं। निष्कर्ष इस बात पर प्रकाश डालते हैं कि कैसे सबसे पहले संक्रमण को रोकने के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यों को एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस से निपटने की रणनीति के रूप में प्राथमिकता दी जाए। (प्रेट्र)

स्क्रीन शाट

इस तरह भैयाजी के लिए मनोज ने छोड़ी आधी फीस

मनोज के साथ पहले भी फिल्में बना चुके हैं विनोद।

हिंदी सिनेमा में अक्सर देखा जाता है कि सितारों की ज्यादा फीस फिल्म निर्माण के स्तर को प्रभावित करती हैं। फिल्म निर्माण का स्तर न प्रभावित हो, फिल्म के फायदे में कुछ हिस्सेदारी लेकर उससे बतौर निर्माता जुड़ जाते हैं। हालिया प्रदर्शित फिल्म भैयाजी से अभिनेता मनोज बाजपेयी भी कुछ ऐसी ही शर्तों पर बतौर निर्माता जुड़े। शुक्रवार को प्रदर्शित इस फिल्म को 1.44 करोड़ रुपये की ओपनिंग मिली थी। वहीं शनिवार तक यह फिल्म 3.45 करोड़ रुपये कमा चुकी है। फिल्म के बारे में दैनिक जागरण से बातचीत में फिल्म के निर्माता विनोद भानुशाली बताते हैं, 'जब हम लोग इस फिल्म पर काम कर रहे थे, तो हमारे दिमाग में उदाहरण के लिए कमल हासन की विक्रम और रजनीकांत की जेलर जैसी फिल्मों के उदाहरण थे। मनोज को भी इस बात पर भरोसा था कि निर्देशक अपूर्व सिंह कार्की ने इस फिल्म को जिस तरह से डिजाइन किया है, वह उसे अच्छी तरह से कर दिखाएंगे। जब हमने पूरी फिल्म की तैयारी कर ली तो देखा कि यह फिल्म मेरी और मनोज की पिछली फिल्म सिर्फ एक बंदा काफी है से महंगी पड़ रही थी। हमने मनोज जी से कहा कि हम इस फिल्म के लिए उतनी फीस नहीं दे सकते हैं, जितना आप दूसरी फिल्मों के लिए लेते हैं। तो आप लगभग आधी फीस छोड़कर फिल्म से बतौर निर्माता जुड़ जाइए।

'पानी' पर बन सकती है वेब सीरीज

कई बार फिल्मों की घोषणा हो जाती है, लेकिन किन्हीं कारणों से बन नहीं पाती है। फिल्ममेकर शेखर कपूर ने भी फिल्म पानी को बनाने की घोषणा साल 2002 में की थी। यह फिल्म पानी की समस्या पर आधारित थी। तमाम अप्रत्याशित रुकावटों के बावजूद शेखर ने 'पानी' बनाने की इच्छा कभी नहीं छोड़ी। अब लंबे इंतजार के बाद उन्हें अपने महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के लिए एक निर्माता मिल गया है। शेखर के मुताबिक उनकी फिल्म व्हाट्स लव गाट टू डू विद इट के बाद हालीवुड में कई लोगों का मानना था कि वह भारत वापस चले गए हैं। हालांकि, पानी के मुद्दे पर उनके शोध में एक कंपनी ने दिलचस्पी दिखाई। उन्होंने कहा कि पानी पर अब एक अंतरराष्ट्रीय फिल्म के रूप में बातचीत चल रही है। उन्होंने हाल ही में समुद्री जल को पीने योग्य बनाने, वेस्ट वाटर ट्रीटमेंट जैसी चीजों को लेकर अबू धाबी के विश्वविद्यालय का दौरा किया था। उन्होंने बताया कि सभी ने पानी में मेरी रुचि के बारे में पढ़ा है। यह अब एक बड़ा विषय है। विश्वविद्यालय ने मुझे पानी के खत्म होने के कारण उनके पास मौजूद सभी तकनीक दिखाने के लिए आमंत्रित किया। साथ ही बताया कि पानी को एक फिल्म के रूप में शूट किया जाना था, लेकिन उनके विजन को दो घंटों में संक्षेप में प्रस्तुत नहीं किया जा सकता था। खासकर जब नई जानकारी लगातार जोड़ी जा रही हो।

इस पर काम कर रहे हैं शेखर कपूर। इंस्टाग्राम (@shekharkapur)

दलजीत की दूसरी शादी पर भी संकट

सच्चा प्यार और जीवनसाथी बड़े भाग्य से मिलते हैं। इस मामले में धारावाहिक इस प्यार को क्या नाम दूं फेम अभिनेत्री दलजीत कौर शायद थोड़ी पीछे रह गई। सिर्फ दस महीने बाद ही अब उनकी दूसरी शादी पर भी संकट दिख रहा है। दलजीत ने पिछले साल व्यवसायी निखिल पटेल से शादी की थी। हालांकि शादी के कुछ महीने बाद ही दोनों के रिश्तों में खटास की खबरें हैं। इन खबरों को फरवरी में और हवा मिली, जब दलजीत ने अपने नाम के आगे से पटेल उपनाम के साथ इंस्टाग्राम से निखिल के साथ शादी की सारी तस्वीरें हटा ली थी। अब दलजीत ने पति पर बेवफाई का आरोप लगाया। उन्होंने हाल ही में इंस्टाग्राम स्टोरी पर पति निखिल द्वारा किसी एसएन नाम की लड़की के पोस्ट पर टिप्पणी साझा की। इसमें निखिल ने लड़की के लिए लिखा कि तुमने मुझे बेहतर बनाया। निखिल की इस टिप्पणी को हाइलाइट करते हुए दलजीत ने लिखा, 'तुम इंटरनेट मीडिया पर अब उसके साथ बेशर्मों की तरह हर दिन सामने आते हो। तुम्हारी पत्नी और बेटा शादी के दस महीने बाद ही (निखिल के घर से) वापस आ गए। पूरा परिवार शर्मिंदगी महसूस कर रहा है। बच्चों के लिए ही सही, कुछ मर्यादा रहती तो अच्छा होता। कम से कम अपनी पत्नी के लिए सार्वजनिक तौर पर थोड़ी इज्जत कर लेते। जैसे मैं अब तक कई सारी बातों को लेकर चुप बैठी थी।'

दलजीत ने निखिल से की थी दूसरी शादी। इंस्टाग्राम (@kaurdalljiet)

मैं सड़क पर उतरकर भी अभिनय कर सकता हूं : अक्षय ओबेराय

सात सवाल

डिजिटल प्लेटफार्म और सिनेमा के बीच की सीमाएं अब धूमिल हो रही हैं। जहां अच्छे मौके हैं, वहां कलाकार काम कर रहे हैं। डिजिटल प्लेटफार्म का बड़ा नाम बन चुके अभिनेता अक्षय ओबेराय को अब सिनेमा में भी अच्छे आफर मिल रहे हैं। फिर भी उन्होंने डिजिटल प्लेटफार्म का साथ नहीं छोड़ा है। पिछले दिनों फाइटर फिल्म में नजर आए अक्षय 29 मई से जियो सिनेमा पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होने वाली वेब सीरीज इल्लीगल 3 में नजर आएंगे। उनसे बातचीत के अंश।

वेब सीरीज इल्लीगल 3 में फिर वकील के रोल में होंगे अक्षय ● टीम अक्षय

● फाइटर फिल्म के बाद करियर में क्या बदलाव आया है?

-अब कमर्शियल फिल्मों और बड़े निर्देशकों के फोन आ रहे हैं, जो पहले नहीं आते थे। पैपराजी घेर लेते हैं। देखिए, इसे फिल्म इंडस्ट्री इसलिए ही कहते हैं कि यहां कला का मतलब कामर्स से है। निर्माता पहले यही सोचेगा ना कि एक्टर तो बड़ा अच्छा है, लेकिन कोई जानता नहीं है। फैन फालोइंग कम है। फाइटर के बाद उन्हें लगा कि इसे और मौका देना चाहिए। मुझे भी अहसास हुआ है कि कमर्शियल सिनेमा से आप जितना दूर भागेंगे, उतना आपके काम पर असर होगा।

● लेकिन आप डिजिटल प्लेटफार्म का बड़ा नाम हैं। आपने उस पर तब काम शुरू किया था, जब दूसरे कलाकार वहां काम करने के बारे में सोच भी नहीं रहे थे...

-हां, मुझे याद है उस वक्त लोग कहा करते थे कि तुम फिल्म के एक्टर हो डिजिटल प्लेटफार्म पर क्यों काम कर रहे हो। लेकिन मुझे माध्यम से कोई फर्क नहीं पड़ता है। कोई मेरा घर नहीं चला रहा है, जो मैं उनकी बात मान लूंगा। आज की तारीख में अगर वेब सीरीज और फिल्मों में काम नहीं मिलेगा, तो मैं सड़क पर उतरकर एक्टिंग कर लूंगा। मुझे एक्टिंग से लगाव है। अभिनय ऐसा क्राफ्ट है, जहां बिना निर्देशक, स्क्रिप्ट और सहकलाकारों के रियाज नहीं किया जा सकता है। डिजिटल प्लेटफार्म रियाज करने की सबसे अच्छी जगह है। अगर मैंने इस पर काम नहीं किया होता, तो मुझे फिल्मों में मौका नहीं मिलता।

● अब कह सकते हैं कि आपको काम मांगने के लिए किसी कैंप या पार्टीज में जाने की जरूरत नहीं है?

-पहले तो मुझे तो कोई निमंत्रण ही नहीं आता था। काफी संघर्ष करने के बाद आज यहां तक पहुंचा हूं। अब जहां से भी निमंत्रण मिलता है, मैं तो जाता हूं। मैं किसी मौके को छोड़ना नहीं चाहता हूं। मैं पहले अंतर्मुखी था। अब मुझे सिर्फ काम करना है। मुझे अहसास हुआ है कि ऐसा करने के लिए मुझे खुद को बदलना होगा।

● उन बदलावों के बारे में बताना चाहेंगे?

-हां, मैं अब इंस्टाग्राम पर बहुत सक्रिय हो गया हूं। पोस्ट ज्यादा करने लग गया हूं। लोगों से मिलने-जुलने लगा हूं, पार्टियों में जाने लगा हूं। मेरी कमजोरी थी कि मुझे यह चीजें नहीं आतीं थीं। अब मुझे फिल्म इंडस्ट्री समझ में आ गई है। अपने अंहकार को बगल में रख दिया है और जो भी निर्देशक मुझे अच्छा लगता है, उससे भीख मांगता हूं कि एक रोल दे दो, चाहे वह दो मिनट का ही हो।

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी फिल्म में भी आपके होने की खबरें हैं। अब फिल्मों में सोच समझकर कदम रखना आपके लिए कितना मायने रखता है?

हां, मैं इस बात की पुष्टि करता हूं कि मैं करण जौहर की इस फिल्म में हूं। करियर के इस पड़ाव पर फिल्मों के चयन को लेकर सतर्क रहना मेरे लिए महत्वपूर्ण है। मेरा लक्ष्य ऐसी भूमिकाएं निभाना है, जो न केवल मुझे एक अभिनेता के रूप में चुनौती दें, बल्कि दर्शकों को भी प्रभावित करें और फिल्म इंडस्ट्री में सार्थक योगदान दें। प्रतिभाशाली निर्देशकों के साथ काम करना और अच्छी कहानियों का हिस्सा बनना मेरे लिए प्राथमिकता है।

● कई बार लगता नहीं है कि किसी से काम के लिए इतना कहना भी गलत जा सकता है?

-नहीं, देखिए जब मैं कहता हूं कि भीख मांगने के लिए तैयार हूं, तो वह केवल काम के लिए। किसी और चीज के लिए नहीं। ऐसा कहने का मेरा मतलब यह है कि अगर मुझे एकाध सीन भी मिल जाएगा, तो मुझे पता है कि मैं उसमें खेल जाऊंगा और लोग कहेंगे कि वह यादगार सीन था।

● क्या कोई ऐसा काम किया है, जिसके बाद लगा हो कि ऐसा काम दोबारा नहीं करूंगा?

-हां, गुस्सा नहीं करना चाहूंगा। वैसे मुझे जल्दी गुस्सा नहीं आता है। एकाध बार आया है, जो बहुत बुरा था। पिछले दस वर्षों से, जो मेरे स्पाट ब्वाय हैं, हाल ही में उन्होंने एक-दो चीजें गड़बड़ की थीं, तब मैंने उन्हें डांट दिया था। थोड़ी देर बाद ही मुझे इतना बुरा लगा कि उन्हें गले लगाया और माफी मांगी। मुझे किसी पर गुस्सा करना, चीखना-चिल्लाना पसंद नहीं है।

(प्रियंका सिंह)

सपनों से स्वयं को आगे मानते हैं अभिषेक बजाज

अपने लिए बेहतर मौके देख रहे हैं अभिषेक। इस्टाग्राम (@humarabajaj24)

समय और मुकाम के साथ अक्सर इंसान के सपने भी बदलते रहते हैं। एक सपना पूरा होने के बाद मन में दूसरा सपना तैयार हो जाता है और आंखों के सामने घूमने लगता है। स्टूडेंट आफ द ईयर 2 तथा बबली बाउंसर फिल्मों के अभिनेता अभिषेक बजाज का सपना कभी सिर्फ स्वयं को टीवी स्क्रीन पर देखना हुआ करता था। इस सपने को पूरा करने बाद अब उनकी नजरें फिल्म और डिजिटल प्लेटफार्म की बेहतरीन तथा नई भूमिकाओं पर है। इसी क्रम में वह अमेजन मिनी टीवी पर हालिया प्रदर्शित वेब सीरीज नामाकूल में चक्कू भैया की भूमिका में नजर आएंगे। दैनिक जागरण से बातचीत में अभिषेक कहते हैं, 'दरअसल मुझे तो एक्टर बनना ही नहीं था। मुझे सीबीआई अधिकारी बनना था। मैं यहां (मुंबई) मौसी के यहां आया था। यहीं किस्मत से मुझे एक विज्ञापन फिल्म के लिए आडिशन का मौका मिल गया। उस समय मन में सिर्फ इतना था कि मैं टीवी में आउंगा। मैंने आडिशन दिया और उसमें चुना गया। छह महीनों के अंदर मैंने 18 टीवी विज्ञापनों में काम किया। वहीं से मेरे लिए अभिनय का सफर शुरू हुआ। उसके बाद मैं सेट पर सीखता रहा। टीवी पर आने का मेरे जो सपना था, वो तो तभी पूरा हो गया था। बाकी मैं जो भी कर रहा हूं वह मेरे लिए मेरे सपनों से आगे का काम है।

आमिर खान के बेटे हैं जुनैद ● @khan.ira (इंस्टाग्राम)

जून में रिलीज होगी जुनैद की फिल्म महाराज

इन दिनों कई सितारों के बच्चे सिनेमा के बजाए डिजिटल प्लेटफार्म पर डेब्यू कर रहे हैं। इनमें शाह रुख खान की बेटी सुहाना खान और बोनी कपूर की बेटी खुशी कपूर के बाद अब अभिनेता आमिर खान के बेटे जुनैद भी डिजिटल प्लेटफार्म से पदार्पण कर रहे हैं। उनकी यशराज फिल्म्स (वाईआरएफ) बैनर तले बनी फिल्म महाराज की शूटिंग पिछले साल अक्टूबर में पूरी हो गई थी। अब रिलीज को लेकर सूत्रों का दावा है कि यह फिल्म 14 जून को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। वाईआरएफ के मुखिया आदित्य चोपड़ा नेटफ्लिक्स के साथ मिलकर आगामी 14 जून को फिल्म को डिजिटल रूप से लांच करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। महाराज के लिए एक शानदार मार्केटिंग अभियान तैयार किया गया है। सूत्र ने आगे बताया कि महाराज का ट्रेलर पांच जून के आसपास रिलीज होगा। महाराज का निर्देशन सिद्धार्थ पी मल्होत्रा ने किया है। महाराज में जुनैद के साथ शरवरी वाघ, जयदीप अहलावत और शालिनी पांडे मुख्य भूमिकाओं में हैं। रोमांटिक्स और द रेलवे मैन के बाद महाराज यशराज फिल्म्स का डिजिटल प्लेटफार्म पर रिलीज होने वाला तीसरा प्रोजेक्ट होगा। वैसे इस फिल्म के रिलीज होने से पहले ही जुनैद अपनी दूसरी फिल्म लव टुडे की तैयारी शुरू कर चुके हैं। इस फिल्म के निर्माता उनके पिता आमिर खान हैं। यह साल 2022 में इसी नाम से आई तमिल फिल्म की हिंदी रीमेक है।

****